कुलपति की कलम से

सर्वविदित है कि सत्र 2020-21 सम्पूर्ण विश्व के लिए अत्यन्त भीषणकारी समस्या के साथ आरम्भ हुआ और उस समस्या का नामकरण किया गया – COVID-19। यह एक विनाशकारी वायरस के रूप में उत्पन्न हुआ और मानवमात्र के जीवन के लिए नया संकट और नई चुनौति को लेकर आया और सम्प्रत्यावत् बना हुआ है। आज सम्पूर्ण विश्व की शक्तियॉ इस अदृश्य वायरस की पीड़ा से जूझ रही है। इसके विकराल प्रभाव से मानव जन-धन की अपूरणीय क्षति हुई है। इस वायरस के कारण मानव जीवन क्रम की वर्तमान शैली में व्यापक परिवर्तन हुआ। कुछ कालखण्डों के लिए इस अदृश्य वायरस के सामने विश्व की समस्त शक्तियॉ नतमस्तक होकर रह गयी। किन्तु किंचित् कालान्तर में ही मनुष्य अपने-अपने कार्यों में विज्ञान और तकनीकी के माध्यम से पुन: उठ खड़ा हुआ और ऑनलाइन के माध्यम से लगातार अपने कार्यों को पूर्ण करने के लिए संघर्ष करने लगा। Covid-19 वायरस के प्रभाव से अप्रैल-मई 2020 के पश्चात् सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन हो जाने से समस्त क्रियाकलापों पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ा। फलस्वरूप दो से तीन मास पर्यन्त समस्त गतिविधियॉ भौतिक रूप से बिल्कुल ठप हो गयी। इस विषम परिस्थिति में भी हमने हार नहीं माना और ऑनलाइन के माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्यों को सम्पादित करते रहें। इसी बीच विश्वविद्यालय द्वारा कई वेबिनारों के सफलतापूर्वक आयोजन किए गए। शनै: शनै: वायरस का प्रभाव जब कुछ कम होने लगा तो हमने अपनी गतिविधियाँ पुन: संचालित कर दी। आदरणीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में – ''आपदा में भी अवसर निकालने की स्थिति'' की दिशा में विश्वविद्यालय भी लगातार प्रयत्नशील रहा। Covid-19 के कालखण्ड में 'दूरस्थ शिक्षा' और ऑनलाइन माध्यम समस्त विश्वविद्यालयों के लिए वरदान साबित हुआ। जिसने कभी भी अपने जीवन में 'ऑनलाइन शिक्षा' की कल्पना भी नहीं की थी वह भी इसका उपयोग करने के लिए बाध्य हुआ। आज लगभग सभी शिक्षण केन्द्र 'ऑनलाइन शिक्षा' की महत्ता को समझ चुके हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा में आरम्भ से ही 'ऑनलाइन शिक्षा' का प्रावधान होने से विश्वविद्यालय को बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं होना पड़ा और विश्वविद्यालय परिवार के समस्त जन इस कालखण्ड में कार्यों में जुटे रहें। सत्र 2020-21 में विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या लगभग 1 लाख के समीप पहुँचना हम सबके लिए निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला और उत्तरोत्तर अभिवृद्धि का सूचक है।

मैं प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में दिनानुदिन नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मैं इसके लिये सभी अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिनके निरन्तर सहयोग से विश्वविद्यालय का सर्वतोन्मुखी विकास सम्भव हो सका है। इस वार्षिक प्रतिवेदन (2020-21) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मापदण्ड के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसके लिये वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्य विशेष रूप से बधाई के पात्र है।

प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

आमुख (Preface)

राष्ट्र की अभिवृद्धि में उच्च शिक्षा का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। शिक्षा का आदान-प्रदान सतत् होना चाहिये, तभी उत्तरोत्तर व्यक्ति और समाज का विकास हो पाता है। किन्तु कालखण्ड के दुष्प्रभाव से वर्ष 2020-21 विश्वविद्यालयों के लिए ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए विकट समस्या के साथ चुनौतिपूर्ण भरा रहा है क्योंकि मार्च से देश में COVID-19 नामक वायरस के दुष्प्रभाव से समस्त कार्य सम्पादन में बाधायें उत्पन्न होने लगी। मनुष्य को अपना भौतिक जीवन बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पूरे देश में लॉकडाउन लग गया। फलस्वरूप भौतिक रूप से समस्त क्रियाकलाप सम्पादित नहीं किया जा सकता था। तथापि आधुनिक तकनीकी के माध्यम से हम सभी ने एक नया अध्याय लिखने का प्रयास किया और नये अध्याय का सबसे सशक्त माध्यम बना – ''ऑनलाइन शिक्षा।''

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आरम्भ से ही ऑनलाइन शिक्षण पद्धति की परम्परा रही है। अत: विश्वविद्यालय के लिए अत्यधिक विषम परिस्थिति उत्पन्न नहीं हुई। यहॉ के छात्र और शिक्षक लगातार इस भीषण विभीषिका में भी अपने -अपने कार्यों को ऑनलाइन के माध्यम से लगातार सम्पादित करते रहें।

वर्ष 2020-21 में छात्रों की संख्या में भी अभिवृद्धि हुई है। सम्प्रति छात्र संख्या लगभग एक लाख के समीप पहुँच गयी है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित हुए - अधिसंरचना वृद्धि से लेकर शिक्षकों एवं कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि हुई। हमारा प्रयास निरन्तर विश्वविद्यालय को उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर ले जाने का रहा है और इसके लिए हम सब दृढ़ संकल्पित भी है। यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि विश्वविद्यालय में NAAC की भी प्रक्रिया भी निकट भविष्य में होने जा रहा है जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय को आगे बढ़ने में ओर बल मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय द्वारा यह छठीं वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Report) NAAC के मानकों के अनुरूप ही तैयार किया जा रहा है। अत: इसके लिए मैं समस्त सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ

प्रोफेसर एच. एस. नयाल

कुलसचिव

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

की स्थापना को 16 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 16 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 125 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में लगभग 100 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन, पर्यटन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं। प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2020 से लेकर मार्च 2021 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है। सत्र 2020-2021 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं। इस सत्र में माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी के नेतृत्व में होने वाले कार्यपरिषद् और विद्यापरिषद् का मुख्य प्रतिवेदन इस प्रकार है: -

दिनांक 16 सितम्बर, 2020 (बुधवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रात: 11.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 28वीं बैठक का कार्यवृत्त।

प्रस्ताव संख्या 28.01- कार्य परिषद की 27वीं बैठक दिनांक 12.02.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कार्य परिषद की 27वीं बैठक दिनांक 12.02.2020 के कार्यवृत्त को सभी सदस्यगणों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित किया गया था कि यदि कोई संशोधन हो तो कृपया अवगत कराने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में परिषद के किसी भी सदस्य द्वारा कोई संशोधन प्राप्त न होने की जानकारी सदस्य सचिव द्वारा परिषद को दी गयी, जिस पर परिषद द्वारा कार्यवृत्त की पुष्टि पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया ।

प्रस्ताव संख्या 28.02- कार्य परिषद की 27वीं बैठक दिनांक 12.02.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्य परिषद की 27वीं बैठक दिनांक 12.02.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही पर प्रत्येक प्रस्ताव के संबंध में कुलसचिव द्वारा सभी सदस्यों को विस्तार से जानकारी दी गयी तथा यह भी अवगत कराया गया कि कृत कार्यवाही के प्रस्ताव संख्या-27.04 एवं 27.13 पर पुन: समीक्षा की जानी प्रस्तावित है, इन प्रस्तावों पर कार्य परिषद की 27वीं बैठक दिनांक 12.02.2020 में निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया था:-

"प्रस्ताव संख्या 27.04- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु अन्य उपाय संबंधी विनियम, 2018) दिनांक 18 जुलाई, 2018 के अन्तर्गत शैक्षिक पदों हेतु साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों के चयन संबंधी मानदंड के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर कार्य परिषद द्वारा विस्तार से विचार-विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि- किसी भी विषय/श्रेणी में अधिक आवेदन-पत्र प्राप्त होने की दशा में आवश्यकता होने पर एक Screening Test आयोजित कराया जा सकता है। Screening Test के लिए 100 अंकों का एक वस्तुनिष्ठ (objective) प्रश्न-पत्र होगा जिसमें 70 प्रश्न संबंधित विषय से एवं 30 प्रश्न समसामयिकी/शिक्षण योग्यता (Teaching Aptitude)/दूरस्थ शिक्षा (ODL)/ से संबंधित होंगे।"

उक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए कार्य परिषद द्वारा मत व्यक्त किया गया कि वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में कोविड-19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण लिखित परीक्षा सम्पन्न कराया जाना संभव नहीं है। अतएव इस वर्ष सहायक प्राध्यापक के चयन हेतु लिखित परीक्षा आयोजित न की जाय। प्रस्ताव पर परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया कि अन्य विश्वविद्यालयों की भांति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में भी लिखित परीक्षा के स्थान पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम-2018 के तहत अर्हता पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाय। प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा सुझाव दिया गया कि उक्त प्रस्ताव से उत्तराखण्ड शासन व माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपतिजी को भी अवगत कराया जाय। कार्य परिषद द्वारा प्रोफेसर राव के सुझाव पर सहमति व्यक्त की गयी।

"प्रस्ताव संख्या 27.13- शासन द्वारा विश्वविद्यालय हेतु सृजित एवं रिक्त शिक्षणेत्तर (समूह ग) पदों पर विश्वविद्यालय में पूर्व से कार्यरत कार्मिकों को सीमित विभागीय लिखित परीक्षा के आधार पर नियुक्त किये जाने पर विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में पूर्व से कतिपय तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिक शासन द्वारा सृजित आउटसोर्स के पदों पर कार्यरत हैं जिनकी लगभग 10 वर्ष की सेवा पूर्ण हो चुकी है। दीर्घकालीन सेवा पूर्ण होने के उपरान्त भी तकनीकी कारणों से इन्हें नियमित नहीं किया जा सका है। शासन द्वारा विश्वविद्यालय हेतु सृजित शिक्षणेत्तर (समूह ग) पदों में से कुछ पद वर्तमान में रिक्त हैं जिन पर इन कार्मिकों को नियुक्त किये जाने हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गयी तदुपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया कि वर्तमान में कार्यरत उक्त कार्मिकों की नियुक्ति हेतु एक समिति का गठन कर कार्मिकों व विश्वविद्यालय हित में एक नियमावली बना ली जाय तथा संबंधित कार्मिकों की विश्वविद्यालय स्तर पर एक आन्तरिक परीक्षा जिसमें कौशल विकास (Skill Test) आदि सम्मिलित हो, के माध्यम से नियुक्त किया जा सकता है। नियमावली बनाने के लिए समिति के गठन हेतु कार्य परिषद द्वारा कुलपति को अधिकृत किया गया।"

उक्त प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय हेतु शासन द्वारा सृजित आउटसोर्स के पदों पर पूर्व से बाह्य सेवा प्रदाता संस्था उपनल के माध्यम से नियोजित कार्मिकों के संबंध में कार्यवाही शासन स्तर पर लम्बित है। शासन से कोई दिशा-निर्देश प्राप्त न होने के कारण कोई कार्यवाही नहीं की जा सकी है। कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से मत व्यक्त किया गया कि शासन को पुन: इस प्रकरण पर विचार हेतु प्रत्र प्रेषित किया जाय तदनुसार ही अग्रिम कार्यवाही की जा सकती है।

उक्त के अतिरिक्त शेष कार्यवाही विवरण से कार्य परिषद अवगत हुई तथा कृत कार्यवाही पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.03- विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 25(13)'अ' 'चयन के लिए अंकों का निर्धारण' प्रस्ताव पर श्री राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय से प्राप्त स्वीकृति की सूचना।

विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 25(13)'अ' 'चयन के लिए अंकों का निर्धारण' प्रस्ताव पर श्री राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय से प्राप्त स्वीकृति के क्रम में विश्वविद्यालय परिनियमावली में यथास्थान उक्त परिनियम को प्रतिस्थापित कर लिया गया है, से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 28.04- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-354, दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ माध्यमों से शिक्षा प्राप्ति) विनियम, 2017 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (ऑनलाइन पाठ्यक्रम अथवा कार्यक्रम) विनियम, 2018 के संबंध में यू0जी0सी0 द्वारा अधिसूचना संख्या-354, दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को अधिसूचित किया गया है जिसे विश्वविद्यालय में भी अंगीकृत किया जाना है।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-354 दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को विश्वविद्यालय में यथावत अंगीकृत किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.05- अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न कराये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं एम0एच0आर0डी0 के दिशा-निर्देशों को अंगीकृत किये जाने व अन्य शिक्षार्थियों की परीक्षा प्रणाली के संबंध में विचार।

प्रस्ताव से कुलसचिव द्वारा परिषद अवगत कराया गया कि वर्तमान में सम्पूर्ण देश में कोविड-19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने D.O.No.F.1-1/2020(Secy), दिनांक 08 जुलाई, 2020 एवं एम0एच0आर0डी0 द्वारा Office Memorandum, दिनांक 06 जुलाई, 2020 के माध्यम से विश्वविद्यालयों हेतु अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं दिनांक 30 सितम्बर, 2020 तक सम्पन्न कराये जाने हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

उक्तानुसार कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं एम0एच0आर0डी0 द्वारा अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं कराये जाने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों को अंगीकृत किये जाने पर अनुमोदन प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत प्रथम एवं द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर के विद्यार्थियों को आगामी वर्ष/ सेमेस्टर में प्रोन्नत किये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय परीक्षा समिति को नियमावली निर्मित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.06- श्री अनिल कण्डारी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक को पूर्व सेवाओं का लाभ देते हुए वेतन संरक्षण आदि पर विचार।

श्री अनिल कण्डारी द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में की गयी पूर्व सेवाओं की गणना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में करने तथा पूर्व सेवाओं को जोड़ते हुए वेतन संरक्षण तथा अन्य सेवा लाभ प्रदान करने व अन्य संबंधित प्रकरण निस्तारित किये जाने हेतु एक समिति का गठन किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया

जिसमें कुलसचिव, वित्त नियंत्रक एवं उच्च शिक्षा निदेशक के प्रतिनिधि के तौर पर एक सदस्य भी सम्मिलित हो। समिति के गठन हेतु कुलपतिजी को अधिकृत किया गया तथा समिति की संस्तुतियां विश्वविद्यालय वित्त समिति में प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त आगामी कार्य परिषद में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.07- सहायक क्षेत्रीय निदेशकों (08) के एक वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के फलस्वरूप परिवीक्षावधि समाप्त किये के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय हेतु सृजित सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों हेतु सम्पन्न लिखित परीक्षा, कम्प्यूटर एवं आई0टी0 दक्षता तथा साक्षात्कार के आधार पर चयन समिति की संस्तुतियों को विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02 सितम्बर, 2019 द्वारा अनुमोदित किया गया। तदक्रम में 08 सहायक क्षेत्रीय निदेशकों की विश्वविद्यालय में नियुक्ति की गयी थी जिनकी एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो गयी है।

विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ की नियुक्ति एवं सेवा निबन्धन की शर्तें विश्वविद्यालय के प्रथम अध्यादेश के अध्याय-9 में वर्णित हैं जिसमें व्यवस्था की गयी है कि स्थायी पदों पर नियुक्ति एक वर्ष की परिवीक्षा पर होगी, कर्मचारी का कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर परिवीक्षावधि बढ़ायी जा सकेगी।

उक्त के क्रम में कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि परिवीक्षाधीन कार्मिकों की संबंधित विभागाध्यक्षों से ए0सी0आर0 (वार्षिक चरित्र प्रविष्टीयां) की गोपनीय आख्या प्राप्त हो गयी है, जिसमें इनकी सेवा पूर्णरूप से संतोषजनक होने के कारण परिवीक्षावधि को समाप्त किये जाने की संस्तुति की गयी है।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए 08 सहायक क्षेत्रीय निदेशकों की परिवीक्षाधीन अवधि इस प्रतिबंध के साथ समाप्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी कि संबंधित कार्मिकों का स्थायीकरण शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण के अधीन ही होगा, जिनका विवरण निम्नवत् है:-

क्रम संख्या	नाम	विश्वविद्यालय में योगदान की तिथि	एक वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने की तिथि
1.	श्री बृजेश कुमार बनकोटी	03.09.2019	02.09.2020
2.	श्री अनिल कण्डारी	07.09.2019	06.09.2020
3.	श्री भास्कर चन्द्र जोशी	03.09.2019	02.09.2020
4.	श्रीमती रेखा बिष्ट	03.09.2019	02.09.2020
5.	श्रीमती प्रियंका लोहनी	03.09.2019	02.09.2020
6.	श्री पंकज कुमार	03.09.2019	02.09.2020
7.	श्रीमती रूचि आर्या	03.09.2019	02.09.2020
8.	श्री गोविन्द सिंह	03.09.2019	02.09.2020

प्रस्ताव संख्या 28.08- परिवीक्षाधीन शिक्षणेत्तर कार्मिकों (07) के एक वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के फलस्वरूप परिवीक्षावधि समाप्त किये के संबंध में विचार।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय हेतु शासनादेश संख्या-53/XXIV(6)/2011, दिनांक 02 फरवरी, 2011 द्वारा संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरे जाने हेतु कुल 17 पद सृजित किये गये जिन पर विश्वविद्यालय प्रथम अध्यादेश में वर्णित चयन रीति के अनुरूप चयन प्रक्रिया पूर्ण कर 07 कार्मिकों को संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया।

शासनादेश संख्या-540/XXIV(6)/2019-01(08)/2012, दिनांक 07 अगस्त, 2019 द्वारा उक्त 17 पदों को पूरित किये जाने की प्रकृति संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के स्थान पर सीधी भर्ती/पदोन्नति (नियमित चयन) में परिवर्तित की गयी है। उक्त पदों में पूर्व से नियुक्त 07 संविदा कार्मिकों को प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02 सितम्बर, 2019 में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। कार्य परिषद द्वारा उक्त 17 पदों में से 07 पदों पर पूर्व से नियुक्त संविदा कार्मिकों को 01वर्ष की परिवीक्षावधि के प्रतिबंध के साथ नियमित पदों पर प्रत्यावर्तित कर संबंधित कार्मिकों की नियमित नियुक्ति पर स्वीकृति प्रदान की गयी जिनकी एक वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण हो गयी है।

विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ की नियुक्ति एवं सेवा निबन्धन की शर्तें विश्वविद्यालय के प्रथम अध्यादेश के अध्याय-9 में वर्णित हैं जिसमें व्यवस्था की गयी है कि स्थायी पदों पर नियुक्ति एक वर्ष की परिवीक्षा पर होगी, कर्मचारी का कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर परिवीक्षावधि बढ़ायी जा सकेगी। परिवीक्षाधीन कार्मिकों की संबंधित विभागाध्यक्षों से ए0सी0आर0 (वार्षिक चरित्र प्रविष्टीयां) की गोपनीय आख्या प्राप्त हो गयी है, जिसमें इनकी सेवा संतोषजनक होने के कारण परिवीक्षावधि को समाप्त किये जाने की संस्तुति की गयी है।

उक्तानुसार कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए निम्नांकित 07 कार्मिकों की परिवीक्षाधीन अवधि इस प्रतिबंध के साथ समाप्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी कि संबंधित कार्मिकों का स्थायीकरण शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण के अधीन ही होगा:-

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विश्वविद्यालय में योगदान की तिथि	एक वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने की तिथि
1.	श्री जितेन्द्र कुमार द्विवेदी	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	03.09.2019	02.09.2020
2.	श्री राजेन्द्र नाथ गोस्वामी	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	03.09.2019	02.09.2020
3.	श्री राजेश आर्या	हार्डवेयर इंजीनियर	03.09.2019	02.09.2020
4.	श्री विनीत पौड़ियाल	हार्डवेयर इंजीनियर	03.09.2019	02.09.2020
5.	श्री मोहित रावत	नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	03.09.2019	02.09.2020
6.	श्री परमेन्दर सिंह परिहार	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	03.09.2019	02.09.2020
7.	श्री संजय भट्ट	आशुलिपिक ग्रेड-1	03.09.2019	02.09.2020

प्रस्ताव संख्या 28.09- प्रोफेसर गोविन्द सिंह, प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार के असाधारण अवकाश के उपरान्त विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किये जाने के संबंध में सूचना तथा वेतन संरक्षण के संबंध में कुलपति जी द्वारा लिये गये निर्णय की स्वीकृति पर विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि प्रोफेसर गोविन्द सिंह, प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार का जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में प्राध्यापक पद पर चयन होने के फलस्वरूप कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(5) में वर्णित असाधारण अवकाश की व्यवस्थानुसार दिनांक 09.12.2016 से दिनांक 26.06.2020 तक असाधारण अवकाश एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अन्यत्र चयन होने की दशा में उनके धारणाधिकार के संबंध में कार्य परिषद की 9वीं बैठक दिनांक 04 अक्टूबर, 2013 के क्रम में धारणाधिकार कार्य परिषद की स्वीकृति की प्रत्याशा में स्वीकृत किया गया।

प्रोफेसर गोविन्द सिंह द्वारा जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू से दिनांक 19.06.2020 (अपरान्ह) में कार्यमुक्त होने के उपरान्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 20.06.2020 (पूर्वान्ह) को प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार पद पर पुन: कार्यभार ग्रहण किये जाने की सूचना से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रोफेसर सिंह द्वारा असाधारण अवकाश अवधि की वेतनवृद्वियां (वेतन संरक्षित) प्रदान किये जाने हेतु अनुरोध किया गया है जिस पर मा0 कुलपति जी द्वारा असाधारण अवकाश अवधि की गणना समय-मान में वेतनवृद्वि के लिए गणना किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कुलपति जी ने कार्य परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-छ: परिनियम 32(5) असाधारण छुट्टी के अन्तर्गत निम्न व्यवस्था प्रतिस्थापित की गयी है तद्क्रम में ही प्रोफेसर सिंह को उक्त लाभ दिये जाने की संस्तुति की गयी:-

"अध्यापक जो कोई स्थायी पद धारण करता हो या जो निम्न पद पर स्थायी होने के तीन वर्ष से अधिक अवधि से किसी उच्च पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहा हो, राज्य सरकार की सहमति से, उच्च वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन के लिए स्वीकृत की गयी असाधारण छट्टी की अवधि की गणना समय-मान में अपनी वेतनवृद्धि के लिए गणना किये जाने का हकदार होगा।"

कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त उक्त वर्णित व्यवस्था के आलोक में प्रोफेसर गोविन्द सिंह को असाधारण अवकाश अवधि की वेतनवृद्वियां (वेतन संरक्षित) प्रदान किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रोफेसर गोविन्द सिंह बैठक से अनुपस्थित रहे।

प्रस्ताव संख्या 28.10- विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30 मई, 2020 की संस्तुतियों का अनुमोदन।

विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30 मई, 2020 की संस्तुतियों पर कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.11- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं के कार्यकाल विस्तारण एवं नवीन नियोजन के संबंध में सूचना।

विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं के प्रत्येक छ: माह पर एक दिन के कार्य व्यवधान के उपरान्त पुन: छ: माह के कार्यकाल विस्तारण (दिनांक 02 जुलाई, 2020 से दिनांक 31 दिसम्बर, 2020) तथा वीडियो एडिटर व कैमरामैन के नवीन नियोजन दिनांक 01.03.2020 से दिनांक

31.08.2020 तथा पुन: दिनांक 02.09.2020 से छ: माह की अवधि हेतु कार्य विस्तार के संबंध में सूचना से कार्य परिषद अवगत हुई तथा परिषद द्वारा सर्वसम्मति से संबंधित कार्य विस्तार प्रक्रिया पर स्वीकृति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 28.12- चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनु0-3 के शासनादेश-(1)/XXVVIII-3-2020-04/2008.T.C., दिनांक 04 मई, 2020, उत्तराखण्ड राज्य सरकार के समस्त राजकीय कार्मिकों एवं पेंशनर्स को SGHS (State Government Health Scheme) के अन्तर्गत चिकित्सकीय उपचार संबंधी व्यवस्थाओं को विश्वविद्यालय कार्मिकों हेतु अंगीकृत किये जाने के संबंध में विचार।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनु0-3, देहरादून, दिनांक 04 मई, 2020 द्वारा आयुष्मान भारत/अटल आयुष्मान, उत्तराखण्ड योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के समस्त राजकीय कार्मिकों एवं पेंशनर्स को राज्य SGHS (State Government Health Scheme) के अन्तर्गत चिकित्सकीय उपचार को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधायें सुलभ कराये जाने संबंधी शासनादेश को विश्वविद्यालय कार्मिकों हेतु अंगीकृत किये जाने पर कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए योजना से संबंधित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण करवाये जाने के लिए प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, अकादमिक व स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.13- विश्वविद्यालय की निष्प्रयोज्य विद्युत एवं इलैक्ट्रानिक सामग्री को नष्ट (Dispose Off) किये जाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति गठित किये जाने के संबंध में विचार।

विश्वविद्यालय की निष्प्रयोज्य विद्युत एवं इलैक्ट्रानिक सामग्री को नष्ट (Dispose Off) किये जाने के लिए नियमानुसार प्रक्रिया अपनाने व समिति गठित किये जाने हेतु कार्य परिषद द्वारा कुलपतिजी को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.14- NKN Connectivity एवं Solar Roof Plant को विश्वविद्यालय में स्थापित किये जाने के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा एवं नोडल अधिकारी **NKN Connectivity एवं Solar Roof Plant** द्वारा शासन स्तर पर इस संबंध में हो रही कार्यवाही से कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी दी गयी। परिषद द्वारा तदक्रम में अवगत होते हुए NKN Connectivity एवं Solar Roof Plant को विश्वविद्यालय में स्थापित किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.15-विश्वविद्यालय के आई0सी0टी0 से संबंधित कार्यों के सुचारू संचालन हेतु आवश्यकतानुरूप अत्याधुनिक, उच्च क्षमता के Blade Server की अधिप्राप्ति की अनुमति के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव का कार्य परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा सम्यक विचारोपरान्त वर्तमान आवश्यकतानुरूप विश्वविद्यालय हेतु अत्याधुनिक, उच्च क्षमता का Blade Server उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2017 एवं G.F.R. 2017 में वर्णित प्राविधानों के तहत क्रय किये जाने पर सर्वसम्मति से सहमति देते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.16- वित्तीय वर्ष 2017-18 व 2018-2019 में प्राप्त ऑडिट आपत्तियों से कार्य परिषद को अवगत कराना।

वित्तीय वर्ष 2017-18 व 2018-2019 में प्राप्त ऑडिट आपत्तियों से कार्य परिषद अवगत हुई तथा परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि वित्त नियंत्रक स्तर पर यथासमय ऑडिट आपत्तियों का निराकरण सुनिश्चित कर लिया जाय।

उक्त के अतिरिक्त कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में राजकीय लेखा परीक्षकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 की सम्परीक्षा समाप्त की गयी है । वर्ष 2018-19 में मैमो नं० 05 सब मैमों नं0 01 में वाहनों के उपयोग जिसमें वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, पूर्व कुलसचिव एवं वर्तमान कुलसचिव के नाम वाहन उपयोग संबंधी कटौती का न किया जाना अनियमित एवं आपत्तिजनक है अंकित किया गया है। सरकारी वाहनों की अनुमन्यता एवं उनके रखरखाव आदि के संबंध में नीति निर्धारित उत्तर प्रदेश के शासनादेश दिनांक 19-03-97 एवं 29-05-99 में किया गया है तथा उक्त शासनादेशों को यथासीमा तक उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या 84/XXVII(7)50(06), दिनांक 07 जून, 2017 द्वारा संशोधित किया गया है।

चूंकि विश्वविद्यालय के समस्त वाहन व सम्पत्तियां रजिस्ट्रार/ कुलसचिव के नाम से पंजीकृत होती है, विश्वविद्यालय में सरकारी आवास भी उपलब्ध नहीं है। वाहनों का प्रयोग व्यक्तिगत रूप में नहीं होता है तथा अधिकारियों को किसी प्रकार का वाहन/सवारी भत्ता भी नहीं दिया जाता है। कटौती की राशि एक निश्चित लेखा शीर्षक के तहत कोषागार में जमा करने का उल्लेख किया गया है, जबकि विश्वविद्यालय अपने कार्मिकों को स्वयं वेतन प्रदान करता है। वाहन मद में राज्य सरकार द्वारा कोई भी धनराशि अनुमन्य नहीं की जाती है तथा वाहन विश्वविद्यालय के स्वयं के अर्जित कोष से कार्यालयी कार्यों हेतु क्रय किये जाते हैं एवं विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तराखण्ड है।

उक्त प्रस्ताव से अवगत होते हुए कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त दूरदृष्टि के तहत अधिकारियों के वाहन उपयोग हेतु की जानी वाली कटौती को अस्वीकार करते हुए लेखा परीक्षा ऑडिट, उत्तराखण्ड द्वारा दर्ज आपत्तियों के निस्तारण हेतु वित्त नियंत्रक की अध्यक्षता में आन्तरिक सम्परीक्षा समिति का गठन (जिसमें कुलसचिव भी सम्मिलित हो) के निर्देश दिये गये साथ ही उक्त समिति की संस्तुतियों को लेखा परीक्षा ऑडिट, उत्तराखण्ड, देहरादून को प्रेषित किये पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.17- अधिवक्ता श्री सी0एस0 रावत को अधिवक्ताओं के पैनल में सूचीबद्ध किये जाने संबंधी सूचना।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय प्रथम अध्यादेश के अध्याय-आठ में परामर्शदाताओं, जिन्हें विश्वविद्यालय के दक्षतापूर्वक कार्य करने के लिए आवश्यक समझा जाय, माननीय कुलपति जी द्वारा नियोजित किये जाने का उल्लेख है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के विधिक कार्यों हेतु पूर्व से ही मात्र 01 अधिवक्ता श्री योगेश पाण्डे ही नामित हैं। विश्वविद्यालय के विरूद्ध योजित होने वाले वादों की समयबद्ध पैरवी हेतु अधिवक्ता श्री सी0एस0 रावत को भी विधिक विशेषज्ञों के पैनल में क्रमांक-2 में सूचीबद्ध किया गया है। इस हेतु पारिश्रमिक की दरें विश्वविद्यालय वित्त समिति में संस्तुत दरों के अनुरूप ही निर्धारित की गयी है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव से सहमत होते हुए सर्वम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 28.18- शोध अधिकारी तथा सहायक निदेशक कम्प्यूटर आई0टी0 के पदों हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम एवं चयन रीति में आंशिक संशोधन के संबंध में विचार।

शोध अधिकारी तथा सहायक निदेशक कम्प्यूटर आई0टी0 के पदों हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम एवं चयन रीति में आंशिक संशोधन के संबंध में कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त पूर्व में अनुमोदित प्रक्रिया पर निम्नानुसार संशोधन किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया:-

1. लिखित परीक्षा - 60 अंक
   साक्षात्कार - 20 अंक
   कौशल परीक्षण (Skill Test) - 20 अंक
   कुल 100 अंक
2. साक्षात्कार हेतु प्रवीणता सूची में आमंत्रित अभ्यर्थियों का अनुपात - 01:08
3. लिखित परीक्षा की समयावधि - 02 घंटा

उक्त के अतिरिक्त पूर्व में अनुमोदित अन्य प्रक्रिया यथावत् रहेंगी।

प्रस्ताव संख्या 28.19- विश्वविद्यालय में सृजित 'सिस्टम मैनेजर' पद की पाठ्यक्रम एवं चयन रीति निर्धारण के संबंध में विचार।

विश्वविद्यालय में सृजित 'सिस्टम मैनेजर' पद की पाठ्यक्रम एवं चयन रीति निर्धारण किये जाने हेतु कार्य परिषद द्वारा प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अध्यक्षता में एक समिति के गठन पर अनुमोदन प्रदान करते हुए समिति की संस्तुतियां आगामी कार्य परिषद में प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 28.20- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

प्रस्ताव संख्या 28.20.01- उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में संविदा पर कार्यरत डॉ0 दीपक पालीवाल, संयुक्त निदेशक (व्यवहार विज्ञान) की अकादमी में की जा रही सेवाओं को मूल विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की सेवाओं में गणना किये जाने के संबंध में।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र का डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में संयुक्त निदेशक (व्यवहार विज्ञान) पद पर संविदा के आधार पर चयन होने के उपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(5) में वर्णित असाधारण अवकाश की व्यवस्थानुसार कार्य परिषद के अनुमोदनोपरान्त दिनांक 15 दिसम्बर, 2018 से असाधारण अवकाश पर हैं।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव के पत्रांक- **84/XXX(4)/2019-01(3)/2019,** दिनांक 08 मार्च**, 2019** के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रेषित पत्र में उल्लेख किया गया था कि "**चूंकि डॉ0 दीपक पालीवाल उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय**, **हल्द्वानी में सहायक प्राध्यापक के नियमित पद पर नियमित रूप से कार्यरत हैं तथा यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड सरकार का राज्य विश्वविद्यालय है। अत: डॉ0 दीपक पालीवाल की अकादमी में तैनाती की अवधि की सेवाओं को इनके मूल विभाग उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय**, **हल्द्वानी में सहायक प्राध्यापक के पद पर आंगणित किया जायेगा तथा इन्हें समय-समय पर अनुमन्य होने वाले सेवाकालीन लाभ अनुमन्य होंगे।**"

उक्त प्रकरण को कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02 सितम्बर, 2019 में प्रस्तुत किया गया जिस पर कार्य परिषद द्वारा इस संबंध में विश्वविद्यालय परिनियमावली में स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण प्रकरण पर शासन से भी अनुमति प्राप्त किये जाने की अपेक्षा की गयी थी, जिसके क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा शासन को दिनांक 15.11.2019 के माध्यम से पत्र प्रेषित किया गया था। इस संबंध में प्रभारी सचिव, उच्च शिक्षा के पत्र दिनांक 11 जुलाई, 2020 द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम-2018 के नियम-10 के अंतर्गत एवं कार्मिक विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 08 मार्च, 2019 द्वारा दिये गये निर्देशानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रकरण पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि शासन द्वारा अपने उक्त पत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2018 के नियम 10 के अन्तर्गत अग्रेत्तर कार्यवाही किये जाने का उल्लेख किया गया है, किन्तु नियम 10 कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सीधी भर्ती और प्रोन्नति हेतु पिछली सेवाओं की गणना करने से संबंधित है, जबकि डॉ0 पालीवाल का प्रकरण असाधारण अवकाश अवधि में उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी में की गयी संविदा की सेवाओं की गणना इस विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर आंगणित किये जाने तथा इन्हें समय-समय पर अनुमन्य होने वाले सेवाकालीन लाभ अनुमन्य किये जाने से संबंधित है।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार अवगत होते हुए सम्यक विचारोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-छ: परिनियम 32(5) के अन्तर्गत ही डॉ0 दीपक पालीवाल की सेवाओं को उच्च शिक्षा के पत्र दिनांक 11 जुलाई, 2020 द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम-2018 के नियम-10 के अंतर्गत एवं कार्मिक विभाग के शासनादेश- **84/XXX(4)/2019-01(3)/2019,** दिनांक 08 मार्च, 2019 के क्रम में आंगणित किये जाने पर सहर्ष स्वीकृति व अनुमोदन प्रदान किया गया तथा यह व्यवस्था दी गयी कि भविष्य में इस प्रकार के सभी प्रकरणों पर समान व्यवस्था लागू की जाय।

प्रस्ताव संख्या 28.20.02- विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान भारत सरकार (CSIR) द्वारा परिचालित KAMP (Knowledge and Awareness Mapping Platform) कार्यक्रम को विश्वविद्यालय में क्रियान्वित करने पर विचार-विमर्श।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान भारत सरकार (CSIR) द्वारा परिचालित KAMP (Knowledge and Awareness Mapping Platform) कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं मानविकी विषयों में अध्ययन करने वाले प्रतिभाशाली और गुणवान विद्यार्थियों का नामांकन किये जाने के लिए संबंधित संस्था द्वारा इस हेतु उक्त कार्यक्रम को विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किये जाने का अनुरोध किया गया है। KAMP का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रकृति को पहचानना एवं उसे प्रोत्साहित करना है, जिससे भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा मानविकी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व कर सके।

इस संबंध में KAMP के प्रतिनिधि श्री आशीष मित्तल द्वारा उक्त योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कार्य परिषद के सम्मुख Power Point Presentation के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त मत व्यक्त किया गया कि इस योजना को विश्वविद्यालय में लागू करने से पूर्व एक समिति के माध्यम से भली-भांति इसका परीक्षण कर लिया जाय तथा इस संबंध में प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, अकादमिक की अध्यक्षता में समिति के गठन किये जाने हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया गया।

बैठक के अन्त में कुलपति जी द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय स्थापना से कार्यरत 03 कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय में नियमित नियुक्ति किये जाने के संबंध में एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय स्थापना से कार्यरत कतिपय कार्मिक पूर्व में विनियमितीकरण नियमावली 2013 के अनुसार विनियमित किये जा चुके हैं जिनमें से तकनीकी कारणों से 03 कार्मिकों पर यह प्रक्रिया नहीं अपनायी जा सकी। यह प्रस्ताव पूर्व में कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02.09.2020 में प्रस्तुत किया गया था जिस पर कार्य परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के अधिवक्ता द्वारा दी गयी विधिक राय के आधार पर विनियमितीकरण नियमावली 2013 के अनुसार इन्हें विनियमित किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया। विनियमितीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने से पूर्व विनियमितीकरण नियमावली 2013 पर मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा रोक लगाये जाने संबंधी सूचना प्राप्त होने पर यह प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जा सकी, जो अद्यतन लम्बित है।

इस पर कार्य परिषद द्वारा मत व्यक्त किया गया कि इन कार्मिकों के लिए विश्वविद्यालय हित में विनियमितीकरण नियमावली 2013 के संबंध में मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल में विश्वविद्यालय स्तर से पहल करते हुए एक अपील दायर कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही नियुक्ति की कार्यवाही की जा सकती है।

दिनांक 11 फरवरी, 2021 (बृहस्पतिवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रात: 11.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 29वीं बैठक का कार्यवृत्त।

प्रस्ताव संख्या 29.01- कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16.09.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16.09.2020 का कार्यवृत्त विश्वविद्यालय के पत्र संख्या-यू0ओ0यू0/आर/कार्य0परि0/28/2020/5014, दिनांक **22**.0**9**.2020 द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य इस अनुरोध के साथ परिचालित किया गया था कि यदि कार्यवृत्त के किसी बिन्दु पर असहमति हो, किसी मद में कोई अंश छूट गया हो, अथवा कोई संशोधन अपेक्षित हो तो यथासमय विश्वविद्यालय को अवगत करा दिया जाय। तदनुसार परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। कार्य परिषद द्वारा अवगत होते हुए सर्वसम्मति से 28वीं बैठक दिनांक 16.09.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 29.02- कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16.09.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16.09.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही में सम्मिलित प्रस्ताव संख्या-28.01 से 28.20.02 तक प्रत्येक प्रस्ताव पर हुई कार्यवाही विवरण से कार्य परिषद अवगत हुई तथा कृत कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.03- प्रोफेसर गोविन्द सिंह, प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार के अन्यत्र चयन होने पर देय असाधारण अवकाश एवं धारणाधिकार के संबंध में सूचना।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि प्रोफेसर गोविन्द सिंह**,** प्राध्यापक**,** पत्रकारिता एवं जनसंचार का भारतीय जनसंचार संस्थान**,** नई दिल्ली में प्राध्यापक पद पर चयन होने पर उनके द्वारा असाधारण अवकाश हेतु (धारणाधिकार सहित) आवेदन किया गया। कुलपतिजी द्वारा प्रोफेसर सिंह के आवेदन पत्र पर विश्वविद्यालय परिनियमावली के परिनियम 32(5) तथा धारणाधिकार के संबंध में पूर्व में पारित कार्य परिषद की 9वीं बैठक दिनांक 04 अक्टूबर**,** 2013 के क्रम में विचार करते हुए प्रोफेसर गोविन्द सिंह को दिनांक 01.01.2021 से दिनांक 31.12**.**2021 तक 01 वर्ष का असाधारण अवकाश धारणाधिकार सहित स्वीकृत किया गया। तदक्रम में कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर कुलपतिजी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.04- श्री भूपेन सिंह, सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार को दिनांक 01 नवम्बर, 2020 से दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 तक कुल 02 माह का दीर्घकालीन अवकाश पूर्ण वेतन पर स्वीकृत किये जाने की सूचना।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि श्री भूपेन सिहं**,** सहायक प्राध्यापक**,** पत्रकारिता एवं जनसंचार द्वारा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय**,** नई दिल्ली में पीएच0-डी0 शोध कार्य संबंधी कार्यो को सम्पादित किये जाने के लिए दिनांक 01 नवम्बर**,** 2020 से दिनांक 31 दिसम्बर**,** 2020 तक कुल 02 माह का अध्ययन अवकाश स्वीकृत किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था।

विश्वविद्यालय परिनियमावली में शिक्षकों के लिए अध्ययन अवकाश के संबंध में पृथक से कोई व्यवस्था न होने के कारण मा0 कुलपतिजी द्वारा विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अनुमोदन की प्रत्याशा में परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(4) में दीर्घकालीन छुट्टी के अन्तर्गत वर्णित व्यवस्थानुसार श्री भूपेन सिंह को दिनांक 01 नवम्बर**,** 2020 से दिनांक 31 दिसम्बर**,** 2020 तक कुल 02 माह का दीर्घकालीन अवकाश पूर्ण वेतन पर स्वीकृत किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से कुलपतिजी के निर्णय पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.05- डॉ0 शंशाक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी को पूर्व में स्वीकृत असाधारण अवैतनिक अवकाश की अवधि को आगामी 01 वर्ष के लिए विस्तारित किये जाने के संबंध में सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 शंशाक शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी का जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में सह-प्राध्यापक पद पर चयन होने के फलस्वरूप विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(5) में वर्णित असाधारण अवकाश की व्यवस्थानुसार पूर्व में दिनांक 13.12.2019 से दिनांक 12.12.2020 तक 01 वर्ष का असाधारण अवकाश एवं धारणाधिकार कार्य परिषद द्वारा स्वीकृत किया गया।

डॉ0 शंशाक शुक्ला द्वारा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र दिनांक 22.11.2020 के क्रम में दिनांक 13.12.2020 से 12.12.2021 तक 01 वर्ष की अवधि हेतु मा0 कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त कार्य परिषद की स्वीकृति की प्रत्याशा में डॉ0 शंशाक शुक्ला के असाधारण अवकाश एवं धारणाधिकार को विस्तारित किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर कुलपतिजी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.06- डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र को पूर्व में स्वीकृत असाधारण अवैतनिक अवकाश की अवधि को आगामी 01 वर्ष के लिए विस्तारित किये जाने के संबंध में सूचना।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र का डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में संयुक्त निदेशक (व्यवहार विज्ञान) पद पर सेवा स्थानान्तरण के आधार पर चयन होने के उपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(5) में वर्णित असाधारण अवकाश की व्यवस्थानुसार पूर्व में दिनांक 15.12.2018 से दिनांक 28.02.2019, दिनांक 01.03.2019 से दिनांक 14.12.2019 तथा दिनांक 15.12.2019 से दिनांक 14.12.2020 तक असाधारण (अवैतनिक) अवकाश कार्य परिषद द्वारा स्वीकृत किया गया।

निदेशक, डॉ0 आर0एस0 टोलिया, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा प्रेषित पत्र दिनांक 19 नवम्बर, 2020 के क्रम में दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 से दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 तक 01 वर्ष की अवधि हेतु मा0 कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त कार्य परिषद की स्वीकृति की प्रत्याशा में डॉ0 दीपक पालीवाल के असाधारण अवकाश एवं धारणाधिकार को विस्तारित किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 26.07- डॉ0 देवेश कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत के अन्यत्र चयन होने पर देय असाधारण अवकाश एवं धारणाधिकार के संबंध में सूचना।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 देवेश कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत का इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में सह-प्राध्यापक पद पर चयन होने के फलस्वरूप मा0 कुलपतिजी के अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: परिनियम 32(5) में वर्णित असाधारण अवकाश की व्यवस्थानुसार दिनांक 31.12.2020 से दिनांक 30.12.2021 तक 01 वर्ष का

असाधारण अवकाश एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अन्यत्र चयन होने की दशा में उनके धारणाधिकार के संबंध में कार्य परिषद की 9वीं बैठक दिनांक 04 अक्टूबर, 2013 के क्रम में कार्य परिषद की स्वीकृति की प्रत्याशा में स्वीकृत किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.08- विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 की संस्तुतियों का अनुमोदन।

कार्य परिषद द्वारा विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या- 19.01 से 19.07.01 तक प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन किया गया, तदुपरान्त विद्या परिषद की संस्तुतियों पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.09- विश्वविद्यालय वित्त समिति की 14वीं बैठक दिनांक 06.02.2021 की संस्तुति□यों का अनुमोदन।

विश्वविद्यालय वित्त समिति की 14वीं बैठक दिनांक 06.02.2021 में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या-14.01 से 14.23 (झ) तक प्रत्येक प्रस्ताव पर वित्त नियंत्रक द्वारा कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्य परिषद द्वारा वित्त समिति की संस्तुतियों का अवलोकन कर सम्यक विचारोपरान्त उन प्रस्तावों पर जिन्हें वित्त समिति द्वारा कार्य परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किये जाने की संस्तुति की गयी है, पर निम्नानुसार संस्तुति/संशोधन करते हुए शेष कार्यवृत्त पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया:-

मद संख्या 14.07 एवं 14.08- प्रस्तुत प्रस्तावों में वित्त समिति की संस्तुतियों पर कार्य परिषद द्वारा यथावत् स्वीकृति प्रदान की गयी।

मद संख्या 14.09(2)- सत्रीय कार्य की गुणवत्ता एवं प्रश्नों की न्यूनतम व अधिकतम सीमा निर्धारित किये जाने के लिए नियमावली/निर्देश बनाये जाने हेतु कार्य परिषद द्वारा कुलपतिजी को अधिकृत किया गया।

मद संख्या 14.11- विश्वविद्यालय की चयन समितियों, कार्य परिषद, विद्या परिषद, योजना बोर्ड, अध्ययन बोर्ड आदि इस प्रकार की बैठकों में प्रतिभाग करने वाले बाह्य विशेषज्ञों के सीटिंग चार्ज/मानदेय भुगतान किये जाने पर कार्य परिषद द्वारा निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

- चयन समिति - ` 2500/-
- कार्य परिषद/वित्त समिति/विद्या परिषद/ योजना बोर्ड - ` 3000/-
- परीक्षा समिति/मान्यता बोर्ड/अध्ययन बोर्ड व अन्य - ` 2000/-

मद संख्या 14.18- प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरान्त कार्य परिषद द्वारा मत व्यक्त किया गया कि चूंकि श्री नवीन जोशी बाह्य सेवा प्रदाता के माध्यम से विश्वविद्यालय में नियोजित हैं,

इसलिए इन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अतिरिक्त मानदेय नहीं दिया जा सकता साथ ही यह भी संस्तुति की गयी कि श्री नवीन जोशी से यथावत् उनके पद के अनुरूप कार्य लिया जाय एवं आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय हित में आउटसोर्स के माध्यम से वाहन चालक की नियुक्ति की जाय।

मद संख्या 14.19- विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन एवं अकादमिक भवन में कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक कार्यालय, उपकुलसचिव कक्ष, बैठक कक्ष एवं अन्य कार्यालय व्यवस्था के कक्षों में आंतरिक साज-सज्जा, अनुरक्षण एवं इलैक्ट्रानिक उपकरणों का क्रय किये जाने हेतु वित्त समिति द्वारा ` 50.00 लाख की स्वीकृति की गयी है। कार्य परिषद द्वारा वित्त समिति की संस्तुतियों पर अनुमोदन दिया गया तथा यह व्यवस्था भी दी गयी कि उक्त क्रय हेतु धनराशि की कमी होने पर इसे 50 प्रतिशत तक और बढ़ाया जा सकता है।

मद संख्या 14.23(ख)- प्रस्तुत प्रस्ताव में कार्य परिषद द्वारा वित्त समिति के निर्णय को यथावत् लागू किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद संख्या 14.23(घ)-अध्ययन केन्द्रों को देय अंश के संबंध में पुन: समीक्षा किये जाने हेतु एक नवीन आंकलन समिति (Review Committee) गठित किये जाने हेतु कार्य परिषद द्वारा कुलपतिजी को अधिकृत किया गया। नई समिति की संस्तुतियों पर कार्य परिषद/वित्त समिति से अनुमोदन प्राप्त होने तक पूर्व व्यवस्था यथावत् रखी जाय।

मद संख्या 14.23(च)'कुलपति विवेकाधीन कोष' का नाम परिवर्तित कर **'विश्वविद्यालय कल्याण कोष' (**University Welfare Fund**)** रखे जाने का कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया तथा कोष के संचालन के लिए समिति गठित किये जाने हेतु कुलपतिजी को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.10- कैरियर अभिवर्धन योजना (CAS) के अन्तर्गत पुरानी सेवा को समाहित (जोड़े) जाने के संबंध में गठित समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि कैरियर अभिवर्धन योजना (CAS) के अन्तर्गत पुरानी सेवा जोड़े जाने के संबंध में विश्वविद्यालय में नियुक्त सहायक आचार्यों से प्राप्त प्रत्यावेदनों पर विचार किये जाने एवं नीति निर्धारित किये जाने हेतु मा0 कुलपति जी द्वारा एक समिति का गठन किया गया। समिति द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-271, दिनांक 18 जुलाई, 2018, तदनुसार उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1424/XXIV(4)/2019-01(28)/2016, दिनांक 06 सितम्बर, 2019 के मानकों के अनुरूप सहायक आचार्य -

1. डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डेय, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान 2. डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक आचार्य, होटल

प्रबंधन को ही पुरानी सेवा जोड़े जाने हेतु अर्ह पाया गया।

उक्त समिति द्वारा की गई संस्तुतियों के उपरान्त डॉ0 मंजरी अग्रवाल, डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक आचार्य, प्रबंध अध्ययन एवं डॉ0 कमल देवलाल, सहायक आचार्य, भौतिकी द्वारा पुन: पुरानी सेवा जोड़े जाने हेतु प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, जबकि गठित समिति द्वारा इन्हें विनियम 2018 में उद्धृत शर्तों के आलोक में अर्ह नहीं पाया गया है। प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरान्त कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से गठित समिति की संस्तुतियों पर अनुमोदन देते हुए स्पष्ट किया गया कि उक्त 03 सहायक आचार्यो के प्रकरण पर मुख्य स्थायी अधिवक्ता (CSC) से विधिक राय (Legal Opinion) ले ली जाय, तदक्रम में ही अग्रिम कार्यवाही की जा सकती है। इस दौरान कार्य परिषद के सदस्य डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, कृषि बैठक से अनुपस्थित रहे।

प्रस्ताव संख्या 29.11- कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सहायक अचार्यों को अकादमिक स्तर 10 के स्थान पर अर्हता तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 11 से अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य कराये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव के संबंध में सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 28(1) में कैरियर अभिवर्धन योजना (CAS) हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित पात्रता एवं समयावधि को लागू किये जाने का उल्लेख है। इस व्यवस्था को लागू किये जाने हेतु परिनियम 29(1) में वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति के गठन का भी उल्लेख है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु अन्य उपाय संबंधी विनियम, 2018 जिसे उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1424/XXIV(4)/2019-01(28)/2016, दिनांक 06 सितम्बर, 2019 द्वारा अंगीकृत किया गया है, में वर्णित व्यवस्थानुसार कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सहायक अचार्यों को अकादमिक स्तर 10 के स्थान पर अर्हता तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 11 से अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य कराये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की बैठकें विभिन्न तिथियों में विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुई। समिति की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफों में माननीय कार्य परिषद के सम्मुख खोले जाने हेतु प्रस्तुत किये गये हैं। तदक्रम में कार्य परिषद द्वारा सील बन्द लिफाफे खोले गये तथा अवलोकनोपरान्त विश्वविद्यालय में कार्यरत निम्न सहायक आचार्यो को पात्रता की तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य किये जाने हेतु

गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की संस्तुतियों पर निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया। इस दौरान कार्य परिषद के सदस्य डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, कृषि बैठक से अनुपस्थित रहे:-

वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 अनुमन्य किये गये सहायक आचार्य:-

क्रम संख्या	संवीक्षा समिति की बैठक की तिथि	नाम एवं पदनाम	पात्रता की तिथि जिससे वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 11 अनुमन्य हुआ है
1.	28.01.2021	डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाज कार्य	19.07.2018
2.	23.01.2021	डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक आचार्य, प्रबंध अध्ययन	19.07.2018
3.	07.12.2020	डॉ0 कमल देवलाल, सहायक आचार्य, भौति□की	19.07.2018
4.	28.01.2021	डॉ0 अखिलेश सिंह, सहायक आचार्य, पर्यटन	18.08.2019
5.	09.02.2021	डॉ0 ममता कुमारी, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र	28.11.2018
6.	29.01.2021	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक आचार्य, ज्योतिष	03.12.2020
7.	29.01.2021	डॉ0 सीता, सहायक आचार्य, मनोविज्ञान	07.12.2020
8.	28.01.2021	डॉ0 शालिनी सिंह, सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान	07.12.2020
9.	29.01.2021	डॉ0 शालिनी चौधरी, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र	09.12.2020

वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य किये गये सहायक आचार्य:-

क्रम संख्या	संवीक्षा समिति की बैठक की तिथि	नाम एवं पदनाम	पात्रता की तिथि जिससे वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य हुआ है
1.	23.01.2021	डॉ0 गगन सिंह, सहायक आचार्य, वाणिज्य	10.08.2020
2.	23.01.2021	डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक आचार्य, प्रबंध अध्ययन	10.08.2020
3.	23.01.2021	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी, सहायक आचार्य, वानिकी	10.08.2020
4.	30.01.2021	डॉ0 एम0एम0 जोशी,	10.08.2020

		सहायक आचार्य, इतिहास	
5.	28.01.2021	डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र	10.08.2020
6.	08.02.2021	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, कृषि	10.08.2020
7.	25.01.2021	डॉ0 सूर्यभान सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान	10.08.2020
8.	09.02.2021	डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र	11.08.2020
9.	28.01.2021	डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक आचार्य, होटल प्रबंधन	31.07.2015
10.	27.01.2021	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी, सहायक आचार्य, अंग्रेजी	15.09.2020
11.	29.01.2021	डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डेय, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान	22.08.2015

प्रस्ताव संख्या 29.12- विश्वविद्यालय में नियुक्त 02 सहायक आचार्यों को (चयन ग्रेड/अकादमिक स्तर 12) से सह-प्राध्यापक (अकादमिक स्तर 13-क) में कैरियर अभिवर्धन योजना के प्रस्तर 10.0 के अधीन पुरानी सेवा जोड़े जाने के फलस्वरूप पदोन्नत किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सीधी भर्ती और प्रोन्नति हेतु पिछली सेवाओं की गणना किये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम 2018 के प्रस्तर 10.0 तदनुसार उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1424/XXIV(4)/2019-01(28)/ 2016, दिनांक 06 सितम्बर, 2019 द्वारा अंगीकृत विनियम 2018 में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत सहायक आचार्य को (चयन ग्रेड/अकादमिक स्तर 12) से सह-प्राध्यापक (अकादमिक स्तर 13-क) में प्रोन्नत किये जाने हेतु चयन समिति की बैठक दिनांक 28.01.2021 एवं 29.01.2021 को आहूत की गयी। समिति की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफों में माननीय कार्य परिषद के सम्मुख खोले जाने हेतु प्रस्तुत किये गये हैं। तद्क्रम में कार्य परिषद द्वारा सील बन्द लिफाफे खोले गये तथा विश्वविद्यालय में कार्यरत निम्न 02 सहायक आचार्यों को पात्रता की तिथि से अकादमिक स्तर 13-क में पदनाम सहित प्रोन्नत किये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया। इस दौरान कार्य परिषद के सदस्य डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, कृषि बैठक से अनुपस्थित रहे :-

क्रम सं0	नाम एवं पदनाम	विषय	अकादमिक स्तर 13-क में पदनाम सहित प्रोन्नित की तिथि
1.	डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक आचार्य	होटल प्रबंधन	07.09.2019
2.	डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डेय, सहायक आचार्य	कम्प्यूटर विज्ञान	07.09.2019

प्रस्ताव संख्या 29.13- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं के कार्यकाल विस्तारण के संबंध में सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविदयालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं की नियोजन अवधि के संबंध में कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02.09.2019 में प्रत्येक छ: माह में विभागाध्यक्ष से प्राप्त Performance Appraisal Report के आधार पर एक दिन का ब्रेक देकर अधिकतम 02 वर्ष तक कार्य विस्तार दिये जाने तथा 02 वर्ष के उपरान्त परीक्षण समिति (Screening Committee)/साक्षात्कार (Interview) के माध्यम से कार्य विस्तार दिये जाने का अनुमोदन दिया गया।

वर्तमान में अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं की छ: माह की सेवा विस्तारीकरण अवधि दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 को पूर्ण होने के फलस्वरूप संबंधित विभागाध्यक्षों से प्राप्त Performance Appraisal Report के आधार पर एक दिन के सेवा व्यवधान के साथ **दिनांक 02 जनवरी, 2021 से दिनांक 30 जून, 2021** तक (छ: माह) सेवा विस्तारित की गयी है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.14-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के आधार पर विश्वविद्यालय में नियोजित नियमित महिला कार्मिकों को बाल्य देखभाल अवकाश (Child Care Leave) अनुमन्य किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव का कार्य परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा विश्वविद्यालय में नियुक्त नियमित महिला कार्मिकों को बाल्य देखभाल अवकाश (Child Care Leave) के संबंध में उच्च शिक्षा अनुभाग-7, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-418/XXIV(7)45(4)/2011, दिनांक 06 मई, 2012 एवं कार्यालय ज्ञाप संख्या-11/XXVII(7)34/2011, दिनांक 30 मई, 2011 में वर्णित व्यवस्थानुसार बाल्य देखभाल अवकाश अनुमन्य किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया तथा भविष्य हेतु यह व्यवस्था दी गयी कि राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य अवकाश जो विश्वविद्यालय कार्मिकों से संबंधित हों, को यथावत् लागू किया जाय।

प्रस्ताव संख्या 29.15- विश्वविद्यालय में सृजित विभिन्न संवर्ग के पदों पर स्टाफिंग पैटर्न (Staffing Pattern) लागू किये जाने के संबंध में विचार।

विश्वविद्यालय द्वारा मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के पदों पर अवधारित स्टाफिंग पैटर्न का कार्य परिषद द्वारा अवलोकन किया गया तथा संस्तुति की गयी कि शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सभी संवर्गों में उत्तराखण्ड शासन, कार्मिक अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-90/XXX(2)/2016-30(51)15, दिनांक 26 जुलाई, 2016 के अन्तर्गत स्टाफिंग पैटर्न अवधारित किये जाने हेतु एक समिति गठित कर ली जाय, जिस हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.16- शासन द्वारा विश्वविद्यालय हेतु सृजित शिक्षणेत्तर पदों पर उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-124/XXX(2)/2020-53(01)/2001, **दिनांक 22.05.2020 के अनुसार आरक्षण रोस्टर अवधारित किये जाने के संबंध में विचार-विमर्श।**

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय हेतु सृजित शिक्षणेत्तर पदों पर पूर्व में शासनादेश संख्या-276/XXX(2)/2019-53(01)/2001, दिनांक 11 सितम्बर, 2019 आरक्षण नियमावली के अनुसार रोस्टर अवधारित किया गया था। उत्तराखण्ड शासन द्वारा शासनादेश संख्या-**124/ XXX(2)/2020-53(01)/2001,** दिनांक 22.05.2020 के माध्यम से नवीन रोस्टर अवधारित किये जाने हेतु शासनादेश निर्गत किया गया । तद्क्रम में उक्त शासनादेश के अनुसार शिक्षणेत्तर पदों पर रोस्टर अवधारित किये जाने हेतु कुलपतिजी द्वारा एक समिति का गठन किया गया है**,** जिसकी बैठक आहुत की जानी प्रस्तावित है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से गठित समिति की संस्तुतियों को अनुमोदित करने का अधिकार कुलपतिजी को देते हुए तदनुसार कार्यवाही किये जाने हेतु अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.17- विश्वविद्यालय में सृजित समूह 'ग' के पदों को सीधी भर्ती से भरे जाने हेतु नीति निर्धारित किये जाने के संबंध में विचार-विमर्श।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में सृजित समूह 'ग' के पदों को सीधी भर्ती से भरे जाने हेतु विज्ञापन किया जाना प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय में लगभग 10-11 वर्षो से कतिपय कार्मिक बाह्य सेवा प्रदाता संस्था उपनल के माध्यम से कार्य कर रहे है जो वर्तमान में शासन द्वारा निर्धारित आयु सीमा को पूर्ण कर चुके हैं। ऐसे कार्मिकों को आयु सीमा एवं प्रतिवर्ष के अनुसार अधिमान (weightage) दिये जाने एवं लिखित परीक्षा व कौशल परीक्षण के संबंध में विचार-विमर्श/सुझाव हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्ताव पर कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व से कार्यरत कार्मिकों को अधिमान दिये जाने एवं अन्य पहलुओं की जांच हेतु एक समिति के माध्यम से नियमावली निर्मित कर ली जाय। समिति गठित किये जाने हेतु कुलपतिजी को अधिकृत करते हुए समिति की संस्तुतियों को आगामी कार्य परिषद की बैठक में प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 29.18- आचार्य, सह- आचार्य एवं सहायक आचार्य पदों हेतु विभिन्न ति□थियों में सम्पन्न साक्षात्कार के आधार पर चयन समितियों की संस्तुतियों पर अनुमोदन।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में आचार्य-08, सह-आचार्य-10 एवं सहायक आचार्य के 19 कुल 37 पद विज्ञापित किये गये। विज्ञापित पदों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु अन्य उपाय संबंधी विनियम, 2018 जिसे उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1424/XXIV(4)/2019-

01(28)/2016, दिनांक 06 सितम्बर, 2019 द्वारा अंगीकृत किया गया है, तदक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा भी उक्त विनियम को कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02 सितम्बर, 2019 के माध्यम से यथावत अंगीकृत किया गया है, में वर्णित व्यवस्थानुसार चयन प्रक्रिया अपनायी गयी है। तदक्रम में विश्वविद्यालय में विभिन्न तिथियों में साक्षात्कार सम्पन्न हुए चयन समितियों की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफे में माननीय कार्य परिषद के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत है।

उक्तानुसार कार्य परिषद द्वारा चयन समिति द्वारा की गयी संस्तुतियों का अवलोकन किया गया तथा सर्वसम्मति से चयन समिति की संस्तुति के आलोक में श्रेष्ठताक्रम में उनके नाम के सम्मुख अंकित विषय में चयनित अभ्यर्थी के चयन पर परिषद द्वारा निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

क्रम सं0	**विषय**	**पदनाम**	**श्रेणी**	**चयनित अभ्यर्थी का नाम**
1.	शिक्षाशास्त्र	आचार्य	अनुसूचित जाति	कोई उपयुक्त नहीं पाया गया।
2.	शिक्षाशास्त्र	आचार्य	अनारक्षित	कोई उपयुक्त नहीं पाया गया।
3.	समाजशास्त्र	आचार्य	अनुसूचित जाति	डॉ0 रेनू प्रकाश
4.	विधि	आचार्य	अनुसूचित जाति	डॉ0 अखिलेख कुमार नवीन
5.	भूगर्भ विज्ञान	आचार्य	अनारक्षित	डॉ0 पीताम्बर दत्त पंत
6.	शिक्षाशास्त्र	सह-आचार्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	डॉ0 डिगर सिंह
7.	इतिहास	सह-आचार्य	अनारक्षित	डॉ0 मदन मोहन जोशी
8.	वाणिज्य	सह-आचार्य	अनारक्षित	डॉ0 गगन सिंह
9.	हिन्दी	सह-आचार्य	अनारक्षित	कोई उपयुक्त नहीं पाया गया।
10.	गणित	सह-आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 अरविन्द भट्ट 2. डॉ0 संजय कुमार (प्रतीक्षा सूची)
11.	जन्तु विज्ञान	सह-आचार्य	अनुसूचित जाति	डॉ0 प्रवेश कुमार
12.	कम्प्यूटर विज्ञान	सह-आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डेय 2. डॉ0 आशुतोष कुमार भट्ट (प्रतीक्षा सूची)
13.	पत्रकारिता	सह-आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 राकेश चन्द्र 2. डॉ0 मनोज कुमार श्रीवास्तव (प्रतीक्षा सूची)

14.	शिक्षाशास्त्र	सहायक आचार्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	1. डॉ0 देबकी सिरोला 2. सुश्री कविता वर्मा (प्रतीक्षा सूची)
15.	लोक प्रशासन	सहायक आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 घनश्याम जोशी 2. डॉ0 प्रीति रावत (प्रतीक्षा सूची)
16.	वाणिज्य	सहायक आचार्य	अनुसूचित जाति	श्री सुनील कुमार
17.	गृहविज्ञान	सहायक आचार्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	1. डॉ0 दीपिका वर्मा 2. सुश्री कंचन गोस्वामी (प्रतीक्षा सूची)
18.	योग	सहायक आचार्य	अनुसूचित जाति	श्री दीपक कुमार
19.	हिन्दी	सहायक आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 राजेन्द्र 2. डॉ0 गनेशी चौहान (प्रतीक्षा सूची)
20.	संगीत	सहायक आचार्य	अनुसूचित जाति	1. श्री प्रदीप कुमार 2. श्री अशोक चन्द्र टम्टा (प्रतीक्षा सूची)
21.	गणित	सहायक आचार्य	अनुसूचित जाति	1. डॉ0 ज्योति रानी 2. सुश्री स्तुति टम्टा (प्रतीक्षा सूची)
22.	वनस्पति विज्ञान	सहायक आचार्य	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	1. डॉ0 सरस्वती नन्दन ओझा 2. डॉ0 उपेन्द्र सिंह (प्रतीक्षा सूची)
23.	भौतिकी	सहायक आचार्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	1. सुश्री गौरी 2. श्री शोभित गिरी (प्रतीक्षा सूची)
24.	भौतिकी	सहायक आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 विशाल कुमार शर्मा 2. डॉ0 मीनाक्षी राणा (प्रतीक्षा सूची)
25.	रसायन विज्ञान	सहायक आचार्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	1. डॉ0 विनोद कुमार 2. डॉ0 सुरेन्द्र पुरी (प्रतीक्षा सूची)

26.	रसायन विज्ञान	सहायक आचार्य	अनुसूचित जाति	1. श्री दीप प्रकाश 2. डॉ0 महेन्द्र लाल टम्टा (प्रतीक्षा सूची)
27.	विधि	सहायक आचार्य	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	1. श्री दीपांकुर जोशी 2. डॉ0 गिरिजा भूषण जोशी (प्रतीक्षा सूची)
28.	बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा	सहायक आचार्य	अनारक्षित	1. डॉ0 सिद्धार्थ कुमार 2. सुश्री भावना धौनी (प्रतीक्षा सूची)

उक्तानुसार चयनित अभ्यर्थियों को मा0 उच्च न्यायालय में योजित याचिका संख्या- 511 of 2019 (S/B) में पारित अन्तिम निर्णय के प्रतिबंध के अधीन एक वर्ष की परीवीक्षावधि पर नियुक्ति पत्र निर्गत किये जाने पर कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कार्मिकों के धारणाधिकार के संबंध में व्यवस्था दी गयी कि – विश्वविद्यालय के वे कार्मिक जिनकी सीधी भर्ती से उच्च वेतनमान में नियुक्ति हुई है उनका धारणाधिकार परीवीक्षा अवधि तक स्वत: बना रहेगा।

प्रस्ताव संख्या 29.19- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

29.19.01- डॉ0 जीतेन्द्र डबराल द्वारा कार्य परिषद के सदस्यों को ई-मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र के संबंध में विचार-विमर्श।

प्रस्ताव पर कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 जीतेन्द्र डबराल द्वारा विश्वविद्यालय में विज्ञापित सह-आचार्य, पत्रकारिता के पद पर आवेदन किया गया था, जिस हेतु दिनांक 08.02.2021 को आयोजित साक्षात्कार में सम्मिलित होने के लिए डॉ0 डबराल को विश्वविद्यालय द्वारा पत्र प्रेषित किया गया। डॉ0 डबराल दिनांक 08.02.2021 को सम्पन्न सह-आचार्य (Associate Professor) पत्रकारिता में चयन समिति के सम्मुख उपस्थित नहीं हुए अपितु इनके द्वारा तथ्यहीन ई-मेल कार्य परिषद के सदस्यों को की गई है जिसकी प्रति परिषद के सम्मुख प्रस्तुत है। कार्य परिषद द्वारा डॉ0 जीतेन्द्र डबराल के ई-मेल के माध्यम से प्रेषित पत्र को औचित्यहीन मानते हुए प्रकरण को सर्वसम्मति से निरस्त कर दिया गया।

बैठक के अन्त में प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान विद्या शाखा द्वारा विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थाओं के मध्य कई क्षेत्रों जैसे साइबर सिक्यूरिटी, MOCC'S आदि पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु हस्ताक्षरित अनुबन्धों के बारे में कार्य परिषद को जानकारी दी गयी। इस पर कार्य परिषद के मा0 सदस्य श्री पवन

अग्रवाल द्वारा मत व्यक्त किया गया कि विश्वविद्यालय एवं उनकी फर्म नैनी ग्रुप द्वारा मिलकर पर्यावरण विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जा सकते है। इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डॉ0 श्रीकान्त महापात्र ने कहा कि यदि ई0एम0पी0सी0 पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोई पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना चाहता है तो इग्नू इस हेतु पूरा सहयोग करेगा। कार्य परिषद के सदस्यों के मतानुसार मा0 कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय हित में प्रोफेसर दुर्गेश पंत को इग्नू, नैनी ग्रुप, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्री तथा अन्य उद्योग व शिक्षण संस्थाओं के मध्य अनुबन्ध हस्ताक्षरित किये जाने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अग्रिम कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

COVID-19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण उल्लिखित बैठक केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा COVID-19 के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में सम्पन्न हुई। कार्य परिषद के कतिपय सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों- प्रोफेसर एल0एन0 कोली, प्रोफेसर दुर्गेश पंत तथा श्रीमती रूचिता तिवारी द्वारा **Google Meet** के माध्यम से उक्त बैठक में ऑन-लाइन प्रतिभाग किया गया।

सर्वप्रथम सदस्य सचिव, कार्य परिषद द्वारा कुलपति/अध्यक्ष, कार्य परिषद तथा सभी उपस्थित सदस्यों का कार्य परिषद की 30वीं बैठक में स्वागत किया गया। तदुपरान्त कुलपति जी द्वारा **Google Meet** के माध्यम से ऑन-लाइन बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य प्रोफेसर एल0एन0 कोली का स्वागत करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में ऑन-लाइन माध्यम से प्रतिभाग किया तथा बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला एवं प्रोफेसर कुमकुम रौतेला का स्वागत करते हुए उनका विशेष आभार व्यक्त किया गया कि COVID-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न कठिनाइयों के बावजूद उनके द्वारा बैठक में स्वंय उपस्थित होकर प्रतिभाग किया गया है । मा0 कुलपति जी द्वारा एक बार पुन: समस्त सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों का कार्य परिषद की 30वीं बैठक में स्वागत किया गया।

समस्त सदस्यों के स्वागतोपरान्त माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से प्रस्तुत कार्यसूची में सम्मिलित प्रत्येक प्रस्ताव को सदस्य सचिव, कार्य परिषद द्वारा परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। कार्य परिषद द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्तावों पर निम्नवत् अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 30.01- कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 का कार्यवृत्त विश्वविद्यालय के पत्र संख्या-यू0ओ0यू0/आर/कार्य0परि0/29/2021,दिनांक **24**.0**2**.2021 द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य इस अनुरोध के साथ परिचालित किया गया था कि यदि कार्यवृत्त के किसी बिन्दु पर असहमति हो, किसी मद में कोई अंश छूट गया हो, अथवा कोई संशोधन अपेक्षित हो तो यथासमय विश्वविद्यालय को अवगत करा दिया जाय। तदनुसार परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। कार्य परिषद द्वारा अवगत होते हुए सर्वसम्मति से 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 30.02- कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही में सम्मिलित प्रस्ताव संख्या-29.01 से 29.19.01 तक प्रत्येक प्रस्ताव पर हुई कार्यवाही विवरण से कार्य परिषद अवगत हुई तथा कृत कार्यवाही पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.03- विश्वविद्यालय भवन निर्माण समिति की 13वीं बैठक दिनांक 26.03.2021 की संस्तुतियों का अनुमोदन।

कार्य परिषद द्वारा विश्वविद्यालय भवन निर्माण समिति की 13वीं बैठक दिनांक 26.03.2021 में प्रस्तुत प्रस्ताव संख्या- 13.01 से 13.07.02 तक प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.04- विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 12.04.2021 की संस्तुतियों का अनुमोदन।

विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 12.04.2021 में प्रस्तुत समस्त प्रस्तावों पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद के समक्ष विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया तथा **"प्रस्ताव संख्या 20.03- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में पूर्व से एवं भविष्य में नियोजित होने वाले अकादमिक परामर्शदाताओं का पदनाम परिवर्तित किये जाने के संबंध में"** विशेषत: अवगत कराया गया कि यू0जी0सी0- (DEB) के द्वारा वर्तमान में केवल असिस्टेंट प्रोफेसर पदनाम को ही मान्य किया जा रहा है, जबकि विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक शिक्षकों को विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-तीन (धारा-11(1)) परिनियम 4(19) के अधीन प्रथम अध्यादेश के अध्याय-8 में वर्णित व्यवस्थानुसार अकादमिक परामर्शदाता पदनाम दिया गया है। मूलत: यू0जी0सी0 का मन्तव्य है कि विषय के लिए पूर्ण रूप से समर्पित (dedicated) शिक्षक होना चाहिए और उनका पदनाम असिस्टेंट प्रोफेसर के अतिरिक्त अन्य नहीं होना चाहिए। तदक्रम में यू0जी0सी0 के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में पूर्व से नियुक्त तथा भविष्य में नियोजित होने वाले अकादमिक परामर्शदाताओं के पदनाम को

माननीय कुलपतिजी के अनुमोदनोपरान्त विद्या परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 12.04.2021 में की गयी संस्तुतियों के क्रम में परिवर्तित कर असिस्टेंट प्रोफेसर (ए.सी.) पदनाम दिया गया है।

अत: उक्तानुसार विद्या परिषद द्वारा की गयी संस्तुतियों को कार्य परिषद द्वारा स्वीकृत करते हुए यह व्यवस्था दी गयी कि विद्या परिषद की संस्तुतियों के अनुरूप विश्वविद्यालय में पूर्व से एवं भविष्य में नियोजित होने वाले अकादमिक परामर्शदाताओं का पदनाम यू0जी0सी0 के दिशा-निर्देशों के अनुसार ***असिस्टेंट प्रोफेसर (ए.सी.)*** किया जाता है।

उक्त के अतिरिक्त सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि "**प्रस्ताव संख्या 20.09- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संस्थाओं के साथ गठजोड़ (MOU) किये जाने के संबंध में सूचना"** पर

प्रोफेसर दुर्गेश पंत द्वारा कतिपय संशोधन प्रस्तुत किये गये हैं तथा आग्रह किया गया है कि विद्या परिषद के कार्यवृत्त में अंकित विभिन्न संस्थाओं के साथ गठजोड़ के संबंध में निम्नवत् संशोधन समायोजित कर लिया जाय:-

CEMCA- New Delhi - (MOU), Amrita University, Coimbatore -(MOU), USERC, Department of Science & Technology Govt. of Uttarakhand -(MOU), Spoken Tutorial-IIT Mumbai -(MOU), Monash University, South Africa- (MOU), THE OPEN UNIVERSITY OF SRI LANKA (OUSL)- (MOU), Bhabha Atomic Research Centre (BARC)- (Installation), Naini Group of Industries, Kashipur-(Programme, Under Progress) and Uttarakhand Co-operative Department- (MOU, Under Progress)

कार्य परिषद द्वारा प्रोफेसर पंत द्वारा प्रस्तुत संशोधन पर यथावत अनुमोदन प्रदान किया गया। सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को यह भी अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन सत्रीय कार्य में परीक्षार्थियों द्वारा एक विषय हेतु 2 बार प्रयास में सत्रीय कार्यों को हल किया जा सकता है तथा दोनों प्रयासों में से जिस प्रयास के अंक अधिक होंगे वे अंक ही परीक्षार्थी को प्राप्त होंगे। कार्य परिषद द्वारा इसकी सराहना की गयी तथा शेष कार्यवृत्त का अवलोकन कर विद्या परिषद की संस्तुतियों पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.05- विश्वविद्यालय परीक्षा समिति की 13वीं बैठक दिनांक 17.04.2021 की संस्तुतियों का अनुमोदन।

कार्य परिषद द्वारा विश्वविद्यालय परीक्षा समिति की 13वीं बैठक दिनांक 17.04.2021 में प्रस्तुत प्रस्तावों का अवलोकन कर परीक्षा समिति की संस्तुतियों पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.06- प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन, आचार्य, विधि को विश्वविद्यालय परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार विधि विद्याशाखा का निदेशक नामित किये जाने के संबंध में सूचना।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-चार (धारा 12) परिनियम 5(1) में प्रत्येक विद्याशाखा हेतु निदेशक नियुक्त किये जाने की व्यवस्था वर्णित है। परिनियमावली की उक्त व्यवस्थानुसार मा0 कुलपतिजी द्वारा विधि विषय में नवनियुक्त आचार्य, प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन को विधि विद्याशाखा का निदेशक नामित किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव से कार्य परिषद अवगत हुई तथा कुलपतिजी द्वारा प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन को विधि विद्याशाखा का निदेशक नामित किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.07- प्रोफेसर पी0डी0 पंत द्वारा विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक पद से त्याग- पत्र दिये जाने के संबंध में सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 10वीं बैठक दिनांक 18/07/2014 में परीक्षा नियंत्रक के पद वेतनमान 37400–67000 ग्रेड पे 10,000/- पर चयन समिति द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर प्रोफेसर पी0डी0 पंत के चयन का अनुमोदन किया गया। तदक्रम में परीक्षा नियंत्रक पद पर प्रोफेसर पंत द्वारा दिनांक 30/04/2015 के अपराह्न में विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया गया।

कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11 फरवरी, 2021 में कार्य परिषद के अनुमोदनोपराप्त प्रोफेसर पी0डी0 पंत का चयन आचार्य, भूगर्भ विज्ञान पद पर हो जाने के फलस्वरूप उनके द्वारा दिनांक 11.02.2021 को उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण कर दिनांक 12.02.2021 को विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक पद से त्याग-पद दे दिया गया है, जिसे मा0 कुलपति जी द्वारा स्वीकृत करते हुए प्रोफेसर पी0डी0 पंत को उनके मूल कार्यों के अतिरिक्त दिनांक 12.02.2021 से अग्रिम आदेश तक परीक्षा नियंत्रक का कार्य दायित्व भी दिया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर उक्तानुसार कुलपति जी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.08- विश्वविद्यालय परिनियमवाली में वर्णित व्यवस्थानुसार परीक्षा नियंत्रक के पद हेतु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा नामित एक सदस्य के नामांकन के संबंध में विचार/अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा नियंत्रक के रिक्त पद को पूरित किये जाने हेतु विज्ञापन संख्या- UOU/Add./R3/006/2020-21, दिनांक 12 मार्च, 2021 के द्वारा विज्ञापन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-चार परिनियम 8(6) में परीक्षा नियंत्रक के पद हेतु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा नामित एक सदस्य के नामांकन की व्यवस्था वर्णित है। परीक्षा नियंत्रक के पद हेतु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा नामित एक सदस्य का नामांकन किये जाने हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के विचारार्थ प्रस्तुत किया गया है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए सम्यक विचारोपरान्त परीक्षा नियंत्रक के पद हेतु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा एक सदस्य नामित किये जाने हेतु गोपनीयता व पारदर्शिता के दृष्टिगत अध्यक्ष, कार्य परिषद को चयन समिति हेतु एक सदस्य नामित किये जाने हेतु अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.09- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या- D.O.No.F.91-3/2014(GS) दिनांक 06 जून, 2017 के अनुसार उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार हेतु पूर्व में गठित आन्तरिक शिकायत समिति के पुनर्गठन के संबंध में सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या D.O.No.F.91-3/2014(GS) दिनांक 06 जून, 2017 के अनुसार उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार हेतु विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13 अक्टूबर, 2017 द्वारा आन्तरिक शिकायत समिति का गठन किया गया। यू0जी0सी0 के उक्त पत्र में इस आन्तरिक शिकायत समिति का कार्यकाल 03 वर्ष निर्धारित किया गया है। तद्क्रम में माननीय कुलपतिजी द्वारा आगामी 03 वर्षों हेतु विश्वविद्यालय में पूर्व से गठित आन्तरिक शिकायत समिति का पुनर्गठन किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव से अवगत होते हुए कार्य परिषद द्वारा कुलपति जी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.10- कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सहायक अचार्यों को अकादमिक स्तर 10 के स्थान पर अर्हता तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 11 से अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य कराये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन।

विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 28(1) में कैरियर अभिवर्धन योजना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित पात्रता एवं समयावधि को लागू किये जाने का उल्लेख है। इस व्यवस्था को लागू किये जाने हेतु परिनियम 29(1) में वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति के गठन का भी उल्लेख है।

उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु अन्य उपाय संबंधी विनियम, 2018 जिसे उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1424/XXIV(4)/2019-01(28)/2016, दिनांक 06 सितम्बर, 2019 द्वारा अंगीकृत किया गया है, में वर्णित व्यवस्थानुसार कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत 01 सहायक आचार्य को अकादमिक स्तर 10 के स्थान पर अर्हता तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं 01 सहायक आचार्य को वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 से अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य कराये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की बैठकें विभिन्न तिथियों में विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुई। समिति की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफों में माननीय कार्य परिषद के सम्मुख खोल जाने हेतु प्रस्तुत हैं। तदक्रम में कार्य परिषद द्वारा सील बन्द लिफाफे खोले गये तथा अवलोकनोपरान्त विश्वविद्यालय में कार्यरत निम्न सहायक आचार्यों को ***पात्रता की तिथि*** से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य किये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की संस्तुतियों पर निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 अनुमन्य किये गये सहायक आचार्य:-

क्रम संख्या	संवीक्षा समिति की बैठक की तिथि	नाम एवं पदनाम	पात्रता की तिथि जिससे वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 11 अनुमन्य हुआ है
1.	17.04.2021	श्री भूपेन सिंह, सहायक आचार्य, पत्रकारिता	14.08.2020

वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य किये गये सहायक आचार्य:-

क्रम संख्या	संवीक्षा समिति की बैठक की तिथि	नाम एवं पदनाम	पात्रता की तिथि जिससे वरिष्ठ वेतनमान/ अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य हुआ है
1.	09.04.2021	डॉ0 भानु प्रकाश जोशी, सहायक आचार्य, योग	30.04.2021

प्रस्ताव संख्या 30.11- विश्वविद्यालय हेतु सृजित सहायक कुलसचिव के 04 पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पूरित किये जाने हेतु गठित चयन समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि शासन द्वारा विश्वविद्यालय हेतु सृजित सहायक कुलसचिव के 04 पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पूरित किये जाने हेतु दिनांक 08 अप्रैल, 2021 को विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के 04 पदों हेतु साक्षात्कार सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के 04 पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पूरित किये जाने हेतु शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग-1 के पत्र संख्या-689/XXIV-C-1/2020-01(04)/2020, दिनांक 13 अक्टूबर, 2020 के माध्यम से उत्तरांचल राज्य विश्वविद्यालय (केन्द्रीय) सेवा नियमावली, 2006, उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय केन्द्रीयत सेवा (संशोधन) नियमावली, 2019 एवं उच्च शिक्षा अनुभाग-1 उत्तराखण्ड शासन के शुद्धि पत्र संख्या-806, दिनांक 21.08.2020 के अनुसार प्रतिनियुक्ति संबंधी समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए समस्त प्रक्रिया एवं प्रतिनियुक्ति हेतु संस्तुत कार्मिक का नाम शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। तदक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा सहायक कुलसचिव के 04 पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पूरित किये जाने हेतु गठित चयन समिति की संस्तुतियॉ शासन को प्रेषित की गयी हैं, अत: प्रस्ताव कार्य परिषद के संज्ञानार्थ प्रस्तुत किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा सहायक कुलसचिव के 04 पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पूरित किये जाने हेतु की गयी प्रक्रिया विवरण से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 30.12- विभिन्न विषयों में 13 नवीन असिस्टेंट प्रोफेसर(ए.सी.) के नियोजन एवं दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को 26 विषयों में 47 असिस्टेंट प्रोफेसर(ए.सी.) हेतु सम्पन्न वॉक-इन-इन्टरव्यू के संबंध में सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में पर्याप्त शैक्षिक पदों का सृजन न होने के कारण शैक्षिक कार्यों के निष्पादन हेतु विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-तीन (धारा-11(1)) परिनियम 4(19) के अधीन प्रथम अध्यादेश के अध्याय-8 में वर्णित व्यवस्थानुसार कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के दक्षतापूर्ण संचालन की आवश्यकता हेतु समय-समय पर अल्पकालिक नियुक्ति जो एक बार में छ: माह से अनधिक हो, किये जाने का प्राविधान है। तदनुसार समय-समय पर विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर(ए.सी.) का नियोजन किया जाता रहा है।

विश्वविद्यालय में संचालित किये जा रहे पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु शैक्षिक पदों की अनिवार्यता के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 26 विभिन्न विषयों में कुल 47 असिस्टेंट प्रोफेसर(ए.सी.) के नियोजन हेतु दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को विश्वविद्यालय मुख्यालय में वॉक-इन-इन्टरव्यू सम्पन्न किये गये।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018-2019 में विभिन्न विषयों में वॉक-इन-इन्टरव्यू सम्पन्न किये गये थे जिसे कार्य परिषद की 24वीं बैठक दिनांक 25.02.2019 द्वारा अनुमोदित करते हुए निर्देशित किया गया था कि यू0जी0सी0 से विश्वविद्यालय में संचालित संबंधित पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त होने के उपरान्त ही

इन्हें नियोजित किया जाय। तदक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा मा0 कुलपति जी की स्वीकृति के अनुरूप कार्यवाही करते हुए 13 नवीन असिस्टेंट प्रोफेसर(ए.सी.) को माह मार्च, 2021 में नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार अवगत होते हुए कुलपति जी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.13- विश्वविद्यालय में नियोजित कैमरामैन एवं वीडियो एडिटर के कार्यकाल विस्तारण के संबंध में सूचना।

विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं की नियोजन अवधि के संबंध में कार्य परिषद की 25वीं बैठक दिनांक 02.09.2019 में प्रत्येक छ: माह में विभागाध्यक्ष से प्राप्त Performance Appraisal Report के आधार पर एक दिन का ब्रेक देकर अधिकतम 02 वर्ष तक कार्य विस्तार दिये जाने तथा 02 वर्ष के उपरान्त परीक्षण समिति (Screening Committee)/साक्षात्कार (Interview) के माध्यम से कार्य विस्तार दिये जाने का अनुमोदन दिया गया।

वर्तमान में कैमरामैन एवं वीडिया एडिटर की छ: माह की सेवा विस्तारीकरण अवधि दिनांक 28 फरवरी, 2021 को पूर्ण होने के फलस्वरूप संबंधित विभागाध्यक्ष से प्राप्त Performance Appraisal Report के आधार पर तथा मा0 कुलपति जी से प्राप्त स्वीकृति के क्रम में एक दिन के सेवा व्यवधान के साथ **दिनांक 02 मार्च, 2021 से दिनांक 31 अगस्त, 2021** तक (छ: माह) सेवा विस्तारित की गयी है। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर कुलपति जी की स्वीकृति पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.14-विश्वविद्यालय में स्थापित सामग्री उत्पादन और वितरण अनुभाग (Material Production and Distribution) को निदेशालय एम0पी0डी0डी0 के रूप में विकसित किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि दूरस्थ शिक्षा में एम0पी0डी0डी0 (Material Production and Distribution) विश्वविद्यालयी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। एम0पी0डी0डी0 की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि इसे एक पूर्ण विकसित निदेशालय के रूप में विकसित किया जाय। यह निदेशालय विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गयी अध्ययन सामग्री को एकत्रित कर विद्यार्थियों की पंजीकरण संख्या के अनुरूप उसके प्रकाशन की व्यवस्था करेगा। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की तत्कालीन व्यवस्था के अनुरूप उस अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों को उपलब्ध करायेगा। साथ ही निदेशालय अपने भण्डारण का ऑडिट करायेगा तथा भण्डार विषयक जानकारी अद्यतन रखेगा। विभिन्न विभागों की अध्ययन सामग्री संबंधित अद्यतन जानकारी भी निदेशालय के पास होगी।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार प्रस्ताव का अवलोकन कर सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से निदेशालय एम0पी0डी0डी0 की संरचना पर निम्नवत् अनुमोदन प्रदान किया गया:-

1. निदेशक (आचार्य) - 01
2. उपनिदेशक (सह-आचार्य)/अकादमिक स्तर 12 या उससे अधिक स्तर का - 01

3. सहायक निदेशक, अध्ययन सामग्री संकलन एवं मुद्रण (सहायक आचार्य) - 01
4. सहायक निदेशक, भण्डारण (सहायक आचार्य) - 01
5. सहायक निदेशक, पुस्तक वितरण (सहायक आचार्य) - 02
6. सहायक कुलसचिव (एम0पी0डी0डी0) - 01
7. कम्प्यूटर प्रोग्रामर एवं डेटा एनालिस्ट - 01
   (एम0पी0डी0डी0 की ऑनलाइन व्यवस्था हेतु)
8. तृतीय श्रेणी कार्मिक - 03
9. चतुर्थ श्रेणी कार्मिक - 06

कार्य परिषद द्वारा एम0पी0डी0डी0 की उक्त संरचना में आवश्यकतानुसार विश्वविद्यालय हित में बदलाव किये जाने हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया गया साथ ही यह व्यवस्था नये शैक्षणिक सत्र (जुलाई) से आरम्भ किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.15- विश्वविद्यालय हेतु सृजित सिस्टम मैनेजर पद की चयन रीति में अन्य पदों के समान एकरूपता के दृष्टिगत किये गये संशोधन की सूचना एवं अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में सृजित सिस्टम मैनेजर पद की चयन रीति तथा लिखित परीक्षा के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु गठित समिति की संस्तुतियों को विद्या परिषद की 19वीं बैठक 22.10.2020 एवं कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11.02.2021 द्वारा अनुमोदित किया गया है। विश्वविद्यालय की प्रतियोगी परीक्षाओं में एकरूपता के दृष्टिगत मा0 कुलपतिजी द्वारा शोध अधिकारी, सहायक निदेशक, कम्प्यूटर आई0टी0 के समान ही सिस्टम मैनेजर पद की लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा तथा साक्षात्कार के अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके साथ ही साक्षात्कार में आमंत्रित किये जाने हेतु अभ्यर्थियों की संख्या उक्त पदों हेतु निर्धारित की गयी व्यवस्थानुसार संशोधित की गयी है जो निम्नवत् है:-

पद का नाम	पूर्व में निर्धारित/अनुमोदित व्यवस्था	संशोधित व्यवस्था
सिस्टम मैनेजर	1. 100 अंको की परीक्षा होगी जिसमें लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक, कौशल परीक्षा के लिए 10 अंक तथा साक्षात्कार के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। 2. लिखित परीक्षा में 50% अथवा अधिक अंक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों में से मैरिट के आधार पर 1:10 के अनुपात में अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा तथा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जायेगा।	1. 100 अंको की परीक्षा होगी जिसमें लिखित परीक्षा के लिए 60 अंक, कौशल परीक्षा के लिए 20 अंक तथा साक्षात्कार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। 2. लिखित परीक्षा में 50% अथवा अधिक अंक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों में से मैरिट के आधार पर 1:8 के अनुपात में अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा तथा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार प्रस्ताव का अवलोकन कर विश्वविद्यालय की प्रतियोगी परीक्षाओं में एकरूपता के दृष्टिगत कुलपति जी द्वारा सिस्टम मैनेजर के पद हेतु पूर्व में अनुमोदित चयन रीति को संशोधित किये जाने के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.16- डॉ0 हेमन्त काण्डपाल, सहायक आचार्य, आयुर्वेद के विश्वविद्यालय से अनुपस्थित रहने के संबंध में सूचना/विचार।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय कार्य परिषद की चतुर्थ बैठक दिनांक 09 अगस्त, 2011 के अनुमोदनोपरान्त डॉ0 हेमन्त काण्डपाल की सहायक प्राध्यापक, आयुर्वेद के पद पर विश्वविद्यालय में नियुक्ति की गयी, जिसके क्रम में दिनांक 10 अगस्त, 2011 को डॉ0 काण्डपाल द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया गया। प्रकरण पर कार्य परिषद के संज्ञान में लाना है कि डॉ0 हेमन्त काण्डपाल काफी लम्बे समय से विश्वविद्यालय में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित हैं जिस कारण इनका माह जनवरी, फरवरी, दिसम्बर, 2020 एवं माह जनवरी, 2021 से माह मार्च, 2021 का वेतन भी आहरित नहीं किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा कई बार इनको चेतावनी पत्र निर्गत किये गये हैं जिस पर इनके द्वारा अभी तक अपना कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया है। चूंकि डॉ0 काण्डपाल का नियोजन विश्वविद्यालय में कार्य परिषद के अनुमोदन के क्रम में किया गया है, अतएव इनके अनुपस्थित रहने के संबंध में अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के समक्ष विचारार्थ/निर्णय हेतु प्रस्तुत किया गया है।

उक्तानुसार प्रकरण पर कार्य परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली में वर्णित व्यवस्था के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा विधिक कार्यों हेतु नियोजित अधिवक्ता से विधिक राय (Legal Opinion) लिये जाने के उपरान्त ही अग्रिम कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.17- पर्यटन तथा होटल प्रबन्धन को मिलाकर एक विभाग किये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 12.04.2021 की संस्तुतियों पर विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि यू0जी0सी0 (DEB) के द्वारा होटल प्रबन्धन को ऐसे विषयों की सूची में रखा गया है जिनकी मान्यता दूरस्थ शिक्षा के माध्यम में नहीं दी जायेगी। विश्वविद्यालय में होटल प्रबन्धन में एक सह-आचार्य भी नियुक्त है, व्याप्त परिस्थितियों में विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 12 अप्रैल, 2021 के समक्ष विचारार्थ यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया कि ***'पर्यटन एवं आतिथ्य'*** के नाम से नवीन विभाग का सृजन कर इस विभाग में होटल प्रबन्धन विभाग के शिक्षक को भी समायोजित किया जाय। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए प्रस्तुत प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करते हुए संस्तुति की गयी कि इस प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अनुमोदनोपरान्त कार्यवाही की जाय।

अत: विद्या परिषद के उक्त अनुमोदन के क्रम में प्रकरण कार्य परिषद के विचारार्थ इस आशय से प्रस्तुत किया जा रहा है कि सहमति की दशा में कार्य परिषद के अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली में संशोधन किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय कुलाधिपति जी के स्वीकृतार्थ/अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जाना होगा। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन पर सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से विद्या परिषद द्वारा की गयी संस्तुति पर यथावत

अनुमोदन प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय परिनियमावली में संशोधन हेतु प्रस्ताव माननीय कुलाधिपतिजी को प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.18- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

30.18.01- कैरियर अभिवर्धन योजना (CAS) के अन्तर्गत पुरानी सेवा को समाहित (जोड़े) जाने के संबंध में मुख्य स्थायी अधिवक्ता (CSC) से विधिक राय (Legal Opinion) लिये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि कैरियर अभिवर्धन योजना (CAS) के अन्तर्गत पुरानी सेवा को समाहित (जोड़े) जाने के संबंध में विश्वविद्यालय में नियोजित 03 सहायक आचार्यों- डॉ0 मंजरी अग्रवाल, डॉ0 सुमित प्रसाद एवं डॉ0 कमल देवलाल द्वारा प्रस्तुत प्रत्यावेदनों पर विचार हेतु विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11 फरवरी, 2021 में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था जिस पर कार्य परिषद द्वारा उक्त 03 सहायक आचार्यों के प्रकरण पर मुख्य स्थायी अधिवक्ता (CSC) से विधिक राय (Legal Opinion)के उपरान्त कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। तदक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 24 फरवरी, 2021 को मुख्य स्थायी अधिवक्ता, उत्तराखण्ड शासन, मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल को पत्र प्रेषित किया गया था जिसके प्रतिउत्तर में संबंधित द्वारा प्राप्त पत्र कार्य परिषद के समक्ष विचार हेतु प्रस्तुत किया गया है।

दिनांक 22 अक्टूबर, 2020 (बृहस्पतिवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रात: 11.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 19वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बाह्य सदस्यों- प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, प्रोफेसर डी0पी0 सकलानी, प्रोफेसर अभय सक्सेना एवं प्रोफेसर जे0एस0 रावत द्वारा **Google Meet** के माध्यम से उक्त बैठक में ऑन-लाइन प्रतिभाग किया गया।

सर्वप्रथम सदस्य सचिव, विद्या परिषद द्वारा अध्यक्ष एवं समस्त सदस्यों का विद्या परिषद की 19वीं बैठक में स्वागत करते हुए सभी का बैठक में प्रतिभाग करने के लिये आभार व्यक्त किया।

माह अगस्त, 2020 में विश्वविद्यालय विद्या परिषद का पुनर्गठन होने के पश्चात् परिषद की यह प्रथम बैठक कोविड-19 वैश्विक महामारी के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में सम्पन्न हुई। तद्क्रम में कुलपतिजी द्वारा **Google Meet** के माध्यम से ऑन-लाइन बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों- प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, प्रोफेसर डी0पी0 सकलानी, प्रोफेसर अभय सक्सेना तथा प्रोफेसर जे0एस0 रावत का स्वागत करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में ऑन लाइन माध्यम से तथा प्रोफेसर एल0के0 सिंह द्वारा स्वंय उपस्थित होकर प्रतिभाग किया गया इसके लिए कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए विद्या परिषद के समस्त सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया गया।

समस्त सदस्यों के स्वागतोपरान्त माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से प्रस्तुत कार्यसूची में सम्मिलित प्रत्येक प्रस्ताव को विद्या परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। विद्या परिषद द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर विचारोपरान्त प्रस्तावों पर निम्नवत अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 19.01- विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30.05.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुमोदन।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विद्या परिषद की **18वीं बैठक दिनांक 30.05.2020** का कार्यवृत्त विश्वविद्यालय के पत्र संख्या–यू0ओ0यू0/R/वि0परि0/18/2020, दिनांक 06.06.2020 द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य इस अनुरोध के साथ परिचालित किया गया था कि कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन प्रस्तावित हो तो अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन किया जा सके। तदनुसार परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार अवगत होते हुए सर्वसम्मति से 18वीं बैठक दिनांक 30.05.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि को अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.02- विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30.05.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30.05.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही से सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को विस्तार से अवगत कराया गया जिस पर परिषद द्वारा अवगत होते हुए सर्वसम्मति से उक्त बैठक की कृत कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.03- विश्वविद्यालय परीक्षा समिति की 12वीं बैठक दिनांक 29 सितम्बर, 2020 के कार्यवृत्त की संस्तुतियों का अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर परीक्षा नियंत्रक द्वारा विद्या परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा माह सितम्बर-अक्टूबर, 2020 में केवल अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं सम्पन्न की जा चुकी हैं। प्रथम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को सत्रीय कार्य के प्राप्तांक का 50 प्रतिशत तथा सत्रीय कार्य में प्राप्त अंकों के आधार पर तथा अन्य वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को पूर्व परीक्षा व सत्रीय कार्य में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रोन्नत किया जायेगा।

विद्या परिषद द्वारा परीक्षा समिति की 12वीं बैठक दिनांक 29 सितम्बर, 2020 के कार्यवृत्त का अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया साथ ही यह संस्तुति की गयी कि कार्यवृत्त के जिन बिन्दुओं में वित्तीय उपाशय निहित है उन पर विश्वविद्यालय वित्त समिति से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।

प्रस्ताव संख्या 19.04- विश्वविद्यालय शोध समिति की द्वितीय बैठक दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 के कार्यवृत्त की संस्तुतियों का अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर निदेशक, शोध एवं नवाचार द्वारा विद्या परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय शोध समिति द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी शोध उपाधि से संबंधित

नवीन प्राविधानों को अंगीकृत किया गया है। तदनुरूप शोध पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा, पाठ्य कार्य, पाठ्यकार्य माड्यूल्स आदि समस्त प्रक्रियाएं यू0जी0सी0 के मानकों के अनुसार ही सम्पादित किये जायेगें। प्रस्ताव पर कुलपति जी द्वारा शोध निर्देशकों के संबंध में मत व्यक्त किया गया कि जिन विषयों में शोध निर्देशक नहीं है और वह विषय अन्य किसी विषय से परस्पर संबद्ध है तो कोई भी शोध निर्देशक संयुक्त रूप से संबंधित विषय में शोध निर्देशन प्रदान कर सकता है। विद्या परिषद द्वारा इस सुझाव की सराहना करते हुए सर्वसम्मति से नई शिक्षा नीति (New Education Policy) के तहत interdisciplinary/interrelated/allied तीनों से जोड़े जाने हेतु शोध समिति की आगामी बैठक में विचार किये जाने की संस्तुति प्रदान करते हुए तदक्रम में विद्या परिषद द्वारा विचारोपरान्त शोध समिति की द्वितीय बैठक दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 के कार्यवृत्त पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.05- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-354, दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को अंगीकृत किये जाने की सूचना।

सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-354 दिनांक 04 सितम्बर, 2020 को विश्वविद्यालय कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16 सितम्बर, 2020 में प्रस्तुत किया गया जिस पर परिषद द्वारा उक्त अधिसूचना को विश्वविद्यालय में यथावत अंगीकृत किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया है, तद्क्रम में प्रस्ताव विद्या परिषद के सूचनार्थ प्रस्तुत किया गया है। प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 19.06- कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा के अध्ययन बोर्ड (Board of Studies) की बैठक दिनांक 13 जुलाई, 2020 के कार्यवृत्त की संस्तुतियॉ एवं अन्य प्रस्तावों पर विचार एवं अनुमोदन।

विद्या परिषद द्वारा कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा के अध्ययन बोर्ड (Board of Studies) की बैठक दिनांक 13 जुलाई, 2020 के कार्यवृत्त की संस्तुतियों का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

उक्त के अतिरिक्त अन्य प्रस्ताव के अन्तर्गत निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा द्वारा संचालित MA (GIS) एवं MSc(GIS) पाठ्यक्रम पूर्व से ही कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा द्वारा संचालित किया जा रहा था तथा इसके पाठ्यक्रम निर्माण आदि का समस्त कार्य कप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा द्वारा ही सम्पादित किया गया है। पूर्व में विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 30 मई, 2020 एवं तदक्रम में कार्य परिषद की 28वीं बैठक दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के निर्णय के अनुरूप वर्ष 2020-21 से MA (GIS) एवं MSc(GIS) के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा में स्थांतरित किया गया तथा एक वर्षीय Post Graduate Diploma in Geo- Informatics एवं छ: माह का Certificate in Geo-Informatics कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा द्वारा संचालित किये जाने का अनुमोदन किया गया है, जबकि एक वर्षीय Post Graduate Diploma in Geo- Informatics एवं छ: माह का Certificate in Geo-Informatics दो वर्षीय MSc(GIS)/MA(GIS) प्रोग्राम के ही प्रथम वर्ष/ छ: माह के कोर्स से ही बना है। अतः विद्यार्थी हित में MA (GIS) एवं MSc(GIS) प्रोग्राम के साथ-साथ Post Graduate Diploma in Geo- Informatics एवं Certificate in Geo-Informatics प्रोग्राम को भी भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा में स्थांतरित किया जाना उचित होगा।

विद्या परिषद द्वारा उक्त पाठ्यक्रम के सफल संचालन हेतु कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा की सराहना की गयी तथा सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया कि उक्त पाठ्यक्रम को पूर्णरूप से भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत ही संचालित किया जाय जिसके लिए कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा द्वारा पूर्ण सहयोग किया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव:-

1. सदस्य सचिव द्वारा विश्वविद्यालय में सृजित सिस्टम मैनेजर पद की चयन रीति तथा लिखित परीक्षा के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु गठित समिति की दिनांक 22 अक्टूबर, 2020 को सम्पन्न बैठक की संस्तुतियॉ विद्या परिषद के सम्मुख प्रस्तुत की गयी। विद्या परिषद द्वारा उक्त गठित समिति की संस्तुतियों का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक के अन्त में मा0 कुलपति जी द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों एवं समय में एकरूपता नहीं है, जिससे प्रवेश परीक्षा आयोजन में समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया कि ओ0एम0आर0 पर आधारित (OMR based) सभी प्रवेश परीक्षाओं में एकरूपता रखी जाय जिस हेतु परीक्षा नियंत्रक को अधिकृत किया गया।

दिनांक 12 अप्रैल, 2021 (सोमवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रात: 11.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 20वीं बैठक का कार्यवृत्त।

COVID-19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण उल्लिखित बैठक केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा COVID-19 के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में सम्पन्न हुई। बाह्य सदस्यों- प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, प्रोफेसर अभय सक्सेना, प्रोफेसर एल0के0 सिंह, प्रोफेसर जे0एस0 रावत द्वारा **Google Meet** के माध्यम से उक्त बैठक में ऑन-लाइन प्रतिभाग किया गया।

सर्वप्रथम सदस्य सचिव, विद्या परिषद द्वारा अध्यक्ष एवं समस्त सदस्यों का विद्या परिषद की 20वीं बैठक में स्वागत करते हुए सभी का बैठक में प्रतिभाग करने के लिये आभार व्यक्त किया गया।

तद्क्रम में कुलपतिजी द्वारा **Google Meet** के माध्यम से ऑन-लाइन बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों- प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, प्रोफेसर अभय सक्सेना, प्रोफेसर एल0के0 सिंह तथा प्रोफेसर जे0एस0 रावत का स्वागत करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में ऑन लाइन माध्यम से प्रतिभाग किया गया तथा प्रोफेसर डी0पी0 सकलानी द्वारा इन विषम परिस्थितियों में भी स्वंय उपस्थित होकर प्रतिभाग किया गया इसके लिए कुलपति जी द्वारा उनका विशेष आभार व्यक्त करते हुए विद्या परिषद के समस्त बाह्य एवं आन्तरित सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों का विद्या परिषद की 20वीं बैठक में स्वागत किया गया।

समस्त सदस्यों के स्वागतोपरान्त माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से प्रस्तुत कार्यसूची में सम्मिलित प्रत्येक प्रस्ताव को सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। विद्या परिषद द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर विचारोपरान्त प्रस्तावों पर निम्नवत अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 20.01- विद्या परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुमोदन।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विद्या परिषद की **19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020** का कार्यवृत्त विश्वविद्यालय के पत्र संख्या–यू0ओ0यू0/R/वि0परि0/19/2020, दिनांक 27.10.2020 द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य इस अनुरोध के साथ परिचालित किया गया था कि कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन प्रस्तावित हो तो अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन किया जा सके। तदनुसार परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार अवगत होते हुए सर्वसम्मति से 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 के कार्यवृत्त की पुष्टि को अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.02- विद्या परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

विद्या परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 22.10.2020 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही से सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को विस्तार से अवगत कराया गया जिस पर परिषद द्वारा अवगत होते हुए सर्वसम्मति से उक्त बैठक की कृत कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.03- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में पूर्व से एवं भविष्य में नियोजित होने वाले अकादमिक परामर्शदाताओं का पदनाम परिवर्तित किये जाने के संबंध में सूचना/अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव के संबंध में निदेशक, अकादमिक द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि यू0जी0सी0- (DEB) के द्वारा वर्तमान में केवल असिस्टेंट प्रोफेसर पदनाम को ही मान्य किया जा रहा है, जबकि विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक शिक्षकों को विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-तीन (धारा-11(1)) परिनियम 4(19) के अधीन प्रथम अध्यादेश के अध्याय-8 में वर्णित व्यवस्थानुसार अकादमिक परामर्शदाता पदनाम दिया गया है। मूलत: यू0जी0सी0 का मन्तव्य है कि विषय के लिए पूर्ण रूप से समर्पित (dedicated) शिक्षक होना चाहिए और उनका पदनाम असिस्टेंट प्रोफेसर के अतिरिक्त अन्य नहीं होना चाहिए। तदक्रम में यू0जी0सी0 के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में पूर्व से नियुक्त तथा भविष्य में नियोजित होने वाले अकादमिक परामर्शदाताओं के पदनाम को मा0 कुलपतिजी के अनुमोदनोपरान्त विद्या परिषद की स्वीकृत की प्रत्याशा में परिवर्तित कर असिस्टेंट प्रोफेसर (ए.सी.) पदनाम दिया गया है तथा इसी पदनाम के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा 13 नवीन असिस्टेंट प्रोफेसर (ए.सी.) को नियुक्ति पत्र जारी किया गया है। साथ ही 26 विषयों में 47 असिस्टेंट प्रोफेसर (ए.सी.) के नियोजन हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित कर दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को वॉक-इन-इन्टरव्यू सम्पन्न किये गये हैं। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए कुलपति जी के निर्णय पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.04- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा वर्ष 2021-22 हेतु मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व ऑनलाईन शिक्षा के संबंध में जारी अधिसूचना दिनांक 01 मार्च, 2021 के संबंध में विचार-विमर्श।

प्रस्ताव पर निदेशक, अकादमिक द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि AICTE के द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 01 मार्च, 2021 के अन्तर्गत यह स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गये हैं कि कम्प्यूटर विज्ञान, प्रबन्ध अध्ययन तथा पर्यटन विभागों के समस्त पाठ्यक्रमों को AICTE के अनुमोदन के उपरान्त ही चलाया जाय। इस अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह अधिसूचना दिनांक 01 मार्च, 2021 तक ही लागू होगी। दूसरी ओर विश्वविद्यालय को उक्त पाठ्यक्रमों को चलाये जाने हेतु मान्यता जून, 2023 तक दी गयी है, इस विरोधाभास के कारण यह प्रस्ताव विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया है। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरान्त संस्तुति की गयी कि अगले शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को प्रवेश देने से पूर्व AICTE तथा यू0जी0सी0 से वार्ता कर स्थिति स्पष्ट कर ली जाय, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। आगामी सत्र में उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाना है अथवा नहीं इसके लिए विद्या परिषद द्वारा कुलपति जी को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.05- कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा के अध्ययन बोर्ड (Board of Studies) की बैठक दिनांक 20 फरवरी, 2021 के कार्यवृत्त की संस्तुतियों पर अनुमोदन।

विद्या परिषद द्वारा कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा के अध्ययन बोर्ड (Board of Studies) की बैठक दिनांक 20 फरवरी, 2021 के कार्यवृत्त की संस्तुतियों का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.06- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-120, दिनांक 25 मार्च, 2021 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ('स्वयं' के माध्यम से ऑनलाइन ज्ञानार्जन पाठयक्रमों की क्रेडिट रूपरेखा) विनियम, 2016 के संबंध में यू0जी0सी0 द्वारा अधिसूचना संख्या-120, दिनांक 25 मार्च, 2021 को अधिसूचित किया गया है जिसे विश्वविद्यालय में भी अंगीकृत किया जाना है।

विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना संख्या- 120, दिनांक 25 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में यथावत अंगीकृत किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.07- विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को मार्कसीट डिजीलॉकर के माध्यम से प्रदान किये जाने के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण करने हेतु उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी से प्राप्त पत्र के क्रम में विश्वविद्यालय में Digital Locker Cell गठित किये जाने के संबंध में सूचना।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को मार्कसीट डिजीलॉकर के माध्यम से प्रदान किये जाने हेतु विद्यार्थियों का पंजीकरण करने के लिए विभाग में Digital Locker Implementation हेतु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग उत्तराखण्ड, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं भारत सरकार के पत्रों का उल्लेख करते हुए उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी से प्राप्त पत्र के क्रम में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अंकतालिका एवं उपाधि सूचना को डिजीलॉकर में अपलोड करने एवं विद्यार्थियों का पंजीकरण करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा Digital Locker Cell का गठन कर लिया गया है जिसके द्वारा उक्तानुसार विद्यार्थियों के समस्त अभिलेख डिजीलॉकर पर अपलोड कर दिये गये हैं। विद्या परिषद द्वारा इसके लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की गयी तथा प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.08- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में स्वंय पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं द्वारा अंगीकृत किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपने पत्र संख्या-F.No.1-8/2017 (SWAYAM Board), दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 के द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर अनुमोदित SWAYAM पोर्टल में उपलब्ध ऑनलाईन पाठ्क्रमों को विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं द्वारा अंगीकृत करने एवं जो पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों के समान हैं उनकी सूची विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड किये जाने के संबंध में निर्देश दिये गये हैं। विद्या परिषद द्वारा अवगत होते हुए यू0जी0सी0 के निर्देशानुसार कार्यवाही किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.09- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संस्थाओं के साथ गठजोड़ (MOU) किये जाने के संबंध में सूचना।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त हो सके इस कारण विभिन्न शिक्षण संस्थानों, वृत्तिक निकायों एवं संगठनों के साथ गठजोड़ (MOU) किया गया है। इस हेतु कार्य परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 11 फरवरी, 2021 द्वारा प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कुलपतिजी द्वारा प्रोफेसर दुर्गेश पंत से इस पर विद्या परिषद को विस्तार से अवगत कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। प्रोफेसर पंत द्वारा अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संस्थाओं जैसे- CEMCA, New Delhi, Amrita University, Coimbatore, USERC, Department of Science & Technology Govt. of Uttarakhand, Spoken Tutorial-IIT Mumbai, Monash University, South Africa, THE OPEN UNIVERSITY OF SRI LANKA (OUSL), Bhabha Atomic Research Centre, The Electronic Media Production Centre of IGNOU, New Delhi, Naini Group of Industries, Kashipur & Uttarakhand Co-operative Department (Under Progress) के साथ एम0ओ0यू0 किया जा चुका है अन्य कई के साथ कार्यवाही चल रही है।

विद्या परिषद द्वारा इस हेतु विश्वविद्यालय की सराहना की गई तथा प्रोफेसर डी0पी0 सकलानी, प्रोफेसर अभय सक्सेना तथा अन्य सदस्यों द्वारा मत व्यक्त किया गया कि समस्त विद्याशाखा निदेशकों द्वारा अपने-अपने विषय से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में एम0ओ0यू0 किये जा सकते हैं जिससे विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का और

अधिक प्रचार-प्रसार हो सके तथा विद्यार्थियों के हित में अन्य संस्थाओं के नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में संचालित किये जा सकें। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव पर विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.10- शोध उपाधि अधिनियम-2016 के क्रम में 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने एवं अन्तर्विषयी विषयों में शोध हेतु विभिन्न विषयों को सम्मिलित किये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय के शोध अध्यादेश-2016 के अनुच्छेद (8) में "नियमित सहायक आचार्य जो पीएच0डी0 उपाधि धारक हों तथा जिसके सन्दर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशित किये गये हों उन्हें शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दी जा सकती है।" का उल्लेख है। अध्यादेश में वर्णित उक्त व्यवस्था के अधीन विश्वविद्यालय में कार्यरत विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत अलग-अलग विषयों में आचार्य, सह-आचार्य एवं सहायक आचार्य नियोजित हैं जिनके द्वारा शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

शोध निर्देशन की अर्हता का परीक्षण किये जाने हेतु शोध एवं नवाचार विभाग द्वारा विभिन्न विद्याशाखाओं से शोध उपाधि अधिनियम के प्राविधानों के अनुरूप आवेदन-पत्र मांगे गये। प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण किये जाने हेतु एक समिति का गठन किया गया जिसमें प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रोफेसर पी0डी0 पंत तथा कुलसचिव ने प्रतिभाग किया। गठित समिति द्वारा निम्नलिखित आचार्यों, सह-आचार्यों एवं सहायक आचार्यों को शोध निर्देशकों के रूप में मान्यता दिये जाने की संस्तुति की गयी है, जिसे मा0 कुलपति जी द्वारा अनुमोदित किया गया है:-

1. डॉ0 शालिनी चौधरी, अर्थशास्त्र
2. डॉ0 आशुतोष कुमार भट्ट, कम्प्यूटर विज्ञान
3. डॉ0 विनोद कुमार, रसायन विज्ञान
4. डॉ0 सरस्वती नन्दन ओझा, वनस्पति विज्ञान
5. डॉ0 देवकी सिरौला, शिक्षाशास्त्र
6. डॉ0 डिगर सिंह फर्सवान, शिक्षाशास्त्र
7. डॉ0 ज्योति रानी, गणित
8. डॉ0 परवेश कुमार सहगल, जीव विज्ञान
9. डॉ0 विशाल कुमार शर्मा, भौतिक विज्ञान
10. डॉ0 राकेश चन्द्र रयाल, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
11. डॉ0 अरविन्द भट्ट, गणित
12. डॉ0 घनश्याम जोशी, लोकप्रशासन
13. डॉ0 राजेन्द्र, हिन्दी
14. डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल, विशिष्ट शिक्षा
15. प्रोफेसर रेनु प्रकाश, समाजशास्त्र
16. प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन, विधि
17. डॉ0 दीपिका वर्मा, गृहविज्ञान
18. प्रोफेसर पी0डी0 पंत, भौमिकी/भू-गर्भ विज्ञान

उक्त के अतिरिक्त अन्तर्विषयी विषयों में शोध हेतु गठित समिति द्वारा निम्नलिखित आचार्यों, सह-आचार्यों एवं सहायक आचार्यों को शोध निर्देशकों के रूप में मान्यता दिये जाने की संस्तुति की गयी है, जिसे मा0 कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित किया गया है :-

क्रम सं0	**विभाग**	**सहा0 आचार्य-सह/ चार्य के नामआचार्य/आ**	**विषय**	**अपने विषय से सम्बन्धित सह और प्रासंगिक विषय की सूची**
01	समाज कार्य	डॉ0 नीरजा सिंह	समाज कार्य	समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, स्वास्थ्य एवं पोषण, मनोविज्ञान।
02	मनोविज्ञान	डॉ0 सीता	मनोविज्ञान	योग, शिक्षाशास्त्र।
03	अर्थशास्त्र	डॉ0 शालिनी चौधरी	अर्थशास्त्र	विकास अध्ययन, कृषि अर्थशास्त्र, वाणिज्य, पर्यटन अध्ययन, पर्यावरणीय अर्थशास्त्र।
04	राजनीति विज्ञान	डॉ0 सूर्यभान सिंह	राजनीति विज्ञान	लोक प्रशासन
05	वाणिज्य	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	प्रबन्ध अध्ययन, अर्थशास्त्र।
06	पर्यटन	डॉ0 अखिलेश सिंह	पर्यटन	होटल प्रबन्ध, प्रबन्ध अध्ययन, वाणिज्य
07	होटल प्रबन्ध	डॉ0 जटाशंकर तिवारी	होटल प्रबन्ध	पर्यटन प्रबन्ध, प्रबन्ध अध्ययन, वाणिज्य
08	प्रबन्ध अध्ययन	डॉ0 मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध अध्ययन	वाणिज्य, होटल प्रबन्ध एवं पर्यटन अध्ययन, एग्री बिजनेस मैंनेजमैंट, अर्थशास्त्र
09	गृह विज्ञान	डॉ0 दीपिका वर्मा	गृह विज्ञान	खाद्या विज्ञान/खाद्य और पोषण/खाद्य प्रौद्योगिकी/पोषण और डायटेटिक्स/मानव विकास और परिवार का अध्ययन/बाल विकास, परिवार संसाधन प्रबंधन/गृह अर्थशास्त्र, वस्त्र/वस्त्र विज्ञान, विस्तार शिक्षा/विस्तार और संचार।
10	विशेष शिक्षा	डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल	विशेष शिक्षा	शिक्षाशास्त्र, विशेष शिक्षा
11	रसायन विज्ञान	डॅ0 शालिनी सिंह	रसायन विज्ञान	कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी/ माइक्रोबायोलॉजी, वनस्पति विज्ञान, औषधि विज्ञान, सांख्यिकी
12.	भौमिकी/भू-गर्भ विज्ञान	प्रोफेसर पी0डी0 पंत	भौमिकी/भू-गर्भ विज्ञान	भूगोल/पर्यावरण विज्ञान/भौगोलिक सूचना प्रणाली एवं दूर संवेदी अनुप्रयोग

विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार प्रस्ताव का अवलोकन कर विश्वविद्यालय में नियोजित आचार्यों, सह-आचार्यों एवं सहायक आचार्यों को शोध निर्देशकों के रूप में मान्यता दिये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियॉ जिन्हें मा0 कुलपतिजी द्वारा अनुमोदित किया गया है, पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.11- विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना में परिवर्तन हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव का विद्या परिषद द्वारा अवलोकन कर विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों/ पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना में परिवर्तन हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.12- पीएच0डी0 पाठ्यकार्य (Course Work) को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर निदेशक, शोध द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पीएच0डी0 पाठ्यक्रम के शैक्षणिक सत्र-2021 में पंजीकृत विद्यार्थियों के पाठ्यकार्य की कक्षाएं आरम्भ की जानी है। COVID 19 वैश्विक महामारी संक्रमित होने के कारण उत्पन्न विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पीएच0डी0 पाठ्यक्रम के शैक्षणिक सत्र 2021 के पाठ्यकार्य (Course Work) को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये जाने हेतु प्रकरण विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया है। प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा वर्तमान में उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियोंवश सर्वसम्मति से पीएच0डी0 पाठ्यकार्य (Course Work) को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.13- 'स्वंय प्रभा' शैक्षिक टी0वी0 चैनल पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा शैक्षिक कार्यक्रम अपलोड किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि **'स्वंय प्रभा'** शैक्षिक टी0वी0 चैनल संख्या-20 का उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में स्थानीय नोडल सेन्टर बनाया गया है, जिसमें मा0 कुलपति जी के अनुमोदनोपरान्त डॉ0 सुमित प्रसाद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस नोडल सेन्टर के माध्यम से विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों में आधे-आधे घंटे के शैक्षिक कार्यक्रम बनाकर अपलोड कर सकता है, जिसे स्वंय प्रभा टी0वी0 चैनल-20 के द्वारा प्रसारित किया जायेगा। इस हेतु शिक्षकों अथवा बाह्य विशेषज्ञों को स्वंय प्रभा द्वारा मानदेय भी दिया जायेगा, जिससे विश्वविद्यालय पर कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई तथा सर्वसम्मति से प्रस्ताव की प्रशंसा करते हुए अनुमोदन दिया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.14- पर्यटन तथा होटल प्रबन्धन को मिलाकर एक विभाग किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर निदेशक, अकादमिक द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि यू0जी0सी0-(DEB) के द्वारा होटल प्रबन्धन को ऐसे विषयों की सूची में रखा गया है जिनकी मान्यता दूरस्थ शिक्षा के माध्यम में नहीं दी जायेगी। विश्वविद्यालय में होटल प्रबन्धन में एक सह-आचार्य भी नियुक्त है, व्याप्त परिस्थितियों में विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है कि ***'पर्यटन एवं आतिथ्य'*** के नाम से नवीन विभाग का सृजन कर इस विभाग में होटल प्रबन्धन विभाग के शिक्षक को भी समायोजित किया जाय। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव से

अवगत होते हुए प्रस्तुत प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करते हुए संस्तुति की गयी कि इस प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अनुमोदनोपरान्त कार्यवाही की जाय।

प्रस्ताव संख्या 20.15- विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों के लिए चलाये गये एक माह की अवधि के Faculty Induction Programme की सूचना के संबंध में।

प्रस्ताव पर निदेशक अकादमिक द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि यू0जी0सी0 विनियम-2018 के प्राविधानों में यह अनिवार्य किया गया है कि नवनियुक्त शिक्षकों को एक माह की अवधि का Faculty Induction Programme कराया जाय। इस Faculty Induction Programme की मान्यता एक Orientation Programme के समान होगी।

उक्त विनियम के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 5 मार्च, 2021 से दिनांक 5 अप्रैल, 2021 तक की अवधि में Faculty Induction Programme चलाया गया। इस कार्यक्रम में दूसरे देशों के बाह्य विशेषज्ञों के अतिरिक्त एम0एच0आर0डी0, इग्नू तथा ए0टी0आई0 इत्यादि संस्थाओं के विषय-विशेषज्ञों के अलावा आन्तरिक विषय विशेषज्ञों के द्वारा भी नवनियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रस्तुत प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई तथा प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, अकादमिक की इस कार्य हेतु सराहना करते हुए उन्हें विद्या परिषद द्वारा बधाई दी गयी एवं प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 20.16- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

1. निदेशक, अकादमिक द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया कि ऑनलाइन सत्रीय कार्य में परीक्षार्थियों द्वारा एक विषय हेतु 2 बार प्रयास में सत्रीय कार्यों को हल किया जा सकता है। दो प्रयासों में से जिस प्रयास के अंक अधिक होंगे वे अंक ही परीक्षार्थी को प्राप्त होंगे।

बैठक के अन्त में प्रोफेसर अभय सक्सेना द्वारा सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा innovation and research पर भी कार्य किया जाय जिसके अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में research paper/research journal प्रकाशित किये जा सकते हैं, जिससे शोध एवं नवाचार में भी विश्वविद्यालय अग्रणी संस्थानों में सम्मिलित हो सके। प्रोफेसर सक्सेना के सुझाव का विद्या परिषद द्वारा सराहना की गयी तथा कुलपति जी द्वारा आश्वस्त किया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा इस क्षेत्र में अवश्य कार्य किया जायेगा। इस पर विद्या परिषद द्वारा सहमति व्यक्त करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

कार्यकाल

क्रम सं.	नाम	कब से	कब तक
1.	प्रोफेसर एस.एस. हसन	22-11-2005	15-07-2008
2.	श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार)	16-07-2008	24-11-2009
3.	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	25-11-2009	24-11-2012
4.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	25-11-2012	13-02-2013
5.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	14-02-2013	13-04-2016
6.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	14-04-2016	02-05-2016
7.	प्रोफेसर नागेश्वर राव	03-05-2016	17-07-2018
8.	प्रोफेसर डी.के. नौडियाल	18-07-2018	08-02-2019
9.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	09-02-2019	अब तक

कुलसचिवों की सूची

कार्यकाल

क्रम सं.	नाम	कब से	कब तक
1.	डॉ. एस.ए.चारी	20-01-2006	22-06-2006
2.	श्री महादेव प्रसाद अतिरिक्त प्रभार	03-11-2006	05-03-2007
3.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	06-03-2007	19-12-2007
4.	डॉ. बी.आर.पन्त विशेष कार्यधिकारी	20-12-2007	21-06-2010
5.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	22-06-2010	27-12-2011
6.	श्री सुधीर बुड़ाकोटी	28-12-2011	24-07-2012
7.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	25-07-2012	25-12-2012
8.	प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे	26-12-2012	16-09-2013
9.	श्री लक्ष्मण सिंह रावत	17-09-2013	16-09-2015
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	16-09-2015	04-12-2015
11.	प्रोफेसर आर.सी. मिश्र	04-12-2015	18-09-2018
12.	श्री भरत सिंह	18-09-2018	12-10-2020
13.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	12-10-2020	29-12-2020
14.	प्रोफेसर एच.एस. नयाल	29-12-2020 से	अब तक

1. पाठ्यचर्या आयाम
(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 100 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। भविष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 52 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन
14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है । प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं

बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो-विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके। विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
6.	संगीत	बी0ए0
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	बी0ए0
9.	लोक प्रशासन	बी0ए0
10.	राजनीति विज्ञान	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	डीपीएचसीएन व बी0ए0
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	लोक प्रशासन	एम0ए0 प्रथम वर्ष
18.	जन्तु विज्ञान	बीएससी (जन्तु विज्ञान)
19.	रसायन विज्ञान	बीएससी (रसायन) एवं एमएससी प्रथम सेमेस्टर
20.	वनस्पति विज्ञान	बीएससी (वनस्पति विज्ञान)
21.	भौतिकी	बीएससी (भौतिकी) प्रथम वर्ष
22.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
23.	मनोविज्ञान	बी0ए0
24.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
25.	भूगोल	बी.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता

लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 88 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 88 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XIII & XIV)

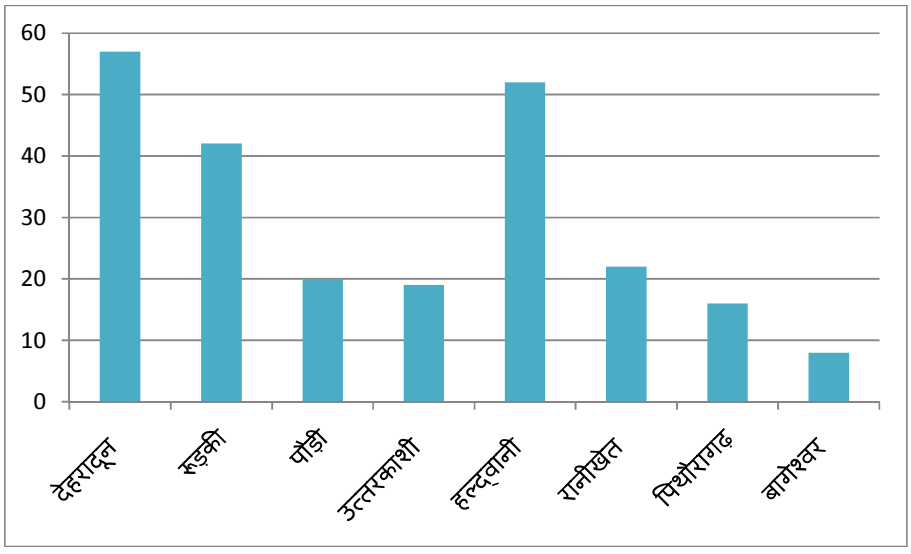

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय

केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन
(Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230
13	2018-19	56,014
14	2019-20	79355
15	2020-21	90253

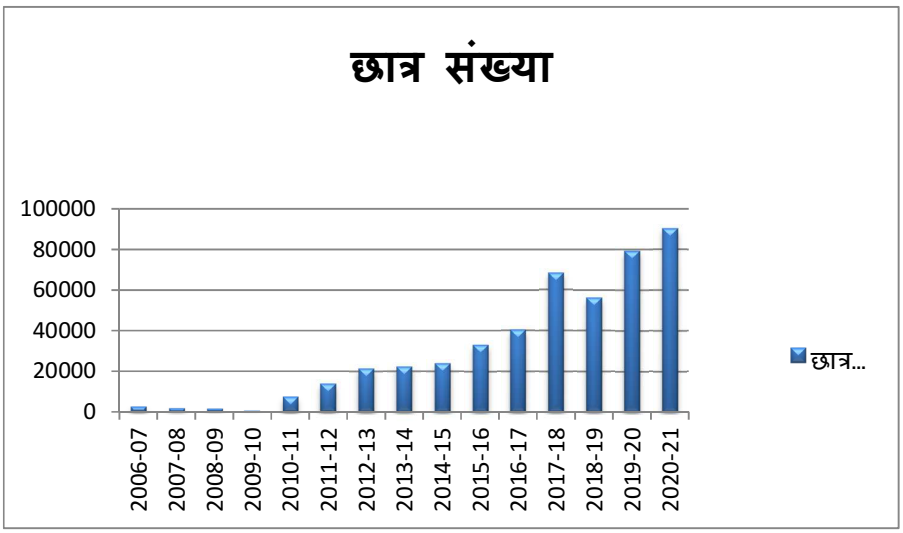

वर्ष वार छात्रों की संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या में 2011-12 के पश्चात् क्रमश: वृद्धि होती रही है। यह तथ्य ऊपर दी गयी सारिणी में आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी जो कि वर्ष 2020-21 में 90,253 पहुँच चुकी थी। UGC द्वारा विश्वविद्यालय को अन्य नवीन पाठ्यक्रमों की मिल जाने से छात्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

सामान्य / दिव्यांग छात्र

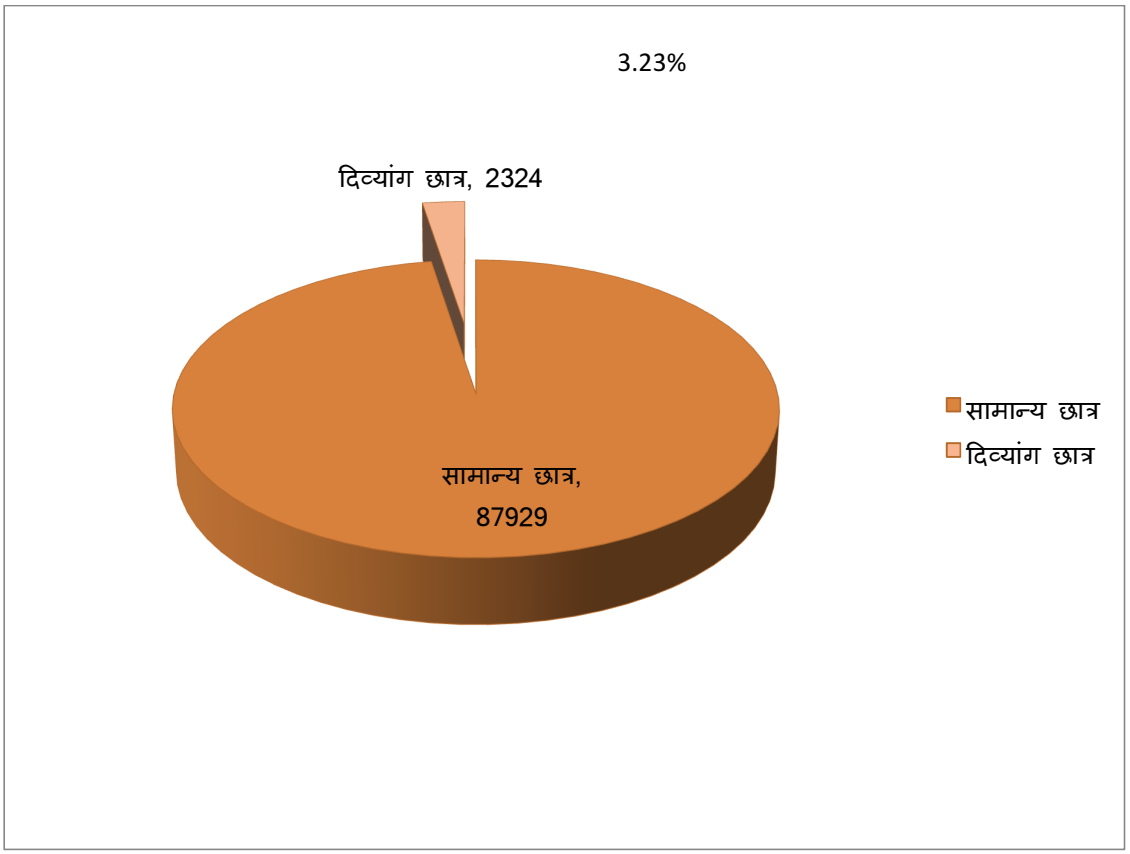

सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 56,014 छात्रों में से 1779 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2020-21 में 90,253 छात्रों में इनकी संख्या 2324 हो गई। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

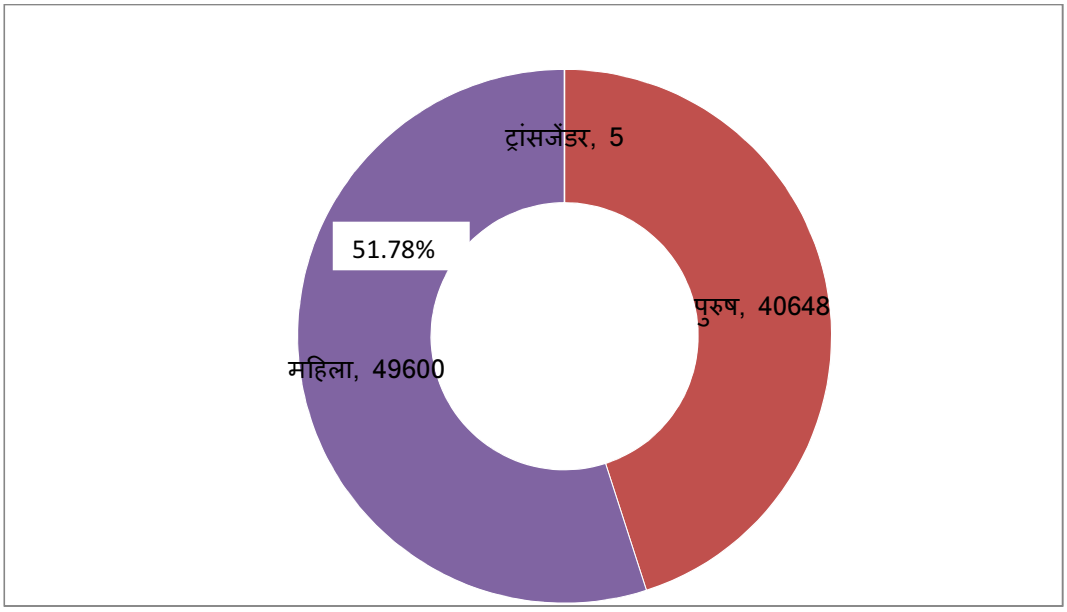

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। पिछले वर्ष 30111 छात्रों के मुकाबले 25903 छात्रायें थीं। इस वर्ष छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। सत्र 2020-21 में 40648 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 49600 हैं। विगत वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या निरन्तर बढ़ रही हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011
2018-19	37710	6523	2477	9304
2019-20	51911	10494	3972	12938
2020-21	57378	12285	4686	15838

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 9304 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 6523 एवं अनुसूचित जनजाति के 2477 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या में वृद्धि हुई हैं। सत्र 2020-21 में पिछड़े छात्रों की संख्या 15836 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 12185 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 4686 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

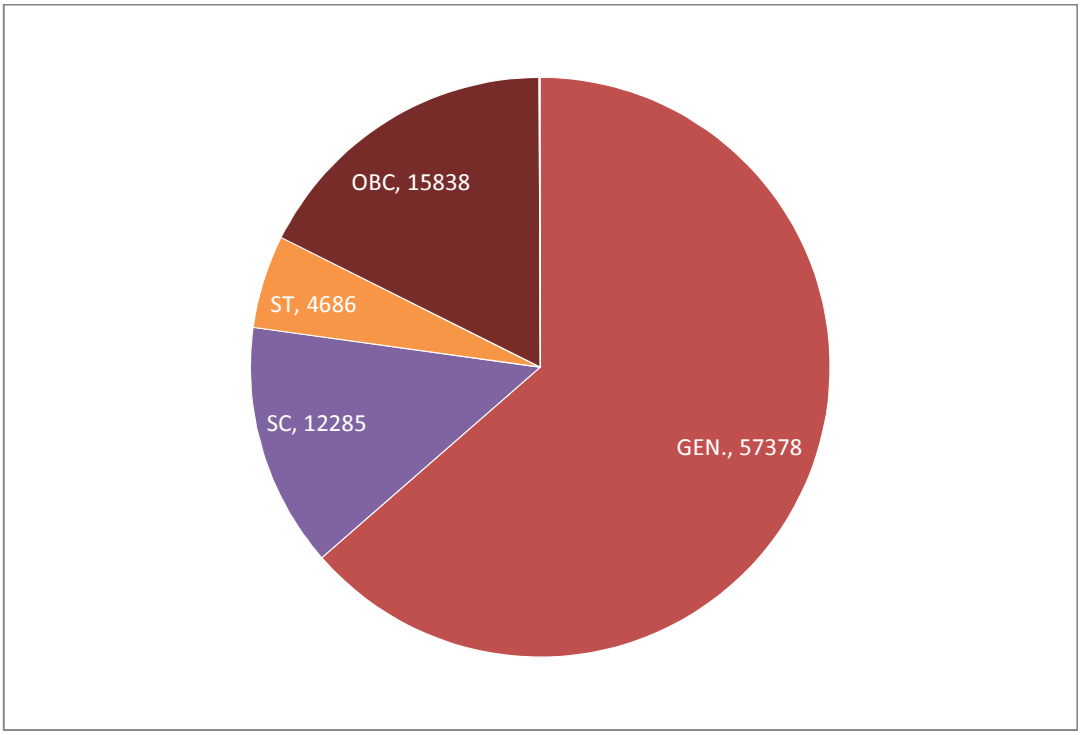

2.2 विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
(SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

- अंग्रेजी विषय में बी0ए0 एवं एम0ए0 पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ संस्कृत विभाग

दिनांक 24 एवं 25 जून 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं संस्कृत-ज्योतिष-कर्मकाण्ड विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, के संयुक्त तत्वावधान में '**प्राचीन भारतीय साहित्य में विज्ञान प्रौद्योगिकी तथा महामारी विषयक तत्व'** पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें स्वागत भाषण **माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी** जी द्वारा किया गया। आर्शीवचन **महामहिम राज्यपाल महाराष्ट्र सरकार श्रीमान भगत सिंह कोश्यारी जी** द्वारा दिया गया। उसी क्रम में **महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड सरकार श्रीमती बेबी रानी मौर्य जी** के द्वारा प्रेषित सन्देश वाचन किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रोफे0 बी0एस0 राजपूत, पूर्व कुलपति कु0वि0 नैनीताल, प्रोफे0 देवी प्रसाद त्रिपाठी, कुलपति उ0 सं0 वि0 वि0 हरिद्वार, **प्रोफे0 रूप किशोर शास्त्री, कुलमति** गु0 का0 वि0 वि0 हरिद्वार, **प्रोफे0 कमला पाण्डेय** पूर्व विभागाध्यक्षा काशी हिन्दू वि0 वि0 वाराणसी, **डा0 धीरेन्द्र झा** अखिलभारतीय संस्कृतप्रमुख विद्याभारती नई दिल्ली, **प्रोफे0 पवन कुमार शर्मा** निदेशक दी0 द0 उ0 शो0 पी0 चौ0 च0 सि0 वि0 वि0 मेरठ,जी रहे।

इस अवसर में अध्ययक्षीय उद्बोधन माननीय कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी जी द्वारा किया गया। संगोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकीविद्याशाखा के प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक गण, शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे। इस वेबिनार में 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया गया है। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, डॉ0 प्रभाकर पुरोहित, डॉ0 नीरज जोशी, डॉ0 गगन सिंह, डॉ0 अखिलेश सिंह, डॉ0 सूर्यभान सिंह, डॉ0 घनश्याम जोशी, डॉ0 जटाशंकर तिवारी आदि उपस्थित रहें। वेबीनार में तकनीकी सहायक राजेश आर्या एवं विनीत पौडियाल जी ने अपना सहयोग दिया।

प्राचीन विद्याओं में नए अनुसंधान की जरूरत

वेब संगोष्ठी

Dehradun · Garhwal Post · 9

Koshyari inaugurates Seminar on 'Science, Technology & Epidemic in Ancient Indian Literature'

'Goonj' urges CM to help U'khand Folk Artists

Natural phytochemicals in Ashwagandha, Giloy, Tulsi can fight Covid: Patanjali

❖ **संस्कृत सप्ताह पर व्याख्यान माला**

दिनांक 06 एवं 07 अगस्त 2020 को संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, संस्कृत-ज्योतिष विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, के संयुक्त तत्वावधान में **व्याधियों की चिकित्सा व निदान में ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता** विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजन डॉ. देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। जिसमें कार्यक्रम के संरक्षक **माननीय कुलपति प्रोफे0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी रहे। स्वागत भाषण प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल** जी द्वारा किया गया। **प्रोफे0 राम चंद्र पांडे जी ने (पूर्व संकाय प्रमुख संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय काशी विश्वविद्यालय वाराणसी), प्रोफे0 प्रेम कुमार शर्मा** जी, **विशिष्ट वक्ता** प्रोफे0 विनय कुमार पांडे **डॉ0 अशोक थपलियाल, डॉ0 श्री विशाल त्रिपाठी, डॉ0 देशबन्धु शर्मा, डॉ0 योगेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ0प्रवेश व्याश,** ने चिकित्सा ज्योतिष में ज्योतिषशास्त्र की वैज्ञानिकता का सार रुप में प्राच्य पतिच्य दृष्टिकोण से अपने वक्तव्य में विस्तार से निदान समाधान रूप में व्याख्यान दिया।

इस अवसर में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रोफे0 देवी प्रसाद त्रिपाठी कुलपति उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार जी ने कहा की स्वस्थ व्यक्ति को स्वास्थ्य की रक्षा रखने का काम ही ज्योतिष शास्त्र का है। ज्योतिर्विज्ञान सभी विज्ञानों का जनक है।

इस वेबिनार में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गगन सिंह, डॉ. जटाशंकर तिवारी, डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. नीरज जोशी, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ0 राकेश रयाल, व्रजेश बनकोटी, भरत नैनवाल, विभू काण्डपाल आदि उपस्थित रहें। वेबीनार में तकनीकी सहायक राजेश आर्या एवं विनीत पौडियाल जी ने अपना सहयोग दिया।

❖ **ऑनलाइन सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला**

दिनांक – 05 से 11 सितम्बर 2020 तक भारत अध्ययन केंद्र काशी विश्वविद्यालय वाराणसी तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, आर्यावर्त शोध संस्थान उत्तराखंड एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ **भारतीय ज्ञान परंपरा में संस्कृत की केंद्रीय भूमिका नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में** विषय पर आयोजन किया गया। जिसमें सम्पूर्ण भारत वर्ष से विभिन्न विद्वानों ने अपने विचारों से इस विचार परम्परा को पुष्ट किया। कार्यशाला में स्वागत भाषण प्रोफेसर एसपी शुक्ला कार्यशाला निदेशक द्वारा किया गया **विशिष्ट अतिथि डॉ धन सिंह रावत माननीय शिक्षा मंत्री उत्तराखंड सरकार सरकार जी** ने अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तराखंड में प्रत्येक ब्लॉक में एक संस्कृत गांव की स्थापना की जाएगी, **मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर कमलेश दत्त त्रिपाठी जी कुलाधिपति** अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा एवं पदाधिकारी भारत अध्ययन केंद्र वाराणसी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भारत की भाषा नहीं है। यह सारे भूखंड की भाषा है। यह भाषा यूनान से लेकर दक्षिण अफ्रीका के तट पर इसका प्रभाव है। आधुनिक भारतीय भाषा से ही संस्कृत का विस्तार है। संस्कृत का अंतर्संबंध सभी भाषाओं के साथ रहा है, भारतीय भाषा व संस्कृत भाषा समावेशी परंपरा है "विद्या अमृत मस्नुते" अर्थात संस्कृत भाषा तो अमृत को देने वाली है। उद्घाटन सत्र के धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर सदाशिव द्विवेदी समन्वयक भारत अध्ययन केंद्र वाराणसी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ देवेश कुमार मिश्रा ने किया सत्र में उद्बोधन प्रोफे 0 देवी प्रसाद त्रिपाठी, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, प्रोफे0 सुनील कुमार जोशी ,कुलपति, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिद्वार, श्रीमान् दिनेश-कामत जी, अ0भा0 संघटन मन्त्री, संस्कृतभारती, प्रोफे0 आर0 सी0 मिश्र,निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, श्रीमान् शिव प्रकाश जी, राष्ट्रीय सह संघटन मन्त्री,भा.ज.पा., प्रोफे0 वी0 एस0 राजपूत पूर्व कुलपति, एच0 एन0 वी0 गढ़वालतथा कुमऊँ विश्वविद्यालय, प्रोफे0 मुरली मनोहर पाठक ,अध्यक्ष, संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग दी0 द0 उ0 शो0 सं0, गोरखपुर, प्रोफे0 अम्बिका दत्त शर्मा, दर्शन विभाग, डॉ0 हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, प्रोफे0 राजेश्वर मिश्र,महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा, श्रीमती जानकी त्रिपाठी , प्रान्त अध्यक्षा, संस्कृतभारती उत्तराखण्ड, डॉ0 योगेन्द्र कुमार , ने0 पीजी0 का0 बड़हलगंज, गोरखपुर, प्रोफे0 सदाशिव द्विवेदी, समन्वयक, भारत अध्ययन केन्द्र, का0 हि0 वि0वि0, वाराणसी।, प्रोफे0 दिनेश प्रसाद सकलानी, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय,श्रीनगर ,प्रोफे0 पवन कुमार शर्मा,निदेशक, दी0 द0 उ0 शो0 पी0, चौ0 च0 सि0 वि0 वि0, मेरठ , प्रोफे0 राजा वशिष्ठ त्रिपाठी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रोफे0 शिवानी वी. व्याकरण विभागाध्यक्षा कर्नाटका संस्कृत यूनिवर्सिटी, बैंगलोर , डॉक्टर लक्ष्मी मिश्रा दीनदयाल उपाध्याय चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय गोरखपुर आदि ने दिया।

इस कार्यशाला में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर नन्दन कुमार तिवारी, डॉक्टर नीरज जोशी, डॉक्टर प्रभाकर पुरोहित, डॉक्टर सूर्यभान सिंह, डॉक्टर अखिलेश सिंह, भरत नैनवाल आदि उपस्थित रहे।

❖ हिन्दी विभाग

- विभागीय अध्यापक द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ ज्योतिष विभाग

- ज्योतिष विभागीय सहायक प्राध्यापक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा **वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा (DVS-20)** नवीन पाठ्यक्रम आरम्भार्थ तत्सम्बन्धित पाठ्यसामग्री तैयार की गयी। सत्र 2020-21 से विश्वविद्यालय द्वारा यह पाठ्यक्रम आरम्भ भी किया जा चुका है।
- पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा (DVS-20) पाठ्यक्रम के लिए तृतीय पत्र (DVS-103) एवं चतुर्थ पत्र (DVS-104) की कुल 08 इकाईयों का लेखन कार्य किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा एम.ए. ज्योतिष (द्वितीय सेमेस्टर) की कुल चार पुस्तकों का सम्पादन कार्य पूर्ण किया गया।
- वर्ष 2020 Covid-19 नामक महामारी के प्रभाव से विश्वविद्यालयीय समस्त क्रियाकलाप ऑनलाइन माध्यम से ही सम्पादित किये जा रहे थे। अत: डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा सत्र 2020-21 में देश-विदेश के विभिन्न संस्थाओं में ऑनलाइन आयोजित कुल 23 राष्ट्रीय- अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार/व्याख्यान माला/मुख्य वक्ता/ शोधपत्र वाचन/ राष्ट्रीय कार्यशाला आदि में प्रतिभाग किया गया।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 एवं 20 अगस्त 2020 को विषय विशेषज्ञ के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) के ज्योतिष विभाग में आचार्य (एम.ए.) चतुर्थ सेमेस्टर (गणित ज्योतिष) तथा आचार्य (एम.ए.) द्वितीय सेमेस्टर (फलित ज्योतिष) के छात्रों की ऑनलाइन मौखिकी परीक्षा (VIVA) ली गयी।
- दिनांक 19 जुलाई 2020 को Government Degree College, कोटाबाग द्वारा आयोजित New Dimensions in Higher Education and Research: Perspective & Prospects विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 24 अगस्त 2020 को कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलोर द्वारा आयोजित Transformation of Sanskrit Varsities, National Education Policy 2020 विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 19 सितम्बर 2020 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित ''रामायण का वैश्विक स्वरूप'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 27 सितम्बर 2020 को UOU, हल्द्वानी द्वारा आयोजित Tourism and Rural Development विषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 5-11 सितम्बर 2020 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष सन्दर्भ में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, भारत अध्ययन केन्द्र, BHU, वाराणसी तथा आर्यावर्त शोध संस्थान, देवभूमि विचार मंच व संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''भारतीय ज्ञानपरम्परा में संस्कृत की केन्द्रीय भूमिका'' विषयक सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला पूर्ण किया।
- दिनांक 11 दिसम्बर 2020 को वैदिक विज्ञान केन्द्र, BHU, वाराणसी तथा महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय वलोड्राप द नीदर्लेण्ड्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "Veda for World Peace" विषयक द्वितीय अन्तर्जालीय विश्वसम्मेलन में प्रतिभाग किया गया।

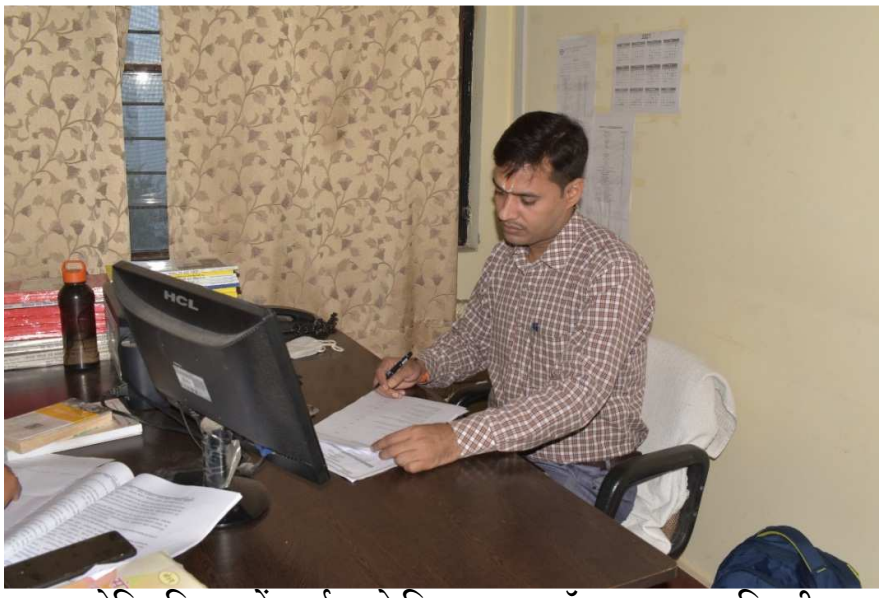

ज्योतिष विभाग में कार्य करते विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी

❖उर्दू विभाग

- उर्दू विषय में छात्रों का परामर्श सत्र आयोजन किया।

❖ संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग

- विभाग द्वारा दिनांक 10/07/2020 से 16/07/20 तक वर्चूयल कार्यशाला आयोजित की गई।
- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा विद्याथियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया गया।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

इतिहास विभाग

- प्रो. गिरिजा पाण्डे (निदेशक, सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा) द्वारा दिनाँक 13 और 14 फरवरी 2021 को "जम्मू कश्मीर एवं लद्दाखः हमारी भूमिका" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी में प्रतिभाग किया ।
- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2020-21 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।

राजनीति विज्ञान विभाग

- राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ0 सूर्यभान सिंह द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की पाठ्यसामग्री निर्मित की गई।

लोकप्रशासन विभाग

- डॉ0 घनश्याम जोशी द्वारा लोक प्रशासन विषय के स्नातक की अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग द्वारा अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

- शालिनी चौधरी द्वारा अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

- समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग द्वारा पुस्तकों का सम्पादन कार्य किया गया।

वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा
(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

वाणिज्य विभाग

- डॉ0 गगन सिंह के द्वारा एम0कॉम की पाठ्यसामग्री निर्माण आरम्भ किया गया।

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

- डॉ. मंजरी अग्रवाल द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।
- डॉ. सुमित प्रसाद द्वारा पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF SCIENCE)

विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण -

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है –

2020-21 कोविड के कारण ऑन लाइन (on line) सम्पन्न कराई गई।

ग्रीष्मकालीन सत्र 2020-21

	प्रयोगात्मक कार्यशाला केंद्र	सम्भावित दिनांक
1	एस जी आर आर पी जी देहरादून	19.5.21 से 21. 05. 21
2	राजकीय पी जी कालेज उत्तरकाशी	19.5.21 से 21. 05. 21

शीतकालीन सत्र - 2020-21

क्रम संख्या	तिथि	सत्र
1.	05. 04. 2021 से 09. 04. 2021 तक	एम.ए एम.एससी प्रथम समेस्टर (ग्रीष्म कालीन सत्र)
2.	19. 5 .2019 से 24. 5. 2021 तक	एम.ए एम.एससी प्रथम समेस्टर (ग्रीष्म कालीन सत्र)
3.	17. 04. 21 से 22. 04. 21 तक	बी.ए बी.एससी प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय वर्ष (शीत कालीन सत्र)

वनस्पति विज्ञान विभाग (Department of Botany)

विज्ञान विद्याशाखा के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक में नामंकित विद्यार्थियों के लिए अकादमिक सत्र (2020-21) में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया गया जिनका विवरण निम्नवत है -

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

भौतिकी विभाग (Department of Physics)

विज्ञान विद्याशाखा के भौतिकी विभाग द्वारा स्नातक एवं परास्नातक में नामंकित विद्यार्थियों के लिए अकादमिक सत्र (2020-21) में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया गया जिनका विवरण निम्नवत है –

भौतिकी विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण

जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर जंतु विज्ञान विषय में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है –

ग्रीष्मकालीन सत्र 2020-21

जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

B.Sc. & M.Sc. Zoology	ऑनलाइन कार्यक्रम (Google Meet & Zoom Application)

शीतकालीन सत्र सत्र 2020-21

जंतु विज्ञान विद्याशाखा द्वारा शीतकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

B.Sc. & M.Sc. Zoology	ऑनलाइन कार्यक्रम (Google Meet & Zoom Application)

1.डा . पी. के. सहगल (जंतु विज्ञान विभाग)

1-Organized/attended any workshops/webinars/seminars/lectures or any other academic event or other event.

1. Participate Webinar on "World Environment Day- 2021", 5th June 2021 organized by School of Earth and Environmental Scienes, Uttarakhand Open University, Haldwani (U.K.).
2. Attended two days national webinar on "Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation". Organized by Dept. of Special Education (School of Education) Uttarakhand Open University, Haldwani on 23-24 January 2021.
3. Attended "online workshop on moodle for teachers and administrators of UOU" organized by Uttarakhand Open University in collaboration with CIMCA, New Delhi on dated March 2-4, 2021.
4. Participated induction program for faculty conducted by Uttarakhand Open University from March 5 to April 5, 2021.

डॉ. श्याम कुंजवाल द्वारा सत्र 2020-21 में निम्न कार्य किये गये हैं -

1-Organized/attended any workshops/webinars/seminars/lectures or any other academic event or other event.

1. Participate Webinar on "World Environment Day- 2021", 5th June 2021 organized by School of Earth and Environmental Scienes, Uttarakhand Open University, Haldwani (U.K.).
2. Attended two days national webinar on "Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation". Organized by Dept. of Special Education (School of Education) Uttarakhand Open University, Haldwani on 23-24 January 2021.
3. Attended "online workshop on moodle for teachers and administrators of UOU" organized by Uttarakhand Open University in collaboration with CIMCA, New Delhi on dated March 2-4, 2021.
4. Atteneed a National Level Awareness Programme (NLAP)- 2020 organize School of Vocational Studies in collaboration with Ministry of Micro,Small & Medium Enterprises (MoMSME), Govt. of India, at Uttarakhand Open University, Haldwani. 27th Feb. 2020.
5. Participated induction program for faculty conducted by Uttarakhand Open University from March 5 to April 5, 2021.

डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा किये गये कार्यों का विवरण -

1. Participate Webinar on "World Environment Day- 2021", 5th June 2021 organized by School of Earth and Environmental Scienes, Uttarakhand Open University, Haldwani (U.K.).
2. Attended two days national webinar on "Challenges related to mental well being of Divyangjan in Corona Period and their therapeutic Rehabilitation". Organized by Dept. of Special Education (School of Education) Uttarakhand Open University, Haldwani on 23-24 January 2021.
3. Attended "online workshop on moodle for teachers and administrators of UOU" organized by Uttarakhand Open University in collaboration with CIMCA, New Delhi on dated March 2-4, 2021.
4. Atteneed a National Level Awareness Programme (NLAP)- 2020 organize School of Vocational Studies in collaboration with Ministry of Micro,Small & Medium Enterprises (MoMSME), Govt. of India, at Uttarakhand Open University, Haldwani. 27th Feb. 2020.
5. Participated induction program for faculty conducted by Uttarakhand Open University from March 5 to April 5, 2021.

❖ भौतिकी विभाग -

Dr. Kamal Devlal

- Completed 2 unit writing of M.Sc. courses, Solid state physics
- Prepared PPT /lecture notes unit 1, 2,3 (total 2) Solid state physics for M.Sc. previous students .

Dr. Meenakshi Rana

- Completed unit writing of M.Sc. courses (Spectroscopy (MSCPH507) unit 8).
- Modified M.Sc. syllabus in semester mode.
- Engaged in modifying books in semester mode.
- Engaged in collecting M.Sc. Spectroscopy and Stastical physics units from writers.
- Engaged in preparing lecture notes for M.Sc. previous students.
- Counseling regarding M.Sc. physics assignment.
- Attended webinar on "Material Science, Technology & Society (MSTS 2020)" organized by JNU, New Delhi, India, during 8 to 9 May 2020.
- Attended webinar on Biomedical Applications of Raman Spectroscopy, organized by University of Lucknow, on 11 May 2020.
- Attended and presented paper in the international webinar on "Prospective of Interdisciplinary Research in Science and Technology in Present Scenario", organized by the Department of Physics, Ch. Charan Singh University, Meerut, UP, India, during May 15-16, 2020. Presented paper entitled "Biomedical Applications of Quantum Dot".
- Attended webinar on IDL Light for Innovation Thought and Education Webinar by IIT Bombay on 16 May 2020.
- Attended a webinar on Virtual Symposium on Emerging Areas of Photonics to Celebrate International Day of Light, organized by The National Academy of Sciences India (NASI) -Delhi Chapter and The Optical Society of India New Delhi, India, on May 16, 2020.
- Attended e-seminar on Crystal engineering for pharmaceuticals development,organized by university of Lucknow, India, May 20, 2020.
- Attended three Days International Virtual Seminar on The Role of Nanotechnology Against COVID-19, organized by Algappa university, India, May 20 -22, 2020.

- Presented paper in the international E-Conference Recent Trends in Advancement in Mathematical and Physical Sciences, D.N. College, Meerut U.P. India, May 22-23, 2020.
- Attended International Webinar on the topic entitled "Covid 19 Pandemic :Emerging Challenges & Perspectives in E- Learning" organized by Harsh Vidya Mandir PG College Raisi, Haridwar, Uttarakhand, May 29, 2020.
- Attended webinar on Engineering Solutions for Point-of-Care & Early Diagnostics organized by IEEE Electron Device Society (EDS) Delhi Chapter – India and Department of Electronic Science and University of Delhi South Campus, New Delhi, May 30, 2020

Dr. Rajesh Mathpal

1) Made power point presentation of Mathematical Physics Units6, 7 & 8 for M.Sc. 1st year students.
2) Engaged in unit writing work of M.Sc. courses.
3) Attended online workshop on "Technology to Reach and Teach the learners during COVID – 19" organized by School of computer sciences & IT and Vocational studies Uttarakhand Open University (UOU), Haldwani.
4) Attended interactive session of Hon'ble Minister of HRD Shri Ramesh PokhriyalNishankji On "Turn the Challenges to Opportunities: COVID- 19 Pandemics and measures to combat by Higher Education of India".
5) Interacted students through whatsapp on solving their doubts.

1. DEPARTMENT OF CHEMISTRY

Dr. Shalini Singh

1. Prepared M.Sc. syllabi in semester pattern.
2. Attended five days International online workshop from 21-25 May, 2020 on "**Technology to Reach and Teach the Learners during Covid-19**" in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia(CEMCA), New Delhi.
3. Attended TELCOP Webinar on 25 may 2020, Topic Lessons we are learning through pivoting quickly to fully online learning; But did we really have to learn them the hard way? Speaker: Prof Michael Sankey.
4. Attended Webinar organize by NAAC on the topic Turn the challenges to Opportunities: COVID-19 Pandemics and measures to combat in Higher Education of India* " on *28- May-2020 at 3.00 pm. Speaker : *Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank'ji Hon'ble Minister Human Resource Development*
5. Attended National Webinar on "Strategy on Personal Financial Management Including Mutual Funds during and after Covid 19" on 28 may 2020.

Dr. Charu Pant

1. Complete writing one unit of B.Sc. Organic Chemistry-II.
2. Published a research paper in the International Journal og Green and Herbal Chemistry.
3. Attended 5 day webinar workshop which was jointly organised by CIMCA and uttarakhand open University on dated 21 to 25 may 2020.
4. Regular online counselling of the students of B.Sc. and M.Sc. Chemistry students.
5. Prepare various lectures note through PPT form and regularly uploaded in the University website and whatsapp group.
6. Attended on day webinar on financial management during Covid 19 orgained by DAVPG college, Dehradun.
7. Prepared M.Sc. Lab course syllabi in semester pattern.

3. Department of Mathematics:

Dr. Kamlesh Bisht

1. During this lockdown period, I have provide E-content, books links, SLM links and handout of lectures in WhatsApp group of all M.Sc. (Mathematics) students of batch 2019-20
2. prepared 2 PPT of the book "Special Function".
3. preparing Question paper for M. Sc. Students.
4. Checked Assignments

Dr. Shivangi Upadhyay

1. prepared 2 PPT on Advanced Algebra and 1 PPT on Lilavati (Bhaskara II Book)
2. Always in contact with M.Sc. (Mathematics) students via WhatsApp group for providing them all the essential contents and learning materials.
3. Preparing cover page of MSc I and II year books.
4. Checked assignments

4. Botany:

Dr. Pooja Juyal

Regarding syllabus

- Uploaded the power point presentation lectures in the University web site for the M.Sc. students.
- Preparing another power point presentation lecture for the M.Sc. students.
- Prepare the Annual Progress Report of the department (from April 2019 to March 2020) and provided to the concerned person.
- Attended a School meeting scheduled by the director of science on May 27, 2020 at University head quarter.
- Attended a meeting scheduled by the honorable Vice Chancellor on May 29, 2020 through video conferencing.

Regarding units

- Unit writing for M.Sc. is under process.
- Assigned the units to unit writers.
- Communicated with the unit writers regarding to know the status of already allotted units.
- Editing and formatting of units for M.Sc.

Workshops/ Conferences/ Seminars/ Webinar etc

- Attended an international online workshop entitled "Technology to reach and teach the learners during COVID-19" from May, 21-25, 2020 organized by School of computer Sciences and IT and vocational Studies, Uttarakhand open University supported by Commonwealth Educational Media centre for Asia (CEMCA), New Delhi.

Dr. Kirtika Padalia

Regarding syllabus

- Uploaded the power point presentation lectures in the university web site for the M.Sc. students.
- Preparing another power point presentation lecture for the M.Sc. students.
- Provide the information regarding the Annual Progress Report of the department (from April 2019 to March 2020) to the concerned person.
- Attended the meeting scheduled by the honorable Vice Chancellor on May 29, 2020 through video conferencing.

Regarding Units

- Presently writing a unit for M.Sc. II semester (Paper- Cell biology of plants).
- Assigned the units to unit writers to complete the SLM within a time.
- Communicated with the unit writers regarding to know the status of already allotted units.
- Editing and formatting of units for M.Sc.

Research

- A manuscript is under review in Soil Use and Management.
- Citation 71 (+16 from the previous month)
- h-index 05 (+1 from the previous month)
- i10-index 02

Workshop/ Conferences/ Seminar/ Webinar etc

- Attended an international online workshop entitled "Technology to reach and teach the learners during COVID-19" from May, 21-25, 2020 organized by School of computer Sciences and IT and vocational Studies, Uttarakhand open University supported by Commonwealth Educational Media centre for Asia (CEMCA), New Delhi.

- Participated in an online Botany quiz III organized by Department of Botany, SS College Shahjahanpur, UP, India held on May 26, 2020.

Dr. Prabha Dhondiyal

1. Prepared power point presentations for M.Sc. Botany Paper Name: Biology and Diversity of Algae, Bryophyta and Pteridophytes (BOT- 502) Block –Pteridophytes Unit 19 and 20.
2. The above mentioned PPTs are uploaded on University's website.
3. Two power point presentations and video lectures are under progress.
4. Provided the required information regarding Annual Progress Report of the University.
5. Prepared Content lists for M. Sc. Books.
6. Attended online address by Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank'ji Hon'ble Minister Human Resource Development on NAAC web platform organized by National Assessment and Accreditation Council (NAAC) Bangalore to all the HEIs of the country on the topic "Turn the challenges to Opportunities: COVID-19 Pandemics and measures to combat in Higher Education of India "on 28- May-2020 at 3.00 pm.

5. ZOOLOGY:

Dr. Shyam Singh Kunjwal

- Designed the B.Sc. Zoology Programme structure in Semester/CBCS and Annual Mode.

- Designing the M.Sc. Zoology Annual Programme structure & now these courses are divided into two parts for introducing in semester mode.
- The Board of Studies Meeting (virtual online) organized in the month of May for the approval/Recommendation of M.Sc. Zoology Semester mode (BRAOU) as per UGC and B.Sc.Annual mode.
- Prepared the Audio lecture and Power Point lecture from different unit of M.Sc.zoology for PG learners.
- Some student of M.Sc.Zoology is also being given Lecture/Counseling through online like, Zoom application/Google duo and Google Classes Application.
- Students support regarding study material, result, admissions and books through online via mail, whatsapp group (B.Sc. & M.Sc.Zoology Learners Separate group in whatsapp) and Face book medium.
- Units of M.Sc. II semester allotted to the Unit writer. Some units/Book has been received.
- M.Sc.I Semester books/Unit allotted to the unit writer.
- Proofreading of M.Sc. I Semester Courses.
- Participate in online workshop on EBSCO Information Services Customer Engagement Services, Online Training for A D Pant Central Library, Kumaun University, SSJ Campus, Almora, ON Strategies and Tips to Enhance Virtual Learning by EBSCO Remote Assistance 28 May 2020.
- Participate National Webinar on "Post Covid-19, Impact on Environmental Pollution" organized by Department of Chemistry, N.A.S. College, Meerut on 31st may 2020.

Dr. Mukta Joshi

- Prepared Power Point lecture from different unit of M.Sc. Zoology for PG learners.
- Done the counseling of B.Sc. and M.Sc. students through phone, mail and whatsaap group.
- Editing of the units written by the department subject experts.
- Attended a National Webinar on "Strategies for Personal Finance Management. Including Mutual Funds During and After Covid-19" Thursday 28 May, 2020.
- Participate National Webinar on "Post Covid-19, Impact on Environmental Pollution" organized by Department of Chemistry, N.A.S. College, Meerut on 31st may 2020.

Poornima Vishwakarma

- Designed the B.Sc. Zoology Programme structure in Semester/CBCS and Annual Mode.
- Designing the M.Sc. Zoology Annual Programme structure.
- Attended the Board of Studies Meeting (virtual online) organized in the month of May for the approval/Recommendation of M.Sc. Zoology Semester mode (BRAOU) as per UGC and B.Sc.Annual mode.
- Prepared Power Point lecture from different unit of M.Sc.zoology for PG learners.
- Did online councelling of MSc and BSc Students in respect to provide support regarding study material, result, admissions and books through online via mail, whatsapp.
- Edited units Units of M.Sc. I semester allotted to the Unit writer.
- Proofreading of M.Sc. I Semester Courses.

School of Earth and Environmental Science

1. Geography:

Dr. Mohamad Akram

- Programmed structure of MA/MSc Geography (MA/MSc GE-20) in semester mode
- Attended interactive session of hon'ble Minister of HRD Shri Ramesh Pokhariyal Nishank ji on "Turn the Challenges to Opportunities: COVID-19 pandemics and measures to combat by Higher Education of India".
- Interacted students Through Whatsapp on solving their doubts.

Dr. Ranju Pandey

2- Prepared ppt of Geography and Geoinformatics.
3- Three books of MGIS is Completed, MGIS-01, 02, 04.
4- Completed unit " Classifications of Map".
5- Work regarding Synopsis checking of GIS and Communicating with Learners.

2. Forestry and Environmental Science

- Cover page designed and format editing of the above mentioned course carried out
- Uploaded one complete course FR01- Principles and Practices of Silviculture in University Website
- Uploaded two PPTs of the course FR 01 uploaded in the website.
- Support to learners on developing project report under PGDDM programme

3. Department of Agriculture and Developmental Science:

Dr. Virendra kumar

1. Attended Webinar on 28 may 2020, Topic Online training programme on post COVID Agricultural export senerio. BY CCSNIAM Jaipur Rajasthan
2. Attended Webinar organize by NAAC on the topic Turn the challenges to Opportunities: COVID-19 Pandemics and measures to combat in Higher Education of India* " on *28- May-2020 at 3.00 pm. Speaker : *Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank'ji Hon'ble Minister Human Resource Development*
3. Two Research paper send for publication

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

1. स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने एमसीए, पीजीडीसीए, एमएससी (आईटी) और एमएससी (साइबर सुरक्षा कार्यक्रम) की कार्यक्रम संरचना को संशोधित करने के लिए 08 जुलाई 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश पंत, निदेशक- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने की। बैठक में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हुए:
    a. प्रो. दुर्गेश पंत- अध्यक्ष
    b. प्रो. एस.डी. सामंत्रे- हेड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, जीबीपीयूए एंड टी, पंतनगर, यूके
    c. प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक- विज्ञान विद्यालय, यूपीआरटीओयू, इलाहाबाद, यूपी
    d. प्रो नीलेश मोदी, निदेशक- कंप्यूटर विज्ञान, बीएओयू, अहमदाबाद, जीजे
    e. डॉ. जीतेंद्र पांडे, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर- कंप्यूटर साइंस, यूओयू
    f. श्री बालम दफौती, अकादमिक सहयोगी, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, यूओयू
2. स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने एमसीए, पीजीडीसीए, एमएससी (आईटी) और एमएससी (साइबर सुरक्षा कार्यक्रम) की कार्यक्रम संरचना को संशोधित करने के लिए 13 जुलाई 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश पंत, निदेशक- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने की। बैठक में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हुए:
    a. प्रो. दुर्गेश पंत- अध्यक्ष
    b. प्रो. एम.एम.एस. रौथन, हेड- कंप्यूटर साइंस, एचएनबी घरवाल सेंट्रल यूनिवर्सिटी
    c. प्रो. के.एस. वैसला, हेड कंप्यूटर एप्लीकेशन, बीसीटी-केआईटी, द्वाराहाटी
    d. प्रो. मनु प्रताप सिंह, हेड कंप्यूटर साइंस, डॉ. बी.आर.ए. आगरा विश्वविद्यालय
    e. डॉ. जीतेंद्र पांडे, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर- कंप्यूटर साइंस, यूओयू
    f. श्री बालम दफौती, अकादमिक सहयोगी, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, यूओयू
3. डॉ. जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस और आईटी को कॉमनवेल्थ मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए), नई दिल्ली द्वारा "डिजिटल फोरेंसिक" पर एमओओसी के विकास के लिए एक

परियोजना से सम्मानित किया गया है। परियोजना की अवधि 1 वर्ष है और स्वीकृत राशि INR 6,45,000/- है|

डॉ. जीतेंद्र पांडे, सहायक प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी को कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए), नई दिल्ली से MOOC का डिजाइन और विकास: SWAYAM के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकास प्रदान करने के लिए एक परामर्श सौंपा गया है। परामर्श की अवधि 3 महीने है।

प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक- कंप्यूटर विज्ञान और आईटी स्कूल ने 22-24 दिसंबर, 2020 को आयोजित उद्योग अकादमी कॉन्क्लेव पर एक सत्र दिया, जिसका आयोजन सीएसआईआर-आईआईपी द्वारा किया गया था। सत्र का विषय " Improving Mutual Understanding between Industry and Academia" था।

डॉ. जीतेंद्र पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने, ISBN: 978-81-88770-39-7 कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, "Student Satisfaction with Open Distance Learning: Experiences of Open Universities", नामक पुस्तक में एक अध्याय " Experimenting with Online Learning at Uttarakhand Open University" प्रकाशित किया है।

डॉ. जीतेंद्र पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने 09/फरवरी/2021 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा साइबर सुरक्षा पर आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया। FDP को AICTE द्वारा प्रायोजित किया गया था।

डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रो. दुर्गेश पंत- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने "SVM Model to predict the Water Quality based on Physicochemical Parameters" नामक एक पेपर का सह-लेखन किया है, International Journal of Mathematical, Engineering and Management Sciences में प्रकाशित हुआ है, Vol. 6, No-2, 645-659, 2021, , ISSN: 2455 - 7749, (Web of Science/ESCI).

प्रो. दुर्गेश पंत- प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस और डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट, एसोसिएट प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने संयुक्त रूप से एक पेटेंट दायर किया है। पेटेंट का विवरण नीचे दिया गया है:

IoT based Smart Food Adulteration Detection System and Method Thereof	Application No. TEMP/E-1/7818/2021-DEL, Date of Filing. 20/02/2021 Publication Date. 26/02/2021

डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट, एसोसिएट प्रोफेसर- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी ने, Department of Higher Education, Uttarakhand, UCOST, USERC on February 28, 2021 द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "Role of Science for Sustainable Rural Development of Uttarakhand

- 2021" पर राष्ट्रीय वेबिनार में " Role of Technology in Rural Development" पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।

डॉ. जीतेंद्र पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर- कंप्यूटर साइंस ने International Journal of Information and Communication Technology Education (IJICTE) Volume 17, Issue 3 , a SCOUPUS and Web of Science indexed Journal on 23d April, 2021 में "Investigating Student Satisfaction With Online Courses: A Case Study of Uttarakhand Open University" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया है।

डॉ जितेंद्र पांडे ने "Ubiquitous Technologies for Human Development and Knowledge Management published by IGI Global, ISBN: 9781799878445" नामक पुस्तक में "MOOCs in Higher Education: Current Trends in India and Developed Countries" नाम का एक अध्याय सह-लेखन किया है।

डॉ. आशुतोष भट, एसोसिएट प्रोफेसर- कंप्यूटर साइंस, ने सूर्या कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, इरोड, तमिलनाडु द्वारा आयोजित "5th International Conference on Computing Methodologies and Communication, 8 अप्रैल 2021" में " Thoracic Disease Detection using Deep Learning " शीर्षक से पेपर (ऑनलाइन / वर्चुअल) प्रस्तुत किया।

डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट ने "5th International Conference on Computing Methodologies and Communication – 2021", में, "Thoracic Disease Detection using Deep Learning " शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया।

डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट ने "ACM International Conference Proceeding Series, June 2019", में "Providing patient centric healthcare to diabetic patients using D-care recommender system" शीर्षक से एक पेपर का सह-लेखन किया।

डॉ. जीतेंद्र पांडे ने Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA) द्वारा प्रकाशित "Student Satisfaction with Open Distance Learning: Experiences of Open Universities" नामक पुस्तक में "Experimenting with Online Learning at Uttarakhand Open University" नामक एक अध्याय लिखा है।

डॉ. जीतेंद्र पांडे ने एक पैनलिस्ट के रूप में Netaji Subhash Open University, Kolkata द्वारा आयोजित "MOOC entitled Development of Online Course for SWAYAM" में नामांकित शिक्षार्थियों के साथ बातचीत की।

डॉ. जीतेंद्र पांडे द्वारा विकसित "साइबर सुरक्षा का परिचय" शीर्षक से विकसित MOOC, जिसे SWAYAM द्वारा होस्ट किया गया, ने 14,650 नामांकन के साथ चौथा चक्र पूरा किया।

डॉ. आशुतोष भट्ट ने Indra Gandhi National Open University में SWYAM PRABHA चैनल -20 वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए बीसीए -17, "Programming in Java" के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

डॉ. आशुतोष भट्ट ने "Apple quality Assessment to check adulteration layer using smart sensing technique and internet of thing" नामक एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया, संदर्भ संख्या 182021002035, SCIENCE & ENGINEERING RESEARCH BOARD (SERB), DST, Govt of India, New Delhi under Core Research Grant.

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षाशास्त्र विभाग:-

- सभी विभागीय शिक्षकों द्वारा बी0एड0 सामान्य एवं बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के स्व–अनुदेशनात्मक अधिगम सामग्री का सम्पादन कार्य पूर्ण किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा एक राष्ट्रीय वेबीनार 'ऑनलाइन शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में तकनिकी का उपयोग' विषय पर आयोजित

Topic- Online Teaching and the Use of Technology in Higher Education.

विषय– 'उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण व तकनीकी का प्रयोग'

दिनांक 17.06.2020 को शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक राष्ट्रीय वेबीनार 'ऑनलाइन शिक्षा एवं उच्च शिक्षा में तकनिकी का उपयोग' विषय पर आयोजित किया गया । जिसमें 90 प्रतिभागियों द्वारा नामांकन कराया गया, इसके अतिरिक्त पूरे भारत से यू–ट्यूब पर सीधे वेबिनर में भागीदारी की गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता की गयी। कुलपति जी ने शिक्षा के क्षेत्र में ब्लेंडेड लर्निंग, टेस्ट, ई–टूल्स व वीडियो लेक्चर्स के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने की बात की। कुलपति जी ने आपदा को अवसर में बदलने को कहा तथा शिक्षा को सभी के हाथों में देने की बात कही। उन्होंने कहा इस मुश्किल समय में दूरस्थ शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आपदा के समय में तकनीकी का प्रयोग करते हुए आत्म निर्भर भारत बनाने की बात की।

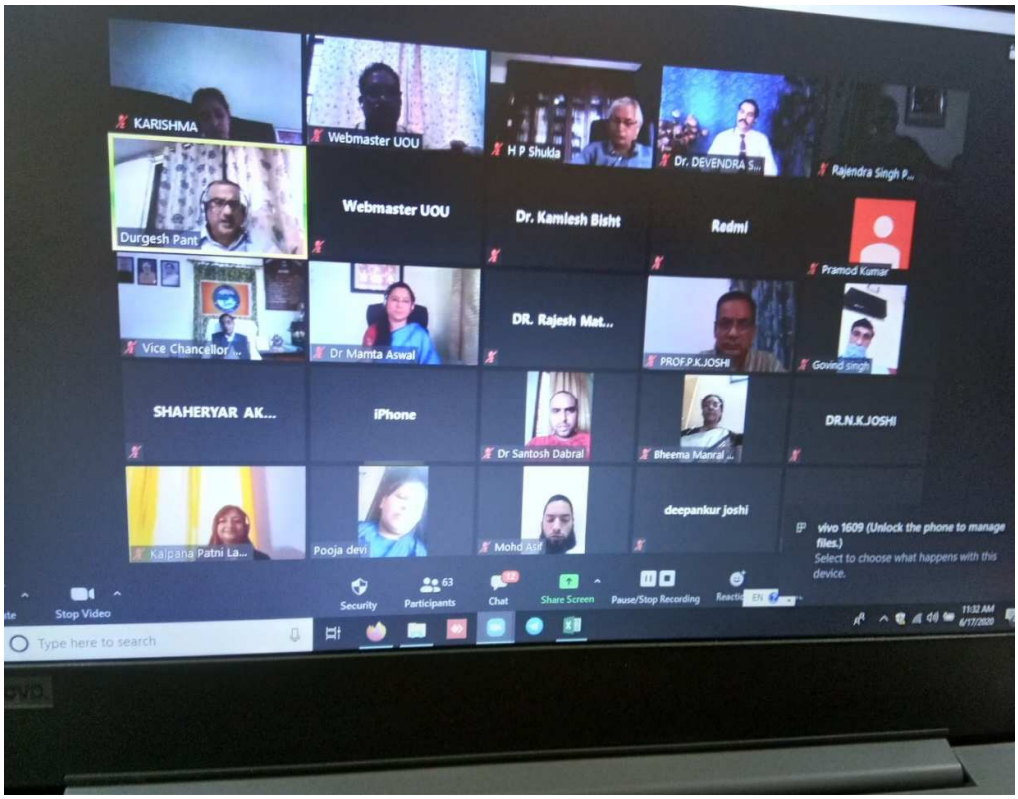

कुलपति जी द्वारा माननीय डॉ0 धन सिंह रावत जी, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार एवं प्रो0 बी0 एस0 बिष्ट, उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा उन्नयन विकास समिति, उत्तराखण्ड का स्वागत किया गया। माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कराये जा रहे ऑनलाइन शिक्षण कार्यों, विडियों लेक्चर्स के माध्यम से विश्वविद्यालय की विद्यार्थियों के घर तक शिक्षा पहुँचाने की प्रशंसा कीद्य उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को जोड़ते हुये एन0आई0सी0 के माध्यम से ई– लाइब्रेरी 30 जून तक तैयार करने के बात कही, तथा विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी के माध्यमों का अधिक से अधिक प्रयोग करने व विश्वविद्यालयों को हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से 80 से 90 प्रतिशत कोर्स पूरा हो चुका है। उनके द्वारा ये कहा गया कि ऑनलाइन कक्षाओं का एक निश्चित समय निर्धारित होना चाहिये ताकि विद्यार्थी समय से आनलाइन कक्षाओं से जुड़ सके । उन्होंने कहा भारत सरकार के उपक्रमों की मदद से सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को बेहतर नेटवर्क व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

उच्च शिक्षा उन्नयन विकास समिति, उत्तराखण्ड के उपाध्यक्ष माननीय प्रो0 बी0 एस0 बिष्ट ने कहा कि COVID–19 के समय शिक्षा के क्षेत्र मे हुई क्षति को टेक्नोलोजी के सकारात्मक पक्ष ने काफी हद तक बचाया है। शिक्षक व विद्यार्थियों द्वारा आज ऑनलाइन शिक्षा के उपयोग व ज्ञान क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि हुई है।

प्रो0 दुर्गेश पन्त जी ने अपने व्याख्यान में कहा यह जटिल समय है व जटिलता अवसर की जननी है तथा टेक्नोलाजी ने इस जटिलता में कई समस्याओं का हल दिया है।

प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा के लिये निरंतर प्रयासरत है द्य विश्वविद्यालय के दूरस्थ माध्यम से शिक्षा विद्यार्थियों के द्वार तक पहुँच रही है।

इस अवसर पर प्रो0 आर0 एस0 पथनी, डी0 एस0 विष्ट, कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल, प्रो0 पी0 के0 जोशी, हे0 न0 गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर, डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान दिये गये द्य

डॉ दिनेश कुमार, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का सफल संचालन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रया के आधार पर वेबिनार शिक्षकों व विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक व उचित मार्गदर्शन प्रदान करेगाद्य और उन्हों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के लिये उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहता है। डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा सभी प्रतिभागियों व आमंत्रित सदस्यों का धन्यवाद दिया।

निष्कर्ष–

- ऑनलाइन शिक्षा आधुनिक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में एक बड़ा परिवर्तन है।
- सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को ई–लर्निंग पुस्तकालय से जोड़ा जाना चाहिए।
- ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के लिए विश्वसनीय और सुरक्षित ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होगी जो सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रदान की जानी चाहिए।
- सभी शिक्षकों व प्राध्यापकों को ऑन लाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को समय से पाठ्यक्रम पूर्ण करने, सत्रीय कार्य, परीक्षा मूल्यांकन व परीक्षा परिणाम को समय से पूर्ण कर सकें।
- देश व विदेश के विद्यार्थियों को राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु सुविधाएँ प्रदान की जाने चाहिए।
- आधुनिक समय के बदलाव के साथ साथ समय के अनुसार सभी विषयों के पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कराया जाना चाहिए।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा विडियों लेक्चर्स व पी0पी0 टी0 तैयार कराना चाहिए।
- 12 बी में आने हेतु सरकार की ओर से हर सम्भव मदद की जानी चाहिए।

- केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा सभी स्तर के विद्यार्थियों हेतु शैक्षिक चौनल आरंभ किया जाना चाहिए। निश्चित समय व निश्चित विषय की सूची एक सप्ताह पूर्व प्रदान की जानी चाहिए।
- विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने हेतु आवश्यक उपकरण को प्रदान किया जाना चाहिए।
- अपनी शक्ति बढ़ाना, आत्मानुशासन सीखना तथा सीखने की गहरी इच्छा रखना नितांत आवश्यक है।
- व्यक्ति मे चरित्र, प्रतिबद्धता, विश्वास, साहस होना आवश्यक है जिससे की वह जीवन मे आने वाली विभिन्न समस्याओं का सामना कर सके।

विशिष्ट शिक्षा विभाग (Department of Special Education) :-

- विश्वविद्यालय द्वारा बिलखेत (पौड़ी गढ़वाल) में 'दूरस्थ शिक्षा–दुर्गम से सुगम की ओर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ ममता असवाल व कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल और विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इससे पूर्व अपने संबोधन में डॉ ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु शिक्षकों के इस प्रकार के प्रशिक्षण चलाये जाने हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इनकी शिक्षा में आने वाली चुनोतियों के समाधान कि लिए हमे प्रयास करने होंगे।

प्रतिभागी शिक्षक श्री हिमांशु जोशी द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला को अल्मोड़ा में आयोजित कराने का धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यशाला में दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, शिक्षण की तकनीकी लेने के बारे में समस्त प्रतिभागियों के लिए उपयोगी बताया। प्रतिभागी प्रशिक्षु शिक्षिका कशिश रौतेला ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु आयोजित की गयी इस कार्यशाला से हम सभी को नवीन जानकारी नई तकनीकी का ज्ञान मिला है साथ ही दिव्यांगता से सम्बंधित कई भ्रांतियों का निराकरण भी हुआ और दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यशाला संयोजक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने त्रिदिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। हरिदत्त भट्ट ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के परिसर में किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सब को करना सिखा दिया है। दिव्यांग जनों के लिए समय आ गया है कि नवीन तकनीकी एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तिकरण किया जाए। सूचना क्रांति के माध्यम से समय की आवश्यकता एवं परिस्थिति के अनुरूप उनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर अधिक से अधिक तकनीकी यों का समावेश उनके लिए किया जाना आवश्यक है जिससे कि हम एक उपयोगी समावेशी समाज का निर्माण कर सकें जिसमें कि दिव्यांगजन अपनी महती भूमिका निभा सकें। साथ ही उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केंद्र संस्थान में खोलने के लिए बात की साथ ही दिव्यांगजनों के लिए पुस्तकों के निर्माण एवं संस्थान के मॉडल विद्यालयमैं अध्यनरत दृष्टिबाधित बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मुक्त विद्यालय के अध्ययन के अंदर प्रवेश दिलाने की का अनुरोध संस्थान के निदेशक से किया साथ ही उनके लिए ब्रेल लिपि में पुस्तकों का संपादन संस्थान की प्रयोगशाला में करवाने की बात कही। दृष्टिबाधितार्थ सशक्तिकरण संस्थान के निदेशक डॉ हिमांग्शु दास ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में दिव्यांग जनों के लिए शैक्षिक और पुनर्वास के संस्थान उनकी जनसंख्या के अनुरूप बहुत ही कम है। इसके लिए हम सबको सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करना होगा।दूरस्थ शिक्षा की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है इसका लाभ दिव्यांगजनों को सशक्त करने में लिया जा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय यथाशीघ्र दिव्यांग जनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा जिससे कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा लेने में

कोई समस्या नहीं आएगी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संस्थान की गतिविधियों से परिचय कराने हेतु भ्रमण भी कराया गया।कार्यक्रम के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रमों से विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण में सहायता प्राप्त कर सकेंगे। कार्यशाला के पंकज कुमार ने आमंत्रित अतिथियों ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही ब्रेल लिपि कन दृष्टि भतार दिव्यांगों के अध्ययन में क्या भूमिका है उसके विषय में अवगत कराया। कार्यशाला में निदेशक डॉ हिमांग्शु दास एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला में संस्थान के सहायक प्राध्यापक डॉ विनोद केन डॉ सुनील शिरपुरकर डॉ आरपी सिंह, बृजमोहन सिंह खाती समेत मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजली सिंह द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

- विभागीय अध्यापक द्वारा अध्ययन सामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

पर्यटन, आतिथ्य व होटल प्रबन्ध विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality & Hotel Management)

- विभागीय अध्यापक द्वारा अध्ययन सामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा

(School of Journalism and Media Studies)

हिन्दी पत्रकारिता दिवस

30 मई, 2020

- हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मीडिया स्टडीज द्वारा 30 मई को "कोरोना महामारी में मीडिया की भूमिका" पर वेब संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि मीडिया कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस संकट की घड़ी में लोगों को मीडिया से बहुत उम्मीदें है।

प्रो. नेगी ने कहा कि आज कोरोना नामक महामारी पूरे विश्व के लिए गंभीर संकट बन कर आया है। ऐसे में हम स्वयं सतर्क रहकर अपना बचाव कर सकते है। इसके लिए मीडिया जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में पत्रकारिता के निदेशक प्रो. गोविन्द सिंह ने कहा कि इस समय मीडिया के लिए भी गंभीर संकट का दौर चल रहा है। कई समाचार पत्र आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है और कई बंद भी हो चुके है। ऐसी हालत में भी मीडया कर्मी कोरोना वारियर बन कर कार्य कर रहे है, यह बेहद गौरव की बात है। उन्होंने इस दौर में मीडिया कर्मियों के साथ आ रही दिक्कतों का भी जिक्र किया।

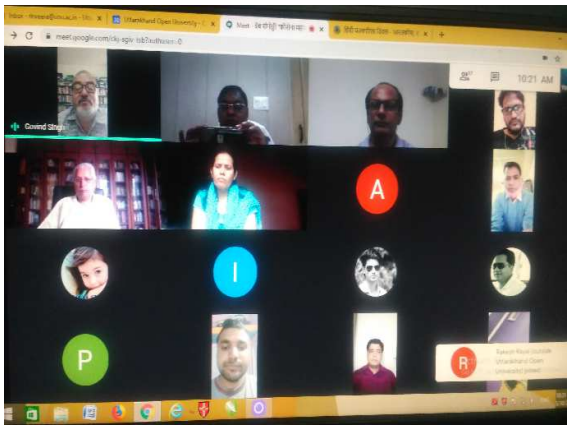

संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार व न्यूज नेशन के संपादक धीरेन्द्र पुन्डीर ने कहा कि वर्तमान समय पत्रकारों के लिए बेहद संघर्ष का दौर है। उन्होंने कहा कि इस महमारी का कोई पुराना अनुभव नहीं रहा है, जिससे कि पत्रकार व सरकार पहले से तैयारी कर पाती, फिर भी चुनौती स्वीकार कर रहे है। दिल्ली सरकार में उपसूचना निदेशक नलिन चौहान ने कहा कि इस अनिश्चित कालीन महामारी से निपटने के लिए सभी कोरोना वारियर लगे हुए है। लेकिन हालात बेहद चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में पत्रकारों की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। आउटपुट एडिटर, ज़ी बिज़नेस मुम्बई अमित दत्ता ने कहा कि इस गंभीर संकट में मायानगरी मुम्बई की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। लेकिन इस चुनौतीपूर्ण समय में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

इससे निपटने के लिए इस कार्य में लगे पत्रकार व सारे वारियर देश के साथ खड़े है। जबकि पत्रकारिता विभाग के भूपेन सिंह ने इस दौर में देश के हालातों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पत्रकारिता विभाग के अकादमिक परामर्शदाता राजेन्द्र सिंह क्वीरा ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस के महत्ता पर चर्चा की साथ ही इस वैश्विक महामारी में मीडिया की भूमिका को भी सराहा। संगोष्ठी में पत्रकारिता के निदेशक प्रो. एचपी शुक्ला व विश्वविद्यालय के डा. श्याम कुंजवाल, बालम सिंह दफौटी, डा. राकेश रयाल,

पीएस परिहार तथा बिजय बोरा, गोविन्द नागिला, वनिता क्वीरा के अलावा सहित बड़ी संख्या में पत्रकारिता के छात्रों ने भागीदारी की।

विधि विद्याशाखा
School of Law

- विभागीय अध्यापक द्वारा अध्ययन सामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार

(Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

मानविकी विद्याशाखा के शोधार्थी श्री नरिंदर शर्मा, (नामांकन संख्या–13040486), की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा, शोध शीर्षक **"Underpinnings of Gandhian Through on Raja Rao's Vission of India: A Critical Study of Select Texts"** के अर्न्तगत, दिनांक **10 अगस्त 2020** (सोमवार) को ऑन–लाइन प्रक्रिया (जूम ऐप) के माध्यम से सम्पन्न करा ली गयी हैं।

पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 में ऑन–लाइन आवेदन किये जाने हेतु सूचना विश्वविद्यालय वेबसाइड में **दिनांक 24 अगस्त 2020** को अपलोड कर दी गयी है। पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 में ऑन–लाइन आवेदन किये जाने हेतु आवेदन की **अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2020** निर्धारित की गयी है।

विश्वविद्यालय में दिनांक **28 अगस्त 2020** को पूर्वाह्न 11:30 बजे **"डिजिटल एथोग्राफी के माध्यम से कोविड के दौरान अनुसंधान"** पर एक वेबिनार ऑन–लाइन प्रक्रिया (जूम ऐप) के माध्यम से आयोजित कराया गया। जिसमें डीन (शिक्षाविद) प्रोफेसर के0 एम0 बहरूल इस्लाम, काशीपुर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किये गये।

शोध एवं नवाचार

पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों की पीएच0डी0 साक्षात्कार की तिथि से सम्बन्धित सूचना का विवरण हिन्दी विषय को छोड़कर अन्य सभी विषयों का 11 दिसम्बर 2020 को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है।

Subjects/Disciplines (Reporting Time 10:00 a.m.)		
Date	**Documents Verification**	**Concept Note, Presentation etc**
17/12/2020	History and Political Science	History and Political Science
18/12/2020	Sociology and Social Work	Sociology and Social Work
21/12/2020	Education	Education
22/12/2020	Education	Education
23/12/2020	Education	Education
22/12/2020	English, Sanskrit and Jyotish	English, Sanskrit and Jyotish
28/12/2020	Journalism	Journalism
28/12/2020	Computer Science	Computer Science
05/01/2021	Physics, Chemistry and Environmental Science	Physics, Chemistry and Environmental Science
06/01/2021	Management	Management
07/01/2021	Commerce	Commerce
08/01/2021	Tourism Management	Tourism Management
11/01/2021	Yoga	Yoga

शोध एवं नवाचार

- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 की साक्षात्कार परीक्षा जिन विषयों में पूर्णतः सम्पन्न करा ली गयी है, का विषयवार परीक्षा परिणाम पीएच0डी0 अभ्यार्थियों की चयन सूची दिनांक 30 जनवरी 2021 को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दी गयी है। जिसका विवरण निम्नवत् है।

Subject	Seets Alloted	Name	Categary	Roll no.
Sociology	GEN-01	Gourav Sati	GEN	11070001
	SC-01	Shailija	SC	16070015
Journalism	GEN - 02+01(W)	Sakshi Pundir	GEN	11180014
		Ritika Bora	GEN	16180004
		Disha Bisht	GEN (W)	11180008
	SC-02			
	ST-01			
Environmental Studies	GEN-01	Surendra Singh	GEN	16190001
	OBC-02	MOHD. ARIF ANSARI	OBC	16190003
Joytish	GEN-01	BASUDEV PRASAD	GEN	11040001
	ST-01			
Social Work	GEN-02	Utkarsh Joshi	GEN	16090022
		Pooja Hairiya	GEN	16090016
	SC-01			
	OBC-01			
Chemistry	GEN - 02+01(W)	Rakesh Kumar Uppadhyay	GEN	16130006
		Himani Tiwari	GEN	11130002
		Beena Bora	GEN (W)	16130001
	SC-01			
Yoga	SC-01	Ranjeet Singh	SC	16170001
Commerce	GEN-01	Divya Shukla	GEN	11110013
	SC-02	Kiran Kumar	SC	11110009
	OBC-01			
Tourism	GEN-01	Ankur Mittal	GEN	11150001
	SC-01	Virendra Kumar Arya	SC	16150007
Political Science	GEN-01	Amit Butola	GEN	11060006
	SC-02	Pramod Kumar Chanyal	SC	16060006

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण
(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/ विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	2020-21	• डॉ0 गगन सिंह, सहायक प्रध्यापक, वाणिज्य द्वारा माह मई में Patel J. B. Rudelwala Arts, Patel A. M. Rudelwala Commerce & Patel J. D. K. Davolwala Science College, Borsad द्वारा आयोजित वेबीनार में प्रतिभाग किया।
2	डॉ. सूर्यभान सिंह	राजनीति विज्ञान	2020-21	• दिनांक 10 अक्टूबर, 2020 को दैनिक जगरण द्वारा आयोजित वेबीनार 'सफल लोकतंत्र मजबूत सरकार या मजबूत विपक्ष में प्रतिभाग किया जिसमें माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी मुख्य वक्ता रहे। • डॉ सूर्यभान सिह, सहायक प्रध्यापक द्वारा आसाम डाउन टाउन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परंपरागत शिक्षा व्यवस्था से ऑनलाइन शिक्षा पद्धति पर 0 7 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम किया तथा राजनीति विज्ञान विभाग मेरठ विश्वविद्यालय के द्वारा 15 दिवसीय कार्यशाला 25 मई से 8 जून गतिमान है जिसका थींम है 'कोविड 19के साथ जीवन :स्वावलम्बी भारत की रूपरेखा'
3.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष		• डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 4 मई 2020 को कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक, नागपुर द्वारा आयोजित '' ज्यौतिषदृष्ट्या वर्तमानवैश्विक स्थिते: चिन्तनम्'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।

			2020-21	• डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 9-11 मई 2020 को BHU के द्वारा आयोजित '' Covid-19: The Mahamana's Indian Vision in Global Context" विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 13-15 मई 2020 को कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक, नागपुर द्वारा आयोजित '' प्रज्ञाभारती श्री. भा. वर्णेकर व्याख्यान माला'' विषयक त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला में प्रतिभाग किया गया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक – 16-17 मई 2020 को BHU ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित ''वर्तमान सन्दर्भ में ज्योतिष शास्त्र की भूमिका'' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में द्वितीय सत्र में **वक्ता** के रूप संबोधित किया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 25 मई 2020 को Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur द्वारा आयोजित ''ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड'' विषयक एकदिवसीय अन्ताराष्ट्रीय वेबिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 23 मई 2020 को कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक, नागपुर

				द्वारा आयोजित '' Health and Happiness'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा 28 मई 2020 को सेठ श्री सूरजमल कापडिया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, राजस्थान द्वारा आयोजित ''कार्य क्षेत्र के निर्धारण में ज्योतिष का योगदान'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 29-31 मई 2020 को Central Sanskrit University, Jammu Campus द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय अन्तराष्ट्रीय वेबिनार में ''ऑनलाइन शिक्षण की संभावनायें'' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 9 जून 2020 को राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित वेदों में विश्वबन्धुत्व की भावना विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में **वेदों में विश्वबन्धुत्व की भावना** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 16 जून 2020 को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा आयोजित वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय परिवार व्यवस्था का महत्व – एक चिन्तन

				विषयक एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार में प्रतिभाग किया। ● डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 29 जून 2020 को गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित पाणिनीयोच्चारणशिक्षाशिक्षणं विषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया। ● डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 जून 2020 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर USERC देहरादून द्वारा आयोजित एकदिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया। ● डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 जून 2020 को WHSMRSM भारत द्वारा आयोजित Spirtuality ansd Science are Complementry : Science is Incomplete without Spirtulity विषयक एकदिवसीय अन्तराष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग किया। ● डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 22-28 जून 2020 को गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित ''कारक प्रकरणम्'' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। ● डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 1-7 जुलाई 2020 पर्यन्त पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ,

				महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली एवं प्रज्ञा प्रवाह- पश्चिमी उत्तरप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शोध की भारतीय व समकालीन दृष्टि विषयक सप्तदिवसीय राष्ट्रिय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
4.	डॉ. नमिता वर्मा	अर्थशास्त्र	2020-21	• डॉ नमिता वर्मा,अर्थशास्त्र विभाग द्वारा Shrimathi Devkunvar Vaishnav College for Women के सहयोग से 17-05-2020 को आयोजित 'Present Challenges & Opportunities in Indian Business Environment' विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
5.	डॉ0 सीता	मनोविज्ञान	2020-21	1. MHRD, शिक्षण अध्यन केन्द्र, राम कॉलेज, दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय दिनांक 14/08/20 से 28/08/20 आयोजित ''उच्च शिक्षा के विकासव आईसीटी की अवधारणा'' मैसिव ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक प्रतिभाग किया। 2. 21.08.2020 को (बजे 7 बजे से 5 Community Psychology Associatio India (Kushinagar) U. P. द्वारा आ 'Global Awareness of Diabetes Preve and Management and Channelizing E of preadolescents through interve Sharing of Experiences' में प्रतिभाग। 3. 24.08.2020 को Community Psych Association of India (Kushinagar) U. आयोजित वर्चुअल व्याख्यान 'Problen Mentally Retarded Children and Stra for Management of Irrational fe प्रतिभाग। 4. डॉ सीता, सहायक प्रध्यापक, मनोविज्ञान द्वारा Government Vidarbha Institute of Science & Humanities, Amravati, India

				द्वारा 1505.2020.से 1705..2020 तक आयोजित 2 दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" Strategies & Challenges in Higher Education during COVID-19 Lockdown Period in India with reference to the World" में प्रतिभाग किया गया तथा मानव विकास मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित व दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1805.2020. से 03 06.2020.तक "MANAGING ONLINE CLASSES and CO-CREATING MOOCS विषय पर आयोजित दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया। इनके द्वारा Woman development cell Ghanshyam das Saraf college of art and commerce, Malad, Mumbai द्वारा Woman development cell Mumbai university के सहयोग से 15.05.2020को आयोजित "GENDER EQUALITY AND COVID" 19-ऑनलाइन राष्ट्रीय सेमिनार में भी प्रतिभाग किया गया।
6.	डॉ. शालिनी चौधरी	अर्थशास्त्र	2020-21	• डॉ शालिनी चौधरी, सहायक प्रध्यापक, अर्थशास्त्र द्वारा HRDC इंदौर द्वारा आयोजित MOOCS पर 6दिनों की कार्यशाला में प्रतिभाग लिया।
7.	डॉ. मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध अध्ययन	2020-21	• Dr. Manjari Agarwal, Asst Prof. Attended Seven Days Online Faculty Development Programme on "How To Switch from Regular Classroom Teaching to Online Teaching More

				Effectively" which was held on 14th – 20th of May, 2020 organized by Assam Down Town University. Attended webinar B.N.N. College, Bhiwandi, University of Mumbai National Webinar on Improving ICT Learning with effective Techniques." Attended interactive session on "Turn the Challenges to Opportunities: COVID-19 Pandemics and measures to combat by Higher Education of India" organized by NAAC . Attended Webinar on "Strategies for Managing Personal Finances Including Mutual Funds During and After COVID-19" organised by Association of Mutual Funds of India and RSM, Uttarakhand and Kumaun University.

8.	डॉ. कमल देवलाल	भौतिकी विज्ञान	2020-21	• Published a research article "**Dielectric and magnetic studies of Ni-Mg mixed ferrite by combustion method"** Cite as: AIP Conference Proceedings **2220**, 110043 (2020); https://doi.org/10.1063/5.0001907 Published Online: 05 May 2020 • Participating in IDL LITE Talks Webinar on 16 May, 2020 organized by IEEE-OSA Photonics Student Chapter , IIT Bombay • Attended online workshop on "Technology to Reach and Teach the learners during COVID – 19" organized by School of computer sciences & IT and Vocational studies Uttarakhand Open University (UOU), 21-25 May 2020 Haldwani. • Participated in EBSCO Online Training Date: 28-5-20 On "Strategies and Tips to Enhance Virtual Learning by EBSCO Remote Assistance" Organized in Collaboration by Central Library, Kumaun University, S.S.J Campus, Almora Uttarakhand. • Presented Poster paper on "Raman Spectroscopy of X sperm enrichment of bovine semen" in International e-Conference on "Recent Trends in Advancement of Mathematical and Physical Sciences" held on May 22-23, 2020
9.	डॉ. जटाशंकर तिवारी	होटल प्रबन्ध	2020-21	• **Dr. Jatashankar Tiwari Asst. Prof.** Attended A **Webinar** On "**Challenges And Opportunities In Tourism And Hospitality Sector**", organised by Bhikaji Cama Subharti College of

				Hotel Management on 9th may, 2020. Attended A **Webinar** On "**Managerial Skills Required For Handling Situation After COVID-19**", organised by Bhikaji Cama Subharti College of Hotel Management on 10th may, 2020. Attended A **Webinar** On "**Change In Culinary Skills And Work Environment Post Pandemic**", organised by Bhikaji Cama Subharti College of Hotel Management on 12th may, 2020. Attended A **Webinar** On "**Innovations Required For Developing Education Post COVID-19**", organised by Bhikaji Cama Subharti College of Hotel Management on 13th may, 2020 and Attended online **Seven Days Faculty Development Programme** on "**How to Switch from Regular Classroom Teaching to Online Teaching More Effectively"** organized by **Assam Down Town University**, from 14th June 2020 to 20th June 2020.

प्रकाशन
(Publications)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा / विभाग	प्रकाशन
1.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	मानविकी / ज्योतिष	• डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित ''स्वप्न विमर्श'' शीर्षक नामक शोध आलेख INTERNATIONAL JOURANL OF JYOTISH RESEARCH 'वेदचक्षु' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ। ISSN NO.-2456-4427, JULY-DECEMBER (2020-21) • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2020 को स्वर्णिम माटी फेसबुक पटल पर ''प्राच्यविद्या और पर्यावरण'' विषय पर ऑनलाइन लाइव व्याख्यान दिया। • डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2020 को ज्ञानभूमि चौनल के फेसबुक पटल पर ''स्वप्न विद्या'' विषय पर ऑनलाइन लाइव व्याख्यान दिया गया। • डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 24 अगस्त 2020 को कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "Transformation of Sanskrit Varsities" विषयक एकदिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
2.	डॉ0 गोपाल दत्त	व्यावसायिक अध्ययन	1. डॉ. गोपाल दत्त, अकादमिक परामर्शदाता, व्यावसायिक अध्ययन व डॉ. गगन सिंह, सह प्राध्यापक, वाणिज्य द्वारा ***"Learners' Satisfaction With the Website Performance of an Open and Distance Learning Institution: A Case Study"***, शीर्षक पर लिखित शोध पत्र ***International Review of Research in Open and Distributed Learning, Vol. 22, No. 1, March, Athabaska University, Canada, pp. 1-12. (ISSN: 1492-3831)*** में प्रकाशित हुआ।
3.	डॉ0 आशुतोष भट्ट	कम्प्यूटर विज्ञान	• Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Pro and Prof. Durgesh Pant- School of Cor

			Science & IT have co-authored a paper e "SVM Model to predict the Water Quality on Physicochemical Parameters" whi published in International Journa Mathematical, Engineering and Manag Sciences Vol. 6, No-2, 645-659, 2021, , *2455 - 7749, (Web of Science/**ESCI**)*.
4.	डॉ. मीनाक्षी राणा	भौतिकी	• Dr. Meenakshi Rana, Deptt. of Physics- Published article in the Journal (Elsevier): M. Rana, K Devlal, (2020) "Investigation of Optical and Electrical Properties of Pyrrole-2-carboxyldehyde (PCL) in PVA Polymer Matrix" Materials Today: Proceedings. ISSN: 2214-7853

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गांव में फतेहपुर से बसानी तक निकाली साईकिल रैली

❖ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम के तहत कुलपति जी के आदेशानुसार फतेहपुर के बावनडाठ से बसानी तक साईकिल रैली निकाली गयी। जिसके द्वारा "हिट इंडिया, फिट इंडिया" का संदेश भी दिया गया। रैली को दर्जा मंत्री गजराज बिष्ट व यूओयू के कुलसचिव प्रो. गोविन्द

सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र बसानी में 29 नवम्बर 2020 क्षेत्र के लोगों में कोरोना महामारी को लेकर जागरूकता लाने व पर्यावरण की रक्षा के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के "फिट इंडिया, हिट इंडिया" कार्यक्रम के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दर्जनभर से अधिक लोगों ने सोशल डिस्टेंस के साथ भागीदारी की। रैली का शुभारंभ फतेहपुर के बावनडाठ से दर्जा मंत्री व उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड के अध्यक्ष गजराज बिष्ट व यूओयू के कुलसचिव प्रो. गोविन्द सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर गजराज बिष्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के "फिट इंडिया, हिट इंडिया" के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए यह आयोजन बेहद सराहनीय है। साथ ही उन्होंने कोविड–19 से बचाव को लेकर भी विशेष सावधानी बरतने की बात कहीं।

❖ इसके बाद बसानी के सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल में रैली में प्रतिभाग करने वाले लोगों को यूओयू के कुलसचिव प्रो. गोविन्द सिंह, समाजसेवी विरेन्दर सिंह चडढा ने प्रमाण–पत्र वितरित किये। इस दौरान प्रो. सिंह ने कहा कि जब तक दवाई नहीं तब तक कोरोना पर कोई ढिलाली नहीं बरतनी चाहिए। उन्होंने लोगों को कोरोना से बचाव के बारे में व्यापक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने गांव में जैविक खेती को महत्व देने की बात कहीं और कहां कि बसानी गांव में यूओयू द्वारा आगामी समय में भी विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम में सभी लोगों को मास्क, सेनेटाइजर, साबून इत्यादि भी बांटे गये।

❖ संचालन विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी व कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र सिंह क्वीरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बसानी की प्रधान, बीडीसी मेंबर सहित अनेक लोग मौजूद थे। इस दौरान उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में संचालित कोर्सों के बारे में भी उपस्थित लोगों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही उच्चशिक्षा को आसानी से सबके द्वारा में पहुंचाने के कुलपति जी के संकल्प को भी बताया गया।

❖

❖ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम (1-7 सितम्बर 2020)

दिनांक 1-7 सितम्बर 2018 के बीच विश्वविद्यालय में ‘‘राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 1 सितम्बर से 7 सितम्बर के मध्य खाद्य और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह का विषय था, बच्चे के प्रथम 1000 दिनों के दौरान अल्प पोषण को संबोधित करने हेतु केन्द्रित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना : बेहतर बाल स्वास्थ्य ‘‘ Ensuring focused interventions on addressiong under nutrition during the first 1000 days of the Child: Better Child Health.” इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रिय पोषण सप्ताह मनाया गया, जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल ‘हैलो हल्द्वानी’ के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉडिंग की गयी तथा खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केन्द्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं शिशु के पूरक आहार का महत्व तथा आवश्यकता

पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गयी। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉ. प्रीति बोरा तथा श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा गाँव के ऑगनबाड़ी केन्द्र पर जाकर वहाँ पर आए लाभार्थियों जिसमें गर्भवती एवं धात्री महिलायें, किशोरियाँ तथा बच्चे सम्मिलित थे तथा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें पोषण सम्बन्धी जानकारी दी गयी। इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गयी। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बन्धी समस्याओं का निदान भी किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पूरक पोषण पर बल दिया गया।

इस अवसर पर दिनांक 6 सितम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था – बच्चों की स्वस्थ भोजन थाली। चार्ट/ पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 7 सितम्बर को विभाग द्वारा आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था – ''भोजन एवं हमारा स्वास्थ्य।'' कार्यक्रम के अन्त में माननीय कुलसचिव एवं निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रोफेसर आर.सी. मिश्र द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

❖ स्वच्छता पखवाड़ा (1 से 15 नवम्बर, 2020)

उत्तराखण्ड मुक्त वश्विविद्यालय द्वारा वर्ष 2020 में समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ''रॉयल कॉलेज ऑफ टूरिज्म व होटल मैनेजमेंट'' के साथ मिलकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेकों छात्र एवं छात्रायें तथा शिक्षक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अखिलेश सिंह, पर्यटन विभाग, (यू.ओ.यू) ने बताया की प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय के द्वारा आस-पास के क्षेत्रों और उससे जुड़े लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। संस्थान के निदेशक श्री अनुराग भोसले ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के कारण ही देश के आमजन में भी जागरूकता बढ़ी है और उनके छात्र व छात्रों के द्वारा भी प्रत्येक वर्ष कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहते है। इस अवसर पर मो. अकरम, ने गन्दगी व इसके हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री विनोद विरखानी, प्रशासनिक अधिकारी व कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने आस-पास के क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित छात्रों ने भी अपने-अपने बहुमूल्य विचार रखे। छात्रों में से शीर्ष तीन वक्ताओं को कार्यक्रम के अन्त में आयोजकों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा का छायाचित्र

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के शिक्षार्थियों-बुद्धजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमिक गतविधियिों में उनकी सक्रिय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से

सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है । वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है

कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: स्फूर्त हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें।इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. के सदस्यों द्वारा छात्रों को पाठ्यसामग्री वितरण करते हुए

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2018-19 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
4. कूरियर सेवा के द्वारा।

एमपीडीडी अनुभाग में अध्ययन सामग्री के साथ

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2018-19 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से

विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निगं भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती

है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र
	ग्रीष्मकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई
अंतिम तिथि	31 अगस्त
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे

विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

• प्रवेश पद्धति -

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

• पाठ्यसामग्री (Learning Material)

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

• परामर्श (Counselling)

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय

की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं। परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

- **परीक्षा (Exam)**

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

• पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2020-21 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 20% अंक
2. लिखित परीक्षा- 80% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 20 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 80 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45

अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

- **परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -**

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

- **परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा**

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

- **बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)**

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ **प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
(GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा - खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय को 12 (बी) तथा राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा ग्रेड प्राप्त कराया जाना है, जिससे यह मुख्य धारा में सीधे रूप से जुड़ सकें और इसका सर्वतोमुखी विकास हो सके। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय परिसर का भी विस्तार कराया जाना, अकादमिक एवं गैर अकादमिक कार्मिकों की नियुक्तियाँ, जन-जन तक शिक्षा को पहुँचाने हेतु कार्य करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना आदि ये समस्त कार्य भविष्य की भावी योजनाओं में निहित है।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के

निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का प्रबन्ध एवं संचालन (Management and monitoring of affiliated centres (Regional and study centres)

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का संचालन आरएसडी अनुभाग द्वारा किया जाता है।

- मान्यता बोर्ड की छठी बैठक दिनांक 21/03/2017 को सम्पन्न हुई जिसमें विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र स्थापना हेतु मानक/ मापदण्ड एवं सामान्य नियम–2016 में संशोधन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। ।
- पूर्व में स्थापित 18 अध्ययन केन्द्रों को उनके कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त उन्हें नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बन्द कर दिया गया।
- वर्तमान में 246 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। (परिशिष्ट XVI का अवलोकन करें)
- अध्ययन केन्द्रों को शैक्षिक सत्र 2018-19 ग्रीष्म के शुल्क अंश की प्रथम एवं द्वितीय किश्तों का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है।
- निदेशालय के समस्त दैनिक कार्यों का सम्पादन यथा माँग के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश व अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, प्राप्त डाक का निस्तारण कार्य, अध्ययन केन्द्रों/ पाठ्यक्रमों को ऑन लाइन अपडेट करना, आवश्यकतानुसार अन्य विभागों द्वारा सौंपे गये कार्यों का सम्पादन करना, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों व विद्यार्थियों से सम्पर्क करना आदि।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2018-19 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है ।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी

प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य- अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें … परिशिष्ट XV)

अकादमिक गतिविधियॉ

- Vice Chancellor, Prof. OPS Negi attended a Webinar on dated 20 May, 2020 of U GC Chairman Prof. D. P. Singh, Honorable Chairman of UGC, New Delhi . The webinar is being attended by the Chancellor's, Vice Chancellor's, Directors of All india Universities, IITs and reputed institutions.

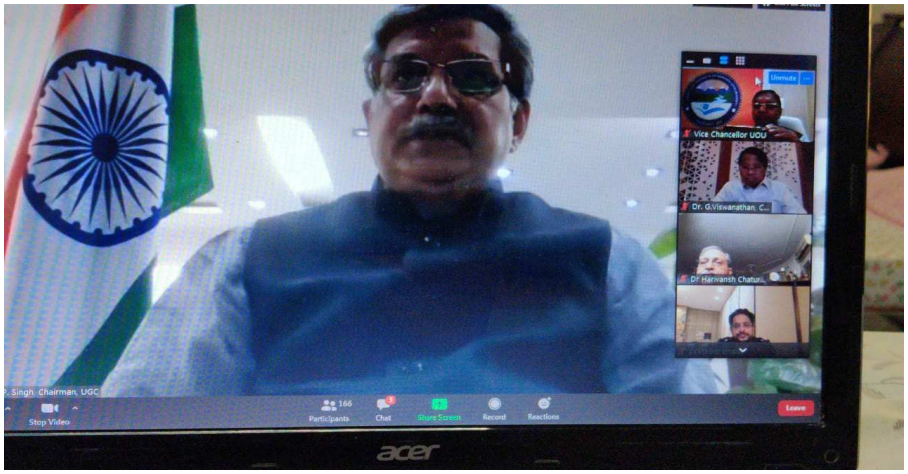

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 24 मई, 2020 को महात्मा ज्योतिब फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, प्रज्ञा परिषद (ब्रज प्रांत) एवं तपोभूमि विचार परिषद, मेरठ, के संयुक्त तत्वावधान में **आयोजित 'युवा संवाद से समाधान' परिचर्चा में विशिष्ट अतिथि के रूप में** प्रतिभाग किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक– 21 जून, 2020

उत्तराखण्ड मुक्त विद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विश्वविद्यालय मुख्यालय में 21 जून 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निम्नानुसार कार्यक्रम किये गये ।

योगासन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज facebook-com@uoulive तथा You Tube चैनल youtube-com@uoulive के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर (कोरोना संक्रमण हेतु कतिपय लाभकारी अभ्यास) कराये गये । कार्यक्रम निम्नानुसार सम्पन्न हुआ ।

दीप प्रज्जवलन तथा कुलगीत –	प्रातः 6:50 बजे
योगासन कार्यक्रम –	प्रातः 7 से 8 बजे तक
पाठ्यक्रम समन्वयक के द्वारा सम्बोधन	प्रातः 8:05 से 08:10 बजे तक
कुलपति जी का उदबोधन	
धन्यवाद ज्ञापन	कुलसचिव जी द्वारा

प्रथम चरण के रूप में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अन्तर्गत सुबह 7:00 से 8:00 बजे तक कोरोना संक्रमण हेतु कतिपय लाभकारी अभ्यास कराये गये। इस सत्र का उदघाटन न विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विभाग के शिक्षक एवं कार्मिकों ने सोशियल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रतिभाग किया। सभी लोगों ने सुयोग्य प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

'योग दिवस के द्वितीय चरण में एक विचार– गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने सभी उपस्थित शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को Youtube channel के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि योग एक मात्र ऐसा अनुशासन है जो विद्यार्थियों को ज्ञान , कौशल , रोजगार के साथ– साथ मूल्यों से भी अलंकृत करता है। योग, मात्र एक विषय न होकर मानव जीवन को समग्रता प्रदान करने वाला अनुशासन है । अन्त में कुलसचिव जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन योग सम्न्वयक डॉ भानु प्रकाश जोशी तथा नीता देवलिया ने किया।

विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के साथ 2020–21 सत्र की प्रवेश प्रकिया के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन

दिनांक 23 जून, 2020 को प्रवेश विभाग द्वारा जूम के माध्यम से सत्र जुलाई 2020 से प्रारम्भ होने वाले प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता मा0 कुलपतित जी द्वारा की गयी, बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय सेवायें, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, परीक्षा नियंत्रक, प्रोफेसर पी0डी0 पंत, कुलसचिव श्री भरत सिंह, क्षेत्रीय केन्द्रों के निदेशकगण, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, जन संपर्क अधिकारी, डॉ0 राकेश रयाल, लगभग 80 अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक की कार्यवाही प्रभारी प्रवेश डॉ0 एम0एम0 जोशी द्वारा प्रारंभ की गयी।

बैठक के प्रमुख बिन्दु निम्नांकित हैं–

1. प्रभारी प्रवेश ने सत्र जुलाई, 2020 से प्रवेश आवेदन प्रपत्र में किये गये परिवर्तनों की जानाकरी दी, परिवर्तन से संबंधित कुछ प्रमुख बिन्दु निम्नांकित थे–

   (क)–प्रवेश हेतु आवेदक केवल एक मोबाइल नम्बर का प्रयोग कर सकेगा, जो उसका स्वयं का हो, विश्वविद्यालय द्वारा इसे आवेदक का RMN (Registered Mobile Number) माना जायेगा।

   (ख)–प्रवेश हेतु आवेदक अपना स्वयं का मेल आई डी देगा जिसे आवेदक का रजिस्टर्ड मेल आईडी माना जायेगा।

   (ग)–आवेदक अपना स्वये का आधार नम्बर अथवा सरकारी आईडी नम्बर प्रवेश आवेदन पत्र में दर्ज करेगा।

2. वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अभी केवल ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया 1 जुलाई, 2020 से प्रारंभ की जायेगी, प्रवेश की अंतिम तिथि वर्तमान में 30 सितंबर, 2020 रखी गयी है।
3. प्रवेश आवेदन पत्र में UGC-DED को दी जाने वाली सूचनाऐं एवं NAAC को ध्यान में रखते हुए जो Mandatory Field बनाये गये हैं उनकी सूचना देना अनिवार्य है।
4. परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर पी0डी0 पंत ने सत्र जुलाई 2020 से सत्रीय कार्य परीक्षा और सत्रात्र परीक्षा से सम्बन्धित परिवर्तनों की जानकारी दी। प्रमुख बिन्दु निम्नवत् थे–

   (क)–सत्र जुलाई 2020 से आगे सत्रीय कार्य परीक्षा ऑनलाइन करवाई जायेगी।

   (ख)–सत्रांत्र परीक्षा के प्रारूप में परिवर्तन की जानकारी दी गयी इसमें प्रश्नपत्र के दोनों खण्डों में प्रश्नों की संख्या परिवर्तन और परीक्षा समय अधिकतम 2 घन्टे करने की सूचना दी गयी।
5. निदेशक आर0 एस0 डी0 द्वारा अध्ययन केन्द्रों को दी जाने वाली राशि एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गयी और सभी समन्वयों से प्रतिमाह अपने कार्यों की प्रविष्ठि आर0एस0डी0 के पोर्टल में करने की सूचना दी गयी।
6. बैठक के अंतिम चरण में कुछ समन्वयकों द्वारा पार्श्व–प्रविष्ठि के नियम, अध्ययन केन्द्रों के भुगतान तथा परीक्षा सम्बन्धि किये गये ा प्रश्नों का संतोषजनक निराकरण किया गया।

7. कुलपति जी द्वारा सभी समन्वयकों को छात्रों तक Video/audio lecture, PPT पहुॅचाने और उनका कोर्स पूर्ण करने की बात की गयी। इसके लिए उन्हे विश्वविद्यालय की वैबसाइट से मदद लेने का सुझाव दिया गया।
8. बैठक के अन्त में प्रवेश प्रभारी द्वारा सभी समन्वयकों से अपनी समस्याऐं मेल द्वारा अवगत कराने की बात की गयी।

अन्त में कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमर उजाला

यूओयू विज्ञान की वर्चुअल लैब पर कार्यशाला

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि में सीमका के सहयोग से कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा की 'वर्चुअल लैब' कैसे तैयार की जाए विषय पर दो दिनी ऑनलाइन कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने किया। वक्ताओं ने कहा कि यह कार्यशाला विवि के विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए उपयोगी सिद्ध साबित होगी। विवि के कंप्यूटर विद्याशाखा के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कार्यशाला में विचार व्यक्त किए। पहले दिन सीमका की अध्यक्ष मधु परिहार, कार्यशाला की संयोजक शिफॉन चटर्जी, विषय विशेषज्ञ संजीत, विजय लक्ष्मी, यूओयू की ओर से कार्यशाला संयोजक डॉ. जितेंद्र पांडेय मौजूद रहे। माई सिटी रिपोर्टर

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू के परीक्षा परिणाम घोषित होने शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने अक्तूबर में हुई परीक्षाओं के परिणाम घोषित करना शुरू कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत ने बताया कि अब तक एमए अंग्रेजी, लोक प्रशासन, उर्दू, जियो इन्फॉर्मेटिक्स, एमकॉम, एमएससी भौतिक, रसायन, वनस्पति विज्ञान, एलएलएम, साइबर लॉ, बीए योग के परिणाम घोषित कि जा चुके हैं। बताया कि अन्य परिणा जल्द घोषित किए जाएंगे।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में बीएड ओडीएल की काउंसिलिंग 19 से

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड ओडीएल पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा पास करने वाले छात्रों की काउंसिलिंग 19, 20 ,21 नवंबर को सुबह 10 :30 बजे से हल्द्वानी परिसर में होगी। विस्तृत जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यूओयू में बीएड विशेष शिक्षा के प्रवेश के लिए हुई काउंसलिंग

भास्कर समाचार सेवा

- दिव्यांगजनों के लिए होती है विशेष शिक्षकों का प्रशिक्षण
- कांसलिंग में अनुपस्थित विद्यार्थियों को मिलेगा एक और मौका

नैनीताल। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा बीएड (विशेष शिक्षा)में प्रवेश हेतु अंतिम काउंसलिंग विश्वविद्यालय के हल्द्वानी स्थित मुख्य परिसर में की गई।

विश्वविद्यालय के देहरादून एवं हल्द्वानी परिसर में दिव्यांगों की शिक्षा से संबंधित इस महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रक्रिया संपन्न की गई। समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने बताया कि दिव्यांग जनों में मानसिक मंदता एवं अधिगम अक्षमता से संबंधित विशेष शिक्षक को तैयार करने हेतु बीएड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में चलाए जाते हैं।

मंगलवार को कांउसलिंग में अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों को अगले दिन काउंसलिंग में उपस्थित होने का एक और मौका विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाएगा। काउंसलिंग समिति में डा. कल्पना पाटनी लखेड़ा डा. मनीषा पंत, बालम दफोटी, राहुल बिष्ट, दीपिका रैकवाल, दिनेश कुमार, पूजा चौबे हेम बुग्याल उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड में प्रवेश के लिए की गई काउंसलिंग।

- विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों पर प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के उपरांत इतिहास, योग, कम्प्यूटर विज्ञान, भूविज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र (विशेष शिक्षा) के अर्ह अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। उक्त समस्त विषयों के साक्षात्कार दिनांक 02 दिसम्बर से 08 दिसम्बर, 2020 तक आयोजित किये गये।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा सितम्बर–2020 से संबिधत परीक्षाफलों की घोषणा की गई।
- दिनांक 31/12/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 74,456 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश** लिया जा चुका है।
- माह नवम्बर, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा माह दिसम्बर में होने वाली परीक्षाओं की तैयारियॉ, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री वितरण/प्रकाशन आदि, सूचना के अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।
- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों की पीएच0डी0 साक्षात्कार की तिथि से सम्बन्धित सूचना का विवरण हिन्दी विषय को छोड़कर अन्य सभी विषयों का 11 दिसम्बर 2020 को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दिया गया।
- बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) में प्रवेश हेतु दिनांक दिनांक 24/11/2020 को बी एड.(विशेष शिक्षा) की अंतिम चरण की काउंसिलिंग आयोजित की गयी। जिसमें प्रवेशार्थियों के प्रमाण– पत्रों की जांच की गयी। काउंसिलिंग में नियत तिथि पर अनुपस्थित रहे प्रवेशार्थियों को एक ओर मौका देते हुये अगले दिन पुनः उपस्थित होकर प्रमाण– पत्रों की जांच के लिये दुबारा बुलाया गया। काउंसिलिंग में प्रवेशार्थियों के प्रमाण– पत्रों की जांच का कार्य पूर्णतया सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुये किया गया।

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संचालित विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु वर्ष 2015 में गठित नियमों एवं अधिनियम को नवीन रूप देने हेतु कमेटी की ऑन–लाईन बैठक

केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संविधानिक निकाय भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संचालित विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रम के

सुचारू संचालन हेतु वर्ष 2015 में गठित नियमों एवं अधिनियम को नवीन रूप देने हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी की अध्यक्षता में एक अखिल भारतीय कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी की प्रथम बैठक 16 दिसम्बर, 2020 को ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुई।

कमेटी में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकगण और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संचालित विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रमों के समन्वयक द्वारा संयुक्त रूप से भाग लिया गया साथ ही यूजीसी के प्रतिनिधि के तौर पर डॉ अविचल कपूर सेक्रेटरी दूरस्थ शिक्षा द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। कमेटी के सदस्य में इग्नू के प्रो. अमिताभ मिश्रा, राष्ट्रीय दृष्टिबधितार्थ संस्थान, देहरादून के प्रो. एस आर मित्तल, एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, मुम्बई से प्रोफेसर सुजाता भान ने राष्ट्रीय मानसिक दिव्यांग जन केंद्र सिकंदराबाद की पूर्व उपनिदेशक डॉ जयंती नारायण यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय की समन्वयक शर्मिष्ठा ओक, नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी, कलकत्ता के प्रो. ए एन डे, अहमदाबाद मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो निगम बी पांड्या, उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीके पांडे, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के समंवयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय के आदेश पर प्रो. एस. आर. मित्तल के निर्देशन में 5 लोगों की एक कमेटी का निर्माण ओडीएल माध्यम से विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रम के फ्रेमवर्क 2015 को नए सिरे से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय पुनर्वास परिषद और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अधिनियम के आधार पर बनाने के लिए अपना निर्णय दिया साथ ही यह कमेटी एक माह में अपनी रिपोर्ट अध्यक्ष को देगी ।

समिति के संयोजक डॉ सुबोध कुमार, सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा सभी लोगों के प्रति आभार और धन्यवाद प्रकट किया गया साथ ही उन्होंने अपेक्षा कि यह नवीन नियम भविष्य में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विशेष शिक्षा के पाठ्यक्रमों को चलाने में सफल सिद्ध होंगे और साथ ही दिव्यांग जनों के लिए विशेष शिक्षकों से संबंधित मानव संसाधन की कमी को बहुत हद तक पूरा करेंगे।

Meeting for the AAOU Collaborative Research Programme entitled "Exploring student's learning behaviour in Massive Open Online Courses (MOOCs)

The first meeting for the AAOU Collaborative Research Programme entitled "Exploring student's learning behaviour in Massive Open Online Courses (MOOCs) using data mining approach: An analytical study of Netaji Subhas Open University (NSOU), India, Uttarakhand Open University (UOU), India, Sukhothai Thammathirat Open University (STOU), Thailand and Universitas Terbuka (UT), Indonesia" was conducted in online mode on 8th Dec., 2020 at 11:00 AM IST.

The following experts attended the meeting:

1. Dr. Kunchon Jeotee, Asst. Professor, Office of Registration Records and Evaluation, Sukhothai Thammathirat Open University, Thailand
2. Dr. Anirban Ghosh, Professor of Commerce & Director (i/c), School of Professional Studies, Netaji Subhas Open University, DD-26, Sector I, Salt Lake, Kolkata-700064, India

3. Jaka Warsihna, Institute for Research and Community Services, Universitas Terbuka, J1. Cabe Raya, Pamulang, Tangerang Selatan, Banten15418, Indonesia
4. Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor, School of Computer Science & IT, Uttarakhand Open University, Haldwani, India.

The research objectives and the draft of the instrument for conducting the survey was finalized. The pilot study will start in the month of Jan., 2021.

अकादमिक गतिविधियॉं

- Professor O.P.S. Negi, Hon'ble Vice Chancellor participated as Guest Speaker on combined inaugural session of Faculty Induction Programme and 25th Refresher Course in Life Sciences and Biotechnology held on 28th December, 2020 which was organized by Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

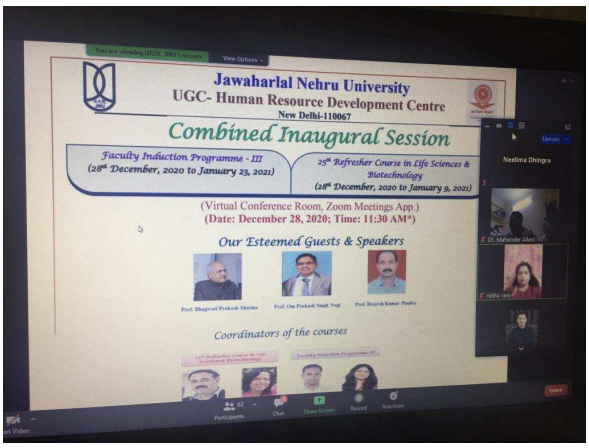

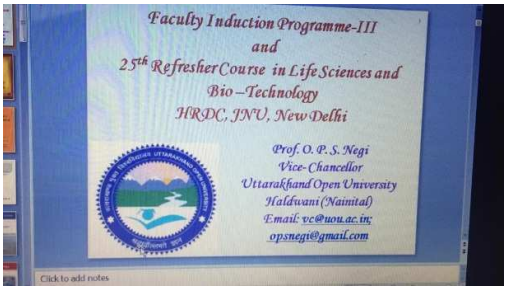

- Professor Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT delivered a session on Industry Academy Conclave held on 22-24 December, 2020 which was organised by CSIR-IIP. The theme of the session was "Improving Mutual Understanding between Industry and Academia".
- Professor Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT delivered a session in a webinar on "ECOLOGICAL RESPONSIBILITY". The event was organised by UKSLSA - Uttarakhand State Legal Services on 14th December, 2020. The session was chaired by Hon'ble Mr. Justice Ravi Malimath Hon'ble the Acting Chief Justice, Hon'ble High Court of Uttarakhand/ Executive Chairman, Uttarakhand SLSA.

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष के द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर 2020 को वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय, वलोड्राप द निदरलैण्ड के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन आयोजित ''Veda for World Peace'' विषयक एक दिवसीय International Webinar में प्रतिभाग किया गया। इस वेबिनार में भारत के शिक्षा मन्त्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, ब्नतंबंव देश के प्रधानमन्त्री Mr. Eugene Rhuggenaath एवं डॉ. टोनी नादेर, MD (Maharishi International Organization) आदि अनेक गणमान्य उपस्थित थे।
- Dr. Nagendra Gangola, Deptt. of English- 04 Video lecture on the topics of literature according to the text books. 1- The Origin of English Drama-1, 2-The origin of English drama -2, 3-The development of Theatre-1 and 4-The development of Theatre in England-2.

- Dr. Nagendra Gangola, Deptt. of English Completed a Lecture series of 25 lectures on English Drama & Novel.

- Dr. Kamlesh Bisht, Deptt. of Mathematics Attended two days International Web-Conference on History of Mathematics on December 20-22, 2020 organised by Indian Society for History of Mathematics, Delhi, India.
- Dr. Shivangi Upadhyay, Deptt. of Mathematics Attended two days workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi.
- Dr. Prabha Dhoundiyal, Dr. Pooja Juyal and Dr. Kritika Padalia, Deptt. of Botany Attended two days workshop on "Virtual labs organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi.
- Dr. S.S. Kunjwal and Dr. Mukta Joshi, Deptt. of Zoology Participated two days online workshop on virtual lab orientation program 17- 18th December 2020, organized by Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), New Delhi.

विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। (संलग्नक–क)

मा0 उच्च शिक्ष मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन तथा कुलपति आवास का भूमि पूजन

दिनांक 18 जनवरी, 2021 को माननीय उच्च शिक्षा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 धन सिंह रावत ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कुलपति की उपस्थिति में सभी विद्याशाखा के निदेशकों, अधिकारियों एवं अनुभाग प्रभारियों की बैठक ली तथा विश्वविद्यालय के सभी अनुभागों की समीक्षा की। बैठक में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ0 बी0एस0 बिष्ट, प्रो0 आर0सी0 मिश्र, प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, प्रो0 गिरिजा पाण्डे, प्रो0 दुर्गेश पंत, उपकुलसचिव/प्रभारी कुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र, वित्त नियंत्रक श्रीमती रूचिता तिवारी आदि उपस्थित थे।

कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने उच्च शिक्षा मंत्री को पुष्प गुच्छ व सौल भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया और प्रभारी कुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय की वस्तु स्थिति से उन्हें अवगत कराया। समीक्षा बैठक से पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री जी ने विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया।

मा0 मंत्री जी द्वारा कार्यदायी संस्था मण्डी परिषद क अभियंताओं को निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मा0 मंत्री जी को अवगत कराया।

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निम्न बिन्दुओं पर दिशा निर्देश दिये–

- विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण कराने का प्रयास करें।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह में कम से कम धन खर्च हो।
- विश्वविद्यालय के शैक्षिक व शिक्षणैत्तर के रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाये।
- विश्वविद्यालय अपना कॉर्पस फण्ड बढ़ाने पर भी जोर दे।
- विश्वविद्यालय देश के 25 A Grade तथा विश्व के 05 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एम0ओ0यू0 कर शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा दें।
- विश्वविद्यालय अपनी गृह पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन करें तथा उसमें समसामयिक लेख भी प्रकाशित करें और समय–समय पर अलुम्नाई मीट का आयोजन भी कराये।

बैठक में मा0 मंत्री विश्वविद्यालय के आठ क्षेत्रीय कर्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आबंटन का आश्वासन दिया।

दिनांक 19 जनवरी, 2021 को मा0 उच्च शिक्षा मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति आवास का भूमि पूजन किया गया। इसके अतिरिक भूमि पूजन में माननीय विधायक, लालकुआं विधानसभा, श्री नवीन दुम्का व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ततपश्चात् विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणैत्तर कर्मचारियों की बैठक ली।

कुलपति सचिवालय एवं कुलसचिव कार्यालय का लोकार्पण

दिनांक 14 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलपति सचिवालय एवं कुलसचिव कार्यालय का लोकार्पण मा0 कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, प्रोफसर गिरिजा पाण्डे, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र एवं सभी विभगाध्यक्ष, अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद थे।

<u>विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों के साक्षात्कार</u>

विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों पर प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के उपरांत वाणिज्य, गणित, लोक प्रशासन, हिन्दी, विधि, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान एवं संगीत विषय के अर्ह अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। दिनांक 23/01/2021 से 30/01/2021 तक उक्त शैक्षिक पदों के साक्षात्कार के साथ–साथ होटल प्रबन्ध एवं आतिथ्य, रसायन विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, ज्योतिष एवं इतिहास विषयों कैरियर अभिवर्धन योजना के अधीन वरिष्ठ वेतनमान समीक्षा समिति की बैठक भी संपन्न कराई गई।

'दिव्यांगजनों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य हेतु उनका पुनर्वास एवं उपचार' विषय पर द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

कोरोना काल में दिव्यांग जनों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य हेतु उनका पुनर्वास एवं उपचार विषय पर दो राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक– को किया गया। इस वेबीनार का आयोजन विशिष्ट शिक्षा विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं मनोविज्ञान विभाग एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। वेबीनार का उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. एच पी शुक्ला, निदेशक, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा एवं मुख्य अतिथि डॉ. बी आर पंत प्राचार्य एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर शुक्ला ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान परिस्थिति में महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली के ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंस इंस्टिट्यूट की नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ रुचि वर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं उनके उपचार के विषय में अपना व्याख्यान दिया। विशेषज्ञ डॉ कल्पना लखेड़ा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने संबंधित विधियों का उल्लेख किया। भारतीय काउंसलिंग परिषद के अध्यक्ष डॉ आशुतोष श्रीवास्तव संवेगात्मक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताएं।

भारतीय पुनर्वास परिषद के तत्वाधान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत दो दिवसीय वेबीनार के दूसरे दिन के उद्घाटन सत्र में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ बीएस बिष्ट द्वारा उद्बोधन दिया गया उन्होंने इस कार्यक्रम को दिव्यांगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित बहुत लाभप्रद बताया व्याख्यानों के क्रम में डॉक्टर निखिल दास ने डिप्रेशन के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला डॉ सतीश चंद्र द्वारा संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न पक्षों पर बात की गई डॉक्टर सीता ने स्ट्रेस और उसकी उपचार विधियों को दिव्यांगों के

संदर्भ में बताया डॉक्टर राजेश भट्ट ने विशेष अतिथि के रुप में माइंडफूलनेस टेक्निक के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

इन सभी मुद्दों पर सरकार को ध्यान देना होगा तभी मानसिक स्वास्थ संबंधित कार्यक्रमों की सार्थकता है और हम युवा वर्ग को और साथ ही मुख्यधारा से वंचित दिव्यांगों को सही दिशा देने में सक्षम हो पाएंगे और कहीं ना कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की ओर कदम बढ़ेंगे आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दो दिवसीय वेबीनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की समापन सत्र में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ विजुअल डिसेबिलिटी के डायरेक्टर डॉ हिमांशु दास ने कोरोना पीरियड में दिव्यांगों हेतु आई मानसिक स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों को विस्तृत रूप से बताया और उनके निदान के लिए स्पेशल एजुकेटर और मनोवैज्ञानिकों से मिलकर काम करने को कहा समापन सत्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी द्वारा सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया गया एवं इसी तरीके के कार्यक्रमों को लगातार करवाने और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एसपी शुक्ला द्वारा सभी स्पीकर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया गया

- निदेशक अकादमिक की अध्यक्षता में दिनांक 19 जनवरी 2021 को 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने के सम्बन्ध में निदेशकों की समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति द्वारा डॉ0 शालिनी चौधरी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी को शोध निर्देशन हेतु अर्ह पाते हुए, शोध निर्देशन हेतु अधिकृत किये जाने की अनुशंसा की गई।
- निदेशक अकादमिक की अध्यक्षता में दिनांक 19 जनवरी 2021 को अन्तर्विषयी शोध (Interdisciplinary Research) को बढ़ावा दिये जाने हेतु गठित समिति की बैठक का आयोजन किया गया। संयोजक निदेशक, शोध एवं नवाचार द्वारा अवगत कराया गया कि शोध निदेशालय को होटल एवम् आतिथ्य प्रबन्धन, कृषि एवम् प्रबंध अध्ययन विभाग से अन्तर्विषयी, शोध निर्देशन हेतु 'निर्देशक' के रूप में मान्यता दिये जाने हेतु आवेदन प्राप्त हुये हैं।
  उपर्युक्त पर समिति द्वारा विस्तृत चर्चा करते हुये निम्नवत् अनुशंसा की गई–
- अन्तर्विषयी शोध को बढ़ावा दिया जाना सराहनीय है। ऐसे विषय जहॉ ''शोध कार्य/शीर्षक'' दो भिन्न विषयों से जुड़े हों, और निर्देशन हेतु सम्बन्धित विषयों की अनिवार्यता अनुभव की जा रही हो, अन्तर्विषयी अध्ययन की श्रेणी में लिया जा सकता है, बशर्ते ऐसे विषय allied और relevant subject की श्रेणी में आते हों तथा सम्बन्धित विषय की RAC द्वारा ऐसे विषयों की सूची पूर्व से ही अनुमोदित की गई हो।
- उपरोक्त स्थितियों में ''शोध निर्देशन'' हेतु अन्य विषयों के सहायक प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/प्राध्यापक को अन्तर्विषयी शोध–निर्देशन के लिये सह–निर्देशक के रूप में अधिकृत किये जाने की अनुशंसा की जाती है। यद्यपि ऐसे शोध कार्य हेतु आवेदक को उपाधि उसी विषय में प्रदान की जायेगी, जिस विषय में उसने 'स्नातकोत्तर उपाधि' धारण की हो और उसका शोध पंजीकरण उक्त विभाग में हो।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2020–21 तथा शीतकालीन सत्र 2020 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (July 2020)

Total Students	73282
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	11735
12 Roorkee	3925
14 Pauri	1355
15 Uttar Kashi	1857
16 Haldwani	8702
17 Ranikhet	2461
18 Pithoragarh	1586
19 Bageshwar	1158
Books Packed/Dispatched For	32779

Book Distribution Status Previous Session (JANUARY-2020)

Total Students	9697
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3143
12 Roorkee	1187
14 Pauri	492
15 Uttar Kashi	446
16 Haldwani	2617
17 Ranikhet	920
18 Pithoragarh	398
19 Bageshwar	233
Books Packed/Dispatched For	9436

संलग्नक–क

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने यूओयू और डेयरी निदेशालय में दुग्ध संघ विभाग की समीक्षा बैठक की

दुग्ध संघ-यूओयू में नई नौकरियां मिलेंगी

समीक्षा बैठक

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धन सिंह रावत ने सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि विवि में रिक्त पड़े पदों को जल्द भरा जाए। उन्होंने कहा कि विवि में खाली पदों के कारण जहां छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है, वहीं यूजीसी व केन्द्र से मिलने वाली ग्रांट का भी नुकसान होता है।

यूओयू सभागार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रावत ने विवि के निर्माण कार्यों, मानव संसाधन पूर्ति, अकादमिक गतिविधियों, ऑनलाइन शिक्षा, ग्रीन कैम्पस व विवि में रिक्त पड़े पदों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जितने भी खाली पड़े पद हैं, उन्हें जल्दी भरा जाए, जिससे विवि के समस्त शैक्षिक व प्रशासनिक कार्य सुचारू ढंग से संचालित हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के चयन निर्माण विभाग को विवि के निर्माणाधीन समस्त कार्यों को समय से पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय को अपना कार्पस फंड बढ़ाने पर भी जोर देना चाहिए। भारत सरकार के कई शोध व अन्य वेलफेयर संस्थान हैं, जो शोध एवं नवाचार और प्रचार प्रसार के लिए अनुदान देते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को इसके लिए प्रोजेक्ट जमा करने चाहिए। बैठक से पहले विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मंत्री को रूबरू करवाया। उन्होंने परिसर में हो रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट, प्रो.एचके शुक्ल, प्रो.आरसी मिश्रा, प्रो. गिरजा पांडे, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. पीडी पंत, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री धन सिंह रावत ने सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विवि का निरीक्षण किया। • हिन्दुस्तान

क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए मिलेगी भूमि

मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी 8 क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने को जल्द भूमि व भवन आवंटन की व्यवस्था की जाएगी। कहा कि विवि प्रबंधन विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करें। उसके लिए जो भी सहयोग सरकार को करना पड़े, वह करेगी।

विदेश के विश्वविद्यालयों से कराएं एमओयू

डॉ.रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय को देश के 20 और विश्व के 5 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एमओयू करके शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एक प्रोफेसर को जिम्मेदारी दी जाए। उन्होंने कहा कि विवि को अपनी गृह पत्रिका का निरंतर प्रकाशन करना चाहिए।

अमर उजाला

उच्चशिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया एलान

दिव्यांग कर्मचारी निर्मला देवी से बात करते उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत।

यूओयू में रिक्त पड़े पदों को जल्द भरने के निर्देश

हल्द्वानी। उच्चशिक्षा मंत्री ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के बाद कुलपति कार्यालय में समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में जितने भी पद रिक्त पड़े हैं, उन्हें जल्द भरा जाए जिससे विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारु ढंग से संचालित हो सके। मंत्री ने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की कार्यदायी संस्था मंडी परिषद के अभियंताओं को निर्माणाधीन समस्त कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मंत्री को रूबरू करवाया। बैठक में उच्चशिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. एचके शुक्ल, प्रो. गिरजा पांडे, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. पीडी पंत, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्रा, वित्त नियंत्रक रुचिता तिवारी आदि मौजूद रहे।

ये भी कहा

- मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करें, उसके लिए जो भी सहयोग करना पड़े, किया जाएगा।
- निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय का जो भी दीक्षांत समारोह हो, उस पर कम से कम धन खर्च करें।
- विश्वविद्यालय के सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आवंटन का आश्वासन दिया।

यूओयू परिसर में ये होंगे निर्माण कार्य

- कुलपति निवास मय साज सज्जा 87.48 लाख
- टाइप टू श्रेणी के आवास डेढ़ करोड़
- साइंस ब्लाक का निर्माण 6 करोड़
- तीन मंजिल अतिथि गृह 4 करोड़
- बहुउद्देश्यीय भवन का निर्माण 3 करोड़
- द्वितीय श्रेणी के आवास निर्माण 1.28 करोड़

उत्तर उजाला

मुक्त विवि में शीघ्र भरे जायेंगे रिक्त पद

निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश

क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए भूमि और भवन आवंटन का आश्वासन

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक लेते हुए कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विवि में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा भी लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों, मानव संसाधन पूर्ति, अकादमिक गतिविधियों, ऑनलाईन शिक्षा, ग्रीन कैम्पस तथा रिक्त पड़े पदों को तत्काल भरने की बात कही।

डा. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय में जितने भी खाली पड़े पद हैं, उन्हें जल्द भरा जाए, जिससे विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारू ढंग से संचालित हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आवंटन का आश्वासन दिया और कहा कि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करें। उसके लिए जो भी सहयोग सरकार को करना पड़े वह करेगी। विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में कम से कम पैसा खर्च करने का प्रयास करे। विश्वविद्यालय को अपना कार्पस फंड बढ़ाने पर भी जोर देना चाहिए। भारत सरकार के कई शोध एवं अन्य वेलफेयर संस्थान हैं जो शोध एवं नवाचार और प्रचार प्रसार के लिए अनुदान देते हैं, विश्वविद्यालय के शिक्षकों को (शेष पृष्ठ 6 पर)

विवि में निर्माण कार्यों का जायजा लेते डा. धन सिंह रावत

मुक्त विवि ...

इसके लिए प्रोजेक्ट जमा करने चाहिये। डॉ. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय को देश के 20 तथा विश्व के 5 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एमओयू कर शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एक प्रोफेसर को जिम्मेदारी दी जाए। विश्वविद्यालय को ऊनी गृह पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन कर उसमें समसामयिक लेख भी प्रकाशित करने चाहिए और समय-समय पर एलुमनाई मीट भी करानी चाहिए। बैठक से पूर्व कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से उच्च शिक्षा मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एक ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने लॉकडाउन में भी अपनी समस्त शैक्षिक गतिविधियों को बनाये रखा। डॉ. रावत ने विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों से सुझाव लिए और उन्हें विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट समेत विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी और अनुभाग अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

यूओयू में अब बगैर आइकार्ड के अफसरों-कर्मचारियों की नो एंट्री

- सुबह 10:30 बजे के बाद मुख्यालय परिसर में नहीं मिलेगा किसी को दाखिला
- बाहरी लोगों की आमद बढ़ने को बताया जा रहा इस सख्ती की मुख्य वजह

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बाहरी लोगों की आमद बढ़ गई है। इस पर अब नकेल कसने के लिए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने अफसरों-कर्मचारियों के लिए आइकार्ड अनिवार्य कर दिया है। बिना आइकार्ड के मुख्यालय में एंट्री नहीं दी जाएगी।

विवि में कुलपति ने नया नियम लागू किया है • जागरण आर्काइव

कुलपति की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। कहा है कि विवि मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी अपनी आफिस आइडी पहनकर आएंगे। इसकी मुख्य द्वार पर जांच होगी। बाहरी लोगों को पूर्व की तरह रजिस्टर में आने का कारण नाम, मोबाइल नंबर और पता दर्ज कराना होगा। बिना कार्य के किसी को विवि में आने पर पाबंदी रहेगी। सभी अफसर-कर्मचारियों को रोजाना सुबह 10.30 बजे अपने दफ्तर पहुंचना होगा। इसे बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, शाम को 4:45 बजे के बाद ही घर जाना होगा। इस अवधि के बीच में कोई भी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। केवल उन्हीं को इस बीच कहीं आने-जाने की अनुमति मिलेगी जो वित्त या मार्केटिंग संबंधी कार्यों से जुड़े हुए हैं।

> व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए थोड़ा बदलाव की जरूरत थी। सभी को समय से आफिस पहुंचने व आइकार्ड पहनने को लेकर लिखित आदेश जारी कर दिया गया है। **-प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय**

अमर उजाला

यूओयू: देहरादून और हल्द्वानी क्षेत्र में रिकॉर्ड दाखिले

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में इस बार रिकॉर्ड दाखिले हुए हैं। देहरादून क्षेत्र में 22,352 और हल्द्वानी क्षेत्र में 19,267 छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया है। विश्वविद्यालय के प्रदेश में सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत 120 अध्ययन केंद्रों पर 74,456 विद्यार्थियों के दाखिले हुए हैं। गत वर्ष के मुकाबले छह हजार से अधिक छात्र संख्या में इजाफा हुआ है।

प्रदेश के आठ क्षेत्रीय कार्यालयों से जुड़े 120 अध्ययन केंद्रों पर 74,456 छात्रों ने लिया दाखिला

दाखिले की स्थिति	
देहरादून	22,352
हल्द्वानी	19,267
रुड़की	8687
रानीखेत	7842
उत्तरकाशी	5596
पौड़ी	4413
पिथौरागढ़	3550
बागेश्वर	2749

नवंबर तक अध्ययन केंद्रों पर 60 हजार विद्यार्थियों के दाखिले हुए थे। यह संख्या दाखिले बंद होने की तिथि तक 74 हजार का आंकड़ा पार कर गई। मुक्त विवि के प्रवेश प्रभारी प्रो. मदन मोहन जोशी ने बताया कि प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राओं को एसएमएस से जानकारी दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

> विश्वविद्यालय का यही प्रयास है कि प्रदेश के दूरस्थ स्थानों तक उच्चशिक्षा से वंचित लोगों को उच्चशिक्षा मुहैया कराई जा सके। दूसरा प्रयास गुणवत्तापरक शिक्षा उपलबध कराना है।
>
> -प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय

अमर उजाला

दिव्यांगों के लिए रोजगार परक पाठ्यक्रम चलाए जाएं

हल्द्वानी। भारती पुनर्वास परिषद की ओर से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित वेबिनार में दिव्यांगों के लिए रोजगार परक पाठ्यक्रम चलाए जाने पर जोर दिया। उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट इसे दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद बताया। डॉ. निखिल दास ने डिप्रेशन के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला। डॉ. सतीश चंद्र ने संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न पक्षों पर बात की। डॉ. सीता, डॉ. राजेश भट्ट, डॉ. रश्मि पंत, डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल, डॉ. हिमांशु दास, प्रो. एसपी शुक्ला ने भी अपनी बात रखी। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कार्यक्रम की सराहना की। (ब्यूरो)

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में आज समीक्षा करेंगे उच्चशिक्षा मंत्री

हल्द्वानी। उच्चशिक्षा एवं सहकारिता राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत सोमवार से दो दिनी दौरे पर नैनीताल जिले में रहेंगे। सोमवार सुबह 10 बजे डेयरी निदेशालय और फिर 11:30 बजे उत्तराखंड मुक्त विवि में कार्यों की समीक्षा करेंगे। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उत्तराखंड मुक्त विवि में कुलपति आवास, कर्मचारी आवास आदि कामों का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद वे नैनीताल रवाना होंगे।

दैनिक जागरण

युवा आयोग में मनोविज्ञानी को बनाया जाए सदस्य

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) और एमबीपीजी कालेज की ओर से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें मनोविज्ञानियों ने जहां दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य पर मंथन किया, वहीं सरकार को सुझाव भी दिए कि युवा आयोग में मनोविज्ञानी को भी सदस्य बनाया जाए। रविवार को वेबिनार में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डा. बीएस बिष्ट ने इस तरह के कार्यक्रमों को दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वूपर्ण बताया। यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, आयोजक सचिव डा. रश्मि पंत डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, डा. हिमांशु दास, प्रो. एसपी शुक्ला ने भी विचार रखे। वरिष्ठ मनोविज्ञानी डा. निखिल दास ने दिव्यांगों के तनाव के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला।

हिन्दुस्तान

तरक्की को वाजिब नया नजरिया

यूओयू में बगैर आईडी कार्ड नो एंट्री

सख्ती

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने के लिए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने सख्त रुख अपनाया है। अब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, अधिकारी और स्टाफ को बगैर आईडी कार्ड परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सुबह 10:30 बजे तक हर हाल में ड्यूटी पर पहुंचना होगा। इसके बाद आने वालों की हाजिरी नहीं लगेगी और उन्हें गेट पर ही रोक लिया जाएगा।

कुलपति प्रो. नेगी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सोमवार यानी आज से इसका सख्ती से पालन होगा। विश्वविद्यालय में सुबह 10:30 बजे तक पहुंचने के साथ घर वापसी के लिए मनमानी नहीं चलेगी। शाम वापसी के समय दस्तखत के लिए 4:45 बजे ही रजिस्टर निकाला जाएगा। हालांकि, वित्त आदि अनुभागों के कर्मचारी, जिनका काम बाहर होता है वे आ जा सकेंगे। प्रोफेसर, स्टाफ भी जरूरी काम होने पर जा सकेंगे, लेकिन इसकी सूचना देनी होगी। जानकारी के मुताबिक यूओयू में कई लोगों द्वारा काम को लेकर मनमानी करने से जुड़ी शिकायतें कुलपति सचिवालय को मिली थी। विवि द्वारा परिचय पत्र जारी करने के बावजूद कुछ ही लोग उसे टांग कर आते थे।

निर्णय

- उत्तराखंड मुक्त विवि में वक्त पर न पहुंचने वाले होंगे प्रभावित
- सोमवार से कुलपति के आदेश सख्ती से लागू किए जाएंगे

10:30 बजे तक सुबह हर हाल में विवि पहुंचना होगा

04:45 बजे शाम को रजिस्टर में करने होंगे दस्तखत

"विवि के प्रशासनिक और शिक्षण से जुड़े काम अच्छी तरह संचालित हों, इसलिए आदेश जारी किए हैं। सुबह 10:30 बजे तक विवि न आने वाले को प्रशासनिक भवन के गेट पर रोकने के आदेश दिए हैं।

– प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति, यूओयू

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

युवा आयोग में मनोवैज्ञानिक भी शामिल किए जाएं

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज, यूओयू और भारतीय पुनर्वास परिषद का दो दिनी वेबिनार रविवार को सम्पन्न हो गया। उच्चशिक्षा उन्नयन समिति उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट ने दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित इस संगोष्ठी को काफी लाभकारी बताया। आयोजन सचिव डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि प्रदेश में युवा आयोग बनाने की तैयारी है। कहा इसमें एक सदस्य मनोविज्ञान क्षेत्र से होना चाहिए। डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने वेबिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सत्र को यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने संबोधित किया।

03 हिन्दुस्तान
हल्द्वानी • सोमवार • 11 जनवरी 2021

16° अधिकतम | 05° न्यूनतम नैनीताल

सूर्योदयः 07:07
सूर्यास्तः 05:32

हल्द्वानी

उत्तराखंड में पहली बार यूओयू कराएगा डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

हल्द्वानी | सुनित जोशी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में ऑनलाइन मोड पर डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स कराया जाएगा। इसके लिए वीडियो लेक्चर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। 4 क्रेडिट वाले कोर्स की समय सीमा 12 हफ्ते यानी तीन महीने होगी। यह कोर्स पूरी तरह से निःशुल्क होगा।

03 माह यानी 12 हफ्ते होगी 4 क्रेडिट वाले इस कोर्स की समय सीमा

निशुल्क शिक्षा

- यूओयू ऑनलाइन मोड पर इस पाठ्यक्रम को चलाएगा
- इसी साल अप्रैल से कोर्स शुरू करवाने की तैयारी

कोर्स के लिए शैक्षिक योग्यता

डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स करने के लिए आईटी या फॉरेंसिक साइंस का विद्यार्थी होने की जरूरत नहीं। इसे स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर चुके या पढ़ाई कर रहे छात्र कर सकते हैं। ऑनलाइन होने से इस कोर्स में पंजीकरण करने के बाद छात्र मोबाइल या लैपटॉप पर आसानी से कहीं भी पढ़ाई कर सकते हैं।

राज्य का पहला विवि होगा

डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स अभी देश के 10 चुनिंदा विवि में ही चल रहा है। यूओयू इसकी पढ़ाई कराने वाला उत्तराखंड का पहला विवि होगा। यहां कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र पांडे का कहना है कि साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। इसलिए अपराधियों तक पहुंचने के लिए प्रोफेशनल लोगों की जरूरत है।

'स्वयं' पोर्टल के साथ करार भी जल्द

डिजिटल फॉरेंसिक का ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाकर यूओयू प्रशासन शिक्षा मंत्रालय के 'स्वयं' पोर्टल से करार करने की तैयारी कर रहा है। यह कोर्स पूरा होने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से परीक्षा भी होगी। इसके साथ ही विवि की वेबसाइट से कोर्स संचालित किया जाएगा।

विषय क्या

ऑनलाइन कोर्स में 40 मॉड्यूल होंगे

सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र पांडे ने 'हिन्दुस्तान' को बताया है कि डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स में 40 से ज्यादा मॉड्यूल होंगे। विडीज फॉरेंसिक, लाइनेक्स फॉरेंसिक, मोबाइल फॉरेंसिक, फर्स्ट रिस्पॉन्डर टू विक्टेट, टाइप्स ऑफ एविडेंस, हार्डडिस्क टैक्नोलॉजी और इंटरनेट वेब अटैक्स जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए यूओयू यह कोर्स शुरू करने जा रहा है।

दिनांक 19 फरवरी, 2021 को मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (द्वितीय चरण) का लोकार्पण एवं विभिन्न भवनों का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 धन सिंह रावत, उच्च शिक्षा मंत्री, श्री नवीन दुम्का, विधायक, श्री संजीव आर्य, विधायक, श्री राम सिंह कैड़ा, विधायक, श्रीमती बेला तोलिया, जिला पंचायत अक्ष्यक्ष, डॉ0 जोगेन्द्र रौतेला, मेयर, श्री प्रदीप बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष उपस्थित थे।

सर्वप्रथम मा0 मुख्यमंत्री जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मा0 मुख्यमंत्री जी एवं अन्य विशिष्ठ अतिथियों द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच 26 करोड़ 18 लाख की धनराशि के निर्माण कार्यों का शिलान्यास व नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को देश का पहले नंबर का विश्वविद्यालय बनाने की बात कही और जिसके लिए जो भी आवश्यकतायें होंगी उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय की समस्याओं से मा0 मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। उनके द्वारा यू0जी0सी0 से विश्वविद्यालय को 12बी का दर्जा दिलाने हेतु प्रयास किये जा रहे है। इस हेतु विश्वविद्यालय को 40 एकड़ भूमि का मानक पूरा कराना है। कुलपति जी ने मा0 मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय का कैंपस बनाने हेतु देहरादून में भूमि प्रदान करने की बात कही। माननीय मुख्यमंत्री

जी द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहें कार्यों की प्रशंसा करते हूये देहरादून के डोईवाला में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का कैंपस बनाने हेतु भूमि देने की घोषणा की।

कार्यक्रम का संचालन प्रो0 दुर्गेश पंत द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव द्वारा किया गया।

दिनांक 11 फरवरी, 2021 को कार्य परिषद की 29वीं बैठक का आयोजन

दिनांक 11 फरवरी 2021 को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 29वीं बैठक का आयोजन मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कुल 18 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में विभिन्न प्रस्तावों का अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया–

- विश्वविद्यालय में कार्यरत 20 सहायक आचार्यों को पात्रता की तिथि से वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 11 एवं वरिष्ठ वेतनमान/अकादमिक स्तर 12 अनुमन्य किये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की संसतुतियों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय में कार्यरत 02 सहायक आचार्यों को पात्रता की तिथि से अकादमिक स्तर 13–क में पदनाम सहित प्रोन्नत किये जाने हेतु गठित समिति की संस्तुतियों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार के दिशा–निर्देशों के आधार पर विश्वविद्यालय में नियोजित नियमित महिला कार्मिकों को बाल्य देखभाल अवकाश (Child Care Leave) अनुमन्य की गई।
- विश्वविद्यालय में सृजित विभिन्न संवर्ग के पदों पर स्टाफिंग पैटर्न समिति के माध्यम से अवधारित किये जाने हेतु अनुमोदन किया गया।
- शासन द्वारा विश्वविद्यालय हेतु सृजित शिक्षणैत्तर पदों पर उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश के अनुसार आरक्षण रोस्टर अवधारित किये जाने हेतु अनुमोदन किया गया।

- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में आचार्य, सह–आचार्य एवं सहायक आचार्य के 37 पद विज्ञापित किये गये। उक्त विज्ञापित पदों पर माह जनवरी एवं फरवरी में साक्षात्कार प्रकिया पूर्ण

की गई तथा चयन समितियों की संस्तुतियों को सील बन्द लिफाफे में माननीय कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

- विश्वविद्यालय मे 03 आचार्य, 07 सह–आचार्य तथा 15 सहायक आचार्यों द्वारा कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है।

बैठक में वाह्य सदस्य प्रो0 पी0एस0 बिष्ट, प्रो0 एल0एन0 कोली, श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला, श्री पवन अग्रवाल, डॉ0 श्रीकान्त महापात्र, डॉ0 कुमकुम रौतेला, डॉ0 विरेन्द्र कुमार उपस्थित थे। बैठक में कुलसचिव, समस्त निदेशक, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक एवं उपकुलसचिव द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों के साक्षात्कार

विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों पर प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के उपरांत वाणिज्य, गणित, लोक प्रशासन, हिन्दी, विधि, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान एवं संगीत विषय के अर्ह अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। दिनांक 23/01/2021 से 30/01/2021 तक उक्त शैक्षिक पदों के साक्षात्कार के साथ–साथ होटल प्रबन्ध एवं आतिथ्य, रसायन विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, ज्योतिष एवं इतिहास विषयों कैरियर अभिवर्धन योजना के अधीन वरिष्ठ वेतनमान समीक्षा समिति की बैठक भी संपन्न कराई गई। इसके उपरांत दिनांक 8/02/2021 एवं 9/02/2021 को पत्रकारिता, जन्तु विज्ञान, शिक्षाशास्त्र के साक्षात्कार संपन्न हुये।

उक्त विज्ञापित पदों पर चयन समितियों की संस्तुतियों को सील बन्द लिफाफे में माननीय कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया तथा विश्वविद्यालय मे 03 आचार्य, 07 सह–आचार्य तथा 15 सहायक आचार्यों द्वारा कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है।

चयनित अभ्यर्थियों की सूची संलग्न है। (संलग्नक–क)

- ार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 38 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- फरवरी माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 727 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

विशेष शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 18 से 25 फरवरी, 2021 बी. एड. (विशेष शिक्षा) के तृतीय सेमेस्टर के हल्द्वानी आदर्श अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों हेतु सिमुलेटेड (आभासी) शिक्षण की कक्षाओं से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षाओं में अध्ययन अध्यापन से सम्बंधित कौशल ओर तकनीकियों के बारे में विशेषज्ञों से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। साथ ही कृत्रिम विद्यालयी कक्षा का निमार्ण कर स्वयं ही अध्यापक

ओर शिक्षार्थी की भूमिका का निर्वहन कर अपने शिक्षण कौशल का प्रदर्शन किया गया। सिमुलेटेड (आभासी) शिक्षण की कक्षाओं से सम्बंधित कार्यशाला में सामान्य विद्यार्थियों के साथ साथ विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को किस प्रकार पढाया जाये, उनके पाठों का निर्माण, शैक्षिक विधियों का प्रयोग इत्यादि की जानकारी प्रदान की गयी।

साथ ही दिनांक 26–27 फरवरी, 2021 बी.एड. (विशेष शिक्षा) के प्रथम सेमेस्टर के हल्द्वानी आदर्श अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों हेतु प्रयोगात्मक कार्यों से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बी.एड. (विशेष शिक्षा) के विद्यार्थियों को विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के जीवन की सामान्य व चिकित्सीय जानकारी के साथ दिव्यांगता के कारणों को जानने से सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया।

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा माननीय कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी तथा परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर पी0डी0 पंत द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया–

- दिनांक 23/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर का औचक निरीक्षण किया गया।

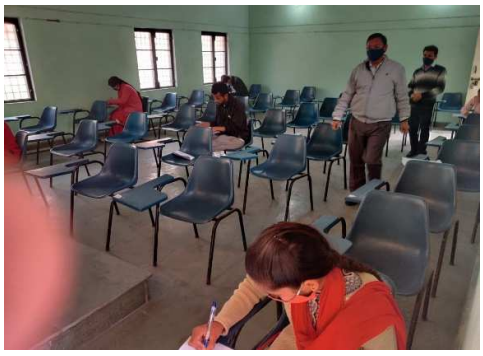

- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षा केंद्रों का परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर डीडी पंत ने औचक निरीक्षण किया। प्रोफेसर डीडी पंत द्वारा रामनगर महाविद्यालय महाविद्यालय का निरीक्षण किया जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक चल रही है।

- दिनांक 24/02/2021 को एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी का औचक निरीक्षण।

- दिनांक 25/02/2021 को सरदार भगत सिंह महाविद्यालय, रूद्रपुर का निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 26/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय, रामनगर का औचक निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 26/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय, बाजपुर का औचक निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 27/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय सितारगंज, उधम सिंह नगर का औचक निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 27/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय खटीमा, उधम सिंह नगर में निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 27/02/2021 को राजकीय महाविद्यालय टनकपुर, चम्पावत का निरीक्षण किया गया।

अकादमिक गतिविधियॉ

- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- School of Computer Science & IT have published a chapter "Experimenting with Online Learning at Uttarakhand Open University" in a book entitled **Student Satisfaction with Open Distance Learning: Experiences of Open Universities,** ISBN: 978-81-88770-39-7 published by Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- School of Computer Science & IT delivered a lecture in a Faculty Development Programme on Cyber Security organised by Mahatma Gandhi International Hindi University, Vardha, Maharastra on 09/Feb./2021. The FDP was sponsored by AICTE.
- Prof. Durgesh Pant- Professor, Computer Science and Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Professor- School of Computer Science & IT have jointly filed a patent. The details of the patent are given below:

IoT based Smart Food Adulteration Detection System and Method Thereof	Application No. TEMP/E-1/7818/2021-DEL Date of Filing. 20/02/2021 Publication Date. 26/02/2021.

- Dr. Ashutosh Kumar Bhatt, Associate Professor- School of Computer Science & IT delivered a Expert Talk on "Role of Technology in Rural Development" in National Webinar on "Role of Science for Sustainable Rural Development of Uttarakhand - 2021", Jointly Organized by Department of Higher Education, Uttarakhand, UCOST, USERC on February 28, 2021.
- **Dr. Gopal Datt** Participated in AICTE Training And Learning (ATAL) Academy Five Day Online FDP on "Cyber Security" from Feb 8-12, 2021 at Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, India.
- डॉ0 गोपाल दत्त द्वारा दिनॉक 17 फरवरी 2021 को निदेशक, जी0बी0 पन्त राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, कोसी, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड के साथ कौशल शिक्षा एवं परियोजनाओं से सम्बन्धित इत्यादि विषयों पर एक बैठक सम्पन्न हुई **जिसमें** ग्रीन टैक्नोलॉजी **एवं** कल्चरल इन्फारमेटिक्स को डिजिटाइज करने से सम्बन्धित कार्यक्रमों पर दोनों संस्थाओं में आपसी सहभागिता को बढ़ावा देते हुए मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई।

डॉ0 नीरज कुमार जोशी, संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 21/02/2021 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नमामि गंगे अभियान

- मार्च माह के द्वितीय पखवाड़ा 'स्वच्छता पखवाड़े' के रूप में मनाया गया। इस दौरान विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां जैसे–हस्ताक्षर अभियान, स्वच्छता रैली एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाए गए।

- दिनांक 17 मार्च, 2021 को हस्ताक्षर अभियान के साथ इसकी शुरूआत की गई तथा दिनांक 23 मार्च को गंगा शपथ एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य जनमानस में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना था ताकि अपने आस पास के पर्यावरण विशेष रूप से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रदूषण स्तर को कम किया जा सके। इन अभियानों में छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आस पास के लोगों ने प्रतिभाग किया।

माह अप्रैल में जागरूकता से सम्बन्धित निबंध प्रतियोगिता/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जायेगा।

विशेष शिक्षा विभाग आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों हेतु सिमुलेटेड (आभासी) शिक्षण की कक्षाओं से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन

विशेष शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 1-8 मार्च, 2021 बी.एड. (विशेष शिक्षा) के तृतीय सेमेस्टर के देहरादून आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों हेतु सिमुलेटेड (आभासी) शिक्षण की कक्षाओं से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा कक्षाओं में अध्ययन अध्यापन से सम्बंधित कौशल ओर तकनीकियों के बारे में विशेषज्ञों से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। साथ ही कृत्रिम विद्यालयी कक्षा का निमार्ण कर स्वयं ही अध्यापक ओर शिक्षार्थी की भूमिका का निर्वहन कर अपने शिक्षण कौशल का प्रदर्शन किया गया। सिमुलेटेड (आभासी) शिक्षण की कक्षाओं से सम्बंधित कार्यशाला में सामान्य विद्यार्थियों के साथ साथ विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को किस प्रकार पढाया जाये, उनके पाठों का निर्माण, शैक्षिक विधियों का प्रयोग इत्यादि की जानकारी प्रदान की गयी।

साथ ही दिनांक 8-9 मार्च, 2021 बी.एड. (विशेष शिक्षा) के प्रथम सेमेस्टर के देहरादून आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों हेतु प्रयोगात्मक कार्यों से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बी.एड. (विशेष शिक्षा) के विद्यार्थियों को विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के जीवन की सामान्य व चिकित्सीय जानकारी के साथ दिव्यांगता के कारणों को जानने से सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अतिरिक्त दिनांक 8 मार्च, 2021को देहरादून आदर्श अध्ययन केंद्र बी.एड. (विशेष शिक्षा) के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन भी किया गया। जिसमे महिला अधिकारों व सशक्तिकरण पर चर्चा हुयी।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र दिसम्बर 2020 से संबंधित सेमेस्टर पाठ्यक्रमों की मुख्य/बैक व सुधार परीक्षाएं (दिनांक 26 अप्रैल 2021 से 17 मई 2021 तक) होनी प्रस्तावित है, परीक्षा का कार्यक्रम वि0वि0 वैबसाइट/समस्त अध्ययन केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयों को ईमेल से प्रसारित किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र दिसम्बर 2020 से संबंधित वार्षिक पाठ्यक्रमों की मुख्य/बैक व सुधार परीक्षाएं (दिनांक 22 फरवरी 2021 से 22 मार्च 2021 तक) कुल 47 परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक सम्पन्न हो चुकी है । परीक्षाओं के सफल सम्पादन हेतु समस्त परीक्षा केन्द्रों को धन्यवाद पत्र प्रेषित किया गया।
- उपरोक्त परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं वि0वि0 लाने हेतु दो–दो सदस्यों की 18–20 टीमों को परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। समस्त परीक्षा केन्द्रों से उत्तरपुस्तिकाएं दिनांक 26 मार्च 2021 तक वि0वि0 लायी जा चुकी है।
- उत्तरपुस्तिकाओं की छठनी का कार्य करते हुए मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।
- मार्च माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 30 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- मार्च माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 850 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।
- मार्च माह में पत्राचार, मेल व टेलिफोन के माध्यम से प्राप्त परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान, सत्यापन/ समान्य पत्राचार, आर0टी0आई0/नोटिस/शिकायती पत्र, सी0एम0 पोर्टल एवं अन्य महत्वपूर्ण पत्रावलियों पर कार्य किया गया/जा रहा है।

डॉ गगन सिंह, सह प्रध्यापक, वाणिज्य द्वारा अकादमिक निदेशालय व सीका, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा नये नियोजित सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक व प्राध्यापक के लिए एक माह का संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, गतिविधियों व विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में इनके द्वारा दिनांक 06.03.2021 को "**How to Income Tax return"** विषय पर व्याख्यान दिया गया तथा दिनांक 8/03/21 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इनके द्वारा "**How to Save and Invest the Money**" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

डॉ0 सीता, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान द्वारा दिनांक 20–21 मार्च, 2021 को इतिहास विभाग, एस0एस0जे0 परिसर अल्मोड़ा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में प्रतिभाग एवं पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ0 अशुतोष भट्ट, सहा प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा **"Systematic Cardiovascular Health Analysis of Rural and Urban Residents for Early prediction of Cardiac Ailments",** published in "**IEEE Xplore"**, **E-ISBN:**978-1-6654-1451-7, 15 March 2021, pp. 729-733, DOI: 10.1109/Confluence51648.2021. 9377092, Scopus Indexed में पेपर प्रस्तुत किया गया।

डॉ0 अशुतोष भट्ट, सहा प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा "Thoracic Disease Detection using Deep Learning" in 5th International Conference on Computing Methodologies and Communication", Organized by Surya College of Engineering, Erode, Tamil Naudu on April 8, 2021(Online/Virtual mode) में पेपर प्रस्तुत किया गया।

डॉ0 अशुतोष भट्ट, सहा प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा 03 days workshop on 'Quality SLM and the Other Issues in ODL' organized by Centre for Internal Quality Assurance and Directorate of Academics of Uttarakhand Open University in collaboration with Staff Training and Research Institute of Distance Education (STRIDE), IGNOU New Delhi, from 15th March 2021 to 17th March 2021 में प्रतिभाग किया गया।

अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर 2020 को दैनिक जागरण द्वारा आयोजित व्याख्यान माला: 'सबल लोकतंत्र, मजबूत सरकार या मजबूत विपक्ष' में प्रतिभाग किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री आदित्य नाथ जी, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश थे।

- Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor participated in webinar on "Science, Technology and Innovation Policy 2020" organized by Vigyaan Bharti Uttarakhand on 11 Oct., 2020.

- Participate in an e_conference organized by Uttarakhand Sanskrit University Haridwar and शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली on dated 18 October 2020.

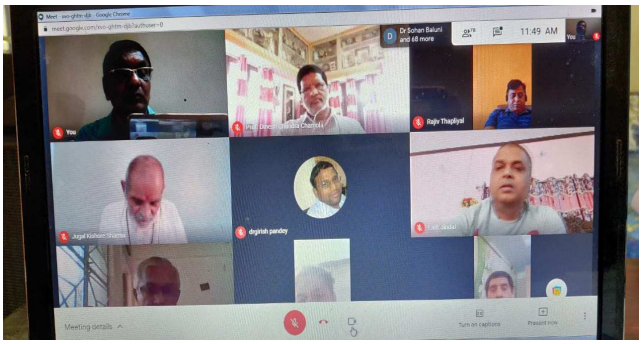

- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 10 अक्टूबर 2020 पर्यावरण गतिविधि पर उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के कुलपतियों की बैठक में प्रतिभाग किया गया।

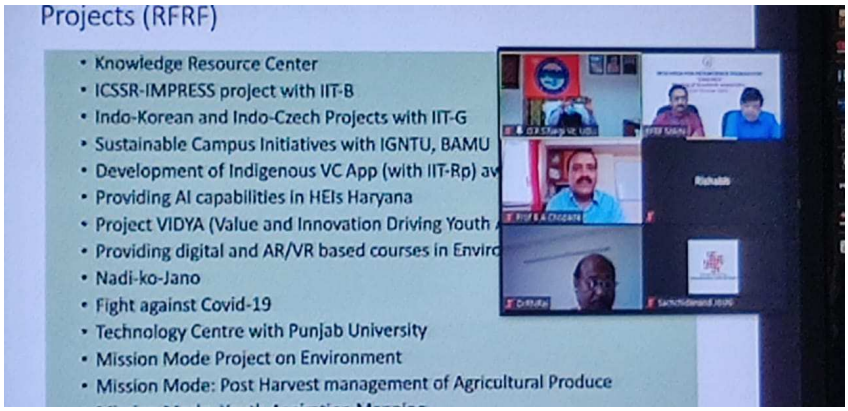

- Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor attended a meeting of Research for Resurgence Foundation (RFRF) on 27 Oct 2020.

7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें
(Innovations and Best Practices)

डिजिटल प्रथायें (DEGITAL PRACTICES)

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

कोविड–19 के तहत् माह मई, 2020 में जारी लॉकडाउन की स्थिति में Work from Home का सशक्त रूप से परिपालन कर रहा है जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं:–

1. लॉकडॉउन के चलते घर से काम करते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक जहां ऑनलाईन अध्धयन सामग्री तैयार करके डिजिटल मीडिया के कई माध्यमों से छात्रों तक पहुंचा रहे हैं।
2. सोशल मीडिया के कई माध्यमों से ऑनलाईन कक्षा/कॉउंसलिंग भी करा रहे हैं, साथ ही कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी के निर्देशन में नए अकादमिक वर्ष के लिए नए पाठ्यक्रमों व सेमेस्टर प्रणाली हेतु ऑनलाईन अध्ययन परिषदों की बैठकें भी आयोजित कर रहे हैं, अब तक विज्ञान विद्याशाखा के अंतर्गत भौतिक विज्ञान व भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा के अंतर्गत पर्यावरण विषय की अध्ययन परिषद की ऑनलाईन बैठकें सम्पन्न हो चुकी हैं।
3. कुलपति जी के निर्देशन सभी अकादमिक कार्य ऑनलाईन हो रहे हैं और एक–एक करके सभी विद्याशाखाओं के निदेशकों व शिक्षकों से जूम के माध्यम से कुलपति बैठकें ले रहे हैं, बैठक में यू जी सी के निर्देशों के क्रम में परीक्षा, सत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट कार्य, कार्यशालाएं, प्रयोगिक परीक्षाएं, अध्ययन सामग्री की उपलब्धता तथा अधिकतम ऑनलाईन अध्ययन सामग्री छात्रों को उपलब्ध कराने पर विचार विमर्श तथा निर्देश दिये गये।
4. शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्य भी ऑनलाइन जमा कराये जा रहे है।
5. शिक्षकों ने लगभग सभी विषयों के घर से ही पॉवरपॉइंट के माध्यम से वीडियो बनाकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अपलोड किए हैं, जिनका लाभ विश्वविद्यालय के छात्र तो ले ही रहे हैं साथ राज्य के अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भी ले रहे हैं।

है। शिक्षकों द्वारा लगातार पीपीटी तथा वीडियों लेक्चर अपलोड किये जा रहे है। माह मई में **180 Lecture Notes तथा 52 Video Lectures** विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अपलोड किये गये।

6. विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों द्वारा learners को Online counselling प्रदान की जा रही है।
7. परीक्षा समिति तथा विद्या परिषद की बैठकों का आयोजन।

कोविड 19 और ऑनलाईन शिक्षा पर 5 दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय हल्द्वानी में कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेन्टर फॉर एशिया (सीमका) के सहयोग से 5 दिवसीय ऑनलाईन अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21 से 25 मई, 2020 तक किया गया । कार्यशाला **"कोविड 19 "Technology to Reach and Teach the Learners"** विषय पर आयोजित की गयी है। जो कि एकदम समसामयिक विषय है। जिसमें तीन देशों के 156 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला का **उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में यूजीसी के चेयरमैन प्रो0 डी0 पी0 सिंह** ने किया। **अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने की**। कार्यशाला का उद्देश्य टैक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षा को शिक्षार्थी तक किस प्रकार पहुंचाया जा सकता है पर मंथन करना और उसे सरल और शुलभ बनाना है, क्योंकि इस समय सम्पूर्ण विश्व कोविड 19 के कारण लॉकडाउन में है, जिससे संस्थागत माध्यमों से सीखने सिखाने में ब्रेक सा लग गया है। ऐसे समय में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को टैक्नोलॉजी के माध्यम से किस तरह से जोडा जाए यह कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

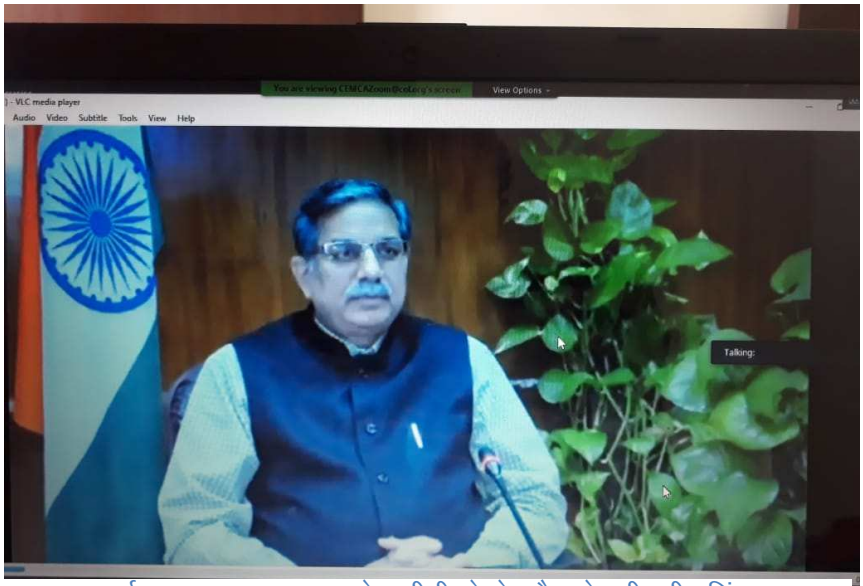

कार्यशाला का उद्घाटन करते यूजीसी के चेयरमैन प्रो0 डी0 पी0 सिंह

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये कार्यशाला के मुख्य अतिथि यूजीसी चेयरमैन प्रो0 डी0 पी0 सिंह ने कहा कि कोविड 19 के इस मुश्किल दौर में भी हमारे पास कई अवसर हैं और हमे विश्वास है कि हम इस दौर से उभर कर आगे बढेंगे। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की सराहना की और कहा कि यूओयू डिजिटल संसाधनों का और टैक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग कर रहा है जो कि ऑनलाईन शिक्षा में विश्वविद्यालय का एक बेहत्तर कदम है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला समसामयिक है ऑनलाईन शिक्षा में विश्वविद्यालय का यह सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं सीखने और सिखाने की प्रकिया को लगातार गति देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऑनलाईन शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो दूरस्थ शिक्षा के साथ शिक्षार्थी तक शिक्षा की पहूंच को उपलब्ध करा सकता है।

कार्यशाला की अध्यक्षता करतेयूओयू के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने कहा कि इस महामारी के कारण आज सारा विश्व की 90 प्रतिशत छात्र संख्या शिक्षण से दूर है, ऐसे में ऑनालाईन शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे कि इन परिस्थितियों में भी शिक्षक अपने शिक्षार्थियों तक पहूंच बना सकते हैं। उन्होंने विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुये आशा जाहिर की कि यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक साबित होगी।

मुख्य वक्ता के रूप में सिमका के निदेशक प्रो0 मधु परहार ने कहा कि ऑनलाईन शिक्षा आज की जरूरत बन चुकी है, जिससे कि हम कहीं भी कभी भी सीखने की प्रक्रिया जारी रख सकते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के आशा जाहिर की कि उनकी इस कार्यशाला से ऑनलाईन अध्ययन करने वाले छात्रों को लाभ मिलेगा।

कार्यशाला के संयोजक व विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने कहा कि आज के समय में सीखने के संसाधनों की प्रचुरता है, हमे यह सीखना है कि हम कैसे इन संसाधनों का सही से इस्तेमाल करें। उन्होंने व्यावसायिक और कौशल शिक्षा पर जोर देते हुये कहा कि इससे रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी और नौजवानों में हुनर का भी विकास होगा।

विशेषज्ञ के रूप में ईग्नू से डॉ0 आशीश कुमार अवधिया, डॉ0 निशा सिंह, डॉ0 अजीत कुमार तथा मुक्त विश्वविदयालय बांगलादेश से प्रो0 मोस्तफा आजाद कमाल शामिल हुये। प्रतिभागियों में श्रीलंका से 25, बांगलादेश से 35 तथा भारत से 40 प्रतिभागी शामिल हुए।

सिमका की ओर से डॉ0 मानस रंजन पाणीग्रहणी ने सभी अतिथि, विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। सत्र के अंत में आयोजक की ओर से विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान के शिक्षक व सह संयोजक डॉ0 जितेन्द्र पाण्डेय ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यशाला का संचालन डॉ0 गोपाल दत्त ने किया।

परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ऑनलाईन अध्ययन के बाद अब परीक्षा की ओर एक कदम आगे बढ़ने जा रहा है। दिनांक 20 मई, 2020 को विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें मुख्यतः तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए–

1. अगले सत्र 2020–21 से असाइनमेंट की परीक्षा ऑनलाईन करवाई जाएगी जो ऑनलाईन परीक्षा के रूप में एक प्रयोग होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को एक लॉगिन पासवर्ड दिया जाएगा, प्रत्येक विषय के लिये विश्वविद्यालय के विषय शिक्षकों को समन्वयक नियुक्त किया जाएगा, छात्रों को विषयवार दिन एवं समय आंवटित किया जाएगा। उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से लॉगिन पासवर्ड दिया जाएगा छात्र अपने आंवटित तिथि एवं समय पर अपनी लॉगिन में जाकर अपने प्रश्नपत्रों के प्रश्नों के उत्तर ऑनलाईन देकर उन्हें सबमिट कर देगा। असाइनमेंट में ऑब्जेक्टिव प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न के 4 विकल्प होंगे किसी एक सही विकल्प का चयन कर ऑनलाईन जमा कर होगा।

इस प्रक्रिया के शुरू होने पर छात्रों को असाइनमेंट के लिए तथा जमा करने के लिए अध्ययन केंद्रों के चक्कर

नही लगाना पड़ेगा। साथ ही असाइनमेंट के अंक प्रश्नों के उत्तर देते ही ऑनलाईन अपडेट हो जाएंगे, इसमें समय भी बचेगा और शत प्रतिशत पारदर्शिता भी आयेगी।

2. परीक्षा का समय 3 घण्टे से कम कर के 2 घण्टा कर दिया गया है, प्रश्न मात्र 2 तरह के होंगे दीर्घउत्तरीय और लघु उत्तरीय । बहुविकल्पयीय और अति लघु उत्तरीय प्रश्नों को हटा दिया गया है, दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में 5 में से 2 करने होंगे तथा लघु उत्तरीय में 8 प्रश्नों में से 4 करने होंगे। यह प्रक्रिया इसी आने वाली परीक्षा से शुरू कर दी जाएगी।

3. लॉकडॉउन खुल गया और सारी व्यवस्थाएं सही रहीं तो परीक्षाएं समय पर तथा पूरी करा दी जाएंगी, अन्यथा सभी डिग्री प्रोग्रामों के अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ही इस समय कराई जाएंगी, बाकी प्रथम द्वीतीय वर्ष की परीक्षाएं शीतकालीन परीक्षाओं के साथ सम्पन्न करवाई जाएंगी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी डी पन्त ने कहा कि परीक्षा समिति की बैठक ऑफ़लाईन ऑनलाईन दोनों मोड़ में कराई गई। उन्होंने कहा कि उक्त तीनों निर्णय कोविड 19 को देखते हुए यू0 जी0 सी0 की ओर से जो निर्देश जारी कर दिए गए थे उन्ही निर्देशों के पालन में लिए गए हैं। उक्त तीनों मुख्य विन्दुओं के अलावा अन्य छोटे छोटे आंतरिक मुद्दों को भी परीक्षा समिति में रखा गया था।

बैठक में परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी0 डी0 पन्त, कुलसचिव भरत सिंह, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल,विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो0 एच पी शुक्ल, प्रो0 आर सी मिश्र, प्रो0 गिरिजा पांडेय, प्रो0 दुर्गेश पन्त, डॉ0 सूर्यभान सिंह, डॉ0 गगन सिंह, उपकुलसचिव विमल मिश्र आदि लोग उपस्थित थे।

कोविड–19 के दौरान सामाजिक सरोकार
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा किया गया समाजिक सहयोग

समाज कार्य द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को कोविड–19 के दौरान क्षेत्र कार्य करने की रणनीति पर (निदेशक से चर्चा के पश्चात) सुझाव दिया गया कि इस महामारी के समय जब हम सभी अपने आप को घरों तक सिमित रखने पर मजबूर है उस परिस्थिति में छात्र किस प्रकार से अपना क्षेत्र कार्य पूर्ण करें और क्षेत्र भ्रमण सुनिश्चित करें। इस सन्दर्भ में विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि समय एवं परिस्थिति के महत्व को समझते हुए विद्यार्थियों अपने गावं,मोहल्ला,कालोनी इत्यादि में अपने आप को सुरक्षित रखते हुए निम्नलिखित विषय पर अपना क्षेत्र कार्य पूर्ण करें।

समाज कार्य विद्यार्थी इस विपदा में जन समुदाय को सलाह देते हुए।

जैसा की हम सभी जानते है कि सामाजिक संस्था के अंतर्गत ग्राम ,मोहल्ला एवं कॉलोनी भी आते है अतः एक सामाजिक संस्था ऐसे लोगों का एक समूह होता है जो एक सामान्य उद्देश्य के लिए एक साथ आए हैं। ये संस्थान समाज के सामाजिक व्यवस्था का एक हिस्सा हैं और वे व्यक्तियों के व्यवहार और अपेक्षाओं को नियंत्रित करते हैं। इस प्रकार से सभी विद्यार्थी क्षेत्र कार्य हेतु इन्हीं क्षेत्रों का चयन करें। इसके साथ ही साथ यदि संभव हो तो वे किसी एन० जी० ओ० से संपर्क कर सकते है। जो इस विपदा में हमारे समाज और समुदाय की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे है।

समाज कार्य कर्ता द्वारा मास्क वितरण

इस कार्य में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के समाजकार्यविभाग के छात्र सहज हृदय से सहयोग को तत्पर है। इस संकट की घड़ी में प्रत्येक छात्र एक सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में समाज में अपना सहयोग प्रदान कर रहा है ।

विद्यार्थी जन समुदाय की बेहतरी एवं उनके सहयोग हेतु सदैव तत्पर हैं ,समुदाय से संपर्क करके विद्यार्थी उन्हें मास्क ,खाद्य सामग्री उपलब्ध करना एवं विपदा की स्थिति में मनोसामाजिक सहयोग प्रदान करना भी शामिल है।

तालाबंदी के दौरान सामाजिक सहयोग प्रदान करते सामाजिक कार्यकर्ता|

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा ई लर्निंग ऐप की शुरूआत

लॉकडॉउन के चलते उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय की आई सी टी विभाग की ऑनलाईन बैठक ली, बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह, आई सी टी के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त , जनसम्पर्क अधिकारी डॉ0 राकेश चन्द्र रयाल तथा आई सी टी के सभी विशेषज्ञ व इंजीनियर्स मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय के आई सी टी को और अधिक शशक्त और वर्तमान जैसे हालातों में ई लर्निंग को शशक्त के साथ साथ सुलभ बनाने को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में विचार विमर्श हुआ। जिसमे कई सुझाव आये जिन पर कार्य करने को कहा गया। कुलसचिव भरत सिंह ने कहा कि जल्दी ही विश्वविद्यालय कुलपति जी के निर्देशन में आईं सी टी अनुभाग कई नवाचार करने जा रहा है , उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी डिजिटल अध्ययन सामग्री को सुलभ बनाने के लिये ई लर्निंग एप भी बना रहा है जिसमे विश्वविद्यालय की सारी अध्ययन सामग्री पी डी एफ, ऑडियो तथा वीडियो फॉर्म में उपलब्ध होगी, जो कुलपति जी के निर्देशानुसार यूजर फ्रेंडली होगा।

ज्ञात हो कि अभी तक मुक्त विश्वविद्यालय की डिजिटल अध्ययन सामग्री यूट्यूब, ब्लॉग, फेसबुक, रेडियो, विश्वविद्यालय की वेबसाइट में उपलब्ध थी। बैठक में कुलपति प्रो0 नेगी ने अनुभाग के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त को विश्वविद्यालय के ई लर्निंग प्रबंधन को और शशक्त बनाने को कहा, उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात से पनपी समस्यायों से पूरी दुनिया की नजर अब ई लर्निंग पर है और हम ओ डी एल विश्वविद्यालय हैं, हम पर सबकी नजर है, अब हमारी जिम्मेदारी बन जाती है कि हम अपने ई लर्निंग प्रबंधन को मजबूत, सुलभ और सरल बनाएं। कुलसचिव ने यह भी कहा कि ज्ञान और शिक्षा के आदानप्रदान हेतु जल्दी ही विश्वविद्यालय राज्य सरकार की संस्था यूसर्क से भी- समझौता करेगा।

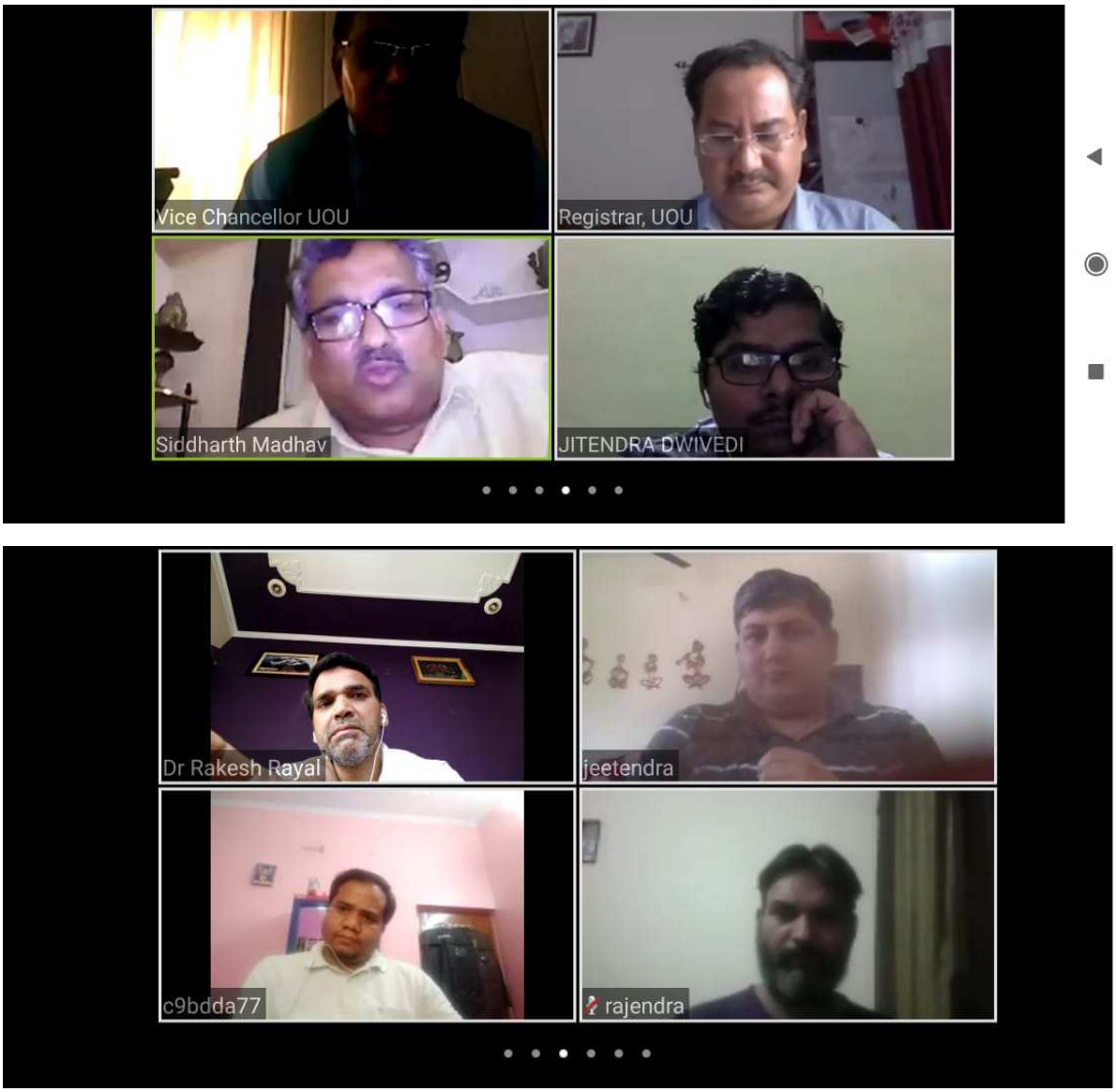

साथ ही वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऑनलाईन परीक्षा करवाये जाने पर भी बैठक में विचार किया गया।बैठक में आई सी टी प्रभारी डॉ0 जितेंद्र पांडे, इंजीनियर्स जितेंद्र द्विवेदी, राजेश आर्य, विनीत पौरियाल, राजेन्द्र गोश्वामी, मोहित रावत, बालम दफौटी, डॉ0 रंजू पांडे, विश्वविद्यालय परिसर देहरादून से डॉ0 सुभाष रमोला और नरेंद्र जगूड़ी मौजूद थे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा आईआईटी रुड़की के द्वारा संचालित अनुश्रुति विशेष विद्यालय में अध्ययन केन्द्र खोलने पर विचार

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं आईआईटी रुड़की के द्वारा रुड़की आईआईटी के परिसर में दिव्यांग जनों एवं रुड़की आईआईटी की फैकल्टी एवं परिवारजनों के लिए एक विशेष अध्ययन केंद्र उत्तराखंड मुक्त विद्यालय का खोलने संबंधी बैठक का आयोजन किया गया।

ई बैठक मैं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गिरजा पांडे निदेशक क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र श्री भरत सिंह कुलसचिव एवं डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल समन्वयक विशेष शिक्षा विभाग रुड़की आईआईटी से प्रोफेसर अरुण कुमार ,प्रोफेसर ताशी नौटियाल महेंद्र सिंह, प्रोफेसर रजत अग्रवाल उपस्थित हुए। बैठक में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गिरजा सिंह और डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा अध्ययन केंद्र संबंधी मानकों के बारे में और उसकी स्थापना से संबंधित नियमों और प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई और रुड़की आईटी प्रबंधन द्वारा इस विषय पर बोर्ड ऑफ गवर्नेंस मैं अध्ययन केंद्र खोलने के प्रस्ताव को लाने पर सहमति व्यक्त की गई।

मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में वीडियो कोन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समस्त शिक्षकों के साथ बैठक–

प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा–

दिनांक 01 मई, 2020 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ZOOM App के माध्यम से किया गया।

माननीय कुलपति जी ने विभाग के प्रत्येक संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनके द्वारा लॉकडाउन अवधि में किये गये कार्यों की समीक्षा की। सभी विषयों के समन्वयकों द्वारा माननीय कुलपति जी को अपनी प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराया।

मननीय कुलपति जी द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को सुझाव दिया कि लॉकडाउन अवधि के दौरान घर से कार्य करते हुए विद्यार्थियों की सर्वोत्तम सहायता करें। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों के पीपीटी बनाकर, ई–पुस्तकों तथा विकासशील वीडियों के लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट में उपलब्ध करवाये। कुलपति जी द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि जिन विभागों में अद्यतन अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन नहीं हुआ है वे जल्द ही ऑनलाइन अध्ययन बोर्ड की बैठक करवाना सुनिश्चित करें।

बैठक में स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर प्रणाली में किये जाने तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों तथा सहायक क्षेत्रीय निदेशकों के साथ बैठक

दिनांक 01 मई, 2020 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समस्थ अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ZOOM App के माध्यम से किया गया। बैठक में कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया।

मा0 कुलपति जी द्वारा सर्वप्रथम सभी अधिकारियों से आगे के एक्सन प्लैन के सम्बन्ध में बातचीत की। बैठक में समस्त सहायक क्षेत्रीय निदेशकों द्वारा शिक्षार्थियों को लॉकडाउन के दौरान हो रही दिक्कतों जैसे– पुस्तकों, सत्रीय कार्य, बैक फॉर्म, परीक्षाओं आदि के सम्बन्ध मा0 कुलपति जी को आवगत कराया।

इस दौरान सबसे अधिक दिक्कतें पुस्तकों की रही जिसके लिए कुलपति जी द्वारा सुझाव दिया गया कि शिक्षार्थियों को ई–पुस्तक तथा विकासशील वीडियों के लिंक शिक्षार्थियों को उपलब्ध करवाये।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यालय खुलने के पश्चात् सर्वप्रथम अध्ययन केन्द्रों की शुल्क अंश भुगतान प्रक्रिया आरंभ की जाये। बैठक में प्रो0 पी0डी0 पंत, परीक्षा नियंत्रक, कुलसचिव श्री भरत सिंह, श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव, डॉ0 राकेश रयाल तथा समस्त सहायक क्षेत्रीय निदेशक उपस्थित थे।

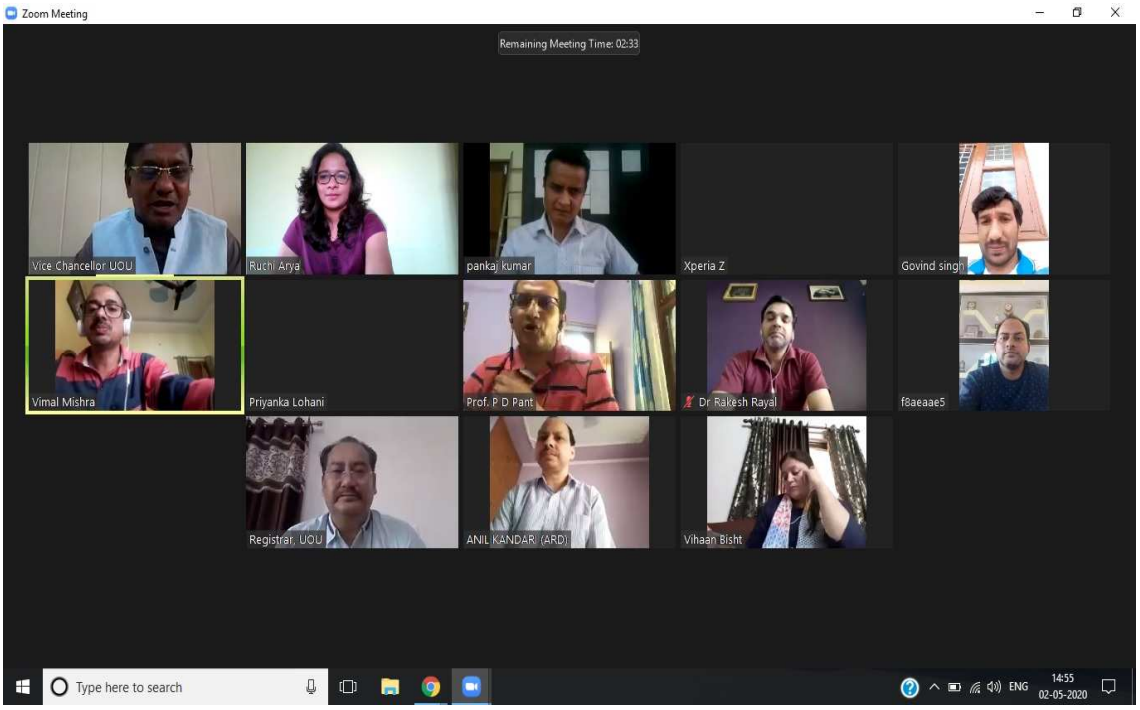

मा0 कुलपति जी द्वारा माह जून, 2020 में निम्न ऑनलाईन कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया–

- दिनांक 3 जून, 2020 को शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजि राष्ट्रीय सेमीनार में मा0 कुलपति जी द्वारा "Onine and Distance Education in Emerging Scenario" विषय पर व्याख्यान दिया।

- दिनांक 05 जून, 2020 को दून विश्वविद्यालय, दूहरादून द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- Prof. O.P.S. Negi, attended the **Stakeholders' Meeting with Prof. D P Singh, Chairman, University Grants Commission (UGC)** on June 05, 2020 at 5.00 PM through Zoom Platform. The meeting was organized by Education Promotion Society for India. The webinar is being attended by the Chancellor's, Vice Chancellor's, Directors of all India Universities, IITs and reputed Institutions.

- दिनांक 12 जून, 2020 को Business World Dialogue on Education द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें Online Learning: The Future of Education, The Relevance of Online Learning Post COVID19 तथा Online Learning: The Saviour in Times of Crisis जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

लोक पर्व हरेला के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 16 जुलाई 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा तथा परिसर देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर विश्वविद्यालय मुख्यालय तथा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया ।

हरेले के पर्व पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा गोद लिये गांव बसानी में फलदार पौधों का रोपण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, के नेतृत्व में गांव में सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल परिसर व अन्य स्थानों पर आम, अमरूद के पौधे लगाये गये।

कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी व पत्रकारिता के निदेशक प्रो. गोविन्द सिंह व कुलसचिव भरत सिंह परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत, ग्राम प्रधान विमला तड़ागी, जीवन्ती तड़ागी विश्वविद्यालय के ओर से बसानी गांव के नोडल अफसर राजेन्द्र सिंह क्वीरा, तथा एआरडी बृजेश बनकोटी, भरत नैनवाल ने बसानी के हेमन्त सिंह, दानसिंह तड़ागी, कैलाश पाण्डे, ईश्वर तड़ागी, निधि क्वीरा आदि के सहयोग से पौधों का रोपण किया। इस मौके पर कुलपति प्रो.नेगी ने कहा कि हरेला खुशहाली व हरियाली का पर्व है, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस कार्यक्रम को सफल बनाये व लगाये गये पौधों की रक्षा के लिए आगे आये और पौधों की सुरक्षा का जिम्मा ले।

विश्वविद्यालय द्वारा देहरादून में गोद लिए गॉव मोथरोवाला एवं समाल्टा में भी जन–जागरुकता अभियान के तहत 16 जुलाई 2020 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव श्री विमल मिश्र एवं विश्वविद्यालय के परिसर कर्मियों के द्वारा मोथरोवाला के अन्तर्गत स्थित श्री गुरूराम राय इन्टर कॉलेज, मोथरोवाला देहरादून में प्रधानाचार्य जी के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

विश्वविद्यालय के श्री अनिल कण्डारी, ए0आर0डी0 देहरादून, श्री गोविन्द रावत, ए0आर0डी0 उत्तरकाशी एवं परिसर कर्मी श्री अजय कुमार सिंह के द्वारा गाँव समाल्टा में जाकर श्री अनिल तोमर, संचालक एस0 एम0 आर0 स्नातक महाविद्यालय, साहिया, देहरादून के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

कोविड–19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां (योग, आयुर्वेद, मर्म, प्राकृतिक चिकित्सा) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

दिनांक २० जुलाई २०२० को श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर चमोली, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी एवं आर्यवर्त शोध संस्थान (देवभूवविवमव) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड–19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां (योग, आयुर्वेद, मर्म, प्राकृतिक चिकित्सा) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। **जिसका उद्घाटन परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी अध्यक्ष पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के द्वारा भगवान् धन्वन्तरि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया गया।**

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोव ओ0 पी0 एस0 नेगी, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, नई टिहरी के कुलपति प्रो0 पी0 पी0 ध्यानी, एवं माननीय भगवती प्रसाद राघव जी क्षेत्रीय संयोजक प्रज्ञा प्रवाह पव उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड तथा डॉव चौतन्य भंडारी अध्यक्ष देवभूमि विचार मंच उपस्थित रहे।

आचार्य बालकृष्ण जी ने अपने उद्घाटन भाषण में कोरोना महामारी के पीछे चीन व अन्य अंतर्राष्ट्रीय षणयंत्रों का भंडाफोड़ करते हुवे ये कहा की ये वायरस प्रयोगशाला निर्मित है और ये जैविक युद्ध की भी शुरुवात हो सकती है, जिसके कारण इम्युनिटी बूस्टर के रूप में बनी करोनिल दवा की आलोचना व दुष्प्रचार इन्ही शक्तियों के द्वारा किया जा रहा है जो नहीं चाहते की मानव जाति कोरोना के संकट से निजात पाए।

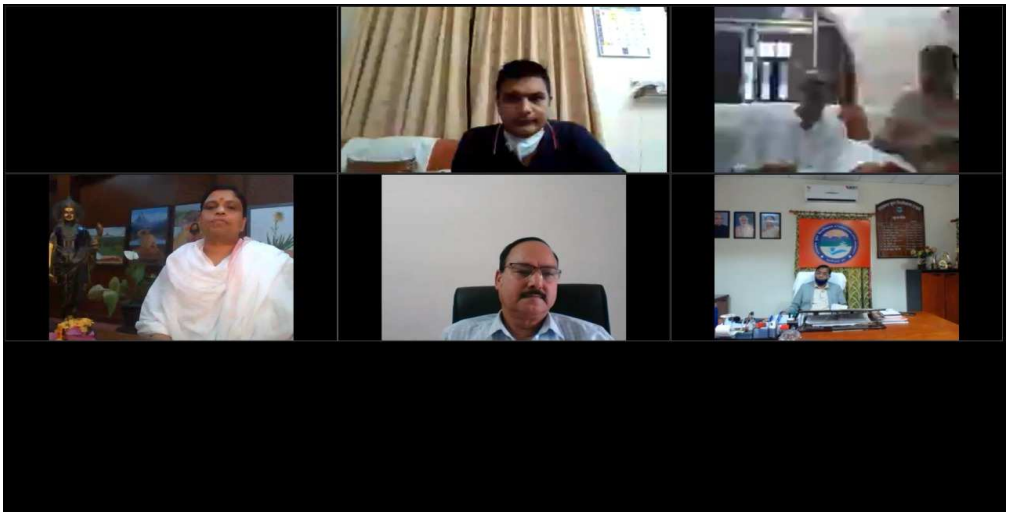

इसके पश्चात उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुवे वेबिनार के उद्देश्यों तथा विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुवे पतंजलि के द्वारा किये गए प्रयासों को साधुवाद दिया।

मुख्य वक्त के रूप में डॉव अनुराग वाष्णेय प्रतिष्ठित चिकित्सा वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पतंजलि शोध संस्थान हरिद्वार ने कोरोना महामारी के सन्दर्भ में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का दृ श्टिकोण व धारणा का सारगर्भित विश्लेषण किया और अपने वक्तवय के द्वितीय भाग में कोरोना पर आयुर्वेदिक दवाओं के प्रभाव का विश्लेषण किया. उन्होंने ये भी बताया की किस प्रकार करोनिल दवा के विभिन्न घटक इस बीमारी पर सकारात्मक प्रभाव डालते है।

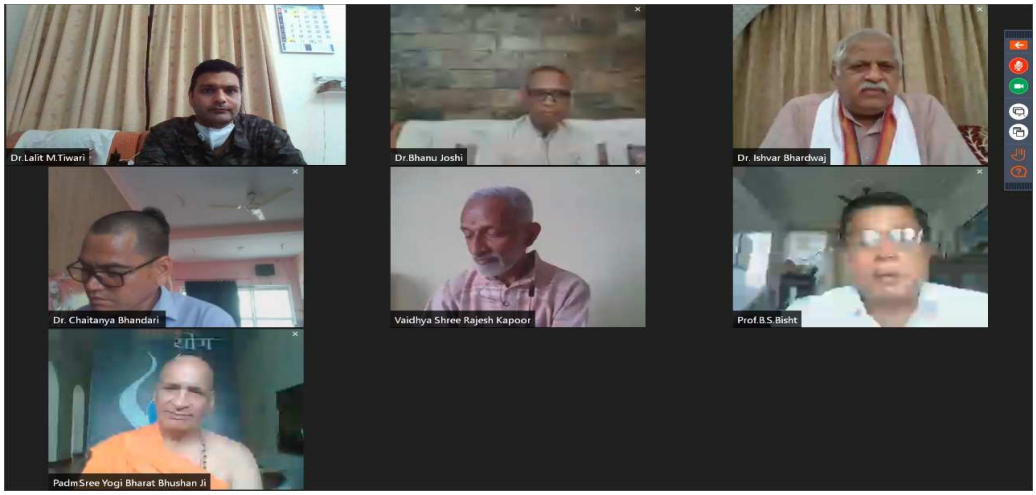

प्रथम तकनीकी सत्र में विश्वविख्यात भारतीय पोषण विज्ञानी तथा मधुमेह विशेषज्ञ डॉव विश्वरूप राय चौधरी ने कोरोना को लेकर व्याप्त भ्रांतियों का प्रामाणिक विदेशी सन्दर्भों के साथ निराकरण किया तथा इसके पीछे छिपे भय के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का पर्दाफाश किया ।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो0 पी0 पी0 ध्यानी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी वक्ताओं एवं अतिथिओं का आभार व्यक्त करते हुवे इस पहल को सराहनीय बताया तथा सभी वक्ताओं एवं अतिथिओं का इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखने के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

वेबिनार निदेशक प्रोव आर0 के0 गुप्ता, प्राचार्य, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) ने वेबिनार के प्रारंभ में वेबिनार की रूपरेखा तथा कोरोना में भारतीय उपचार पद्यतियों पर प्रकाश डाला। सेमिनार का संचालन करते हुवे डॉ0 भानु जोशी विभागाध्यक्ष योग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने कोरोना के प्रभाव पर चर्चा करते हुवे योगमय जीवनशैली पर जोर दिया।

अंत में डॉव ललित एम्व तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर (शारीरिक शिक्षा) श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) ने इस महामारी के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी आयोजन संस्थाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर गोपेश्वर (चमोली) से डॉ0 एम्व के0 उनियाल, डॉ0 बी0 सी0 शाह, डॉव शिवचंद्र रावत, डॉ0 गिरधर जोशी, डॉ0 जगमोहन नेगी एवं मीडिया प्रभारी डॉ0दर्शन सिंह नेगी

इन्नोवेशन टेक्नोलॉजी एंड क्वालिटी इन डिस्टेंस एजुकेशन नामक विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा द्वारा **''इन्नोवेशन टेक्नोलॉजी एंड क्वालिटी इन डिस्टेंस एजुकेशन''** विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के **मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव** ने अपने उद्बोधन में डिग्री आधारित शिक्षा की जगह पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के बारे में जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्वयं रेगुलेशन 2016 के पाठ्यक्रमों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए बात कही। साथ ही उन्होंने बताया कि सारे विश्वविद्यालयों की ई पाठयसामग्री अब एक ही पोर्टल पर एकत्र किए जाने के लिए एमएचआरडी ने निर्णय लिया है और एमएचआरडी द्वारा

निशुल्क डीटीएच पर विभिन्न विषयों से संबंधित 33 चौनलों का प्रसारण किया जा रहा है जिसका लाभ कोविड–19 के दौरान सभी शिक्षक और विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ले सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मानव संसाधन को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विकसित किया जा सकता है दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत शिक्षकों को तैयार करना और शिक्षकों को अपने पाठ्यक्रम में क्वालिटी पर भी जोर देना होगा। वर्तमान परिस्थिति में दिव्यांग बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए दूरस्थ शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शिक्षकों को अपने अध्यापन में तकनीकी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए।

वेबीनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी ने अपना उद्‌बोधन में बोला वर्तमान युग दूरस्थ शिक्षा का युग है। जिसमें इस कोविड–19 के चुनौती भरे समय में शिक्षा को अधिक नुकसान पहुंचाने से रोका है परंपरागत शिक्षा के विश्वविद्यालय के द्वारा भी तुरंत शिक्षा के उपागम कहे जाने वाले ई लर्निंग और ऑनलाइन लर्निंग का प्रयोग विद्यार्थियों तक पहुंचने में किया जा रहा है दूर शिक्षा विद्यार्थी के घर पर पहुंचा रही है

सेमिनार संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दूरस्थ शिक्षा के नवाचार और प्रणाली पर आयोजित इस वेबीनार के उद्देश्यों के सम्बन्ध में बताया इससे पूर्व कार्यक्रम के उद्‌घाटन सत्र में विभागीय निदेशक प्रो एच पी शुक्ला ने दूरस्थ शिक्षा के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके संभावना के बारे में अपना वक्तव्य दिया। प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने टेक्नोलॉजी के साथ क्वालिटी के बारे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मूक कोर्स के बारे में बताया, इग्नू के प्रोफेसर अमिताभ मिश्र ने लॉकडाउन के कारण स्कूल जाने आने वाले बच्चों के व्यवहार में वर्तमान में परिवर्तन और संप्रेषण की कमी बताई।

कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार के समापन सत्र के मुख्य अतिथि यूजीसी के **संयुक्त सचिव डॉ अविचल कपूर और अध्यक्षता प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय** द्वारा की गई।

सत्र को संबोधित करते हुए डॉ0 अविचल कपूर ने बताया कि डिस्टेंस एजुकेशन से निकले विद्यार्थी वैश्विक रूप से सफल हुए हैं दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों की मांग व क्वालिटी दोनों बड़ी हैं दूरस्थ शिक्षा के विश्वविद्यालय को अधिक से अधिक ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए दूरस्थ शिक्षा के शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता है दूरस्थ शिक्षा के शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनकी शिक्षा से संबंधित संपूर्ण जानकारी से उनको अपडेट करना चाहिए।

समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे हैं कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने बोला कि शिक्षा एक ऐसा साधन है जो समाज में बदलाव ला सकता है विश्वविद्यालय ने अपने स्वयं का ई पोर्टल निर्मित किया है जिसमें सभी पाठ्यक्रम की किताबें असाइनमेंट अपलोड हैं विश्वविद्यालय मोबाइल लर्निंग के माध्यम से अपने विद्यार्थी से जुड़ा है आज दूरस्थ शिक्षा राज्य में शिक्षार्थी के घर तक पहुंच चुकी है वेबीनार के समापन पर आयोजन सचिव डॉ भास्कर चौधरी द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। दीनार में डॉक्टर ममता असवाल डॉक्टर कल्पना लखेड़ा डॉक्टर मनीषा पंत,डॉक्टर दिनेश चौधरी डॉक्टर ममता कुमारी डॉ राकेश रयाल व विनीत पौडवाल समेत अनेकों विश्वविद्यालय के प्रतिभागी उपस्थित थे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी के बीच एम0ओ0यू0

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी, नवाला, नुगेगोडा, श्रीलंका के बीच शैक्षिक सहभागिता को लेकर श्रीलंका ओपन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस0 ए0 अरियेदुराई एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह ने एक एमओयू हस्ताक्षर किये।

यूओयू के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने बताया कि यह अंतराष्ट्रीय एमओयू दोनों विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण शैक्षिक सहभागिता के लिए कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत अकादमिक, शैक्षिक, शोध गतिविधियों का आदान–प्रदान होगा तथा फैकल्टी के आदान–प्रदान के

साथ–साथ सयुंक्त शोध कार्य, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में सहभागिता होगी। इसके अलावा शैक्षिक विकास के साथ साथ सांस्कृतिक विकास और सांस्कृतिक सहभागिता भी होगी। प्रो0 नेगी ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि भरा एमओयू है जो एक अंतराष्ट्रीय शैक्षिक–सांस्कृतिक गठबन्धन होगा।

इसमें दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। फैकल्टी उन्नयन कार्यक्रमों के साथ दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षक एक दूसरे विश्वविद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों हेतु आ– जा सकते हैं। इसके अलावा दोनों विश्वविद्यालय अपने अध्ययन सामग्री का भी आदान–प्रदान कर सकेंगे।

प्रो0 नेगी ने कहा कि तमाम शैक्षिक शोध गतिविधियों से सम्बंधित संवाद दोनों विश्वविद्यालय के कुलपतियों के माध्यम से उनके पते से किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डौ जितेंद्र पांडेय इसके समन्वयक होंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों की ऑनलाईन कार्याशालाओं का आयोजन–

योग कार्यशाला

योग विभाग द्वारा दिनांक 13 से 17 जुलाई 20 तक एक आनलाइन कार्यशाला/ वर्चुअल कक्षाओं का निम्नानुसार आयोजन किया गया।

क्रम संख्या	दिनांक	कार्यशाला संख्या	कक्षा	कुल प्रतिभागी
1	13 जुलाई से 17 जुलाई 2020	118	एम०ए० प्रथम वर्ष	208
2	13 जुलाई से 17 जुलाई 2020	119	योग विज्ञान में डिप्लोमा / स्नातक प्रथम वर्ष	39

योग के क्रियात्मक अभ्यासों की पॉच विडियों बनाई गई जिन्हे whatsapp Goup था विश्वविद्यालय के Youtube चौनल में प्रसारित किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय तथा आर्याव्रत शोध संस्थान (देवभूमि विचार मंच) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 व 21 जुलाई को दो दिवसीय राष्टीय बेबिनार का आयोजन किया गया था। बेबिनार का विषय था कोविड 19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय उपचार पद्धतियां – योग, आयुर्वेद, मर्म एवं प्राकृतिक चिकित्सा।

इस कार्यक्रम में अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की तथा विषय विशेषज्ञों के रूप में आयुर्वेद के विश्व प्रसिद्ध मनीषी आचार्य बालकृष्ण जी, पदमश्री भारत भूषण जी, विश्वप्रसिद्ध मर्म चिकित्सा के विद्वान तथा उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0सुनीलजोशी, विश्वप्रसिद्ध आहार चिकित्सक विश्वराय चौधरी, परम्परागत वैद्य श्री राजेश कपूर तथा प्रो0 ईश्वर भारद्वाज जी का लाभ सभी को प्राप्त हुआ। इस वेबीनार हेतु 1300 लोगों ने नामांकन कराया था तथा 1000 से अधिक ने प्रतिभाग किया।

विज्ञान विभाग–

Virtual Workshop Photographs for Chemistry Programme

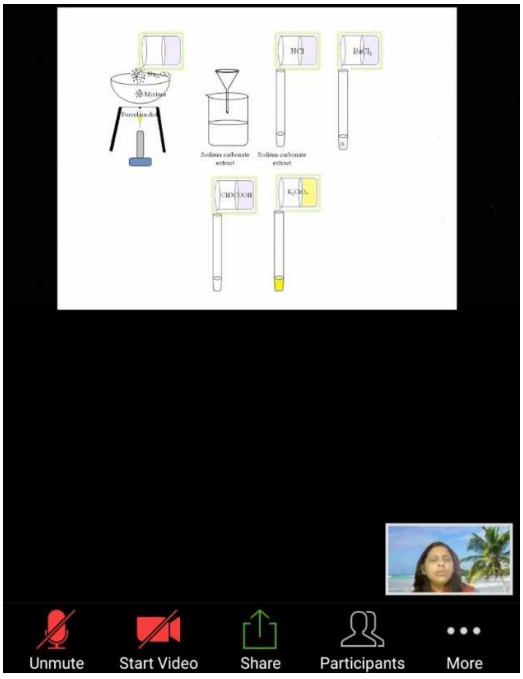

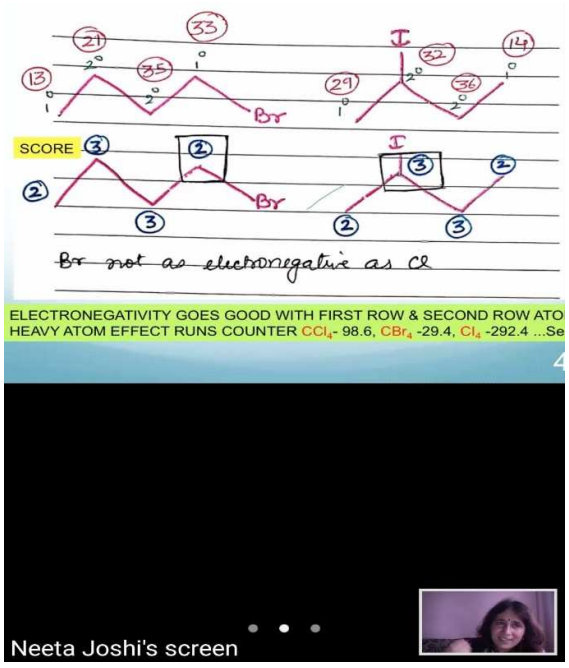

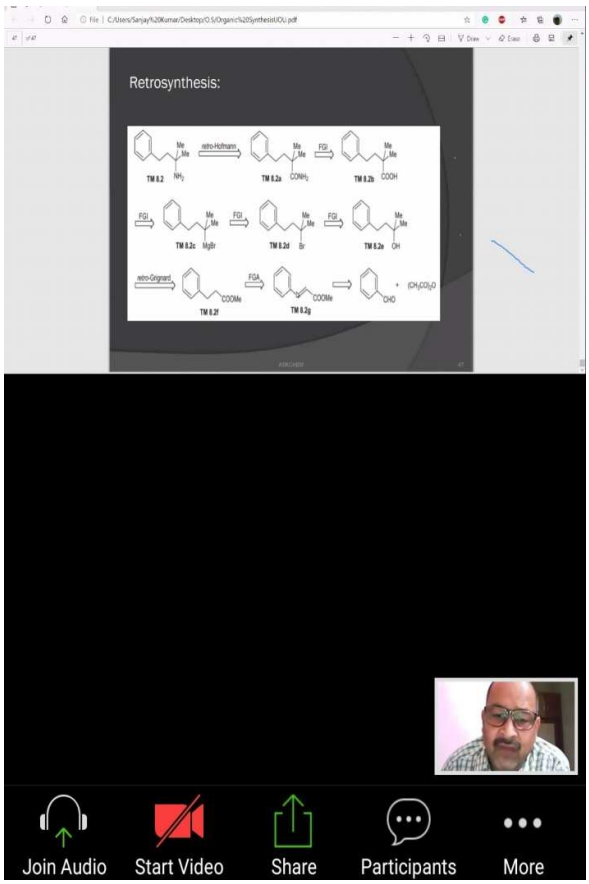

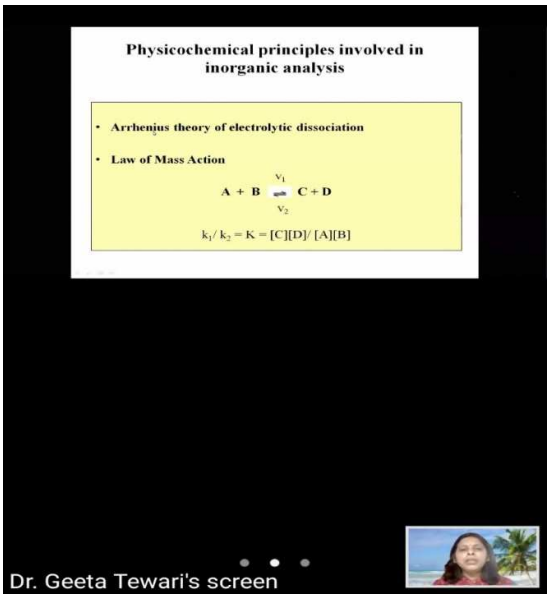

"Strategic Thinking Toward Movement from Global to Local" विषय पर द्वि दिवसीय ऑनलाइन सेमीनार का आयोजन

दिनांक 29th व 30th जुलाई, 2020 को प्रबंध अध्ययन व वाणिज्य विद्याशाखा द्वारा "Strategic Thinking Toward Movement from Global to Local" विषय पर द्वि दिवसीय ऑनलाइन सेमीनार आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालययों, संस्थानों व कॉलेजों से 633 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया |

इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना उद्बोधन दिया | विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. पवन कुमार सिंह, एम डी आई गुडगाँव, प्रो. राम सिंह, आई आई एफ टी, नई दिल्ली व प्रो. एच. एस. बाजपेई, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन दिए |

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, प्रो. ओ. पी. एस. नेगी जी ने की | कार्यक्रम का संचालन प्रो. आर सी मिश्र, डॉ गगन सिंह, डॉ मंजरी अग्रवाल व डॉ सुमित प्रसाद, प्रबंध अध्ययन व वाणिज्य विद्याशाखा ने किया |

School of Earth and Environmental Science

A: Department of Forestry and Environmental Science

A virtual workshop for the learners of Master of Science (Environmental Science) – First Year was organized from 08.07.2020 to 20.07.2020. The main highlights of the workshops are as follows:

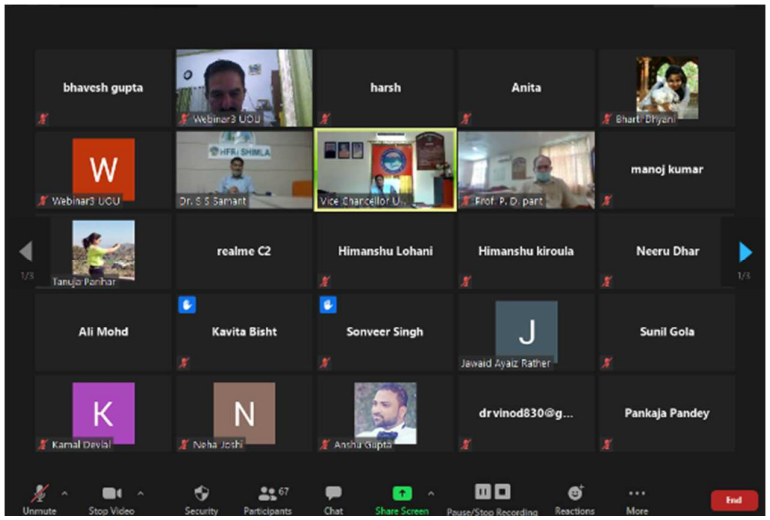

The inaugural session was presised over by Hon'ble Vice Chancellor of the University and the Chief Guest of the session was Dr. S.S. Samant, Director, Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla.

Experts from nine (09) Universities / Institutes/ Colleges were invited to deliver lecture to the learners. Himalayan Forest Research Institute, Shimla (H.P.), Gurukul Kangri University, Haridwar (U.K.), Doon University, Dehradun (U.K.), Vivekanand College of Education Roorkee (U.K.), Amrapali Institute of Science and Technology (U.K.), Central University of Haryana (CUH), Indira Gandhi Open University, M.B. PG College, Haldwani, Nainital, Kumaun University, Central University of Jammu.

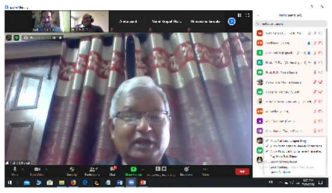

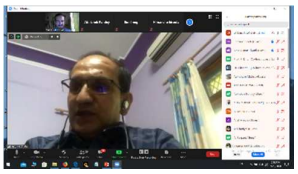

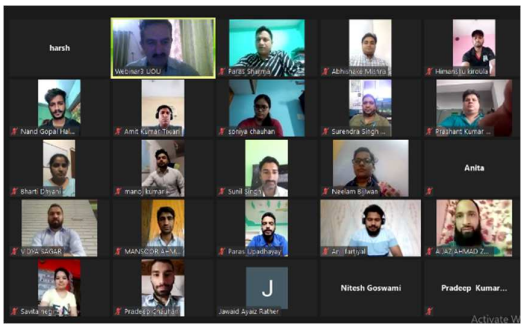

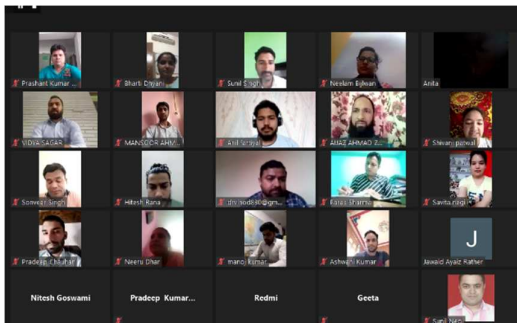

Name of Course	Code	No. of Lectures	Duration (Hrs)	Assignments
Computer Programming	ES 501	04	08	02
Ecology and Natural Resource Management	ES 502	05	10	04
Environmental Remote Sensing and GIS	ES 503	03	06	02
Environmental Health and Natural Hazards	ES 504	05	10	03
ODL and OER	For All Courses	01	02	01
Total		18	36	12

- Eighteen lectures, each lecture of two hours duration, (total 36 credits hours) were inducted during the workshop. Course wise summary of lectures and assignments is as follows:

- Dr. Manjari Agarwal, Asst. Professor, Management Submitted and Presented a Paper in **24th IDEA National Conference** organised by **Institute of Distance and Open Learning, University of Mumbai** in association with **Indian Distance Education Association (IDEA) and Commonwealth Educational Media Centre For Asia (CEMCA)** organized on 17th-18th July, 2020.The detail of the paper is given below; **Tool Development to Assess Readiness for Adopting Blended Learning by the Management Institutions in the State of Uttarakhand-** Dr. Manjari Agarwal, Professor Durgesh Pant and Dr. Sunita Sanguri

माननीय उच्च शिक्षा शिक्षा मंत्री द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का निरीक्षण

दिनांक 02 अगस्त, 2020 को मा0 उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत जी द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा विश्वविद्यालय का भवन निर्माण कर रही एजेंसी उत्तर प्रदेश निर्माण निगम के अधिकारियों को शीघ्र भवन निर्माण कर हस्तांतरण की प्रक्रिया करने हेतु निर्देशित किया गया ।

मा0 मंत्री जी द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो के 'हैलो हल्द्वानी' में भी उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की।

परीक्षा

- केन्द्र/राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के नियमों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2020 से केवल अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है।

दिनांक 14 सितम्बर 2020 से 12 अक्टूबर 2020 तक आयोजित होने वाली परीक्षा हेतु मुख्या परीक्षा में 12,546, बैक परीक्षा में 2,777 एवं सुधार परीक्षा में 121 (कुल 15,444) परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

- उक्त परीक्षा हेतु कुल 51 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है।

- सितम्बर माह में प्रस्तावित परीक्षाओं का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम, परीक्षा हेतु आवश्यक सूचना एवं कोविड–19 के तहत परीक्षा आयोजन हेतु राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों को विश्वविद्यालय की वैबसाइट में एवं समस्त अध्ययन केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयों को ईमेल के माध्यम से सूचना प्रेषित की गई तथा परीक्षा के आयोजन हेतु समय–समय पर परीक्षा केन्द्रों से सम्पर्क कर सूचना प्राप्त/प्रदान की जा रही है।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा (मुख्य परीक्षा/प्रयोगात्मक परीक्षा परीक्षा/परियोजना कार्य) जून/दिसम्बर 2019 से संबधित परीक्षा केन्द्रों से प्राप्त समायोजन बिलों वित्त अनुभाग में प्रेषित किये जा चुके है शेष अन्य समायोजन बिलों में कार्य गतिमान है। अप्राप्त बिलों के संबंध में परीक्षा कन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ईमेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- अगस्त माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 605 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

<u>उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, संस्कृत–ज्योतिष विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन हेतु द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेब संगोष्ठी का आयोजन</u>

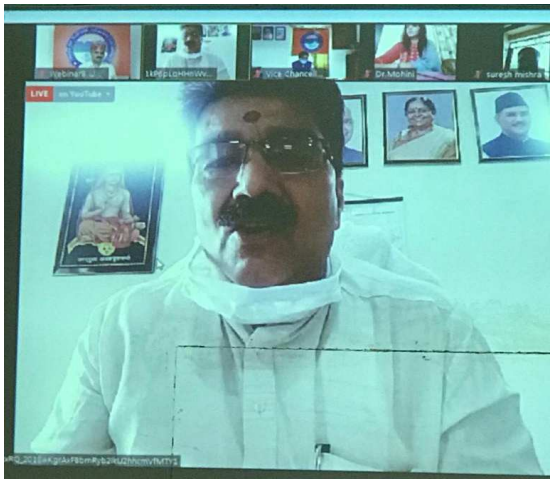

दिनांक 06 एवं 07 अगस्त 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, संस्कृत–ज्योतिष विभाग, मानविकी विद्याशाखा, एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच, उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन हेतु द्विदिवसीय राष्ट्रिय वेब **संगोष्ठी विषय – व्याधियों की चिकित्सा व निदान में ज्योतिष शास्त्र की प्रासंगिकता''** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम मंगलाचरण से कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ तदोपरान्त विषय उपस्थापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. देवेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफे0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के संरक्षण में यह संगोष्ठी सम्पन्न हुई। स्वागत भाषण प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक , मानविकी विद्याशाखा जी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफे0 प्रेम कुमार शर्मा जी ने ''पूर्व जन्म कृतं पापं व्याधि रूपेण जायते'' अर्थात् पूर्व जन्म में किए गए पाप इस जन्म में व्याधि के रूप में हमें परेशान करते हैं इस प्रकार कहते हुए ज्योतिष शास्त्र में लक्षण और निदान दोनों प्रकार का वर्णन कहां मिलता है आयुर्वेद शास्त्र के अनुसार मिथ्या आहार विहार से रोग की उत्पत्ति होती है रोग का होना कर्म प्रकोप से होता है। वीरसिंहावलोकनम् नामक पुस्तक में तीन प्रकार के रोगों से निदान बताया गया है शारीरिक व्याधि का निदान देव बल से और मानसिक व्याधि का निदान ज्ञान विज्ञान से

संभव हो सकता है। तथा राशियों के प्रभाव उनके स्वभाव लक्षण भी बताया ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रह योग से रोगों पर विचार किया जाता है ज्योतिष, योग, आयुर्वेद शास्त्र यह तीनों रोगों के उपचार में सहयोग होते हैं।

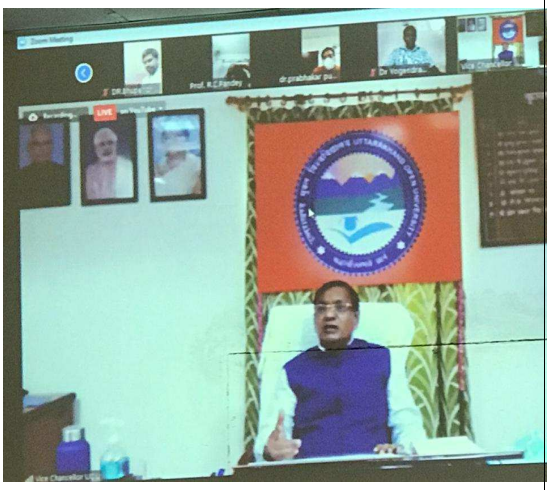

उद्घाटन सत्र कि अध्यतक्षता डॉ0 धीरेन्द्र झा, अखिलभारती, संस्कृतप्रमुख जी ने "ज्योतिषां नयनं चक्षु" ज्योतिष को नेत्र रूप में जाना जाता है। इसके प्रमुख 18 प्रवर्तक हैं जिन्होंने इस ज्ञान को हम तक पहुंचाया ज्योतिष शास्त्र में विभिन्न प्रकोपों का निदान– रत्नादि जपादि से बताया गया है।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 श्री विशाल त्रिपाठी जी ने रोगों के निदान को विस्तार से वताते हुवे रोगों को सात भागोंमें विभक्त कर इन्हें हम जान पाते है। दोष साम्य व धातु साम्य रोग निदान में सर्वाधिक उपयोगी है।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 देशबन्धु शर्मा, जी ने रोगोंत्पत्ति के कारण लक्षणों की बात की व शरीर के इंद्रिय अंगों व मानसिक व्याधियों की चर्चा की।

विशिष्ट वक्ता डॉ0 योगेन्द्र कुमार शर्मा जी ने रोगों के विषय में विस्तार से व्याख्यान दिया। विशिष्ट वक्ता डॉ0 प्रवेश व्याश जी ने यम नियम प्राणायाम से रोग निदान व जीव ब्रह्मांड के मध्य स्थापत्य और प्रकृति की चर्चा की साथ ही चिकित्सा ज्योतिष में ज्योतिष शास्त्र की वैज्ञानिकता का सार रुप में प्राच्य पतिच्य दृष्टिकोण से अपने वक्तव्य में विस्तार से निदान समाधान रूप में व्याख्यान दिया।

इस अवसर में अध्यक्षीय उद्वोधन डॉ0 योगेन्द्र कुमार तिवारी (ने0 पी0जी0 का0 गोरखपुर) जी ने किया। संगोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापन डा0 प्रभाकर पुरोहित जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया।

दिनांक–07/08/2020 को स्वागत भाषण प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा जी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफे0 राम चंद्र पांडे जी ने (पूर्व संकाय प्रमुख संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय काशी विश्वविद्यालय वाराणसी) जी ने कहां की ज्ञान प्राप्त करने के लिए निर्अभिमान होकर एक दूसरे से जुड़कर मंथन करना होगा । ज्योतिष में अनुसंधान करने पर जोर दिया एवं आयुर्वेद व ज्योतिष एक दूसरे के पूरक हैं इसका अध्ययन वर्तमान में अत्यंत आवश्यक है एवं वहीं वर्तमान परिपेक्ष में हो रही बीमारियों की चर्चा करते हुए मृत्यु को एक सो एक प्रकार की बताते हुए उनमें से एक मृत्यु एवं अन्य आगंतुक मृत्यु के रूप में होती हैं इस प्रकार कहा साथ ही शोध की प्रवृत्तियों के बारे में भी चर्चा कर विभिन्न राशियों का सौरमंडल में पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की ज्ञान को और पुष्ट करने के लिए हमें अन्य विषय विशेषज्ञों का सहयोग लेना होगा इस प्रकार की भावना के साथ आपका आशीर्वाद हम सब को प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन माननीय कुलपति प्रोफे0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के किया और कहां की हमें अपने विषय के साथ–साथ अन्य विषयों को भी तकनीकी रूप से जानना होगा जिससे हम समृद्ध भारत की कल्पना कर सकते हैं। हमें भारतीय संस्कृति की अवधारणा को धारण करना होगा।

उद्घाटन सत्र में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ गगन सिंह जी के द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफे0 एच0 पी0 शुक्ल निदेशक , मानविकी विद्याशाखा जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संयोजक भगवती प्रसाद राघव जी, विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक गण आदि उपस्थित रहे।

इस वेबिनार में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गगन सिंह, डॉ. जटाशंकर तिवारी, डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. नीरज जोशी, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ0 राकेश रयाल, व्रजेश बनकोटी, भरत नैनवाल, विभू काण्डपाल आदि उपस्थित रहें। वेबीनार में तकनीकी सहायक राजेश आर्या एवं विनीत पौडियाल जी ने अपना सहयोग दिया।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 का शैक्षणिक कलैण्डर जारी कर दिया गया था। इसके तहत् विश्वविद्यालय में 1 जुलाई, 2020 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- दिनांक 31/08/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक कुल 19,922 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है। प्रवेश की अन्तिम तिथि दिनांक 15/09/2020 तक तथा विलम्ब शुल्क के साथ दिनांक 30/09/2020 तक विस्तारित किये गये है।

• आत्मनिर्भर भारत पर अन्तराष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16 अगस्त 2020 को एक दिवसीय आत्मनिर्भर भारत पर अन्तराष्टीय बेबिनार का आयोजन किया गया था। बेबिनार का विषय था प्राकृतिक भोजन के लिए प्राकृतिक खेती।

इस कार्यक्रम में अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की थी अपने अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो0 नेगी ने कहा कि प्रकृति के साथ तालमेल से ही हम स्वस्थ रह सकते हैं और प्रकृति के साथ तालमेलयुक्त पद्धति से की जाने वाली कृषि ही हमें शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक भोजन प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए 6 महीने के पाठ्यक्रम बनाएगा।

राष्ट्रीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सी. ई. ओ. डॉ जे. एल. एन. शास्त्री ने बताया पादप बोर्ड ने 5 राज्य जो गंगा के किनारे 1024 गांव पहचाने है 810 हेक्टेयर में 15 जड़ी बूटियों उगाएंगे। और हमारी कोशिश होगी जो किसान गांव पहुंच गए है उनको वापस नहीं जाने देना। बेगूसराय बिहार के एक जैविक किसान श्री कुंदन कुमार ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार उसने रासायनिक खेती को त्यागकर जैविक कृषि प्रारंभ और इससे किस प्रकार उसके जीवन की दिशा बदली। श्री कुंदन ने बताया कि जैविक कृषि से उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई और अभी वे ओषधि पोधो की खेती कर रहे है।

योग प्रशिक्षक वेल्जियाम, यू के से डॉ0 धीरज प्रताप जोशी ने जोर देकर कहा प्राकृतिक खेती हमारी धरोहर है जिसे सहेजना, संयोजना एवम् प्रचार करना है यह समग्र विचार ही भारतीय संस्कृति का आधार है।

डॉ भानु प्रकाश जोशी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम के सूत्रधार डा. नवदीप जोशी ने विषय की प्रस्तावना रखी। डा. जोशी ने कहा कि शुद्ध भोजन के लिए खेती को रासायनिक खाद, कीटनाशकों एवं खरपतवारनाशकों से मुक्त करना होगा। आत्म निर्भर भारत को बढावा देते हुए हमें किसानों का सहयोग करना एवम् अपने अंदर के किसान को जाग्रत करना होगा। वेबनार में जूम एवम् फेसबुक पेज में 1000 से अधिक लोग उपस्थति रहे।

शोध एवं नवाचार (Research and Develepment)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए ''कोविड के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से अनुसंधान के बारे में एक दिनी वेबिनर का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अनुसंधान और नवाचार निदेशालय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए ''कोविड के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से अनुसंधान के बारे में एक दिनी वेबिनर का आयोजन किया गया, वेबिनर में मुख्य वक्ता प्रोफेसर के एम बहरुल इस्लाम डीन (शिक्षाविद) और प्रोफेसर IIM काशीपुर ने कोविद के दौरान डिजिटल एथ्नोग्राफी के माध्यम से किस प्रकार शोध किया जाय इसके बारे में विस्तार से चर्चा की।

डा0 मंजरी अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रस्तुत किया , अनुसंधान और नवाचार निदेशालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे द्वारा सभी लोगों का स्वागत किया गया द्य धन्यवाद प्रस्ताव कार्यक्रम अनुसंधान और नवाचार निदेशालय के सहायक निदेशक डा. वीरेन्द्र कुमार द्वारा दिया गया। विश्वविद्यालय के अकादमिक परामर्शदाता व अन्य सभी शिक्षकों द्वारा वेबिनार में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुधीर पंत ने किया तथा तकनीकी सहायता बालम दफौटी द्वारा प्रदान की गयी।

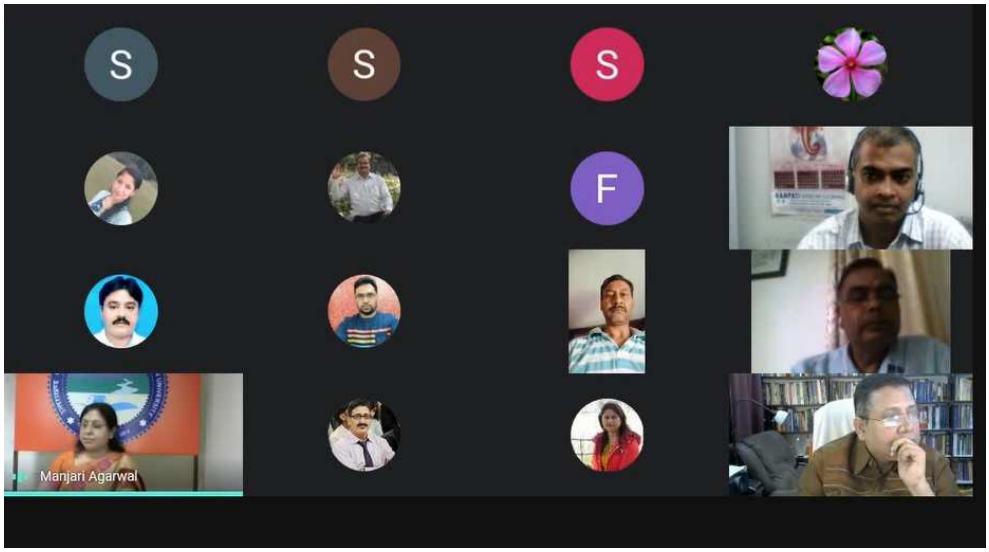

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2020 तथा सत्र 2020–21 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (July 2020)

Total Students	22054
Regional Centre	**Issued Books**
12 Roorkee	4
16 Haldwani	48
17 Ranikhet	1
Books Packed/Dispatched For	53

Book Distribution Status Previous Session (JANUARY-2020)

Total Students	9705
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3122
12 Roorkee	1188
14 Pauri	492
15 Uttar Kashi	445
16 Haldwani	2494
17 Ranikhet	920
18 Pithoragarh	399
19 Bageshwar	233
Books Packed/Dispatched For	9293

अन्य अकादमिक गतिविधियॉं

- 15 अगस्त को देश के 74वें स्वतंन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति द्वारा झण्डारोहण तथा संबोधन के उपरांत, कुलपतिजी सहित निदेशकों, शिक्षकों अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया।

- दिनांक 7 अगस्त, 2020 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा "Transformational Reforms in Highr Education" पर आयोजित कॉन्क्लेव में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 17 अगस्त, 2020 को AIU द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें श्री कैलाश सत्यार्थी, नोबल शांति पुरस्कार विजेता द्वारा Foundation Day Lecture दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय थे। प्रो0 डी0पी0 सिंह, अध्यक्ष, विश्वाविद्यालय अनुदान आयोग भी उपस्थित थे।

- **Dr. Manjari Agarwal-** Attended a Symposium on Happiness@Work organized on August 7, 2020 by IGNOU and Indian Psychiatric Society and Organized, Coordinated and Participated in One-day Webinar on 'Research during Covid through Digital Ethnography' on 28th August, 2020. Directorate of Research and Innovation of Uttarakhand Open University, Haldwani hosted a Webinar on 'Research during Covid through Digital Ethnography for the learners enrolled in Ph.D. Programme on 28th August, 2020 through GoogleMeet platform. Recorded and Submitted a Video Lecture on 'Impact Matrix' for a course offered by IGNOU for SWAYAM Portal.
- **Dr. Gagan Singh-** तैयार की गई पीपीटी की संख्या :12
  University of Mumbai, Institute of Distance and Open Learning (IDOL) in association with Indian Distance Education Association (IDEA) & Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA) द्वारा आयोजित 24th IDEA NATIONAL CONFERENCE में प्रतिभाग किया|

➢ **डॉ मदन मोहन जोशी (इतिहास विभाग)**

1- एक शोध पत्र शीर्षक 'उत्तराखण्ड में शैव धर्म एवं शैव धर्म–स्थलों का अध्ययन' पियर रिव्यूड शोध पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेजा है।

2- आर० आर० इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीस , बंगलौर द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के FDP 'न्यू नरेटिव ऑफ नाक' में एक अगस्त से सात अगस्त तक प्रतिभाग किया गया।

➢ **डॉ नीरजा सिंह (समाज कार्य विभाग)**

1. क्षेत्र कार्यों के अंतर्गत द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के क्षेत्र कार्यों का मूल्यांकन किया गया।
2. एम0 एस0 डब्लू0 चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को एन0 जी0 ओ0 के माध्यम से वेबिनार में सहभागिता कराई गई तथा आगामी परीक्षा की तैयारी की जा रही हैं।

➢ **डॉ घनश्याम जोशी (लोक प्रशासन विभाग)**

1. 6 और 7 अगस्त को संस्कृत एंव ज्योतिष विद्याशाखा द्वारा आयोजित द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय अन्तर्जालीय वेब संगोष्ठी 'व्याधियों की चिकित्सा व निदान में ज्योतिषशास्त्र की प्रासंगिकता' में प्रतिभाग।
2. दिनांक 30 अगस्त 2020 को 'म्येरू पहाड़' द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान 'उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक परम्पराएँ और गौरवशाली इतिहास' में प्रतिभाग।

➢ **डॉ. शालिनी चौधरी (अर्थशास्त्र विभाग)**

1. एम.ए. 2020 सेमेस्टर प्रणाली के लिए एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की पुस्तक एम.ए.ई.सी.506 "मुद्रा और बैंकिंग" की पुस्तक की 10 इकाईयों का टंकण कार्य उपरान्त पुस्तक का सम्पादन कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करने के बाद प्रिंट्रिंग विभाग को उपलब्ध कराया।

➢ **डॉ नमिता वर्मा, अकादमिक परामर्शदाता**

1. RRIAS बैंगलोर द्वारा आयोजित 'New Narrative of NAAC Organization' सात दिवसीय National E-FDP कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
2. Karnatak State Akkamahadevi Womens University, Torvi, Vijaypura द्वारा आयोजित" Covid-19 Outbreak and beyond – Mental health and well being of students." विषयक एक दिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया।

➢ **डॉ सीता, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान**

- **Dr. Jatashankar Tiwari** participated in five day Faculty Development Programme on ICT enabled Research During COVID Pandemic, 17th - 21st August, 2020 organised by Staff Training and Research Institution of Distance Education (STRIDE), IGNOU. Certificate is attached herewith.

- **Mr. Mohd Akram:** Engaged in the virtual geography workshop and special geography lectures for learners enrolled in Post Graduate programmes, organized by the Department of Geography and Natural Resource Management w.e.f. July 27-August 02, 2020.

  एमo एo/एमo एसo सीo भूगोल की इकाई "Drainage pattern and system" के लेखन कार्य।

  Attended the one-day National Online Workshop on theme- "Mountain Geo-hydrology", organised by Department of Geography, Dr. Nitya Nand Himalayan Research and Study Centre, Doon University, Dehradun on August 08, 2020.

- **Dr. Kalpana Patni Lakhera-**
  Participated in Webinar on. Research during covid on through Digital Ethnography Organised by Directorate of research and Innovation Uttarakhand Open University Haldwani 28 Aug. 2020 and,

  Submitted a research paper on,Technology Enabled learning during covid-19 -Prospect and challenges with special reference to Uttarakhand. for publication to Journal of Uttarakhand Academy of Administration (JUAAN),Nainital ISSN: 2582-5798 (Online).

- **Dr. Harish Joshi-** Participated in three days (5th – 7th August 2020) online virtual webinar on, "Climate Change, landslides and Safe Hill Area Development", organized by National Institute of Disaster Management, Ministry of Home Affairs, Govt. of India in collaboration with Dr. Raghunandan Singh Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital, Uttarakhand.

  Two research papers communicated for publication. The titles of paper are as follows:

o Alien Plant Species (APS) and their Indigenous Uses: a Study from Nanda Devi Biosphere Reserve (NDBR), West Himalaya, India

o हिमालय की पारिस्थितिकीय सेवाएं, पर्यावरण असंतुलन एवं सुरक्षा के उपाय

हिंदी को विश्व की प्रथम भाषा बनाने की पहल करनी होगी

- हिंदी दिवस पर अमर उजाला की ओर से आयोजित वेबिनार में शिक्षाविदों ने व्यक्त किए विचार
- कुमाऊं विवि, मुक्त विवि, भरसार विवि और जीना विवि के कुलपतियों ने दिए बहूमूल्य सुझाव
- उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह ने वेबिनार में आए सुझावों को अमल में लाने का दिया भरोसा

अमर उजाला वेबिनार

हिंदी हमारे जीवन में रची बसी है ही, लेकिन अब हम सभी को मिलकर इसे देश की ही नहीं बल्कि विश्व की प्रथम भाषा बनाने के लिए प्रयास करने होंगे। यह तभी संभव होगा जब इसे हम अपने दैनिक जीवन के साथ कार्यप्रणाली में भी उतारेंगे और सरकारी कार्यों से लेकर न्यायिक कार्यों तक में इसे अनिवार्य बनाएंगे। ये बातें हिंदी दिवस पर अमर उजाला की ओर से हिंदी के समक्ष चुनौतियां विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रबुद्ध शिक्षाविदों ने कहीं। विद्वत जनों ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि राष्ट्र की तरक्की के लिए अंग्रेजी भाषा जरूरी है, उन्हें उन देशों की ओर देखना चाहिए जिन्होंने अपनी भाषा को तवज्जो देते हुए अंग्रेजी के बगैर तरक्की की है। इनमें रूस, जापान, चीन समेत करीब 40 देश हैं। प्रदेश के उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि केंद्र की ओर से जारी नई शिक्षा नीति से निश्चित ही हिंदी का और विकास होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि वेबिनार के दौरान जो भी सुझाव आएंगे, उन्हें अमल में लाने के लिए प्रयास करेंगे। वेबिनार का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक, कवि, साहित्यकार और संचालक हेमंत बिष्ट ने किया....

शिक्षाविदों और नई पीढ़ी पर हिंदी के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी

हिंदी केवल भाषा नहीं यह एक सभ्यता भी है

व्यवहार में हिंदी को महत्व दें तभी बढ़ेगी हिंदी

देश में बढ़ रही है हिंदी की स्वीकार्यता

हिंदी का महत्व समझने और इसे सम्मान देने की जरूरत

बुनियादी शिक्षा तो हिंदी में ही दी जानी चाहिए

हिंदी को सींचती हैं क्षेत्रीय भाषाएं-उपभाषाएं

राष्ट्रीय गौरव की अनुभूति कराती है हिंदी

-
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 5–09–2020 से 11–09–2020 पर्यन्त संस्कृत विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा भारत कला भवन (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित ''भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की केन्द्रीय भूमिका'' विषयक सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम के शिक्षार्थियों के लिए प्रथम वर्ष की प्रथम इकाई ''ज्योतिष शास्त्र का परिचय'' विषयक वीडियो लेक्चर (व्याख्यान) दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2020 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित ''रामायण का वैश्विक स्वरूप'' विषयक एक दिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय के हैलो हल्द्वानी रेडियो स्टेशन पर क्रमशः दो व्याख्यान दिया गया – विषय – 1. ज्योतिष विभागीय पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारी 2. अधिमास विचार।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2020 को उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित ''Tourism and Rural Development'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में प्रतिभाग किया गया।
- Dr. Gopal Datt Participated in Five Day Online Faculty Development Program on "Soft Computing", organized by Amrapali Institute of Technology & Sciences, Haldwani, Nainital; during September 2 - 6, 2020 and Participated in Five Day Online Faculty Development Programme on “Cyber Security”, organized by Amrapali Institute of Technology & Sciences, Haldwani, Nainital; during September 16 - 20, 2020.
- Dr. Nagendra Gangola, participated in seven days online workshop on the topic ''भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की केन्द्रीय भूमिका'' organised jointly by Bharat Adhyyan

Kendra Kashi Hindu Vishvavidyalaya and Department of Sanskrit Uttarakhand Open University.

परीक्षा

दिनांक 14 सितम्बर 2020 से 51 परीक्षा केन्द्रों में केवल अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारम्भ हुई जो दिनांक 12 अक्टूबर, 2020 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। सम्पन्न परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाए विश्वविद्यालय लाने हेतु लगभग 30 सदसयों की टीमें परीक्षा केन्द्रों को भेजी गई। प्राप्त उत्तरपुस्तिकाओं को मूल्यांकन हेतु प्रेषित किया जा चुका है एवं परीक्षा परिणाम पर कार्य गतिमान है।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम MBA, B. Ed. (ODL), B.Ed. (Sep.Edu.) एवं Ph.D. में प्रवेश लिये जाने हेतु प्रवेश परीक्षा की अन्तिम तिथि 12 अक्टूबर 2020 तक विस्तारित की गई है। जिसकी प्रवेश परीक्षा दिनांक 18 अक्टूबर 2020 को देहरादून व हल्द्वानी परीक्षा कन्द्रों में आयोजित करायी गयी। उक्त परीक्षा का परीणाम दिनांक 30 अक्टूबर, 2020 को विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराया जा चुका है।

अक्टूबर माह में ऑनलाईन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 710 मूल उपाधियॉ, 150 एकल विषय प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र डाक से प्रेषित किये गये।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 में प्रवेश हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2020 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई जिसकी अंतिम तिथि दिनांक–31 अक्टूबर की गई थी।
- दिनांक 31/10/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 62,230 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**
- प्रवेश की अंन्तिम तिथि दिनांक– 18 नवम्बर, 2020 तक विस्तारित कर दी गई है।

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एसस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचकर निरीक्षण किया गया–

दिनांक 1/10/2020 को एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून का औचक निरीक्षण।

दिनांक 1/10/2020 को यू0एच0आई0एम0टी0, देहरादून का औचक निरीक्षण।

दिनांक 08/10/2020 को एस0एस0जे0 कैम्पस, अल्मोड़ा का औचक निरीक्षण।

दिनांक 08/10/2020 को राजकीय महाविद्यालय, रानीखेत का औचक निरीक्षण।

दिनांक 10/10/2020 को राजकीय महाविद्यालय, टनकपुर का औचक निरीक्षण।

माह नवम्बर, 2020 में सम्पादित महत्वपूर्ण कार्य

- माह नवम्बर में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों पर प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग कार्य किया गया। स्क्रीनिंग के पश्चात् इतिहास, योग, कम्प्यूटर विज्ञान, भूविज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र (विशेष शिक्षा) के अर्ह अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। उक्त समस्त विषयों के साक्षात्कार दिनांक 02 दिसम्बर से 08 दिसम्बर, 2020 तक आयोजित किये जाने प्रस्तावित है।
- उत्तराखंड मुक्त विवि, हल्द्वानी के बी.एड. विशेष शिक्षा पाठयक्रम में नवीन प्रवेश को लेकर प्रवेशार्थियों की दिनांक– 7 एवं 8 नवम्बर को प्रथम चरण व दिनांक– 9 एवं 10 नवम्बर को द्वितीय चरण व दिनांक– 24 नवम्बर को अंतिम चरण की काउंसिलिंग हुयी जिसमें उनके प्रमाण पत्रो का भौतिक सत्यापन किया गया।
- योग विभाग की योग विज्ञान में डिप्लोमा (DYS-17) एवं योग विज्ञान में सर्टिफिकेट (CYS) तथा प्राकृतिक चिकित्सा में सर्टिफिकेट (CIN) की प्रयोगात्मक परीक्षा दिंनाक –1/11/2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में सम्पन्न कराई गई ।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा सितम्बर–2020 से संबिधत परीक्षाफलों की घोषणा की गई।
- दिनांक 31/10/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 68,502 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**
- माह नवम्बर, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा माह दिसम्बर में होने वाली परीक्षाओं की तैयारियॉ, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री वितरण/प्रकाशन आदि, सूचना के अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा विश्वविद्यालय में चल रहे विशेष शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों का निरीक्षण

दिनांक 23 नवंबर 2020 को भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा गठित पैनल के सदस्यों जिसमें प्रो. श्री राम मित्तल राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान देहरादून, प्रो. सुजाता भान एसएनडीटी विश्वविद्यालय मुंबई, प्रो रजनी रंजन सिंह, डॉ शकुंतला मिश्रा पुनर्वास राष्ट्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ शामिल रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में चल रहे विशेष शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों के निरीक्षण हेतु दिनांक 23 नवंबर 2020 को विश्वविद्यालय मुख्यालय आए।

पैनल के सदस्य द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित हो रहे इ.मक विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम के मानकों का निरीक्षण किया गया जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा स्वअनुदेशित पाठ्य पुस्तकें, पुस्तकालय, कक्षा कक्ष अन्य संबंधित मानकों का निरीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय निरीक्षण के उपरांत पैनल के सदस्यों ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा चल रहे पाठ्यक्रमों पर अपनी संतुष्टि व प्रसन्नता व्यक्त की। पैनल के सदस्यों का उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा स्वागत किया गया।इस अवसर पर विद्यासागर के निदेशक प्रोफेसर एसपी शुक्ला कुलसचिव प्रोफेसर गोविंद सिंह पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ दिनेश कुमार व डॉ कल्पना लखेड़ा व अन्य काउंसलर उपस्थित रहे।

Two-day workshop on Virtual Labs

A two-day workshop on Virtual Labs is being organized from 9-10th November 20 for the faculty members of Uttarakhand Open University by CEMCA. Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University, in his Presidential Address, emphasized the importance of experimentation in science education, and posited that open educational resources, including virtual labs can play an important role in taking educators and students towards quality teaching and learning. Mr. Saneesh P F, Project Manager, VALUE Virtual Labs, Amrita Vishwa Vidyapeetham provided an overview of virtual labs and demonstrated a variety of experiments from Physics, Chemistry, Biology, and Computer Science.

The capacity building programme was attended by 62 faculty members of UOU and other formal universities of the State.

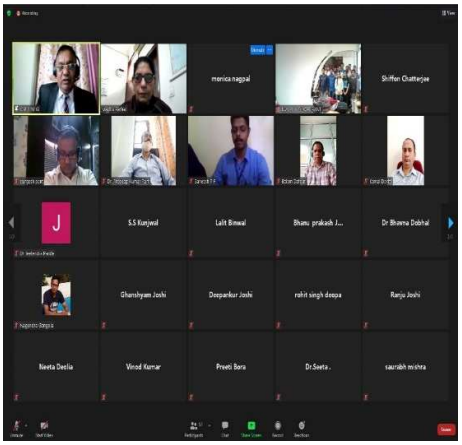

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा सितम्बर–2020 से संबिधत परीक्षाफलों की घोषणा की गई। **घोषित किये गये परिणामों की सूची संलग्न है। (संलग्नक–क)**।
- शेष परीक्षाफलों (प्रोन्नत) पर कार्य गतिमान है।
- विश्वविद्यालय की आगामी परीक्षा से संबंधित प्रश्नपत्र निर्माण/मोडरेशन का कार्य गतिमान है।
- नवम्बर माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 54 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई–मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- नवम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 260 मूल उपाधियॉ, 50 एकल विषय प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 में प्रवेश हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2020 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई जिसकी अंतिम तिथि दिनांक–18 नवम्बर की गई थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रवेश तिथि दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 तक विस्तारित करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश की अंन्तिम तिथि दिनांक– 31 दिसम्बर, 2020 तक विस्तारित कर दी गई है।
- दिनांक 31/10/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 68,502 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**
- **ग्रीष्मकालीन सत्र 2020–21 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है–**

2020-21 Summer Region wise Students

Region	Total
Dehradun	20896
Roorkee	7927
Pauri	4182
Haldwani	17355
Uttarkashi	5289
Ranikhet	7372
Pithoragarh	3254
Bageshwar	2555
Total	**68830**

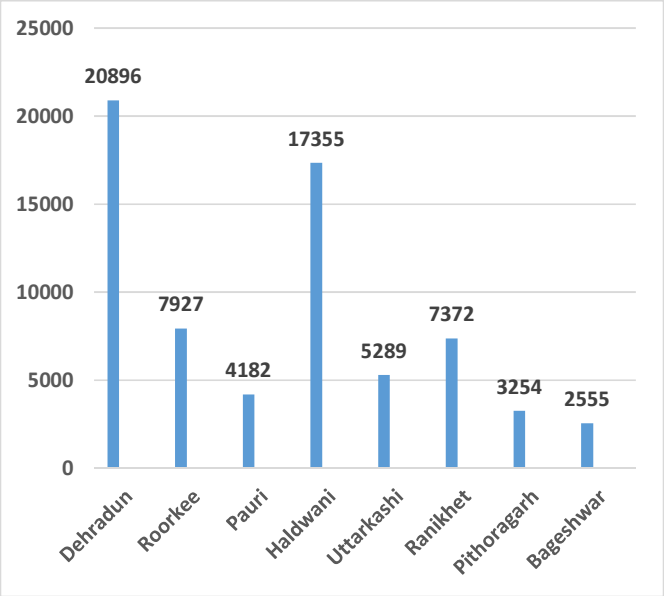

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2020–21 तथा शीतकालीन सत्र 2020 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (July 2020)

Total Students	66164
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	1627
12 Roorkee	1360
14 Pauri	508
15 Uttar Kashi	1035
16 Haldwani	2815
17 Ranikhet	898
18 Pithoragarh	807
19 Bageshwar	401
Books Packed/Dispatched For	9451

Book Distribution Status Previous Session (JANUARY-2020)

Total Students	9700
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3144
12 Roorkee	1187
14 Pauri	492
15 Uttar Kashi	446
16 Haldwani	2603
17 Ranikhet	920
18 Pithoragarh	398
19 Bageshwar	233
Books Packed/Dispatched For	9423

- Research paper of Dr. Harish Joshi, Asst. Professor, Forestry, published in UGC referred journal "Towards Excellence" ISBN 0974-35X. The title of the paper is, "Response of Women on Health Care Services in Himalayan Hills: A study from Almora District of Uttarakhand, India"
- Dr. Kalpana Patni Lakera, Asst. Professor delivered a lecture in one day webinar on New Education Policy 2020 topic New Education Policy 2020 with special reference to teacher education organized by S.S.D.P.C.G College Roorkee, H.N.B.Garhwal University Srinagar on 28 Nov 2020

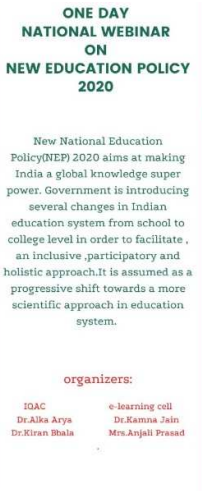

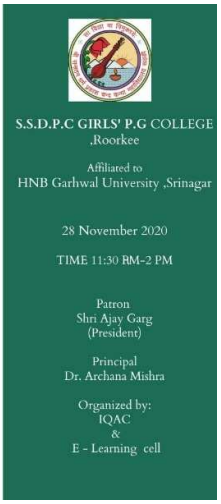

.

- Dr. Kalpana Patni Lakera, Asst. Professor Participated in two days workshop on virtual labs (November 9-10, 2020)Organized by School of Computer Science & IT, Uttarakhand Open University, Haldwani In collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi.
- Dr. Kalpana Patni Lakera, Asst. Professor Conducted counselling B.Ed(spl) for admission on 24 Nov 2020 for admission(second phase) and Conducted counseling of B.Ed(odl) for admission 19 Nov 2020 to 21 Nov2020
- Dr. Kalpana Patni Lakera, Asst. Professor Conducted counselling of B.Ed (spl) from 7 Nov2020 to10 Nov2020 for admission.(first phase).

- Dr. Manisha Pant, Education Deptt. participated in one day webinar on New Education Policy 2020 topic New Education Policy 2020 organized by S.S.D.P.C.G College Roorkee, H.N.B.Garhwal University Srinagar on 28 Nov 2020.
- In the Radio series "The Journey of English literature" Dr. Nagendra Gangola, Deptt. of English added 5 lecture this month-

1- *Shakespearean Roman Plays (Techniques & Structure)* Nov.21
2- *Shakespearean Roman Plays* (Introduction) Nov.19
3- *Shakespearean History plays (Techniques & Structure)* Nov.09
4- *Shakespearean History plays (*Introduction*)* Nov.07
5- *Shakespearean Tragi-Comedy* (Characterisation) Nov.03

- Dr. Meenakshi Rana, Deptt. of Physics communicated research articles in "Bioorganic and medicinal chemistry letters", publisher: Elsevier.

(M. Rana, Pooja, P. Chowdhury, "Ivermectin and Doxycycline Combination as a Promising Drug Candidate Against SARS-CoV-2 Infection: A Computational Study" 2020)

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, 2021

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस 2021 दिनांक 08 मार्च, 2021 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष सम्पूर्ण विश्व में 8 मार्च को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में भी सभी सदस्यों ने सम्मिलित रूप में एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल ने की।

इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय की तरफ से माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा विश्वविद्यालय की दो महिलाओं यथा श्रीमती बबीता दास, मुद्रण विभाग तथा श्रीमती सरिता, चतुर्थ श्रेणी कार्मिक, एम0पी0डी0डी0 अनुभाग को उनके द्वारा विश्वविद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।

श्रीमती रूचिता तिवारी, वित्त नियंत्रक ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उनके द्वारा महिलाओं की अस्मिता को व्यक्त करने वाली कविता का पाठ किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुये डॉ0 ममता कुमारी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, प्राध्यापकों, अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्मिकों ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

डॉ गगन सिंह, सह प्रध्यापक, वाणिज्य द्वारा महिलाओं को "**How to Save and Invest the Money**" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I)
कार्य परिषद
(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट भौतिक विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, एस.एस. जे परिसर, अल्मोड़ा।	सदस्य
3.	प्रोफेसर एल0एन0 कोली, लेखा एवं विधि विभाग, वाणिज्य संकाय, दयाल बाग शैक्षणिक संस्थान, दयालबाग, आगरा- 282005, उत्तरप्रदेश।	सदस्य
4.	श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला अध्यक्ष, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, नवाबी रोड, हल्द्वानी – नैनीताल	सदस्य
5.	श्री पवन अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक, नैनी ग्रूप, नैनी पेपर्स लि0 एवं नैनी टिश्यूज लि0, काशीपुर, उधमसिंह नगर।	सदस्य
6.	डॉ. श्रीकान्त महापात्र, पूर्व कुलपति, उड़ीसा स्टेट ओपन यूनिवसिटी एवं निदेशक, ई0एम0पी0सी0, इग्नू, नई दिल्ली। (नामित प्रतिनिधि कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)	सदस्य
7.	डॉ. कुमकुम रौतेला निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड (प्रतिनिधि – प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तरारखण्ड शासन, देहरादून)	सदस्य
8.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	
10.	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उ.मु.वि.वि, हल्द्वानी	सदस्य
11.	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12.	डॉ0 एच0एस0 नयाल कुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य सचिव
13.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानवीकि विद्याशाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य
14.	श्रीमती रूचिता तिवारी वित्त नियन्त्रक,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य
15.	श्री विमल कुमार मिश्र उपकुलसचिव,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य

Appendix- II (परिशिष्ट –II)

विद्या परिषद

(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल, शिमला	सदस्य
3.	प्रोफेसर डी.पी. सकलानी परिसर निदेशक, इतिहास विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल केन्दीय विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड	सदस्य
4.	प्रोफेसर अभय सक्सेना डीन, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेन्ट एण्ड कम्यूनिकेशन, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।	सदस्य
5.	प्रोफेसर एल0के0 सिंह प्रबन्ध अध्ययन विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय परिसर, भीमताल।	सदस्य
6.	प्रोफेसर जे0एस0 रावत एस0एस0जे0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।	सदस्य
7.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10.	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11.	डॉ. मंजरी अग्रवाल सहायक प्राध्यापक, प्रबन्ध अध्ययन, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	
12.	डॉ0 दिनेश कुमार सहायक प्राध्यापक, शिक्षा शास्त्र, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सचिव
13.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन/कुलसचिव	सदस्य सचिव
14.	प्रोफेसर पी0डी0पन्त परीक्षा नियन्त्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य
15.	डॉ. गगन सिंह प्रभारी, उपकुलसचिव, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमन्त्रित सदस्य

Appendix- III (परिशिष्ट –III)

योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर बी0एस0 राजपूत पूर्व कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
3	प्रोफेसर सुभाष धूलिया पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	सदस्य
4	डॉ0 बी0एस0 बिष्ट पूर्व कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर।	सदस्य
5	डॉ. के0 रविकान्त निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया उत्पादन केन्द्र, IGNOU, नई दिल्ली	सदस्य
6	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
7	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10.	श्री भरत सिंह कुलसचिव,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य सचिव
11.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त परीक्षा नियन्त्रक,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य
12.	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य
13.	श्री विमल कुमार मिश्र उपकुलसचिव,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य

Appendix- IV (परिशिष्ट –IV)

वित्त समिति
(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	डॉ0 सुरेश चन्द्र पन्त निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	श्री भूपेन्द्र प्रसाद काण्डपाल मुख्य कोषाधिकारी, सदस्य प्रतिनिधि सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन	सदस्य
4	प्रोफेसर बी.एस. पठानिया सेवानिवृत्त, संकायप्रमुख (भाषा), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय	सदस्य
5	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	सदस्य सचिव
6	श्री भरत सिंह, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य

Appendix-V (परिशिष्ट –V)

विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य

(Members of the University Authority)

Prof. Om Prakash singh Negi Vice Chancellor			
Name	**Designation**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. H.S. Nayal	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. Girija Pandey	Director (RSD)	05946-286067	hpshukla@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Examination Controller	9411597995	pdpant@uou.ac.in
Mrs. Ruchita Tiwari	Finance Controller	9456727137	gabha@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate

Name	**Name of School**	**Division/ Directorate**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics Material Production and Distribution (MPDD)	9412034574	rcmishra@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Humanities	Library & Information Science Education Journalism & Media Studies	9410715100	hpshukla@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Govind Singh (On Leave)	Journalism & Media Studies	UOU Community Radio	9410964787	govindsingh@uou.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Law Vocational Studies	Research & Innovation Regional Services Division (RSD)	9412351759	gpande@uou.ac.in

Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	Examination Department	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors

Regional Centre	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Suresh Chandra	Govt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. Yogendra Chandra Singh	Govt. PG College, Ranikhet	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. Bipin Chandra Pathak	LSM Govt. PG College, Pithoragarh	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Assistant Regional Directors (ARD)

Regional Centre	Assistant Regional Director
Dehradun	Govind Singh
Roorkee	Ruchi Arya
Pauri	Priyanka Lohani
Uttarkashi	Anil Kandari
Haldwani	Brijesh kumar Bankoti
Ranikhet	Bhaskar Joshi
Pithoragarh	Pankaj
Bageshwar (19)	Rekha Bisht

Appendix VI (परिशिष्ट –VI)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन

(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सह प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल		डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र		डॉ.मंजरी अग्रवाल डॉ. सुमित प्रसाद
3.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे, डॉ. आशुतोष भट्ट	-
4.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी	-
5.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह (अवकाश पर)	डॉ. राकेश चन्द्र	श्री भूपेन सिंह
6.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. डिगर सिंह	डॉ. दिनेश कुमार, सुश्री ममता कुमारी, डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा डॉ. देबकी सिरोला
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह	श्री सुनील कुमार
8.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर आर तिवारी	-
9.	कृषि	-		डॉ. विरेन्द्र कुमार
10.	समाजशास्त्र	प्रोफेसर रेणु प्रकाश		डॉ. दीपक पालीवाल
11.	राजनीतिशास्त्र	-	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
12.	हिन्दी	-	-	डॉ. शशांक शुक्ला, डॉ. राजेन्द्र सिंह कैड़ा
13.	पर्यटन	-	-	डॉ. अखिलेश सिंह
14.	वानिकी	-	-	डॉ. एच. सी. जोशी
15.	आयुर्वेद	-	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल
16.	भौतिकी	-	-	डॉ. कमल देवलाल सुश्री गौरी डॉ. विशाल कुमार शर्मा
17.	संस्कृत	-	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा
18.	योग	-	-	डॉ. भानू जोशी, श्री दीपक कुमार
19.	एम.एस. डब्लू	-	-	डॉ. नीरजा सिंह
20.	ज्योतिष	-	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
21.	मनोविज्ञान	-	-	डॉ. सीता
22.	रसायन विज्ञान	-	-	डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. विनोद कुमार, श्री दीपप्रकाश
23.	भूगर्भ विज्ञान	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	-	-

24.	अर्थशास्त्र	-		डॉ. शालिनी चौधरी
25.	विधि	प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन		दीपांकुर जोशी
26.	लोक प्रशासन	-	-	डॉ. घनश्याम जोशी
27.	विशिष्ट शिक्षा	-	-	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
28.	संगीत	-	-	प्रदीप कुमार
29.	गणित		डॉ. अरविन्द भट्ट	डॉ. ज्योति रानी
30.	गृह विज्ञान	-	-	डॉ. दीपिका वर्मा
31.	वनस्पति विज्ञान			डॉ. सरस्वती नन्दन ओझा

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत
2.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल
3.	विज्ञान विद्याशाखा	प्राणी विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल डॉ. मुक्ता जोशी
4.	विज्ञान विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे डॉ. प्रदीप कुमार पन्त
5.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत
6.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी
7.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन
8.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय श्री अशोक चन्द्र टम्टा जगमोहन परगॉई
9.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
10.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	डॉ. प्रीति बोरा
11.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
12.	पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	होटल मैनेजमेन्ट	डॉ. सुभाष चन्द रमोला
13.	व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यावसायिक अध्ययन	श्री गोपाल दत्त
14.	विज्ञान विद्याशाखा	भौतिकी	डॉ. मीनाक्षी राणा, डॉ.राजेश मठपाल
15.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	डॉ. कमलेश बिष्ट
16.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	सुश्री शिवांगी उपाध्याय
17.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	कीर्तिका पडलिया
18.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. प्रभा बिष्ट ढौढियाल
19.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	सुश्री पूर्णिमा विश्वकर्मा जया उप्रेति
20.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत/ज्योतिष	डॉ. प्रभाकर पुरोहित
21.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत/ज्योतष	डॉ. नीरज कुमार जोशी
22.	पुस्तकालय एंवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा	पुस्तकालय विज्ञान	सुश्री प्रीति शर्मा
23.	शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा	शिक्षा शास्त्र	सुश्री सुमन पिल्ख्वाल
24.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. सुधांशु कुमार वर्मा
25.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	इतिहास	डॉ. एच.एस. भाकुनी

26.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	गृह विज्ञान	डॉ. ज्योति जोशी
27.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	योग	सुश्री नीता दियोलिया
28.	मानविकी विद्याशाखा	अंग्रेजी	नागेन्द्र सिंह गंगोला
29.	सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा	समाज शास्त्र	डॉ. भावना डोभाल
30.	विज्ञान विद्याशाखा	प्राणी विज्ञान	डॉ. मुक्ता जोशी
31.	मानविकी विद्याशाखा	अंग्रेजी	नागेन्द्र सिंह गंगोला
32.	समाजविज्ञान विद्याशाखा	मनोविज्ञान	डॉ. रूचि तिवारी
33.	समाजविज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	डॉ. नमिता वर्मा

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
2.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
3.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	सुनीता भट्ट
4.	तकनीकी परामर्शदाता ICT	ICT	विनय कुमार टम्टा
5.	कैमरामैन	ICT	विभू कांडपाल
6.	विडियो एडिटर	ICT	हरीश कुमार गोयल
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी
8.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	श्रीमती कंचन बिष्ट
9.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	नरेन्द्र कुमार जगूडी
10.	प्रशासनिक परामर्शदाता	शोध एवं नवाचार	राजेन्द्र जोशी
11.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	योगेन्द्र चन्द्र गुरूरानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
2.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास

3.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
8.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
9.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
10.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
11.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी
14.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
15.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
16.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
17.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
18.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
19.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
20.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
21.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
22.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
23.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
24.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
25.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
26.	माली	श्री मनोज कुमार
27.	स्वच्छक	श्री दलीप
28.	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल
8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
5.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
6.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
3.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
7.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
8.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
9.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
10.	लिपिक	आर0एस0डी0 / मानविकी	श्री मोहन जोशी
11.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
12.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
13.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
14.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
15.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
16.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
17.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
18.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद
20.	लिपिक	RTI	सुश्री लक्ष्मी धामी
21.	लिपिक	स्वागत पटल	निर्मला देवी
22.	लिपिक	क्रय अनुभाग	गोकुल चन्द्र कुशल
23.	लिपिक	योग	यशवन्त कुमार
24.	लिपिक	परीक्षा	दिव्या गोड
25.	लिपिक	स्वागत पटल	आकांक्षा रावत
26.	लिपिक	प्रवेश	पूनम पानू
27.	लिपिक	MPDD	कमल सिंह पवार
28.	लिपिक	MPDD	पूरन लाल शाह
29.	लिपिक	देहरादून परिसर	राहुल देव
30.	लिपिक	देहरादून परिसर	सुनील
31.	लिपिक	परीक्षा	माला उपाध्याय
32.	लिपिक	कुलपति आवास	गोधन सिंह
33.	लिपिक	MPDD	हीरा सिंह
34.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	लीला वेलवाल
35.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	नरेन्द्र पाल
36.	लिपिक	कुलपति कार्यालय	लालू प्रसाद

37.	स्वीपर	सफाइ कर्मी	अभिषेक कुमार
38.	लिपिक	MPDD	सरिता
39.	लिपिक	MPDD	शेखर चन्द्र
40.	लिपिक	SOS	अश्विनी कुटियाल
41.	लिपिक	कुलसचिव कार्यालय	अजय आर्या
42.	लिपिक	RSD	दीप्ति पांगती
43.	सुरक्षाकर्मी	कुलपति	प्रदीप कुमार मिश्रा

Appendix- VII (परिशिष्ट –VII)

PROGRAMMES AT A GLANCE

पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

UNDER GRADUATE PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of arts with Psychology BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science - (BSCG-17) (PCM/PGM Group)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science – (BSCG-17) Single Subject	Graduation in Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Arts (Yoga) - (BAY-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	English	Annual
Bachelor of Arts with Home Science – BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	English/ Hindi	Annual
Bachelor of Special Education- (Mental Retardation) B.ed. Spl. Ed. (BEDSEMR-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Special Education- (Learning Disability) – B.Ed. Spl. Ed. (BEDSELD-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Education – B.Ed.					

POST GRADUATE PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18	Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering	2	4	English	Semester
Master of Science (Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level	2	4	English	Semester
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi h	Annual
Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Public Administration) MA (Public Administration) MAPA-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Scial work MA (Social work) MSW-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17	Graduation in any stream	2	6	English	Annual
Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-18	Graduation in Jyotish/ Shastri or Shastri (Hon's) in Jyotish or equivalent	2	6	Hindi	Annual
Master of Performing Arts (Music) MPAM-19	बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि।	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Yoga) MA (Yoga)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Arts (Home Science) MA (Home Science)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual

Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
Master of Buisness administration MBA MBA-17	50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score	2	4	English	Semester
Master of Commerce M.Com MCOM-17	B.Com	2	6	Hindi	Annual
Master of Science (BOTANY) MSCBOT-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (CHEMISTRY) MSCCH-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (PHYSICS) MSCPHY-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Arts (MATHEMATICS) MAMT-19	10+2+3 (Must have Mathematics as a Subject in BA)	2	6	English	Annual
Master of Science(MATHEMATICS) MSCMT-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (ZOOLOGY) MSCZO-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Annual
Master of Science (ENVIRONMENTAL SCIENCE) MSCES-19	Graduation in any Science discipline	2	6	English	Annual
Master of Arts (Geography) MAGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Annual
Master of Science (Geography) MSCGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Annual
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester
POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name & (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Cyber Security PGDCS-17	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					

PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score	1	3	English	Semester
DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Vastu Shastra (DVS-20)	10+2 or Certificate in Vastu	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Right to Information	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Hospitality Adminstration	10+2	1	4	English	Annual
D.Voc. (Digital Marketing & Management) – DVDMM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- DVEOM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(Technology Enabled Education)- DVTEE-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester

Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10^{th}	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Programme in Japanese Language (CPJL-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur CAM-17	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Food & Nutrition CFN-18	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Web Designing & Deveploment CWBD-18	10+2	½	2	Hindi English	Semester
Certificate in Right to Information CRTI -17	10+2	½	2	English	Semester
Foundation Course in Special education FC-SEDE	10+2 or in Service Teacher	3	12	Eng./Hindi	Semester
Certificate in Banking Insurance Law (CBIL-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Human Rights (CHR-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Non-wood Forest Products CNWFP-20	10+2	0.5	1.5	English	Semester
C.Voc. (Web Designing & Development) – CVWDD-19	10^{th} Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc. (Digital Marketing & Management) – CVDMM-19	10^{th} Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- CVEOM-19	10^{th} Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(Technology Enabled Education)- CVTEE-19	10^{th} Pass or Equivelent	6	2	English	Semester

Appendix VIII - वार्षिक लेखा (Financial Statements – 2020–21)

MUKESH USHA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CHARTERED ACCOUNTANTS'S REPORT

We have Compiled the attached Balance Sheet as at 31st March, 2019 and the Income and Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on that date, attached herewith, of M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani alongwith Notes on Accounts attached herewith this report.

We report that:

1. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with this report are in agreement with the Books of Account maintained at its office at Haldwani.

2. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of compilation of accounts.

3. In our opinion, proper book of accounts have been kept by the M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani so far as appears from our examination of these books.

4. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view ;

In the case of Balance Sheet, of the State of Affairs of M/s. Uttarakhand Open University [Fee Fund], Haldwani as at 31st March, 2019.

And

In case of Income & Expenditure Account, of the Surplus for the year ended on that date.

HALDWANI

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
[MembershipNo.: 0529441]
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No.: 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

"SANKALP"
A-16, Ganga Enclave, Behind Mahila Degree College, Nawabi Road, Haldwani, (Nainital) Uttarakhand
Ph. : 05946-224588, 327160, Mob. : 94120-87464, **7060087464**
E-mail : mushaca01@gmail.com

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

BALANCE SHEET AS ON 31st. MARCH, 2019

LIABILITIES		AMOUNT(Rs.)	ASSETS	AMOUNT(Rs.)
CAPITAL FUND :			**FIXED ASSETS :**	1,87,56,645.00
Op. Balance as on 01.04.2018	56,06,66,599.25		(As Per Annexure)	
Less:Excess of Income Over Exp.	11,10,89,281.88	67,17,55,881.13		
			CURRENT ASSETS:	
			Imprest A\c	93,975.00
		12,84,837.00	(As Per Annexure)	
VCWF A\c		13,78,573.65		
VCWF Fees		6,089.00	**Adances To Staff**	1,98,34,872.18
VCWF (State)			(As Per Annexure)	
CURRENT LIABILITIES & PROVISION:				48,21,74,474.93
UOU DEC. Fund	35,64,098.00		**FDR With Banks**	
UOU State Fund	69,97,934.80	1,05,62,032.80	(As Per Annexure)	
			Sundry Debtors & Advances	9,54,829.28
			TDS AY 2019-20	13,00,118.00
Provisions				
TDS Payable	1,58,254.00		**Closing Balance :**	
GSLI	1,600.00		- Cash In Hand	26,486.00
Security Money	4,16,000.00		- Bank Balances	16,76,61,225.94
Cheque Reversal A\c	47,96,690.00		(As Per Annexure)	
NPS Payable	4,42,668.75	58,15,212.75		
		69,08,02,626.33		**69,08,02,626.33**

Checked & Compiled on the basis of Books.
Records & Informations provided to us.

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2019

RECEIPTS		AMOUNT(Rs.)	PAYMENTS		AMOUNT(Rs.)
By Opening Balances:			Salary - Teachers/Staff		5,63,64,176.00
Bank Balances :-			Advertisement Exps		30,79,294.00
BOB - VCWF -17298	22,17,486.43		Bank Charges		7,54,427.29
Allahabad Bank - 89104	39,783.00		Computer/Hardware/Software/Technology/Stationery		57,27,239.00
BOB- 26842	-		Examination Fee		4,04,55,140.28
BOB- 17278	30,55,43,821.24		Electricity Expenses		9,54,306.00
Canara Bank- 907	6,09,78,054.29		Guest Exp.& Allow./Student Supp. System		36,78,035.18
ICICI Bank - 00268	4,56,83,487.92		Spl. Exp. /UPNL/Acd. Asso./Adm. Con./Ext. Ser Prov.		1,80,53,238.00
SBI -388	1,69,86,415.69		Study Centre Fees Refund		9,80,29,798.72
SBI - 503	18,763.60		Convocation /Other/ Library		15,79,632.00
SBI - 3738	-		Rates & Taxes		19,65,081.00
Cash In Hand	26,486.00	43,14,94,298.17	Office Expenses		33,68,015.18
			Office Machinery & Equipments		5,20,109.00
			Medical Expenses		22,121.00
Receipt - Fees		36,17,21,966.06	Printing Of Books		3,07,60,560.00
Other Income		5,63,291.45	Printing Unit Writing & Dev. Of Course Material		66,46,359.72
FDR Interest		1,51,69,646.74	General Maintenance Expenses		1,60,923.00
Saving Bank Interest		1,21,35,857.00	Insurance & Taxes		12,67,514.00
			Remunaration		16,41,923.00
GSLI		1,600.00	Staff Trainning Dev. Expenses		7,70,665.00
NPS		4,42,668.75	Vocational Edu. & Training Dev.		1,58,423.00
TDS Payable		1,58,254.00	Seminar Expenses		1,56,889.00
Security Money			Small Construction Work		70,704.00
VCWF A\c		6,18,725.00	Telephone/ Internet Expenses		5,88,153.00
			Vehicle Running Expenses		9,71,648.00
			Travelling Expenses		7,57,105.00
Cheque Reversal (Unpaid Cheques)		2,80,521.00			
			FDR		35,56,10,000.00
Sundry Debtors & Advances		23,840.30	Interest on FDR		1,38,69,528.74
			TDS		13,00,118.00
			Loans & Advances		56,86,496.42
			Closing Balances:		
UOU- State Fund		44,666.00	**Bank Balances :-**		
UOU- Dec. Fund		-	BOB - VCWF -17298	16,72,119.29	
			Allahabad Bank - 89104	41,193.00	
			BOB- 26842	2,80,99,133.13	
			BOB- 17278	5,56,12,918.24	
			Canara Bank- 907	5,70,90,842.49	
			ICICI Bank - 00268	-	
			SBI -388	50,27,325.59	
			SBI - 503	1,17,694.20	
			SBI - 3738	2,00,00,000.00	
			Cash In Hand	26,486.00	16,76,87,711.94
		82,26,55,334.47			82,26,55,334.47

Checked & Compiled on the basis of Books, Records & Informations provided to us.

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR
HALDWANI (NAINITAL)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31st. MARCH, 2019

EXPENDITURE	AMOUNT(Rs.)	INCOME	AMOUNT(Rs.)
By Salary - Teachers/Staff	5,63,64,176.00	To Receipt - Fees	36,17,21,966.06
" Advertisement Exps	30,79,294.00	" Other Income	5,63,291.45
" Bank Charges	7,54,427.29	" FDR Interest	1,51,69,646.74
" Computer/Hardware/Software/Technology/Stationery	57,27,239.00	" Saving Bank Interest	1,21,35,857.00
" Examination Fee	4,04,55,140.28		
" Electricity Expenses	9,54,306.00		
" Guest Exp.& Allow./Student Supp. System	36,78,035.18		
" Spl. Exp. /UPNL/Acd. Asso./Adm. Con./Ext. Ser Prov.	1,80,53,238.00		
" Study Centre Fees Refund	9,80,29,798.72		
" Convocation /Other/ Library	15,79,632.00		
" Rates & Taxes	19,65,081.00		
" Office Expenses	33,68,015.18		
" Office Machinery & Equipments	5,20,109.00		
" Medical Expenses	22,121.00		
" Printing Of Books	3,07,60,560.00		
" Printing Unit Writing & Dev. Of Course Material	66,46,359.72		
" General Maintenance Expenses	1,60,923.00		
" Insurance & Taxes	12,67,514.00		
" Remunaration	16,41,923.00		
" Staff Trainning Dev. Expenses	7,70,665.00		
" Vocational Edu. & Training Dev.	1,58,423.00		
" Seminar Expenses	1,56,889.00		
" Small Construction Work	70,704.00		
" Telephone/ Internet Expenses	5,88,153.00		
" Vehicle Running Expenses	9,71,648.00		
" Travelling Expenses	7,57,105.00		
To Excess of Income Over Expenditure Transferred to Capital Fund A/c	11,10,89,281.88		
	38,95,90,761.25		38,95,90,761.25

Checked & Compiled on the basis of Books, Records & Informations provided to us.

Date : 12.10.2019
Place : Haldwani

CA MUKESH KUMAR, F.C.A., D.I.S.A.
For & On Behalf Of
MUKESH USHA & ASSOCIATES
Chartered Accountants
M. No. 052944
Firm Reg. No 010724C

Appendix IX (परिशिष्ट –X)

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee-247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Suresh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. Bipin Chandra Pathak	L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix X (परिशिष्ट –X)

अध्ययन केंद्रों की सूची(List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

Sl.No	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Center	C-27, THDC Colony, Ajabpur Kalan, Near Bangali Kothi chowk, Doon University, Road, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Narendra Jaguri (7500418040)
2.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, Dehradun, PIN – 248009	Dr. Akshay Kumar Gaur (9837290962)
3.	11020	SGRR PG college	Pathribagh, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Harshvardhan Pant (7055990555, 9760696596)
4.	11101	Madhuban Academy of Hospitality Administration & Research (MAHAR)	MAHAR-97, Campus Hotel Madhuban, Rajpur Road, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Suraj Kumar (9719925600)
5.	11112	VSKC Govt. Degree College	Dakpather, Dehradun, PIN – 222481	Dr. Rakesh Mohan Nautiyal (7895655228)
6.	11113	Uttaranchal Institute of Hospitality Management and Tourism Dehradun	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Sanjay Joshi (9568955464)
7.	11115	D.D. College Nimbuwala	25, Nimbuwala, Dehradun, PIN – 248003	Sh. Jitesh Singh (9936794929)
8.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College	Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Dr Ved Prakash (9760923214)
9.	11126	M.P.G .College Mussoorie	Mussoorie, Distt. Dehradun, PIN – 248179	Sh. Anil Khanduri (9412931825, 8476087862)
10.	11127	Universal Institute Professional Studies	102 Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Sh. Kushal Bisht (9897788008)
11.	11128	Government Degree College Raipur	Maldevta, Raipur, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Ashish Kumar Sharma (9719713300)
12.	11129	Modern Institute of Technology	Dhalwala, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Dr. L M Joshi (99978700872)
13.	11130	Sardar Mahipal Rajendra Degree College	Sahiya, Tehsil Kalsi, Distt. Dehradun, PIN –248196	Dr. Pushpa Jhaba (9758143298)
14.	11131	Universal Gairola Tourism & Technical Excellency (UGTE)	Near Nepali Farm Tiraha, Dehradun Road Village Khairi Khurd, Shyampur , Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249204	Dr. Surendra Prasad Rayal (9897761496)
15.	11132	Rishikesh Yog Dham Sansthan	Tapovan, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192	Dr. Vijendra Prasad Kaparwan (9837973458)
16.	11133	Institute of Technology & Management	60 Chakrata Road Dehradun, PIN – 248001	Sh. Ashutosh Uniyal (9634796551)
17.	11134	Government Degree College Pawki Devi	Pawki Devi, Tehri Garhwal, PIN – 249192	Dr. Sangeeta Bahuguna (9412110268, 8218809617)
18.	11135	Mahayogi Gurugorakhnath Degree College Bithyani	Bithyani (Yamkeshwar), Chai Damrada, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246121	Sh. Ram Singh Samant (7409150642)
19.	11136	Sri Gulab Singh Rajkiya Mahavidyalaya Purodi	Mussoorie Road, Chakrata, Distt. Dehradun Pin - 248123	Dr. Sunil Kumar (9639830380)
20.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Swami Omkaran and Saraswati Marg, Muni ki Reti, P.O. Shivananda Nagar, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192	Mr. Naveen Dwivedi (9012578030; 0135-2431920, 2442085)
21.	11137	Jagannnath Vishwa College	Majri Grant, Lal Tapper, Doiwala, Distt. Dehradun, PIN – 248140	SH. Vikram Singh (9997221256 , 7055661122)

22.	11138	S D M Government Post Graduate College	Bhaniyawala, Doiwala Distt. Dehradun, Pin – 248001	Dr. Sumit Kumar Kuriayal (9456556249)
23.	11139	Nav Chetna College	Near Bala Sundari Temple, Manduwala, Dehradun, Pin – 248007	Shri Deepak Badoni (7895929760)

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul, Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar, PIN – 249408	Sh. Tara Singh (9358222796)
2.	12004	Swami Darshnananda Institute of Management & Technology	Gurukul Mahavidhyalay, Jwalapur, Haridwar, PIN – 249407	Dr. JaiLaxmi (8791313033)
3.	12008	BSM PG College Roorkee	Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247 667	Sh. Rajnish Sharma (9837006200)
4.	12011	RMP PG College Roorkee	Gurukul Narsan, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247670	Dr. Savendra Singh (9412465331)
5.	12012	Chaman Lal Degree College Landhaura	Landhaura, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Upadhyay (9997998050)
6.	12020	Vidhya Vikasini Degree College of Management & Technology	Gurukul Narsan , Haridwar, PIN – 247670	Dr. Priya Chaturvedi
7.	12022	City Degree College Of Management & Technology	Mohalla Sot Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Mr. Shubhdeep Verma (7351176648, 9837104233)
8.	12034	Kunti Naman Degree College	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, Roorkee, Distt. Haridwar	Sh. Narendra Kumar (9719925486)
9.	12037	Babu Ram Degree College	7 KM. Milestone, Roorkee-Dehradun Highway, Saliyar, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Sh. Yogesh Kumar Kashyap (9997969588)
10.	12042	Government P.G College Kotdwar	Kotdwar, Distt- Pauri Garhwal PIN – 246149	Dr. Praveen Joshi (Coordinator) (9412025727)
11.	12047	Roorkee Divya Yog Sanshthan	Chudiyala Road, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar	Mr. Amit Kumar (9837179363)
12.	12058	Sai Institute	Govindpuri, Haridwar, Distt. Haridwar, PIN – 249401	Sh. Sanjeev Sharma (9368421419)
13.	12061	Mohini Devi Degree College	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram), Roorkee, Distt. Haridwar, Pin – 247667	Ms. Maneesha Singhal (8445003279)
14.	12072	Pilot Baba Institute	Dakash Road, Kankhal, Jagjitpur, Haridwar, PIN – 249408	Dr. Vishwas Chand (9286093196)
15.	12076	Mahendra Singh Degree College	Budhwa Shahid, Buggawala, Haridwar	Dr. Roma (9760810025)
16.	12078	Government Degree College	Manglour, Near Manak Chowk, Distt. Haridwar	Dr. Anurag (9690423852)
17.	12079	Hariom Saraswati P.G. College	Dhanauri, Distt. Haridwar	Dr Sharad Kumar Pandey (9012271593)
18.	12080	H E C Group of Institutions	Laksar Road Jagjeetpur Haridwar, PIN – 249408	Dr. Mausmi Goel (9358222793)
19.	12081	Jhanvi Ayurveda Evam Yog Sansthan	Haripur Kalan, Near Prem Vihar Chowk, Haridwar, Pin – 249410	Sh. Manoj Sharma (9411450656)
20.	12082	Sita Ram Degree College	Sunhera, Roorkee, Distt. Haridwar Pin – 247667	Sh. Arvind Vedwan (9557555776)
21.	12083	Rishi Yog Sansthan	Purvi Nath Nagar, Jwalapur, Haridwar, Pin – 249407	Sh. Vishal Mahindru (7417883329)
22.	12084	Pherupur Degree College	Pherupur (Ramkhera) Distt. Haridwar, Pin – 249404	Sh. Naveen Kumar (7533879579)
23.	12085	Swami Vivekanand College of Education	Matlabpur, Near Guru Ram Rai Public School, Dehradun Road Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Bhadula (9027571658)
24.	12086	Uttarakhand Sanskrit Academy	Ranipurjhal, Jwalapur, Distt. Haridwar, PIN – 249407	Dr. Harish Chandra Gururani (9837149064)

25.	12087	Mahaila Maha Vidhyalaya P.G. College	Satikund, Kankhal, Distt. Haridwar, PIN – 249404	Dr. Meenakshi Gupta (8126806863)

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14003	Government Degree College	Degree College Vedikhal (Pauri Garhwal)	Dr. Avtar Singh Negi (8755882229)
2.	14005	Govt. P.G. College Lansdowne	Lansdowne (Pauri Garhwal), Jaiharikhal, PIN – 246193	Dr. Diwakar Chandra Bebni (9410114009)
3.	14009	H.N.B. Garhwal Central University Campus	Srinagar, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246001	Dr. M C Purohit (7055397380)
4.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Agastyamuni, Distt. Rudraprayag, PIN – 246421	Dr. L D Gagrya (9412935904)
5.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	Chandrabadni, Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) PIN - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht (9639424193)
6.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Nagnath Pokhari, Distt. Chamoli, PIN – 246473	Dr. Sanjeev Kumar Juyal (9412115761)
7.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College	Nainidanda Patotia, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246277	Dr. Vivek Kumar Kedia (8755614449)
8.	14049	Government Degree College Thalisain (Pauri)	Thalisain Patti, Choprakot, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246285	Dr. Jagsish Chandra Bhatt (9411319412)
9.	14050	Government Degree College Chaubattakhal	Chaubattakhal, Chamnau Post, Garhwal, Pin – 246162	Dr. Praveen Kumar Dhobal (9690636549)
10.	14051	Government Degree College Mazra Mahadev	Mazra Mahadev, Sunar Gaon, Chaura, Distt. Pauri Garhwal, PIN - 246130	Dr. Rakesh Chandra Joshi (9760785039)

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15016	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi	Near Azad Maidan/ Police Kotwali, Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Devendra Dutt Painuly (9410781617)
2.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, Pratapnagar, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249165	Dr. Bharat Singh Chufal, 9557661778
3.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Barkot, Distt. Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Vijay Bahuguna (9456300001)
4.	15028	Government Degree College Thatyur	Thatyur, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249180	Dr. Kunwar Singh (7895435281)
5.	15029	Government Post Graduate College New Tehri	New Tehri, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249001	Dr. D P S Bhandari (9412921719)
6.	15030	B L J Govt. Degree College Purola	Purola, Distt. Uttarkashi, PIN – 249185	Sh. Krishna Dev Raturi (9639825252)

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre, Open University, HQ	University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Dinesh Kumar (9837875234)
2.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Pankaj Pandey (7055500715)
3.	16022	PNG Government PG College	Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Dr. Kiran Kumar Pant (9410779508)
4.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, Distt. U.S Nagar, PIN - 263153	Dr. Harish Chadra (997803455)

5.	16034	M.B.P.G College	Nainital Road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Rashmi Pant (9411162527)
6.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Basai, Peerumadara, Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Mr. Jitendra Joshi (9927083058)
7.	16052	Radhey Hari Government Degree College Kashipur	Kashipur, Distt. U.S Nagar, PIN – 244713	Dr. Mahipal Singh (9412518666, 7830587872)
8.	16071	Govt. Degree College Kotabagh	Selsiya, Chak Dhauladi , Kotabagh, Distt. Nainital, PIN – 263159	Dr. H. C Joshi (9456780252)
9.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, Dhari, Distt. Nainital, PIN – 263136	Dr. R S Bhakuni (9412364210)
10.	16090	H.N.B. Govt. PG College	Near Telephone Exchange, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Dr. Ashutosh Kumar (9412986341)
11.	16097	Pal College of Technology and Management	RTO Road Kusumkhera, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Mr Bhanu Bisht (8477973333)
12.	16099	AIM Institute of Hotel Management	Bareilly Road, Goraparao, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263 139	Sh. Kamal Tiwari (7351720222)
13.	16100	Chanakya Law College	Bhamrola, Kichha Road Rudrapur , District-Udham Singh Nagar, PIN – 263153	Ms. Deepakshi Joshi (8057203116)
14.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Banbasa, Chandani, Tanakpur, Distt.-Champawat, PIN – 262310	Dr. B N Dixit (9473900123, 9410101810)
15.	16103	Dr. Susheela Tiwari Institute of Hotel Management	Rampur Road Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Kamlesh Harbola (9808104954)
16.	16104	Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Vimal Katiyar (9897110510)
17.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Tanakpur,Distt- Champawat, Pincode-262309	Dr. Sunil Kumar Katiyar (8126222894)
18.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College	Nawabi Road, Haldwani, Distt – Nainital, PIN – 263139	Dr. Fakeer Singh (9412504182)
19.	16118	Govt. Degree College Sitarganj	Sisouna, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262405	Dr. Rajvinder Kaur (8279688114)
20.	16119	R.L.S Memorial Degree College Jaspur	NH-74, Afzalgarh Road Kishanpur Teh-Jaspur	Mohd. Salim (7351986736)
21.	16120	Govt. P G College Rani Nangal	Rani Nangal, Fauzi Colony, Bazpur, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Satya Prakash Sharma (9412929795)
22.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College	Chintimazra, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Shivendra (9634246369)
23.	16122	Government Degree College Patlot	Patlot, Distt. Nainital	Dr. Abha Tripathi (8126487969)
24.	16123	Lal Bahadur Shastri Government Degree College	Halduchaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Sunil Pant (9412017307)
25.	16124	Vasudev College of Law Lamachaur	Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Madhevi Joshi (758395228)
26.	16125	MIET Kumaun Engineering College	Lamachaur, Haldwani , Distt. Nainital Pin – 263139	Sh. Tarun Kumar (9720615304)
27.	16126	Devsthali Vidyapeeth (Department of Professional Education)	Kachchi Khamariya, Lalpur, Kichcha Rudrapur Road Rudrapur, Distt. Udham Singh Nagar, PIN -263148	Sri Gurpreet Singh (9917130150)
28.	16127	Aman Education Trust (Educity Institute)	Majhola, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Sh. Jagjeet Singh (9719595193)
29.	16128	Govt. Degree College, Kichha	Kichha, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 263148	Dr. Naresh Kumar (9412451665, 7454859510)

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt. P.G. College Ranikhet	Ranikhet, Distt. Almora, PIN – 263645	Dr. J S Rawat (9410958526)

2.	17013	Govt. P.G. College Dwarahat	Dwarahat, Distt. Almora, PIN – 263653	Dr. Nazish Khan (9897443821)
3.	17030	Government Degree College Karanprayag	Karanprayag, Distt. Chamoli, PIN – 246444	Dr. Ramesh Chandra Bhatt (9456153590)
4.	17059	Government Degree College Bhikiyasen	Bhikiyasen, Ranikhet Sadar Bazar	Dr. Kamal Kishore (9760433632)
5.	17062	Govt. Degree College Chaukhutia	Chaukhutia (Ganai) Distt. Almora, PIN – 263656	Dr. Siraz Ahmad (9917314786)
6.	17063	Government Degree College Gairsain	Gairsain, Distt. Chamoli, Pin – 246428	Dr. Ram Chandra Singh (7895973342)
7.	17065	Govt. Degree College Bhatronjkhan	Bhatronjkhan, Distt. Almora, PIN – 263646	Dr. Ajay Kumar (7500938912)
8.	17066	S.R.D.U. government P.G. College	Manila, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Yogesh Chandra (7248455032)
9.	17067	Government Post Graduate College Siyalde	Siyalde, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Gokul Singh Satyal (9410184248)
10.	17068	Government Post Graduate College Gopeshwar	Gopeshwar, Distt. Chamoli, PIN – 246401	Dr. Akhilesh Kukreti (9528021480)
11.	17069	Kumaun University S.S.J. Campus	Almora, Distt- Almora, PIN – 263601	Prof. P S Bisht (9412092013)
12.	17070	Shri Ram Singh Dhoni Government Degree College	Jainti, Distt. Almora, PIN – 263626	Prof. Neeta Pande (9412084016)
13.	17071	Hukum Singh Bora Govt. Degree College	Someshwar, Distt. Almora PIN – 263637	Dr. Chandra Prakash Verma
14.	17072	Government Degree College Nandasain	Malai, Distt. Chamoli, PIN – 246487	Dr. Amar Chand Vishwakarma
15.	17073	Government Degree College Gurudabaj	Gurudabaj, Tehsil Bhanoli, Distt. Almora, PIN – 263623	Dr. Manju Chandra (9410309610)

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18002	L .S. M. Govt. P.G. College Pithoragarh	Pithoragarh ,Distt. Pithoragarh, PIN – 262502	Dr. Jeevan Singh Garia (9412344737)
2.	18004	Govt. P.G. College Narayan Nagar	Narayan Nagar, Distt. Pithoragarh, PIN – 262550	Dr. Pramod Kothari (9412093637)
3.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Chori, Lohaghat, Distt. Champawat, Pin – 262524	Dr. Dharmendra Rathor (9412032748)
4.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. B P Oli (9412042292)
5.	18031	Govt. Degree College Dharchula	Baluwakote, Dharchula, Distt. Pithoragarh, PIN – 262576	Dr. Jagat Singh Kathayat (9412952139)
6.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt. Pithoragarh, PIN–262531	Dr. J N Pant (9756536121, 9411347657)
7.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, Distt. Pithoragarh, PIN–262522	Dr. Shashi Pratap Singh (7248508011, 9453466892)
8.	18035	Govt. Degree CollegeGanai Gangoli	Ganai Gangoli, Distt. Pithoragarh, PIN – 262532	Dr. Munish Kumar Pathak (9690770069)
9.	18036	Govt. Degree College Muwani	Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262572	Dr. Ashish Kumar Gupta (9336076924, 8392897587)
10.	18037	Govt. Degree College Amodi	Amodi, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. Sanjay Kumar (9412943265)

11.	18038	Government Degree College Munsyari	Munsyari, Distt. Pithoragarh, PIN – 262554	Dr. Pradeep Mandol (9091949198)
12.	18039	Government Degree College Devidhura	Kanvad, Devidhura, Distt. Champawat, PIN – 262580	Dr. S K Singh (8006759831)

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt. P.G. College Kathayatbara	Kathayatbara , Distt. Bageshwar, PIN - 263642	Dr. Lalit Mohan (9410965615)
2.	19016	Late Chandra Singh Shahi Govt. Degree College Kapkot	Ason, Kapkot, Distt. Bageshwar, PIN – 263632	Dr. Munna Joshi (9690114546)
3.	19022	Govt. Degree College Kanda	Kanda, Distt. Bageshwar, PIN - 263631	Prof. Dinesh Joshi (8755086027)
4.	19023	Govt. PG College Talwari	Talwari, Tharali, Distt. Chamoli, PIN – 246482	Sh. Shankar Ram (7017143861, 9456175089)
5.	19024	Govt. Degree College Garur	Garur, Distt. Bageshwar, Pin – 263641	Dr. Awadesh Tiwari (9997575114)

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.

कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)